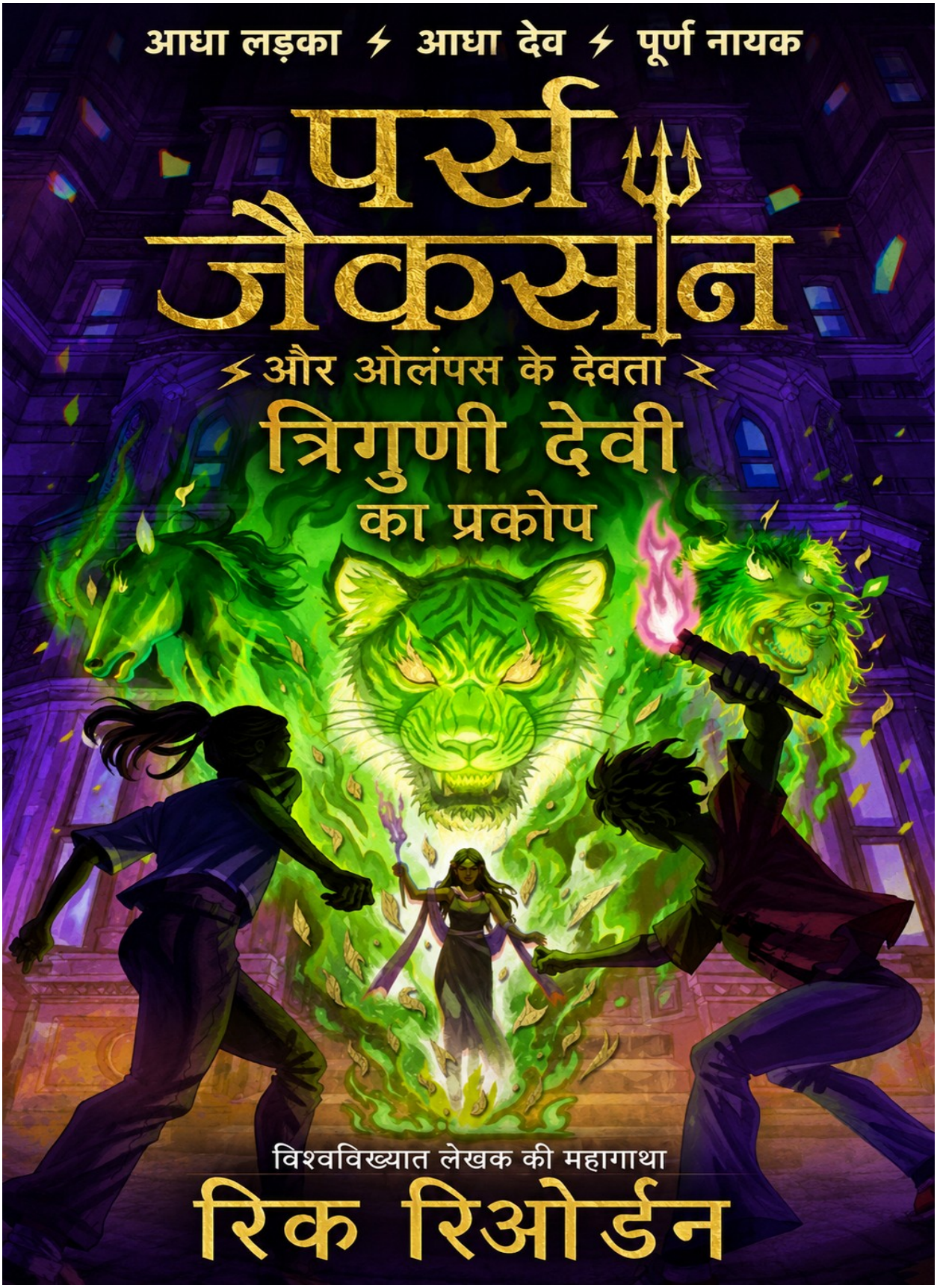
आधा लड़का ⚡ आधा देव ⚡ पूर्ण नायक
पर्सी जैक्सन
और ओलंपस के देवता
त्रिगुणी देवी
का प्रकोप
विश्वविख्यात लेखक की महागाथा
रिक रिओर्डन

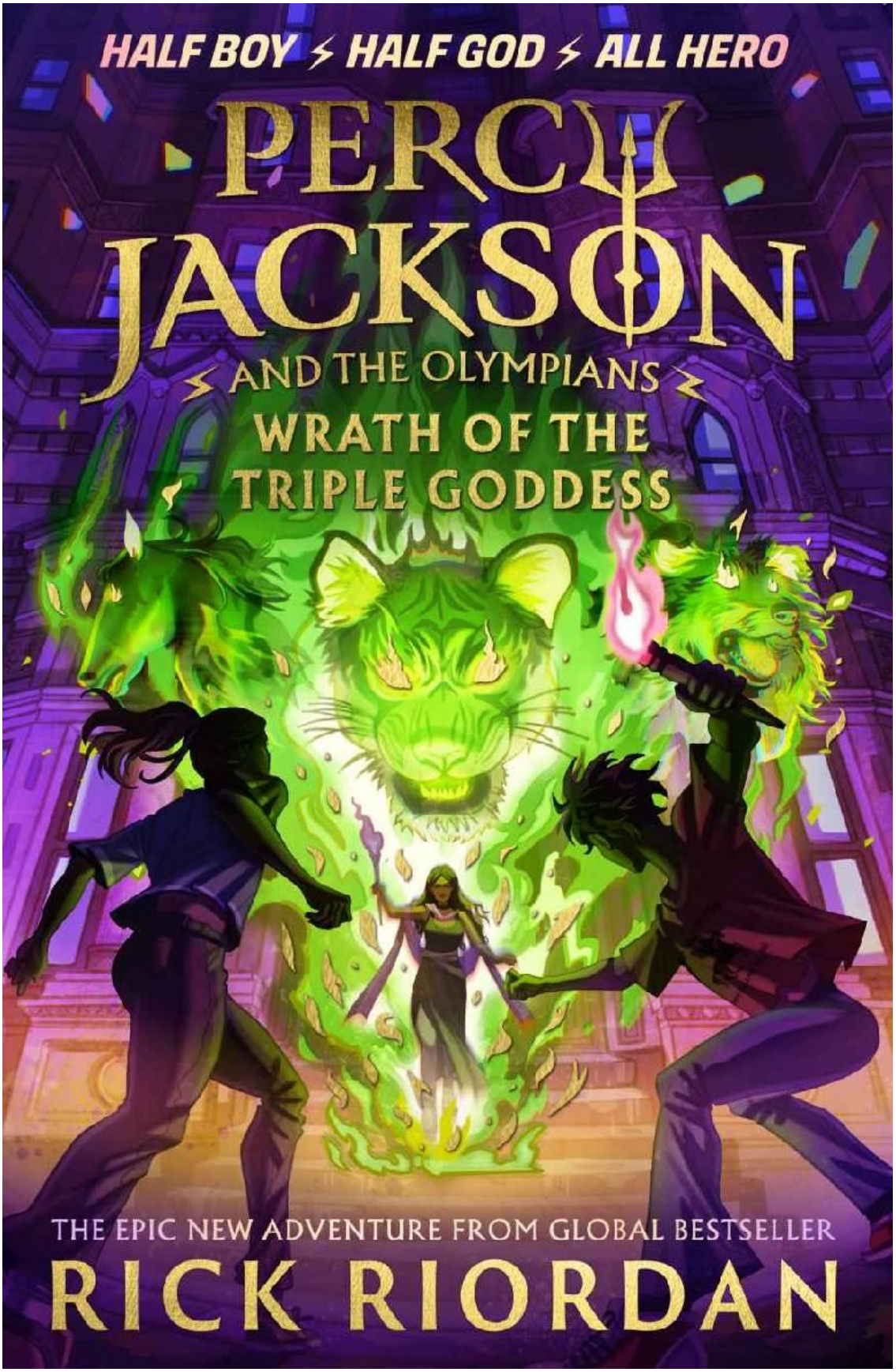
HALF BOY ⚡ HALF GOD ⚡ ALL HERO
PERCY JACKSON
AND THE OLYMPIANS
WRATH OF THE TRIPLE GODDESS
THE EPIC NEW ADVENTURE FROM GLOBAL BESTSELLER
RICK RIORDAN

लेखक के बारे में
रिक रिओर्डन (वह/उनका), जिन्हें पब्लिशर्स वीकली ने 'देवताओं का कहानीकार' कहा है, न्यूयॉर्क टाइम्स की पांच नंबर एक बेस्टसेलिंग श्रृंखलाओं और नंबर एक बेस्टसेलिंग उपन्यास 'डॉटर ऑफ द डीप' के लेखक हैं। वे अपनी 'पर्सी जैक्सन एंड द ओलंपियंस' पुस्तकों के लिए जाने जाते हैं, जो समकालीन पाठकों के लिए ग्रीक पौराणिक कथाओं को जीवंत कर देती हैं। इस श्रृंखला की पहली पुस्तक, 'द लाइटनिंग थीफ', ने कई पुरस्कार जीते हैं और इसे एक फीचर फिल्म, एक ग्राफिक उपन्यास, एक ब्रॉडवे संगीत और डिज्नी+ पर एक लाइव एक्शन श्रृंखला में रूपांतरित किया गया है, जिसका रिक ने सह-लेखन और कार्यकारी निर्माण किया है।
पर्सी जैक्सन की दुनिया में हाल ही में शामिल हुई पुस्तकें हैं: द सन एंड द स्टार: ए निको डि एंजेलो एडवेंचर, जिसे रिक ने पुरस्कार विजेता लेखक मार्क

ओशिरो के साथ मिलकर लिखा है, और पर्सी जैक्सन एंड द ओलंपियंस: द चैलिस ऑफ द गॉड्स। रिक, डिज़्नी हाइपरियन के एक प्रकाशन 'रिक रिओर्डन प्रेज़ेंट्स' के प्रकाशक भी हैं, जो विश्व संस्कृतियों और पौराणिक कथाओं पर आधारित मनोरंजक उपन्यास लिखने वाले अन्य लेखकों को खोजने के लिए समर्पित है। वे अपनी पत्नी और सह-निर्माता बेकी के साथ बोस्टन, मैसाचुसेट्स में रहते हैं। अधिक जानकारी के लिए, www.RickRiordan.com पर जाएं।
पर्सी जैक्सन की दुनिया की अन्य पुस्तकें
पर्सी जैक्सन और ओलंपियन
पुस्तक एक: बिजली चोर*
भाग दो: राक्षसों का सागर*
तीसरा भाग: टाइटन का अभिशाप*
भाग चार: भूलभुलैया की लड़ाई*
पुस्तक पाँच: अंतिम ओलंपियन*
देवताओं का प्याला: वरिष्ठ वर्ष के रोमांच, पुस्तक 1 द डेमीगॉड फाइल्स
पर्सी जैक्सन और ग्रीक देवता
पर्सी जैक्सन और ग्रीक नायक
कैंप हाफ-ब्लड कॉन्फिडेंशियल
ओलंपस के नायक
पुस्तक एक: खोया हुआ नायक* भाग दो: नेप्च्यून का पुत्र* तीसरा भाग: एथेना का चिह्न* पुस्तक चार: हेड्स का घर* पुस्तक पाँच: ओलंपस का रक्त
द डेमीगॉड डायरीज़
अर्धदेव और जादूगर
अपोलो के मुकदमे
पुस्तक एक: छिपा हुआ ओरेकल भाग दो: अंधकारमय भविष्यवाणी तीसरा भाग: जलती हुई भूलभुलैया भाग चार: अत्याचारी का मकबरा

पुस्तक पाँच: नीरो का टावर
कैंप जुपिटर वर्गीकृत
सूर्य और तारा: निको डि एंजेलो का एक साहसिक कार्य (मार्क ओशिरो के साथ) *ग्राफिक नॉवेल के रूप में भी उपलब्ध है

अंतर्वस्तु
1 • प्रधानाचार्य के कार्यालय में मेरा एक हादसा हो गया
2 • ग्रोवर को अत्यधिक मात्रा में कैफीन मिल जाता है
3 • मेरी प्रेमिका मुझे कब्रिस्तान ले जाती है
4 • पता चला कि मेरा स्वाद सैल्मन मछली जैसा है
5 • हम निषिद्ध आइसक्रीम की प्रयोगशाला में प्रवेश करते हैं 6 • कच्चे चिकन के अवशेष और उन्हें कहाँ से प्राप्त करें
7 • मैं डॉग-स्कीइंग करने जाता हूँ
8 • अंदाज़ा लगाओ क्या? नेवला का पिछवाड़ा
9 • सर्वनाश की गंध स्ट्रॉबेरी जैसी है
10 • मुझे ना सुनने को मिली
11 • हमारे पास अतिरिक्त आंसुओं वाला पिज्जा है
12 • मुझे एक पुराने दोस्त से सबक मिला
13 • मुझे अतिरिक्त समय और कैंडी कॉर्न मिलते हैं 14 • हमें कुछ मृत लोग मिले
15 • मैं कुत्तों के साथ कूटनीति में असफल रहा
16 • हेलहाउंड्स! एट द डिस्को
17 • ग्रोवर को घर में बंद कर दिया गया
18 • आई स्मेल ट्रबल™, पुरुषों के लिए एक नई खुशबू
19 • ओह! … मैंने तुम्हें फिर से मार दिया
20 • हम खतरनाक हद तक दिखावटी हो जाते हैं
21 • ग्रोवर ने फाइव-हूफ रिव्यू दिया
22 • एनाबेथ ने मैनेजर से मिलने की इच्छा जताई
23 • हमें बुरी सुगंध का अड्डा मिल गया
24 • हमारे पास एक अच्छा, व्यवस्थित मुक्त-प्रतियोगिता का माहौल है 25 • बीस्ट-ब्रेथ ब्लूज़ का कोई इलाज नहीं है

26 • ठीक है, शायद इसका कोई इलाज हो, लेकिन आपको यह पसंद नहीं आएगा। 27 • हम टूथपेस्ट खाते हैं
28 • मैंने एक बुरी योजना बनाई
29 • मुझे सारी मिठाइयाँ मिल जाती हैं
30 • हम युद्ध के लिए तैयार हैं
31 • हमें कुछ अलग-अलग मृत लोग मिले
32 • जिम्मेदारी सौंपना बेहद कारगर साबित होता है
33 • हम एक पारंपरिक तरीके से चुड़ैलों को जला रहे हैं। (यह हम ही हैं। हम ही हैं)
चुड़ैलें।)
34 • हम हेकेट और मृत मछलियों के लिए भी लड़ते हैं
35 • मैं अपनी ही मूर्खता के कारण बच गया
36 • मैं उत्सव में शामिल नहीं होता
37 • मैं बैंगनी आग से खेलता हूँ
38 • मैंने गलती से अपने मार्गदर्शक सलाहकार को द्रवीकृत कर दिया 39 • मुझे मेरी पसंदीदा मिठाई मिल जाती है

पर्क

जैक्सन ➤ और ओलंपियन

त्रिदेवियों का
क्रोध

रिक रिओर्डान

20th TV और Disney+ में हमारे दोस्तों को—
हम राक्षसों के सागर में यात्रा करने के लिए इससे बेहतर दल की कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

□□

□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□

□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ 86 □□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□-□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□

□□ □□□□ □□□□□, □□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□

□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□

□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□, □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□—□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□

आप सोच रहे होंगे कि हाई स्कूल के अपने आखिरी साल में एक शक्तिशाली अर्धदेव को सप्ताहांत में ट्यूशन जैसी मामूली मदद की क्या जरूरत होगी? शायद आप मुझसे मिले नहीं हैं। सबसे पहले तो, मैं डिस्लेक्सिया और एडीएचडी से ग्रस्त हूँ। पढ़ने और ध्यान देने जैसी छोटी-छोटी चीजें भी मेरे लिए कक्षा की खिड़की से कूदकर आग उगलने वाले सूअर से लड़ने से कहीं ज्यादा मुश्किल हैं। अजीब बात है कि शिक्षक ऐसे भयानक सूअरों को मारने पर अतिरिक्त अंक नहीं देते।
इसके अलावा, कुछ दखलंदाजी करने वाले देवताओं (हेरा) के कारण, एक ब्रह्मांडीय प्रलय (हेरा) की वजह से, कुछ ऐसे कामों में उलझ जाने के कारण, जिनमें हम अभी नहीं पड़ेंगे (हेरा), मैंने अपना पूरा जूनियर वर्ष गंवा दिया था।
तो मैं अल्टरनेटिव हाई स्कूल में था, एकमात्र ऐसी जगह जहाँ मुझे अपनी प्रेमिका के साथ कॉलेज जाने के लिए समय पर डिप्लोमा पूरा करने की अनुमति मिल रही थी। हेरा की गलती के बिना छूटे हुए सभी क्रेडिट की भरपाई करने के लिए, मुझे सप्ताहांत में कोर्स करने पड़े।
शनिवार को, मैं मैनहट्टन कम्युनिटी कॉलेज में डॉ. हर्नांडेज़ के साथ स्पेनिश की ड्यूल-क्रेडिट क्लास लेता था। रविवार को, मैं ऑनलाइन केमिस्ट्री की क्लास लेता था। सोमवार की सुबह, जब मुझे सच में आराम की ज़रूरत होती थी, मैं तेज़ सिरदर्द के साथ लड़खड़ाते हुए स्कूल पहुँचता था और अपने दिमाग को बेहाल किए बिना अपनी नियमित कक्षाओं को पूरा करने की कोशिश करता था।
कभी-कभार मेरी स्कूल काउंसलर, यूडोरा, अपने ऑफिस से बाहर आती और मुझे थम्स-अप करके इशारा करती, "तुम बहुत अच्छा कर रहे हो!"
लेकिन ज़्यादातर वो मुझे अकेला छोड़ देती थी। वो चुपके से एक नेरीड थी, जो मेरे पिता के लिए काम करती थी। मुझे लगता है कि मैंने उसे घबरा दिया था। या तो ऐसा था या फिर वो मुझसे पूछने से डरती थी कि कैसे।
मेरे कॉलेज के लिए सिफारिशें मिलने में कोई दिक्कत नहीं थी। मैंने गैनीमेड से संपर्क किया था और उनसे एक पत्र भी प्राप्त कर लिया था, लेकिन न्यू रोम यूनिवर्सिटी में प्रवेश पाने के लिए मुझे अभी भी दो और यूनानी देवताओं से सिफारिश की आवश्यकता थी।
और वे मुफ्त में तो आने वाले नहीं थे, जाहिर है।

मेरे आवेदन की अंतिम तिथि नजदीक आ रही थी, और माहौल शांत था।
बहुत सन्नाटा था। दरअसल, इतना सन्नाटा था कि मैं अंग्रेजी की क्लास में सो गया और मुझे तब तक पता ही नहीं चला जब तक कि टीचर मेरे ठीक ऊपर खड़ी होकर बोली, "पर्सी?"
मैं झटके से जाग गया। सौभाग्य से, मैंने अपनी तलवार नहीं निकाली।
“विषय!” मैंने चिल्लाकर कहा, क्योंकि सोने से पहले मैं इसी सवाल का जवाब देने की तैयारी कर रहा था। “विषय है स्वतंत्र इच्छा बनाम भाग्य।” श्रीमती फोरे ने भौंहें चढ़ाईं। बाकी छात्रों ने हंसने की कोशिश नहीं की। “तुम्हारी चाची दफ्तर में हैं।” श्रीमती फोरे ने मुझे एक नोट पकड़ाते हुए कहा। “वह तुम्हें लेने आई हैं।”
इसमें कई दिक्कतें थीं। पहली बात तो यह कि इससे मैं बेवकूफ जैसा लग रहा था — जबकि मैं मेट्रो से जाने में पूरी तरह सक्षम था, फिर भी मुझे परिवार के किसी सदस्य ने पिकअप किया। मेरे पास ड्राइविंग लाइसेंस भी था, हालांकि न्यूयॉर्क में गाड़ी चलाना मेरे अब तक के अधिकांश अभियानों से कहीं ज्यादा डरावना था।
दूसरा, अगर मैं स्कूल से जल्दी निकल जाता, तो इसका मतलब होता छूटे हुए काम को पूरा करना और चिड़चिड़े शिक्षकों से मिलना।
तीसरी बात, मेरी कोई चाची नहीं थी। कम से कम, मेरे परिवार के मानवीय पक्ष से तो नहीं।

…

मैंने श्रीमती फोरे से माफी मांगते हुए कुछ बुदबुदाया, अपने गाल से लार पोंछी और दफ्तर की ओर चल पड़ा। मुझे अंदर से महसूस हो रहा था कि मैं स्वतंत्र इच्छा और भाग्य के बीच के अंतरात्मा के उस तर्क का इस्तेमाल कर पाऊंगा। ऐसा लग रहा था मानो यही मेरे जीवन का मूलमंत्र हो।
जब मैं काउंसलर के कार्यालय के पास से गुजरी, तो यूडोरा ने अपना सिर बाहर निकाला और चौंक गई।
“हाय,” मैंने कहा। “क्या आप इसके बारे में कुछ जानते हैं—?”
“चुप रहो! मैं यहाँ नहीं हूँ!” उसने अपना दरवाजा बंद कर लिया।
यह बात थोड़ी अजीब थी, यहाँ तक कि उसके लिए भी। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या नेरीड्स ग्राउंडहॉग्स की तरह होती हैं। शायद अगर वे अपने मांद से सिर बाहर

निकालते समय अपनी परछाईं देखती हों, तो इसका मतलब छह और हफ्तों तक शीतनिद्रा में रहना होता हो।
जब मैं रिसेप्शन डेस्क पर पहुंचा, तो सचिव वहाँ जम सी गई, कहीं घूर रही थी।
उसने प्रधानाचार्य के कार्यालय की ओर इशारा किया और बुदबुदाई,
वे इंतजार कर रहे हैं।
सचिव मंत्रमुग्ध सी लग रही है। शायद यह अच्छा संकेत नहीं है।
मैंने प्रधानाचार्य के दरवाजे पर अपनी उंगलियों से खटखटाया। वह चरमराते हुए खुला। अंदर, डॉक्टर...
सैमुअल्स अपनी डेस्क पर बिना हिले-डुले बैठी थी, उसकी आँखें बेजान थीं।
उसके बगल में एक व्यक्ति खड़ा था।
गहरे रंग के स्लीवलेस गाउन में एक अधेड़ उम्र की महिला। उसके गले में हीरों की एक माला चमक रही थी। उसके बाल काले गुच्छों का एक घना समूह थे, जो हरे रंग की आग के प्रभामंडल से घिरे हुए थे।
लाल बाल। यह तो बिल्कुल भी अच्छा संकेत नहीं है।
“अहा, अच्छा,” काले कपड़े पहनी महिला ने कहा। उसने प्रधानाचार्य की ओर देखा। “अब आप जा सकते हैं।”
डॉ. सैमुअल्स उठीं और दरवाज़ा बंद करके चली गईं। मुझे लगा कि मेरे स्कूल के प्रशासक पौराणिक पात्रों द्वारा उनकी नौकरियां छीने जाने से काफी परेशान होने वाले हैं। पहले यूडोरा मेरी मार्गदर्शक सलाहकार बनीं। अब यह काले कपड़ों वाली महिला प्रधानाचार्य के कार्यालय में आ रही थी।
एक दिन मुझे पता चलेगा कि हमारे खेल निदेशक की जगह एक विष-सांस लेने वाले अजगर ने ले ली है... हालांकि दोबारा सोचने पर, मुझे यकीन नहीं है कि किसी को फर्क पता चलेगा।
काले वस्त्र पहने महिला प्रधानाचार्य की कुर्सी पर बैठ गई। उसने अपने हाथों को कुर्सी के आर्मरेस्ट पर फेरा, मानो अपने नए सिंहासन का जायजा ले रही हो। उसे यह कुर्सी संतोषजनक लगी। इससे पहले कि वह पागलों की तरह हंसने लगे या यह कहने लगे कि अब स्कूल पूरी तरह से उसका है, मैंने सोचा कि मुझे बोलना चाहिए।
“हाय,” मैंने कहा। मुझे शब्दों का अच्छा प्रयोग करना आता है।

“पर्सी जैक्सन, आप खड़े रह सकते हैं।” उसने प्यार से अपनी उंगलियाँ टूटी- फूटी फॉर्मिका की मेज पर फिराईं। “मुझे नहीं लगता कि इसमें ज्यादा समय लगेगा।”
मैंने उन कई तरीकों के बारे में न सोचने की कोशिश की जिनसे वह मुझे पल भर में मार सकती थी। "और तुम कौन हो—?"
मेरा इरादा असभ्य लगने का नहीं था। कभी-कभी, देवता अपना परिचय देना भूल जाते हैं, और मुझे शक होने लगा था कि यह महिला भी देवताओं की श्रेणी में आती है, जो हद से ज़्यादा शक्तिशाली और परेशान करने वाली होती है।
उसकी काली आँखें चमक उठीं। वह आगे झुकी और अपनी उंगलियों को आपस में फंसा लिया, मानो वह मेरी असली प्रधानाचार्य से भी ज़्यादा किसी प्रधानाचार्य जैसी लग रही हो। "तुम मुझे मशाल वाहक, तारामंडल यात्री, रात्रि परिभ्रमणकर्ता, मृतकों को विचलित करने वाली, पर्सिस और एस्टेरिया की पुत्री, त्रिदेवी कह सकते हो!"
“हम्म,” मैंने कहा, मुझे अभी भी कुछ समझ नहीं आ रहा था।
आप शायद सोच रहे होंगे, पर्सी, तुम तो सालों से यूनानी देवताओं के साथ काम कर रहे हो। तुम उसे कैसे नहीं जानते?
असल बात यह है कि अमर लोग अपना रूप बदलते रहते हैं। और यूनानी देवता तो सैकड़ों हैं। साथ ही, वे सीधे-सीधे जवाब देने से कतराते हैं। वे कभी भी यह नहीं कहते, "हाय, मैं ज़्यूस हूँ।" वे हमेशा कहते हैं, "मैं गर्जन करने वाला, शक्की मुखिया, स्वर्ग का व्यभिचारी, बिजली की पैंट वाला, और शानदार दाढ़ी उत्पादों का राजा हूँ।"
तीन देवियों वाली बात ने मेरे मन में कहीं न कहीं एक याद ताजा कर दी, लेकिन ग्रीक पौराणिक कथाओं में तो तीन देवियों की भरमार है: भाग्य की देवियाँ, धूसर बहनें, क्रोध की देवियाँ, नियति की संतानें। मैं उन सभी को याद नहीं रख सकती।
मैंने देवी के स्पष्टीकरण का इंतजार किया। यही सबसे सुरक्षित तरीका लगा। उसने भौंहें चढ़ा लीं। शायद वह इस बात से चिढ़ गई थी कि मैंने उसके सामने गिड़गिड़ाया या कोई भेंट नहीं चढ़ाई या ऐसा कुछ नहीं किया।
“मैं हेकेट हूँ,” उसने ऊँची और धीमी आवाज़ में कहा। “जादू, चौराहों और तंत्र-मंत्र की देवी?”

मेरी ज़बान जम गई। मैं हेकेट से औपचारिक रूप से कभी नहीं मिली थी, लेकिन मैं उसके काम से परिचित थी। मुझे उसकी कुछ मशहूर रचनाएँ याद थीं, जैसे "मैं मैनहट्टन की लड़ाई के दौरान क्रोनोस के साथ शामिल हुई (लेकिन फिर पाला बदल लिया)" और "मैंने तुम्हारी दोस्त हेज़ल को एक दानव से लड़ने में मदद की (लेकिन तभी जब मुझे पता चल गया कि दानव हार जाएँगे)।"
हेकेट मुझे हमेशा से एक टीम प्लेयर के रूप में नजर आती थी—जैसे ही उसे यकीन हो जाता था कि कौन सी टीम जीतेगी।
“ठीक है,” मैंने कहा। “लेडी हेकेट।”
मेरी लगातार चापलूसी न करने की आदत उसे पसंद नहीं आई। खैर, उसे इसे स्वीकार करना ही पड़ेगा। मैं चापलूसी करने में माहिर नहीं था।
“मुझे लगता है कि आपने कुछ सप्ताह आराम किया होगा?” उसने पूछा। “क्या अन्य देवताओं ने मेरी इच्छा के अनुसार आपको अकेला छोड़ दिया है?”
“मैं—रुको। जैसा आपने कहा था?”
उसने धुंआ हटाने के अंदाज़ में हाथ हिलाया। “मैंने उनसे कहा था कि वे तुमसे दूर रहें। मैं यह जोखिम नहीं उठा सकती थी कि मेरी खोज पूरी करने से पहले तुम्हें कोई नुकसान पहुंचे या तुम्हारी जान चली जाए!”
मेरे नाखूनों ने मेरी हथेलियों पर गहरी लकीरें बना दीं।
मुझे अपनी प्रेमिका एनाबेथ की कही एक बात याद आई: किसी भी दिव्य प्राणी से क्रोध में कुछ भी कहने से पहले हमेशा पांच तक गिनें।
सैद्धांतिक रूप से इससे मेरे जलते हुए कोयले के ढेर में बदलने की संभावना कम हो जाएगी।
मैं दो तक गिनने में कामयाब रहा। "क्या कोई और देवता भी थे जो मुझे कार्य सौंपना चाहते थे?"
“ओह, हाँ। कई।”
और आपने उनसे कहा…
“तुम मेरे लिए वर्जित थे। मुझे इस सप्ताह तुम्हें तरोताजा रखना था!” मेरे दिमाग में प्राचीन यूनानी भाषा के कुछ अपशब्द कौंध गए।
मुझे केवल दो और अनुशंसा पत्रों की आवश्यकता थी। जाहिर तौर पर, मैं अब तक दोनों प्राप्त कर सकता था, सिवाय इसके कि हेकेट ने मुझे खतरे से बचा लिया था।
सफलता।

इस बार मैंने जवाब देने से पहले तीन तक गिना। मैं सुधार कर रहा था। "और ये दूसरे प्रश्न क्या होते—?"
“ये सब तुम्हारे समय के लायक नहीं!” हेकेट ने ज़ोर देकर कहा। “एफ़्रोडाइट के लिए कपकेक का एक बॉक्स लाना। हर्मेस के साथ वाटरस्कीइंग का एक दिन बिताना। ये सब तो बहुत ही आसान है!”
वॉटरस्कीइंग और कपकेक। मैंने चीखने का फैसला नहीं किया, क्योंकि अगर हेकेट इतनी डरावनी थी कि बाकी सभी देवता मुझसे दूर रहे, तो वह हद से ज्यादा डरावनी थी।
और आपका यह प्रयास… मेरे समय के योग्य है।
“बिल्कुल! आपका काम यही होगा—”
“ज़रा रुको।” मेरे मन में एक लाल बत्ती जल उठी… एक चेतावनी, एक याद? कुछ ऐसा जो यूडोरा ने मुझे बताया था। ओह, हाँ…
मैंने कहा, "मेरे काउंसलर ने मुझे बताया कि मुझे किसी भी मिशन पर जाने से पहले ड्यूल क्रेडिट के लिए आवेदन करना होगा। ताकि अगर रास्ते में मुझे किसी और देवता की सेवा करनी पड़े, तो वे भी मेरे लिए सिफारिशी पत्र लिख सकें।"
हेकेट ने उदारतापूर्वक अपनी बाहें फैलाईं। "कोई बात नहीं!"
"महान।"
"क्योंकि जो काम मैं तुमसे करने को कह रहा हूँ उसमें कोई और देवता शामिल नहीं होंगे, इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा!"
वह ऐसे मुस्कुरा रही थी मानो धन्यवाद की प्रतीक्षा कर रही हो।
“मकसद क्या है?” मैंने बुदबुदाते हुए कहा।
"पालतू जानवर का बैठक - स्थल।"
"माफ़ करें?"
“पालतू जानवरों की देखभाल! आज रात से शुक्रवार शाम तक, आप मेरे घर पर रहेंगे और मेरे जानवरों की देखभाल करेंगे। जैसा कि आप जानते हैं, यह साल का एक महत्वपूर्ण समय है मेरे लिए।”
“क्योंकि… ओह, शुक्रवार। हैलोवीन।”
यह स्वाभाविक था कि डरावनी चीजों की देवी ने उस तारीख को अपने कैलेंडर पर चिह्नित किया होगा। समस्या बस इतनी थी कि मेरे और मेरे दोस्तों के पास शुक्रवार के लिए पहले से ही योजनाएँ थीं।

“हाय…” हेकेट ने आह भरी। “मेरे पवित्र दिन हर महीने के अंत में होते थे। मैं दुनिया भर में घूमती थी और अपने भक्तों द्वारा अपने दरवाज़ों पर छोड़े गए उपहार इकट्ठा करती थी। पिछली कुछ शताब्दियों में, चढ़ावे बहुत कम हो गए हैं। लेकिन अक्टूबर के अंत में, लोग मुझे अभी भी याद करते हैं! इसलिए मुझे दुनिया भर में घूमना होगा और अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। मेरे जाने के दौरान, तुम्हें मेरे नरक के कुत्ते और नेवले की रक्षा करनी होगी।”
उस कथन में बहुत कुछ समझने को था। मेरा मुख्य निष्कर्ष यह था कि हेकेट हैलोवीन मनाने जा रही थी। उसे ऐसा लगता था मानो हैलोवीन का त्योहार सिर्फ उसी के लिए बना हो।
एक तरफ तो यह ईश्वर-समान आत्ममुग्धता थी।
दूसरी ओर, मैं भला एक देवी और उसके टॉट्सि रोल्स के बीच खड़ा होने वाला कौन होता?
“तो, ये पालतू जानवर…” मैंने कहा। “मैं हेलहाउंड्स के बारे में थोड़ा बहुत जानता हूँ। लेकिन पोलकैट्स…”
…क्या वे पोलकैट का चारा खाते हैं? क्या मुझे इसके बारे में कुछ जानना चाहिए?
हेकेट मुस्कुराई। "बहुत सी बातें। लेकिन हम इस बारे में बाद में बात करेंगे।"
उसने एक काला बिजनेस कार्ड निकाला और उसे मेज पर सरका दिया।
सामने की तरफ, ताज़े खून की तरह चमकीले लाल रंग में, एक पता लिखा था: द मैनसे, ग्रामर्सी पार्क वेस्ट।
“सूर्यास्त के समय आ जाना,” उसने कहा। “फिर मैं तुम्हें अपने पालतू जानवरों को स्वस्थ और खुश रखने के नियम समझा दूंगी।”
“आज शाम सूर्यास्त होगा…”
उसने भौंहें चढ़ा लीं। “क्या तुम्हारे कानों में पानी भरा है? हाँ। आज रात। तुम अपने उन दोस्तों को ला सकते हो… अन्ना और ग्रोवरबेथ।”
काफी हद तक सही, मैंने सोचा।
“ठीक है, मैं कर दूंगा,” मैंने कहा, क्योंकि मेरे पास और कोई विकल्प था ही नहीं? लेकिन मेरी आवाज़ में शायद कोई उत्साह नहीं झलक रहा था।
हेकेट अपनी मेज से उठीं। “पर्सी जैक्सन, मैं तुम्हें अपनी ओर से सिफारिशी पत्र प्राप्त करने का अवसर दे रही हूँ: एक प्रमुख देवी, मशाल वाहक—”

“स्टार वॉकर, हाँ, मैं समझ गया। बस मुझे अपने शेड्यूल में कुछ बदलाव करने होंगे…।”
हेकेट ने अपनी बाहें ऊपर उठाईं। उसके वस्त्र की सिलवटों से अंधेरा फैल गया, जिससे कमरा स्याही जैसे घने कोहरे से भर गया। “पर्सी जैक्सन, यह एक आसान काम होगा। अगर तुम सफल हुए, तो मैं तुम्हारी आभारी रहूंगी। लेकिन अगर तुम मुझे निराश करोगे, तो…”
उसका शरीर झिलमिला उठा और फैल गया। अचानक, मैं तीन अलग-अलग देवियों को देख रहा था, जो धड़ से इस तरह जुड़ी हुई थीं जैसे एक ही अंगूठी में जड़े रत्न। बाईं ओर, दूधिया सफेद त्वचा और प्लैटिनम-ब्लॉन्ड बालों वाली एक लड़की ने मुझे ऐसी तीखी निगाहों से घूरा जैसे कह रही हो, "हिम्मत है तो मेरी चोटियाँ खींचो।" बीच में वही हेकेट खड़ी थी जिससे मैं बात कर रहा था—एक अधेड़ उम्र की महिला जिसका चेहरा इतना नाराज़ था जितना मैंने हेरा के यहाँ अपने पिछले ब्रंच के बाद से नहीं देखा था। दाईं ओर, राख जैसे बालों वाली एक झुर्रीदार बूढ़ी औरत ने मुझे गुस्से से देखा।
सच कहूं तो, मुझे यह पक्का नहीं पता था कि मुझे सबसे ज्यादा किस चेहरे से डर लगता है।
“मैं कन्या हूँ,” हेकेट ने तीन स्वरों के समूह में कहा। “मैं माँ हूँ। मैं वृद्धा हूँ। मैं एक स्त्री के जीवन के सभी चरण हूँ—उसकी सारी शक्ति—” और मैं किसी को भी अपने रास्ते में आने की हिम्मत नहीं करने दूंगा।
मेरे शरीर में एक कंपकंपी दौड़ गई। मेरे पैर कांपने लगे।
लेकिन उसका मेरे साथ अभी काम पूरा नहीं हुआ था। वह फिर बदल गई। उसके तीनों चेहरे जानवरों के सिर बन गए। बाईं ओर, एक पालोमिनो घोड़ा गुस्से से हिनहिना रहा था। बीच में, एक शेरनी गुर्रा रही थी और अपने नुकीले दांत दिखा रही थी। दाईं ओर, एक शिकारी कुत्ता दहाड़ रहा था और लार टपका रहा था, उसकी आँखें धधक रही थीं।
“मैं वो घोड़ा हूँ जो ताकतवर और निडर होकर दौड़ता है,” उसने अपनी आवाज़ में कोई बदलाव किए बिना कहा। “मैं वो शेरनी हूँ जो चुपके से और धैर्यपूर्वक शिकार करती है। मैं वो शिकारी कुत्ता हूँ जो वफादार और भयंकर होकर पहरा देता है। मैं चौराहों की देवी हूँ, जहाँ सभी संभावनाएं मिलती हैं। जो मेरे सामने डगमगाते हैं, मैं उन्हें भस्म कर देती हूँ।”

मेरा शरीर गर्म, नम और असहज महसूस हो रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे मेरा पेट मेरी जींस में ही घुल रहा हो।
अंततः, कमरे से अंधेरा छंट गया। मेरे सामने हेकेट एक ही रूप में खड़ी थी, ठीक वैसे ही जैसे वह शुरुआत में थी।
उसने मुझे एक कसी हुई मुस्कान दी, शायद इसलिए क्योंकि वह देख सकती थी कि उसने अपनी बात मनवा ली थी।
“तो फिर आज रात मिलते हैं,” उसने कहा। “बाय।”
हरी आग की एक लपट के साथ, वह गायब हो गई, अपने पीछे जलते हुए जानवरों के बालों की गंध के अलावा कुछ भी नहीं छोड़ गई।
मैंने दीवार पर फ्रेम में टंगी डॉ. सैमुअल्स की शिक्षा संबंधी डिग्रियों को घूरकर देखा।
जब मुझे लगा कि मेरे पैर फिर से चलने लगे हैं, तो मैं लड़खड़ाते हुए ऑफिस से बाहर निकला। मुझे अपना स्कूल का दिन पूरा करना था। मुझे एनाबेथ और ग्रोवर से संपर्क करना था।
लेकिन उससे पहले मुझे अपने जिम लॉकर में जाकर अपनी अंडरशॉर्ट्स बदलनी होंगी।

दो
ग्रोवर को भरपूर मात्रा में कैफीन मिल जाता है
“मजेदार तथ्य,” ग्रोवर ने कहा। “अस्पष्ट ज्ञान को ट्रिविया इसलिए कहा जाता है क्योंकि हेकेट का रोमन नाम ट्रिविया है! तीन रास्ते!”
मैंने कहा, "यह सच हो सकता है। लेकिन इसमें मजा नहीं आता।"
अरे वाह! आपको एक मिशन मिला है। यह तो बहुत अच्छी खबर है!
ग्रोवर मेरे सामने फुटपाथ पर नाचता-कूदता रहा। अक्टूबर की ठंडी हवा उसे हमेशा खुशमिजाज बना देती थी। जैसे ही मैंने हेकेट से हुई अपनी मुलाकात का जिक्र किया, वह और भी उत्साहित हो गया।
आज, उसके घने बालों वाले पिछले हिस्से कार्गो पैंट में ठूंसे हुए थे। उसके बकरी जैसे खुर नारंगी रंग के क्रॉक्स के एक संशोधित जोड़े में लगभग छिपे हुए थे (क्योंकि वे आसानी से नज़र नहीं आते थे?)। उसके सींग उसके घने बालों के बीच से झाँक रहे थे। उसकी नीली हुडी पर 'HUMAN' शब्द छपा हुआ था।

मुझे कभी भी सैटायर के नश्वर दुनिया में घुलमिल जाने के नियमों की समझ नहीं आई थी।
आम तौर पर, वे किसी हद तक इंसानों का रूप धारण करने की कोशिश करते थे। ज़्यादातर वे इसके लिए धुंध पर निर्भर रहते थे, जो इंसानों की दृष्टि को भ्रमित कर देती थी। लेकिन जब ग्रोवर ने क्रॉक्स और एक इंसानी हुडी पहनी, तो मुझे हैरानी हुई कि उसने ऐसा क्यों किया। शायद वह इंसानों के दिमाग उड़ाना चाहता था।
मैंने अनुमान लगाया, "आप पालतू जानवरों को लेकर उत्साहित हैं।"
ग्रोवर के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान थी, जिससे ऐसा लग रहा था मानो उसके कृत्रिम दांत लगे हों। "अगर हेकेट का नर्कहाउंड मिसेज ओ'लेरी जैसा है, तो मैं उससे प्यार कर बैठूंगा!"
मुझे इस पर कोई शक नहीं है।
“और पोलकैट्स…” ग्रोवर रुका। “असल में, मुझे यकीन नहीं है कि मैं कभी किसी पोलकैट से मिला हूँ। लेकिन मैं दोस्त बनाने को तैयार हूँ। चलो!”
वह लेक्सिंगटन एवेन्यू पर दौड़ता हुआ चला गया।
हम 103 वीं स्ट्रीट सबवे स्टेशन पर मिले थे—स्कूल के बाद हमारा हमेशा का मिलने का ठिकाना। अब हम मेरी माँ से उनके पसंदीदा कैफ़े में मिलने जा रहे थे, जहाँ वह अपनी नई किताब पूरी करने की कोशिश कर रही थीं। आम तौर पर मैं काम करते समय उन्हें परेशान नहीं करता, लेकिन मैंने सोचा कि हेकेट की खोज के बारे में उन्हें जल्द से जल्द बता देना बेहतर होगा, क्योंकि हमें अपनी किताब की शुरुआत करनी थी।
उस रात मुझे पालतू जानवरों की देखभाल करने का काम मिल गया था। साथ ही, ग्रोवर को मेरी माँ को देखना अच्छा लगता था। उसे कैफे की पेस्ट्री भी पसंद थीं। कुल मिलाकर सब ठीक था।
न्यूयॉर्क अपने अनोखे अंदाज़ में बेहद खास है। आप सड़कों पर टहलते हुए बैंकों, दवा दुकानों और मोबाइल फोन की दुकानों के बीच से गुज़र रहे होंगे, मानो आप किसी आम शहर में हों। फिर अचानक आप बाईं ओर मुड़ेंगे, और अचानक आप एक ऐसी गली में पहुँच जाएँगे जहाँ पुराने भूरे पत्थर के मकानों को बोहेमियन अपार्टमेंट में बदल दिया गया है, पेड़ साल भर जगमगाती रोशनी से भरे रहते हैं, और दुकानों में तरह-तरह के लॉन्ड्री सेंटर, टैरो कार्ड सैलून, क्रायो-शॉक स्पा और कैफे मौजूद हैं।

सबसे बेहतरीन कैफे कौन सा है? द क्रैक्ड टीपॉट।
मुझे उन लोगों से कोई शिकायत नहीं है जो स्टारबक्स में बैठकर पटकथा लिखते हैं या कुछ और करते हैं। लेकिन अगर आपको सच में प्रेरणा चाहिए, तो क्रैक्ड टीपॉट जैसी कोई स्थानीय, अनोखी जगह ढूंढें।
सड़क पर लगी सारी झालरदार बत्तियाँ मानो कैफे के सामने वाले बरामदे से ही निकल रही हों, मानो किसी उत्सवपूर्ण बिजली के जाल का केंद्र हो जिसे किसी ने साफ करने की जहमत नहीं उठाई हो और अब वह पूरे मोहल्ले को ढके हुए हो। हम सीढ़ियों से उतरकर बगीचे के स्तर पर पहुँचे, मोतियों के पर्दे वाले दरवाज़े से होते हुए एक आरामदायक, छोटे-छोटे कोनों और बैठक कक्षों के भूलभुलैया में प्रवेश किया। वहाँ मधुर, अलौकिक संगीत बज रहा था—शायद सेल्टिक वीणा? छत से परियों की गुड़िया लटकी हुई थीं। हर धूप वाली खिड़की पर बिल्लियाँ झपकी ले रही थीं, जो शायद शहर के स्वास्थ्य नियमों के विरुद्ध थीं या नहीं, लेकिन मैं किसी को बताने वाला नहीं था। पूरे कैफ़े में, अलमारियाँ—आपने सही अनुमान लगाया—से भरी हुई थीं।
टूटी हुई चायदानियाँ। कुछ सोने और चीनी मिट्टी की थीं, कुछ तांबे की, कुछ इंद्रधनुषी रंग की सिरेमिक की। उनमें से कई में से भरवां खिलौने बाहर निकले हुए थे।
काउंटर के पीछे, गुलाबी रंग की ट्यूटू पहने एक लंबा-चौड़ा दाढ़ी वाला आदमी कॉफी बना रहा था। डिस्प्ले केस मफिन, कुकीज़, केक और स्कोन्स से भरा हुआ था।
क्या मैं वहाँ उपन्यास लिख सकती थी? बिलकुल नहीं। एक तो यह कि मैं कहीं भी उपन्यास नहीं लिख सकती थी, और दूसरा यह जगह बहुत ज़्यादा ध्यान भटकाने वाली थी। शायद यही इस बात का सबूत है कि मुझे एडीएचडी अपने पिता की तरफ से मिला है। मेरी माँ को वहाँ काम करना बहुत पसंद था। वह जगह हमारे अपार्टमेंट से बस कुछ ही ब्लॉक दूर थी, और बच्चे के आने की आशंका के चलते, उन्हें अपनी दूसरी पांडुलिपि जमा करने की समय सीमा का दबाव महसूस हो रहा था। यह बच्चे और किताब के बीच की दौड़ थी, और बच्चा जीत रहा था।
ग्रोवर और मैंने बैले डांसर से ड्रिंक्स और स्नैक्स ऑर्डर किए। फिर हमने मेरी माँ को पीछे की ओर उनकी हमेशा वाली मेज पर पाया, जहाँ एक खिड़की से सूरज की रोशनी तिरछी पड़ रही थी, जिससे खिड़की की चौखट पर बैठी एक बड़ी काली बिल्ली को गर्मी मिल रही थी।

दर्जनों क्रिस्टल पेंडेंट से होकर गुजरती रोशनी मुझे देवी आइरिस की याद दिला रही थी।
टाइप करते समय मेरी माँ के बाल उनके चेहरे पर न गिरें, इसलिए उन्होंने उन्हें जूड़े में बाँध रखा था। वह आगे की ओर झुकी हुई थीं, लैपटॉप स्क्रीन की रोशनी में उनका चेहरा दमक रहा था, मानो वह अपनी बनाई दुनिया में डूब जाना चाहती हों।
उसने अपने बेबी बंप को एडजस्ट करने के लिए एक स्ट्रेचेबल डार्क स्कर्ट पहनी थी और मेरे सौतेले पिता की एक टी-शर्ट पहनी थी - एक काली टी-शर्ट जिस पर चार्ल्स मिंगस नाम के नीचे एक आदमी स्टैंड-अप बास बजाते हुए दिखाया गया था।
उसके बगल में चाय का एक गर्म बर्तन रखा था, शायद लेमन बाम हर्बल चाय, जिसे उसने गर्भवती होने के बाद से कॉफी की जगह पीना शुरू कर दिया था। वह यहाँ बहुत कम खाती थी—वह अपनी बेकिंग की चीजें खुद बनाती थी, इसलिए शायद उसे खाने का कोई मतलब नहीं लगता था—लेकिन कैफे के कर्मचारी उसे बहुत पसंद करते थे। अगर वह पूरी दोपहर एक ही टेबल पर बैठी रहती, तो भी वे कभी शिकायत नहीं करते थे।
मुझे चिंता थी कि जब वह हमें आते हुए देखेगी तो शायद वह भौंहें चढ़ाएगी, क्योंकि तकनीकी रूप से हम उसके काम में बाधा डाल रहे थे, लेकिन वह राहत भरी मुस्कान के साथ मुस्कुराई।
“लड़कों!” उसने कहा।
"माफ़ कीजिए, बीच में दखल देने के लिए," ग्रोवर ने कहा।
“बिल्कुल नहीं!” उसने बगल वाली कुर्सी पर हाथ फेरते हुए कहा। “कृपया मुझे इस बातचीत से बचाओ। मुझे लगता है यह मुझे मार डालना चाहती है।”
ग्रोवर उसके बगल में आकर बैठ गया। मैं मेज के दूसरी तरफ बैठ गया। मैं हमेशा इस बात का ध्यान रखता हूँ कि जब मेरी माँ लिख रही हों तो मैं उनकी स्क्रीन की तरफ न देखूँ, क्योंकि क) मुझे पता है कि इससे उन्हें घबराहट होती है, ख) स्क्रीन पर तैरते हुए शब्द मुझे बेचैन कर देते हैं, और ग) मैं यह सोचने से खुद को रोक नहीं पाता कि कहीं वह मेरे ऊपर आधारित कोई किरदार तो नहीं लिख रही हैं। शायद यह स्वार्थी लगे, लेकिन किसी के भी मेरे बारे में किताब लिखने का ख्याल मुझे बहुत परेशान कर देता है।
“तो, क्या चल रहा है?” उसने मुझसे पूछा। “कोई नया मिशन?”

ऐसा लगता है जैसे तुम मुझे जानते हो।
वह हंस पड़ी। "मुझे सब कुछ बताओ।"
वो ज़रूर चिंतित रही होगी। पिछले सत्रह सालों में मैंने उसे बहुत तनाव दिया था, लेकिन वो हमेशा शांत और सहयोगी लहजा बनाए रखने में माहिर हो गई थी। सच कहूँ तो, मुझे नहीं पता कि वो ये सब कैसे कर पाती थी। किसी देवता की माँ होना, उससे भी ज़्यादा मुश्किल काम है किसी देवता की माँ होना।
मैंने उसे देवी/प्रिंसिपल के कार्यालय में अपनी यात्रा के बारे में बताया। मैंने कुछ ज़रूरी बातें छोड़ दीं, जैसे हेकेट का तीन सिरों वाला भयानक तमाशा और उसके बाद मेरा अंडरवियर बदलना। मैंने उसे सारी बात समझा ही दी थी कि मिस्टर बैलेरीना हमारा ऑर्डर लेकर आ गए: मेरे लिए एक ब्लूबेरी स्मूदी, ग्रोवर के लिए एक डबल-शॉट लट्टे और एक स्ट्रॉबेरी मफिन।
मैंने ग्रोवर को तिरछी नज़र से देखा। दो चीज़ें हैं जिनसे वह बहुत ज़्यादा उत्तेजित हो जाता है। एक है कॉफ़ी। दूसरी है स्ट्रॉबेरी फ्लेवर वाली कोई भी चीज़।
जब उसने मुझे जज करते हुए देखा तो उसने वादा किया, "सब ठीक हो जाएगा। इसके बाद मैं पार्क तक दौड़कर जाऊंगा, रात के लिए कुछ सामान ले आऊंगा। सारी अतिरिक्त ऊर्जा खर्च कर दूंगा!"
मुझे आश्चर्य हुआ कि वह सेंट्रल पार्क से किस तरह का सामान इकट्ठा कर सकता है। मैंने कल्पना की कि वह गिलहरियों से भरी टोकरी लेकर हेकेट के घर पहुँच जाएगा।
“और ये जगह, ये ‘मकान’,” मेरी माँ ने कहा, “ये कहाँ है?”
मैंने खून से सना हुआ बिजनेस कार्ड निकाला और उसे दे दिया।
उसने पता पढ़ा और उसकी मुस्कान गायब हो गई। "ओह।"
“ओह?” मैंने पूछा।
वह खिड़की पर सो रही बिल्ली को ऐसे घूर रही थी मानो वह उसे कोई सलाह दे रही हो। “कुछ नहीं। मैं बहुत दिनों से ग्रामर्सी पार्क नहीं गई हूँ। क्या मैंने तुम्हें कभी बताया था…?” वह हिचकिचाई, जो कुछ भी कहने वाली थी उस पर विचार करते हुए। “नहीं। सब ठीक है। मुझसे वादा करो कि तुम सावधान रहोगी।” "सब ठीक है" और "सावधान रहो" ये दोनों वाक्य एक साथ अच्छे नहीं लगते, खासकर जब आपकी माँ बोल रही हो। साथ ही, उन्होंने ग्रैमेरसी पार्क का उच्चारण वैसे ही किया जैसे मैंने टार्टारस का किया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि

क्या वो किसी बुरी याद की वजह से कुछ छिपा रही थीं, या ग्रोवर मेरे साथ था, या दोनों ही कारण थे।
उसे ग्रोवर की चिंता नहीं करनी चाहिए थी। वह अपने मफिन और कॉफी का दीवाना था। एक बार जब वह खाने के मूड में आ जाता, तो बस यही खतरा होता कि वह मेज पर रखी हर चीज चट कर जाए, जिसमें मेरी स्मूदी, चायदानी और मेरी माँ का लैपटॉप भी शामिल था।
मैंने वादा किया, "मैं हमेशा सावधान रहने की कोशिश करता हूँ।" "कोशिश पर विशेष जोर देता हूँ।"
मैंने यह देखने के लिए इंतजार किया कि क्या वह कुछ और कहेगी।
जब उसने जवाब नहीं दिया, तो मैंने बाद में उससे बात करने का मन बना लिया। मेरी और मेरी माँ की एक खासियत यह है कि अगर मैं किसी विषय पर बात करने के लिए तैयार नहीं होती, तो वह कभी मुझ पर दबाव नहीं डालती। मैं भी उसे यही शिष्टाचार दिखाने की कोशिश करती हूँ।
इसी बीच, ग्रोवर अपने मफिन के बचे हुए टुकड़ों को साफ कर रहा था। मुझे ऐसा लग रहा था मानो वह कांपने लगा हो।
“हमें चलना चाहिए!” उसने कहा। “बहुत काम है! मुझे पार्क में दौड़ लगानी है, और तुम्हें आज रात के लिए पैकिंग करनी है! सूर्यास्त के समय मिलते हैं, ठीक है?”
मैंने सिर हिलाया, मेरा ध्यान अभी भी अपनी माँ पर ही केंद्रित था।
“क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हारे घर आने तक अपार्टमेंट में इंतज़ार करूँ?” मैंने उससे पूछा। मैं सोच रही थी कि मैं उसके और पॉल के साथ रात का खाना खा सकती हूँ, उसे एक और मौका दे सकती हूँ कि वह मुझे बताए कि ग्रामर्सी पार्क उसे इतना परेशान क्यों करता है।
"नहीं, नहीं, कोई बात नहीं।" उसने बड़ी मुश्किल से अपनी बनावटी मुस्कान को फिर से कायम किया।
"कम से कम, यह आपके लिए एक यादगार हैलोवीन अनुभव होना चाहिए।"
हेकेट भूतों की देवी है, है ना?
“और जादू!” ग्रोवर ने कहा। “और रात का समय! और कोहरे को नियंत्रित करना!” मैंने भौंहें सिकोड़ीं। हेकेट ने मुझे आग की लपटों और जानवरों के सिरों से डराते हुए अपनी सारी योग्यताएँ बता दीं, लेकिन उसने कोहरे को नियंत्रित करने वाली बात छोड़ दी। मुझे आश्चर्य हुआ कि ऐसा क्यों। अब जब मैंने इस

बारे में सोचा, तो मेरी दोस्त हेज़ल ने भी कुछ इसी तरह की बात कही थी... कि देवी ने उसे यह कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित किया था।
मेरी माँ ने मेज के उस पार हाथ बढ़ाकर मेरा हाथ दबाया। “मुझे शायद थोड़ा और लिखने की कोशिश करनी चाहिए। अगर हो सके तो मुझे बताते रहना।”
और हां, अपना टूथब्रश पैक करना न भूलें, ठीक है?
हम हैलोवीन सप्ताह एक डरावनी देवी के घर में बिताने वाले थे, और मेरी माँ को बस मेरी दाँतों की देखभाल की चिंता थी। शायद उन्हें उन्हीं चीजों पर ध्यान देना था जिनमें वे मदद कर सकती थीं।
मैंने कहा, "मैं करूँगा।" "अह... लेखन के लिए शुभकामनाएँ।"
मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपने ब्लूबेरी स्मूदी का स्वाद तो बस नाममात्र का ही लिया था। मैं उसे लेकर बाहर निकला जबकि ग्रोवर मेरे बगल में उछलता- कूदता चल रहा था और धार्मिक पालतू जानवरों से दोस्ती करने की अपनी तरकीबों के बारे में बड़बड़ा रहा था।
मैंने आखिरी बार अपनी माँ की तरफ देखा। वह कंप्यूटर स्क्रीन पर टकटकी लगाए देख रही थीं, लेकिन मुझे शक था कि वह आज दोपहर कुछ और लिखेंगी। इसके बजाय, वह हेकेट के बारे में गूगल पर खोजबीन कर रही होंगी। मुझे आश्चर्य हुआ कि ग्रामर्सी पार्क में ऐसी क्या बात थी जिसने उन्हें इतना बेचैन कर दिया था। मुझे आभास था कि जल्द ही मुझे इसका पता चल जाएगा।

….

तीन
मेरी प्रेमिका मुझे कब्रिस्तान ले गई। घर पर अपना डेमीगॉड गो बैग (टूथब्रश सहित) लेने के बाद, मैं एनाबेथ को ढूंढने के लिए शहर की ओर चल पड़ा।
न्यूयॉर्क शहर का स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन, ग्रामर्सी पार्क से ज़्यादा दूर नहीं स्थित एक निजी बोर्डिंग स्कूल है। मैंने सोचा कि आइरिस संदेश भेजने की कोशिश करने के बजाय, वहाँ एनाबेथ से व्यक्तिगत रूप से मिलना ज़्यादा आसान होगा। अर्धदेवता मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल नहीं कर सकते (राक्षसों द्वारा संपर्क किया जा सकता है, जिससे तुरंत मृत्यु हो सकती है, आदि)। आइरिस संदेश एक अच्छा विकल्प है, लेकिन इसके लिए कुछ योजना बनानी पड़ती है। आप नहीं चाहेंगे कि आप एक चमकते इंद्रधनुषी रूप में प्रकट हों और अपने दोस्त से तब बात करना शुरू कर दें जब आसपास बहुत सारे इंसान मौजूद हों। (इसके दुष्प्रभावों में घबराहट के दौरे, सामूहिक उन्माद और मनोवैज्ञानिक

निदान में गड़बड़ी शामिल हो सकती है। अपने डॉक्टर से पूछें कि क्या आइरिस संदेश आपके लिए उपयुक्त हैं।)
SODNYC बोवेरी के ठीक पास स्थित टाउनहाउस और ऑफिस भवनों के एक समूह में फैला हुआ है। बाहर लगे बैनरों को छोड़कर, आप कभी अंदाज़ा नहीं लगा सकते थे कि यहाँ कोई स्कूल है। मुझे पूरे कैंपस का रास्ता तो नहीं पता था, लेकिन मुझे तीन जगहें पता थीं जहाँ एनाबेथ के मिलने की सबसे ज़्यादा संभावना थी: उसका छात्रावास, पुस्तकालय और कोने में स्थित ब्लैक एंट नामक एक मैक्सिकन रेस्टोरेंट। यह सोचकर कि उसे दोपहर में पढ़ाई करना पसंद है, मैं पुस्तकालय की ओर चल पड़ा।
तकनीकी तौर पर, उन्हें मुझे अंदर नहीं आने देना चाहिए था। पुस्तकालय केवल छात्रों के लिए है, लेकिन ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षा गार्ड, फ्लोरेंस, मुझे जानती थी और पसंद करती थी, इसलिए जब मैं वहाँ से गुज़री तो उसने बस मुस्कुराकर सिर हिला दिया। देखा? जब मैं कोई गड़बड़ नहीं कर रही होती, तब मैं कितनी आकर्षक हो सकती हूँ। कभी-कभी तो गड़बड़ करते हुए भी।
इस महीने की छात्र कला प्रदर्शनी में "पुनर्नवीनीकृत वस्त्र" प्रदर्शित किए गए थे—यहां उनका मतलब प्लास्टिक की थैलियों, कैंडी रैपरों और चपटे एल्यूमीनियम के डिब्बों से बने कई शाम के गाउन और टक्सीडो से था। मुझे यह समझ नहीं आया, लेकिन शायद इसीलिए मैं डिज़ाइन स्कूल में नहीं था।
मैं तीसरी मंजिल तक सीढ़ियाँ चढ़ी। एनाबेथ हमेशा की तरह आर्किटेक्चर सेक्शन में एक आरामदायक सोफे पर बैठी थी, उसके साथ उसके सहपाठी डेव और हाना भी थे, जो एनाबेथ की किसी बात पर धीरे-धीरे हंस रहे थे। उसने यूसी बर्कले की एक बड़ी स्वेटशर्ट, फटी हुई जींस और नए डॉक मार्टेंस जूते पहने थे। उसके बाल डच चोटी में गुंथे हुए थे।
उसकी पूंछें शिकारी पक्षियों के पंजों की तरह उसके कंधों पर लिपटी हुई थीं। उसकी आँखों में हास्य की चमक थी।
मुझे यकीन नहीं है कि आपने कभी ऐसा अनुभव किया है या नहीं - जब आप किसी परिचित व्यक्ति को दूर से देखते हैं, और एक पल के लिए आप उन्हें पहचान नहीं पाते हैं।
आपका दिमाग बस यही सोचता है, अरे वाह, वो तो कमाल का दिख रहा है। फिर आपको एहसास होता है कि ये तो वो इंसान है जिसे आप सालों से जानते हैं—असल में

आपकी गर्लफ्रेंड—और ये सुनकर आपके पूरे शरीर में खुशी की लहर दौड़ जाती है।
हाँ, शायद मुझे भी थोड़ी बेचैनी हुई थी, क्योंकि वह वहाँ दूसरे लोगों के साथ हँस रही थी, और उस पल मैं वहाँ से अलग-थलग पड़ गया था। लेकिन मैं इसे ईर्ष्या नहीं कहूँगा। बल्कि बेचैनी भरी प्रेरणा कहूँगा। एनाबेथ स्वभाव से ही मिलनसार थी। हर कोई उसके साथ समय बिताना चाहता था और उसकी स्वीकृति पाना चाहता था। चाहे मैं आस-पास रहूँ या न रहूँ, वह हमेशा सफल होती थी। इससे मेरा दृढ़ संकल्प और भी मजबूत हो गया कि मैं उसके साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त करूँ और कॉलेज में दाखिला लूँ, भले ही इसका मतलब पढ़ाई या पढ़ने जैसी कष्टदायक गतिविधियाँ करना ही क्यों न हो।
वाह, मेरे सोचने के तरीके पर उसका कितना प्रभाव था... थोड़ा डरावना।
पोसीडॉन के पुत्र के रूप में, मैं बस इतना ही कर सकता हूँ कि वॉटर कूलर में विस्फोट कर दूँ और वालरस से बात करूँ।
“हे,” मैंने कहा।
डेव ने सोफे पर मेरे लिए जगह बनाई। "क्या हाल है, पर्सी?"
हाना ने मुझे बनावटी मुस्कान दी। मुझे नहीं लगता कि वह मुझे बहुत पसंद करती थी, शायद इसलिए क्योंकि उसे यकीन नहीं था कि मैं एनाबेथ के लिए काफी अच्छा हूँ... जो कि जायज़ चिंता है, लेकिन मैंने हमेशा उसके साथ अच्छा व्यवहार करने की कोशिश की।
एनाबेथ ने मेरा हाथ पकड़ लिया। “हम अभी अपने नए असाइनमेंट के बारे में ही बात कर रहे थे।”
— मेट का पुनर्रचना करना।"
“ओह, बढ़िया।” मैंने कांपने से बचने की कोशिश की। मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट में मेरा एक बुरा अनुभव रहा था, और बुरे अनुभव से मेरा मतलब है कि छठी कक्षा की मेरी गणित शिक्षिका ने मुझे लगभग मार ही डाला था, जब वह एक भयानक राक्षसी निकली।
“मैं पूरी तरह से उत्तर-आधुनिक शैली अपनाना चाहूंगा,” डेव ने कहा। “मतलब, जगह को पूरी तरह से खुला कर दूंगा और पारंपरिक स्तंभों वगैरह को हटा दूंगा। वो तो पिछली सदी की बात हो गई।”
"मैं इसे आधुनिक शैली का बनाऊंगी," हाना ने कहा। "हर जगह एशर-शैली की सीढ़ियाँ होंगी। समझे?"

उसने मुझसे चुनौती भरे अंदाज़ में सवाल पूछा। मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आया कि वह क्या कहना चाह रही है, इसलिए मैंने बस सिर हिला दिया।
“पर्सी, तुम क्या करोगे?” डेव ने पूछा।
मुझे घबराहट का एक क्षण आया। मैंने किसी तरह यह कहने से खुद को रोका कि विषय स्वतंत्र इच्छा बनाम भाग्य था। मेट के पुनर्निर्माण के लिए मेरे दिमाग में एकमात्र विचार यही आया कि हर जगह सुरक्षित कमरे और तलवारें लगाने की मशीनें बनाई जाएं ताकि युवा अर्धदेवताओं को
मैं राक्षसों के हमलों से आसानी से बच सकता था। लेकिन मैं यह बात हाना और डेव के साथ साझा नहीं कर सकता था।
“मुझे कोई अंदाज़ा नहीं,” मैंने स्वीकार किया। “डिजाइनिंग का काम मैं विशेषज्ञों पर छोड़ दूँगा।” मैंने एनाबेथ की ओर मुड़कर पूछा, “तुम्हारा क्या विचार था?”
डेव और हाना फिर से हंसने लगे।
“मैं उन्हें यही बता रही थी,” एनाबेथ ने कहा। “कांच और मार्शमैलो।” "क्षमा मांगना?"
"कांच और मार्शमैलो।"
“प्रतिभाशाली,” डेव ने कहा।
"पागलपन है," हाना ने कहा।
मैंने कहा, "मुझे समझ नहीं आया।"
पास ही खड़ी लाइब्रेरियन ने मेरी तरफ देखा और अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। यह चुप रहने का इशारा तो नहीं था, लेकिन ऐसा लगा जैसे मैंने पहले कभी ऐसा नहीं सुना था।
एनाबेथ ने धीमी आवाज़ में बोलना जारी रखा। “तो आपको पता है कि मेट म्यूज़ियम में हज़ारों कलाकृतियाँ गोदामों में यूँ ही पड़ी रहती हैं? मेरी योजना है कि प्रदर्शन क्षेत्र को तीन गुना बढ़ा दिया जाए—पूरी इमारत को एक विशाल सर्पिलाकार कांच के फर्श और दीवारों के रूप में फिर से बनाया जाए, जिसके बीच में एक एट्रियम हो। कलाकृतियाँ कांच के अंदर सुरक्षित रहेंगी, और उन पारदर्शी पैनलों से आप कला को पीछे से, आगे से, ऊपर से, नीचे से देख सकेंगे। आपको ऐसा लगेगा जैसे आप कला के एक त्रि-आयामी बादल में तैर रहे हों।”

“और मार्शमैलो?” मैंने पूछा, क्योंकि मेरा ध्यान अक्सर स्वादिष्ट चीजों पर ही रहता है।
उन्होंने कहा, "पूरे संग्रहालय में बड़ी, मुलायम सफेद बीनबैग कुर्सियाँ लगी हैं। अब कोई असुविधाजनक बेंच नहीं हैं। जब बच्चे अंदर आते हैं, तो वे जहाँ चाहें वहाँ आराम से बैठ सकते हैं और कला का आनंद ले सकते हैं।"
"या फिर थोड़ी देर झपकी ले लो," मैंने सुझाव दिया।
“यह भी ठीक है!” एनाबेथ ने कहा। “यह एक सार्वजनिक स्थान है। एथेना की मूर्ति या फ्रीडा काहलो के आत्मचित्र के साथ झपकी क्यों न ली जाए?” मैंने कहा, "कांच के मंदिर में रखे हुए आरामदायक मार्शमैलो। ठीक है, मैं मान गया।"
उसने मेरा हाथ दबाया। "तो, तुम्हारे साथ क्या चल रहा है?"
"अरे, मुझे एक ऐसा काम मिल गया जिसकी मुझे उम्मीद नहीं थी। मुझे लगा कि क्या आप मेरी मदद कर सकते हैं?"
एनाबेथ का चेहरा और भी गंभीर हो गया। वह मेरी बात को अच्छी तरह समझ रही थी, भले ही डेव और हाना न समझ रहे हों।
"वो तुम्हारा सारा होमवर्क तो नहीं कर सकती, यार," हाना ने कहा।
"हां, उसे हमारा होमवर्क करना होगा," डेव ने कहा।
“उफ़, तुम दोनों!” एनाबेथ ने मुस्कुराते हुए कहा। “ठीक है, जैक्सन, मैं तुम्हें कुछ मिनट दे सकती हूँ। चलो।” उसने मुझे उठाया और लाइब्रेरी से बाहर ले गई, पॉल और हाना हमारे पीछे फुसफुसा रहे थे, शायद सोच रहे थे कि वास्तुकला डिज़ाइन के बारे में मेरी पूरी अज्ञानता के बावजूद एनाबेथ को मुझमें क्या नज़र आया।
बाहर निकलकर हम एनाबेथ की पसंदीदा चिंतन-मनन की जगह पर गए—पास के एक गिरजाघर के कब्रिस्तान में एक मेपल के पेड़ के नीचे एक बेंच। उसने मुझे बताया था कि वहाँ किसी प्रसिद्ध वास्तुकार को दफनाया गया है। पीटर स्टुवेसेंट? हाँ, वही। पड़ोस की लगभग आधी चीज़ों का नाम उनके नाम पर रखा गया है, तो लगता है कि वे कांच और मार्शमैलो के साथ बहुत कुशल रहे होंगे। एनाबेथ ने कहा कि उसे वहाँ प्रेरणा मिली, जो मेरे लिए काफी था। हम सेकंड एवेन्यू पर धीरे-धीरे चलती गाड़ियों को देखते हुए बैठे थे और सुहावने मौसम का आनंद ले रहे थे—ठंडा, ताज़ा और धूपदार, ऐसा मौसम जिसे आप बोतल में बंद करके अगस्त के मध्य में खोलना चाहते हैं जब मैनहट्टन दलदल जैसा होता है।

“तो…” एनाबेथ मेरी ओर मुड़ी। “यह मिशन क्या है?”
मैंने उसे हेकेट के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बताया।
एनाबेथ ने उस तल्लीनता से सुना जैसे लोग अपने पसंदीदा गाने सुनते हैं— जैसे वह हर शब्द को याद करना चाहती हो, हर पंक्ति का अर्थ समझना चाहती हो और यह जानना चाहती हो कि उससे उसे कैसा महसूस होता है। वह स्वभाव से ही समस्या सुलझाने वाली है। जब मैंने उसे सारी बातें समझा दीं, तो मुझे उम्मीद थी कि वह भौंहें चढ़ाएगी और मन ही मन हिसाब लगाने लगेगी, हेकेट के घर की देखभाल करते हुए स्कूल के सप्ताह के दौरान जो कुछ भी गलत हो सकता है, उसके बारे में तरह-तरह के परिदृश्य सोचने लगेगी।
इसके बजाय, वह हंस पड़ी।
“वाह, क्या बात है!” उसने मेरे गाल पर ऐसे चुंबन किया जैसे मैंने उसे कोई उपहार दिया हो।
“क्या सच में?” मैंने पूछा। “कौन सा हिस्सा—शैतानी पालतू जानवरों की देखभाल करना? या असफल होने पर जलकर राख हो जाना?”
उसने मेरी चिंताओं को नज़रअंदाज़ कर दिया। “हम असफल नहीं होंगे। देखो, अगर मैं सेर्बेरस के साथ खेल सकती हूँ, तो मैं एक हेलहाउंड और एक पोलकैट की देखभाल भी कर सकती हूँ।”
मैं सिहर उठा। मुझे अभी भी हेड्स के तीन सिर वाले रक्षक कुत्ते के बारे में बुरे सपने आते हैं।
कभी-कभी मैं जागते ही अपने चेहरे पर सेर्बेरस की गंध से भरी सांस महसूस करता हूँ, फिर मुझे एहसास होता है कि मुझे बस अपने दांत साफ करने की ज़रूरत है। हालाँकि, एनाबेथ के लिए, सेर्बेरस से हमारी मुलाकात पाताल लोक की हमारी पहली यात्रा का सबसे अच्छा हिस्सा था। हालांकि, यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं थी।
“इसके अलावा,” उसने कहा, “इसका मतलब यह है कि हमें अपनी पार्टी के लिए एक जगह मिल गई है!”
“अरे… आप ऐसा नहीं कर सकते… रुकिए, सच में?”
वह मजाक करती हुई नहीं लग रही थी। कुछ हफ्ते पहले, एनाबेथ ने बताया था कि वह हमेशा से एक भूतिया घर डिजाइन करना चाहती थी।

वह ज्यादातर कैंप हाफ-ब्लड में पली-बढ़ी थी, इसलिए उसने कभी भी हैलोवीन की आम गतिविधियों जैसे कि ट्रिक-ऑर-ट्रीटिंग, डरावनी फिल्में देखना या कॉस्ट्यूम पार्टियों में भाग नहीं लिया था।
उसने हमारे सभी दोस्तों के लिए एक भयानक अनुभव बनाने का सपना देखा। मुझे यह थोड़ा अजीब लगा, क्योंकि हमें साल भर बिना किसी योजना के ही भयानक अनुभव मिलते रहते थे।
हाई स्कूल में यह हमारा आखिरी साल था, इसलिए एनाबेथ इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्पित थी। समस्या बस इतनी थी कि वह छात्रावास में रहती थी और मैं एक छोटे से अपार्टमेंट में। हम कैंप में भूतिया घर भी नहीं बना सकते थे, क्योंकि हमारे कैंप निदेशक, मिस्टर डी, इसकी अनुमति नहीं देते थे। यह समझना मुश्किल है कि क्यों।
शायद इसलिए क्योंकि अगर उन्हें मज़ा नहीं आता, तो किसी को भी मज़ा नहीं आता, और मिस्टर डी के लिए मज़ा का मतलब होता हम सबको अमेज़न नदी के डॉल्फ़िन में बदल देना। मैं उन्हें आज़माना नहीं चाहता था।
हमने आधे-अधूरे मन से अगले शुक्रवार को सेंट्रल पार्क में हैलोवीन पार्टी की योजना बनाई थी, लेकिन यह ठीक नहीं था। एनाबेथ वहाँ हॉरर हाउस नहीं बना सकती थी। पेड़ों पर सजावट लगाना भी जोखिम भरा होता—पुलिस हमें वहाँ से भगा सकती थी। इसके अलावा, पार्क में वेशभूषा पहनकर दौड़ना किसी खेल-खेल में मनोरंजन करने जैसा लगता।
“तुम सच में गंभीर हो,” मुझे एहसास हुआ। “तुम हेकेट के महल में हमारी पार्टी करना चाहते हो?”
“खैर, वह तो वहां नहीं होगी,” एनाबेथ ने बताया। “हमें बस यह पता लगाना है कि वह किस समय वापस आएगी और उससे पहले सफाई का काम खत्म करना है।”
क्यों नहीं?"
मुझे तो यह भी समझ नहीं आ रहा था कि 'क्यों नहीं' वाले सवालों की शुरुआत कहाँ से करूँ। आमतौर पर बेवकूफी भरे सुझाव तो मैं ही देती थी। और उन सुझावों के बेवकूफी भरे होने के सारे कारण समझाना एनाबेथ का काम होता था। मुझे हमारी भूमिकाओं के इस तरह बदलने की आदत नहीं थी।
“अरे, मैंने दाह संस्कार का ज़िक्र किया था, है ना? और हाँ, हेकेट कोहरे और जादू की देवी हैं। क्या आपको नहीं लगता कि अगर हम उनके घर पर पार्टी करेंगे तो उन्हें पता चल जाएगा?”

“हेकेट को लगता है कि हैलोवीन सिर्फ उसी के बारे में है, है ना? अगर उसे पता चल गया, तो वह शायद पार्टी को पूजा का एक रूप समझेगी। वैसे भी, हम बहुत ही सम्मानजनक व्यवहार करेंगे।”
मैंने कहा, "आदरपूर्वक। क्या आप हमारे दोस्तों से मिले हैं?"
“मुझे आश्चर्य है कि क्या उसके घर में पर्याप्त मकड़ी के जाले हैं,” एनाबेथ ने सोचा, “या मुझे कुछ और खरीदने चाहिए…।”
अब मेरी मकड़ी से डरने वाली प्रेमिका मकड़ी के जाले खरीदने की बात कर रही है।
आप कौन हैं?"
“कोई मकड़ी नहीं,” उसने कहा। “सिर्फ़ जाले हैं। माहौल के लिए! सुनो, मैं दौड़कर अपना सामान ले आती हूँ। मैं हाना से कह दूँगी कि वह मेरी जगह सो ले, क्योंकि इस हफ़्ते मैं हॉस्टल में नहीं सोऊँगी। हे भगवान, यह कितना बढ़िया है! मैं एक घंटे में ब्लैक एंट में तुमसे मिलूँगी। हम खाना पैक करवा लेंगे!”
उसने मुझे चूमा और अपने छात्रावास की ओर दौड़ पड़ी।
तो… ग्रोवर और एनाबेथ दोनों ही हेकेट चैलेंज को लेकर अजीब तरह से उत्साहित थे। मेरे सामने मकड़ी के जाले, एक नेवला और मैक्सिकन खाना था।
मेरे मानकों के हिसाब से भी, यह एक अजीब हफ्ता होने वाला था।

चार
पता चला कि मुझे सैल्मन मछली का स्वाद पसंद है। मुझे टिड्डे वाली पिज्जा की जरूरत नहीं थी।
जब हम ब्लैक एंट से रात का खाना लेने गए, तो एनाबेथ ने कुछ नया करने का फैसला किया। हमारे हमेशा के एनचिलाडा और टैकोस के साथ, उसने टलायुडास भी ऑर्डर किए - जो मूल रूप से बीन्स, पनीर और मसालेदार टिड्डों को एक बड़ी टॉर्टिला पर बेक करके बनाए जाते हैं।
“ये वाकई बहुत अच्छे हैं,” उसने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा। “और कीड़ों का प्रोटीन अन्य मांस की तुलना में कहीं अधिक टिकाऊ होता है।”
मैंने उसे याद दिलाया, "ग्रोवर शाकाहारी है।"
मैंने उसके लिए मशरूम टैकोस मंगवाए।
मैं शाकाहारी बनने पर भी विचार कर रहा हूँ। कम से कम आज रात के लिए तो ज़रूर।

“अरे, बस करो,” उसने कहा। “तुम्हें नई-नई चीजें आजमानी चाहिए! वैसे भी, हेकेट के यहाँ हमारी पहली रात के लिए हमें कुछ खास खाना चाहिए।”
मैं चुप हो गया और शुक्र मनाने लगा कि ब्लैक एंट रेस्टोरेंट में न्यूट की आंख वाले एनचिलाडा नहीं मिलते। हमने मशरूम और टिड्डे से भरे अपने बैग लिए और फिर ग्रामर्सी पार्क की ओर चल दिए।
मैंने उस इलाके में ज़्यादा समय नहीं बिताया था। वह देखकर ऐसा लगता था मानो यहाँ अमीर लोग रहते हों। हट जाओ, पर्सी जैक्सन। सुंदर भूरे रंग के पत्थर के मकानों और आलीशान अपार्टमेंट इमारतों की कतारें एक हरे-भरे आयताकार पार्क के सामने थीं, जिसके चारों ओर काले लोहे की बाड़ लगी थी ताकि आम लोग अंदर न आ सकें। मैंने सुना था कि पार्क में तभी जाया जा सकता था जब आपके पास आसपास के घरों में से कोई एक घर हो, जिससे आपको गेट खोलने की चाबी मिल जाती थी। शायद इसी वजह से वह इलाका अरबपतियों को आकर्षित करता था। वे अपनी खेल टीमों या निजी जेट विमानों का बखान करते-करते थक जाते थे, तो वे ग्रामर्सी पार्क की चाबी होने का दावा कर सकते थे। व्यक्तिगत रूप से, मुझे इसमें कोई आकर्षण नहीं दिखता था। मैनहट्टन में सैकड़ों बेहतरीन सार्वजनिक पार्क हैं जो इससे कहीं बड़े और मुफ़्त हैं।
शायद इसीलिए मैं कभी अरबपति नहीं बन पाऊंगा।
मुझे लगा कि हेकेट का घर ढूंढना आसान होगा। ग्रामर्सी पार्क वेस्ट तो बस एक ब्लॉक लंबा है। घर का नंबर जाने बिना भी, हमें बस फुटपाथ पर टहलते हुए ऐसी जगह ढूंढनी थी जो देवी के गुप्त ठिकाने के लिए काफी रहस्यमयी हो।
हम उस "मकान" के पास से दो बार गुजरे, तब जाकर हमें वह दिखाई दिया।
पूरी इमारत एक भ्रम थी। अगर आप इसे किसी भी तरफ से देखते, तो इसकी विशेषताएं धुंधली हो जातीं और आसपास के अन्य मकानों में घुलमिल जातीं।
असली हवेली तभी दिखाई देती जब आप इसे सीधे सामने से देखते।
साफ आसमान होने के बावजूद, संकरे सामने के आंगन पर कोहरे की एक परत छाई हुई थी।
बगीचे में कंकालनुमा सफेद झाड़ियों के बीच धुंध की पतली-पतली लटें लिपटी हुई थीं। पत्थरों से बना एक रास्ता—या शायद इंसानी खोपड़ियों से बना रास्ता—सामने के बरामदे की ओर घुमावदार ढंग से जाता था।
वह टाउनहाउस पाँच मंज़िला इमारत थी, जो घिसे-पिटे ग्रेनाइट के शिलाखंडों से बनी थी—सचमुच कब्रों जैसी, जिनमें से कुछ पर मृतकों के नाम और जन्म-

मृत्यु की तारीखें अभी भी दिखाई दे रही थीं। ढलानदार छत के दोनों ओर झुके हुए गार्गोयल हमें घूर रहे थे। खिड़कियों पर काले लोहे की जालीदार नक्काशी थी, जो दूसरी मंज़िल की बालकनी की रेलिंग पर फैली हुई थी और मुख्य द्वार के दोनों ओर धातु की जाली से बने शोक शॉल की तरह लटक रही थी। अगर हेकेट इस जगह को अंत्येष्टि और गॉथिक धार्मिक अनुष्ठानों के लिए किराए पर नहीं दे रही होती, तो वह मोटी कमाई से वंचित रह रही होती।
“ठीक है, तुम सही कह रही हो,” मैंने एनाबेथ से कहा। “यह पहले से ही एक आदर्श भूतिया घर है।”
“देखा?” एनाबेथ पीछे हट गई और छत की बनावट को गौर से देखने लगी। “मुझे यकीन है कि ये गार्गोयल सचमुच जीवित हो उठते हैं।”
मैं वह शर्त नहीं लगा रहा हूँ।
मेरी उंगलियां फड़कने लगीं। मेरा मन हुआ कि मैं अपनी जेब से कलम-तलवार निकाल लूं, लेकिन मुझे नहीं लगा कि इससे कोई खास फायदा होगा। अगर हेकेट ने हम पर गार्गोयल, मकबरे या बुरी झाड़ियों से हमला करने का फैसला किया... तो खैर, यह उसका आंगन था। वह जो चाहे कर सकती थी।
मुझे याद आया कि जब मैंने ग्रामर्सी पार्क का ज़िक्र किया था, तो मेरी माँ का चेहरा कितना परेशान हो गया था। वह उन गिने-चुने लोगों में से थीं जो धुंध के पार देख सकती थीं। मुझे आश्चर्य हुआ कि यहाँ उनके साथ जो कुछ हुआ था, उसका इस लगभग अदृश्य हवेली से कोई संबंध था या नहीं...
“तुम ठीक हो?” एनाबेथ ने पूछा। “देखो, तुम्हें टिड्डे के तलायुदास खाने की ज़रूरत नहीं है—”
मैंने कहा, “ऐसा नहीं है। बस…”
मुझे अपनी बात पूरी करने में बहुत मुश्किल हुई। मुझे कुछ बुरा सा महसूस हो रहा था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्यों। हमेशा की तरह, मेरे जवाबों और बुरी भावनाओं का अनुपात बिल्कुल बिगड़ा हुआ था।
इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता, मुझे फुटपाथ पर घोड़ों के खुरों की आवाज सुनाई दी।
या तो कोई घोड़ागाड़ी सेंट्रल पार्क से भटक गई थी, या फिर हमारा मिलनसार पड़ोसी आवारा सूअर हमारी ओर दौड़ रहा था।
“हाय!” ग्रोवर ने हांफते हुए कहा।

उसने अपने पहले वाले पहनावे (क्रॉक्स को छोड़कर) को एक कंधे पर भारी भरकम बैग, एक छड़ी और नाचते हुए छोटे-छोटे सैटायर की आकृतियाँ बनी हुई चमकीले नारंगी रंग की टोपी से सजाया था। मुझे लगा था कि वह कैंपिंग ट्रिप पर जा रहा है, लेकिन चूंकि ग्रोवर प्रकृति के बीच रहता है, तो शायद उसने शहर में एक सप्ताह बिताने और प्रकृति की सैर करने के लिए इसी तरह तैयारी की होगी। मुझे पलंग, मिट्टी के तेल का लैंप और नाश्ता मिल गया—”
मैंने कहा, "ज़रा रुको। तुमने ये सब सेंट्रल पार्क से उठाया है?" “चूहे!” उसने कहा।
“चूहे।” मैंने स्पष्टीकरण के लिए एनाबेथ की ओर देखा, लेकिन उसने बस कंधे उचका दिए।
“यह बहुत बढ़िया है!” ग्रोवर ने वादा किया। “वे लोग सब कुछ इकट्ठा करते हैं। मतलब, कम इस्तेमाल करो, दोबारा इस्तेमाल करो, रीसायकल करो…।”
ऐसा लग रहा था मानो वह चूहों के साथ लेन-देन के गुणों पर भाषण देने के लिए तैयार हो। तभी उसकी नज़र छत पर बने गार्गोयल्स पर पड़ी।
"अरे वाह।"
“मुझे पता है, डरावना है,” एनाबेथ ने सहमति जताई।
ग्रोवर ने अपनी दाढ़ी खुजलाई। “मैं कहने वाला था कि बाईं ओर वाली मेरी चाची हेलेना जैसी दिखती है। लेकिन मुझे लगता है कि दोनों एक ही बात हैं।” वह हमारी ओर देखकर मुस्कुराया।
तो, क्या हम इसके लिए तैयार हैं?
“नहीं,” मैंने कहा।
“हां,” एनाबेथ ने कहा।
हम खोपड़ी की ईंटों से बने रास्ते से होते हुए सामने के बरामदे तक पहुँचे।
लोहे की जाली के नीचे खड़े होकर मुझे ऐसा लगा जैसे मैं और मेरे सबसे करीबी दोस्त किसी यातना के पिंजरे में घुस गए हों। शायद हेकेट के वास्तुकार का यही उद्देश्य रहा होगा।
सामने का दरवाज़ा एक तह स्क्रीन की तरह तीन लकड़ी के पैनलों में बँटा हुआ था—प्रत्येक चमकदार काले रंग का था और बीच में एक चाँदी का दरवाज़े का हैंडल लगा हुआ था। प्रत्येक हैंडल पर एक जानवर का सिर बना हुआ था—एक घोड़ा, एक शेर, एक कुत्ता—जिसे मैं हेकेट (एक प्रकार की देवी) और साथ ही अपनी पैंट बदलने से जोड़ता था।

एनाबेथ ने पैनलों का अध्ययन किया। "शायद यह एक परीक्षा है। हमें एक चुनना होगा।"
"या शायद हेकेट उन सभी को एक साथ खोलती है," मैंने कहा, "और तीन भागों में सामंजस्य बिठाकर कुछ गाती है।"
ग्रोवर सिहर उठा। “तुम्हारी कल्पना बहुत ही भयावह है। क्यों न हम तीनों के दरवाजे एक साथ खटखटाएं?”
“नहीं!” सभी दस्तक देने वालों ने एक साथ चिल्लाकर कहा।
मैं आपको बताना चाहूँगी कि मुझे हैरानी हुई, लेकिन बोलने वाले दरवाज़े के हैंडल मेरी कल्पना से परे सबसे अजीब नज़ारा नहीं था। कम से कम वे छोटे थे और दरवाज़े पर कीलों से ठोके हुए थे। वे शायद हमारी उंगलियाँ काटने से ज़्यादा कुछ नहीं कर सकते थे।
“हममें से कोई न कोई हमेशा सच बोलता है!” घोड़े ने कहा।
“हममें से कोई न कोई हमेशा झूठ बोलता है!” शेर ने कहा।
मैं कहने ही वाला था, रुको, मुझे यह पहेली पता है!
फिर कुत्ते ने बीच में कहा, "और हममें से कोई न कोई हमेशा कुछ न कुछ बेतुका बोल देता है! रुटाबागा!"
घोड़े और शेर ने कुत्ते की ओर एक नजर डाली।
“यार,” घोड़े ने कहा।
शेर ने कहा, "हमने उसके बारे में बात की है।"
“कार्ब्युरेटर!” कुत्ते ने भौंकते हुए कहा।
एनाबेथ भी अवाक रह गई। "उम—"
“अब तुम्हें हमारी चुनौती का सामना करना होगा!” घोड़े ने चिल्लाकर कहा। “वरना—”
सौभाग्यवश, हम बच गए वरना क्या होता। दरवाज़ा अपने आप खुल गया, तीनों पैनल एक साथ मुड़ गए और दरवाज़े के हैंडल से आवाज़ आई, “आह! बंद करो! धत् तेरे की!”
जहाज़ की छत!"
दरवाजे पर एक विशालकाय नरक का कुत्ता खड़ा था।
गैंडे के आकार की, खून जैसी लाल आँखों वाली, लार टपकाती हुई मुँह और खंजर जैसे नुकीले दाँतों वाली एक काली लैब्राडोर को देखकर, मेरी पहली

प्रतिक्रिया उसे गले लगाने की थी। मैं खुद को रोक नहीं पाई। वह मेरी पुरानी दोस्त श्रीमती की तरह दिखती थी।
ओ'लेरी।
फिर मुझे याद आया कि श्रीमती ओ'लेरी उन दुष्ट आत्माओं में एक अपवाद थीं।
उनमें से अधिकांश तो देवताओं को केवल नाश्ते के रूप में ही बर्दाश्त करती थीं।
ग्रोवर ने सबसे पहले प्रतिक्रिया दी, जो शायद मेरे द्वारा कुत्ते को अचानक गले लगाने से बेहतर था।
“हाय, मैं ग्रोवर हूँ!” उसने कहा। “उम, क्या हमें डोर-नॉकर चैलेंज पूरा करना है, या…?”
उस खूंखार कुत्ते ने इतनी जोर से भौंका कि मेरे बाल बीच से फट गए।
“ठीक है।” ग्रोवर हमारी ओर मुड़ा और अनुवाद करते हुए बोला, “यह हेकुबा है। वह कहती है कि दरवाज़े पर दस्तक देने वालों को नज़रअंदाज़ कर दें। स्कूल बंद होने के बाद से वे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं।”
एनाबेथ ने भौंहें चढ़ाईं। "स्कूल?"
“मुझे लगता है उसने यही कहा था।” ग्रोवर थोड़ी देर रुका। “हालांकि उस तरह की भौंकने की आवाज के कई मतलब हो सकते हैं। स्कूल। कुत्ते का बाड़ा। पेशाब करने की जगह।”
मुझे खुशी थी कि मुझे अपने स्कूल की विदेशी भाषा की अनिवार्यता के लिए जानवरों की भाषा नहीं सीखनी पड़ी। मैं अपने दोस्त लियो वाल्डेज़ के मार्गदर्शन में भी स्पेनिश में संख्याओं और रंगों को मुश्किल से ही सीख पाया था।
“वूफ़!” हेकुबा फिर से भौंकी, उसकी आँखें मुझ पर टिकी हुई थीं।
ग्रोवर परेशान लग रहा था। "उह, मुझे ऐसा नहीं लगता..." उसने मेरी तरफ देखा। "तुम्हारे शरीर से सैल्मन मछली की गंध तो नहीं आ रही? वो कहती है कि तुमसे सैल्मन मछली जैसी गंध आ रही है।"
एनाबेथ ने हंसने की कोशिश करते हुए अपना मुंह ढक लिया।
मैंने अपने मन में उन चीजों की सूची में एक और चीज जोड़ दी जिनके लिए मुझे अपने पिता को धन्यवाद देना था।

लगता है, मेरी गंध नरक के कुत्तों को प्यूरिना कैच ओ' द डे जैसी लगती थी। मैं सोचने लगा कि क्या मुझे इस बात पर दोबारा विचार करना चाहिए कि श्रीमती ओ'लेरी मुझे इतना पसंद क्यों करती थीं।
“नहीं, मैं तो बस पर्सी हूँ,” मैंने कुत्ते से कहा। “यह मेरा नाम है, मेरा स्वाद नहीं।”
“ये तो तुम्हें भी पसंद आएगा,” एनाबेथ ने आगे कहा। फिर कुत्ते से बोली: “मैं एनाबेथ हूँ। हेकेट ने हमें इस हफ्ते तुम्हारी देखभाल करने के लिए कहा है?”
हेकुबा ने अपना सिर झुकाया, ठीक वैसे ही जैसे कुत्ते तब करते हैं जब वे सुनते हैं कि उन्हें सैर पर ले जाया जाए, या दावत दी जाए, या पोसीडॉन के पुत्र को रात के खाने पर बुलाया जाए। वह तीसरी बार भौंकी, और मुझे एहसास हुआ कि उसकी सांसों से सचमुच सैल्मन मछली की गंध आ रही थी। मैंने सोचा कि क्या यह उस आखिरी अर्धदेवता की गंध थी जिसे हेकेट ने अपने घर बुलाया था। “बहुत बढ़िया, धन्यवाद!” ग्रोवर ने कहा। “वह कह रही है कि अंदर आ जाओ।”
हम दरवाज़े पर दस्तक देने की दबी हुई आवाज़ों को पीछे छोड़ते हुए उस शैतानी कुत्ते के पीछे-पीछे अंदर चले गए। “रुको! हम ठीक से काम कर रहे हैं! सूअर की खाल!”
अंदर, काले संगमरमर का एक प्रवेश द्वार एक विशाल कमरे में खुलता था जो मुझे मध्ययुगीन चर्च की याद दिलाता था। ऐसा नहीं था कि मैं कभी किसी मध्ययुगीन चर्च में गया था, लेकिन मैंने एक बार स्पैमलोट देखी थी, इसलिए मुझे लगा जैसे मैं इस विषय का विशेषज्ञ हूँ।
नक्काशीदार लकड़ी के बीमों ने नुकीली छत को सहारा दिया हुआ था, जिसे काले रंग से रंगा गया था और उस पर चांदी के नक्षत्रों के धब्बे बने हुए थे। रंगीन कांच की खिड़कियां दोनों ओर की दीवारों पर लगी हुई थीं, जबकि यह टाउनहाउस अन्य टाउनहाउसों से सटा हुआ था, इसलिए इसमें कोई पार्श्व खिड़कियां नहीं होनी चाहिए थीं।
कमरे के कोनों में, स्तंभों पर और भी पत्थर की बनी मूर्तियाँ बैठी हुई थीं। बीच की छत से एक विशाल मोमबत्तीदान लटका हुआ था—लोहे का एक पहिया जिस पर जलती हुई मोमबत्तियाँ लगी थीं, और देखने में ऐसा लग रहा था कि अगर वह मुझ पर गिरे तो मुझे बहुत चोट लगेगी। (मैंने पाया है कि जितनी ज़्यादा चोट पहुँचाने की संभावना होती है, उतनी ही ज़्यादा उसके होने की संभावना होती

है, और नहीं, मैं इस बात पर ज़्यादा चर्चा नहीं करने वाला कि यह कितना निराशाजनक है।)
धूसर पत्थर के फर्श पर फ़ारसी कालीन बिछे थे, जिन पर यातनाग्रस्त आत्माओं के दृश्य उकेरे गए थे। कमरे के दूर वाले छोर पर महोगनी की चार सीधी पीठ वाली बेंचें रखी थीं, जहाँ एक मंच स्थापित था जिस पर एक व्याख्यान मंच और एक भव्य पियानो रखा था।
उसके ऊपर, एक घुमावदार सीढ़ी की रेलिंग पर, एक दूसरे को काटती हुई दो बुझी हुई मशालें लगी हुई थीं।
यह उस तरह का कमरा था जिसे कोई देवता डिजाइन करता: भव्य, अव्यावहारिक और असुविधाजनक, जैसा कि हेकेट ने सोचा था, शायद मनुष्य इसी तरह रहते हैं।
है ना? बिलकुल! मैं यहाँ चार रातें बिताने की कल्पना भी नहीं कर सकता था, वरना मुझे चिंता की बीमारी हो जाती। दुर्भाग्य से, यही मेरा लक्ष्य था।
अफसोस।
वह खूंखार कुत्ता मंच की ओर बढ़ा और भौंका।
एक छोटा जानवर, जो मंच पर सो रहा था, ने अपना सिर उठाया। उसके पतले शरीर, त्रिकोणीय चेहरे और उसकी छोटी-छोटी आँखों के चारों ओर काले बालों के आवरण को देखकर, मैंने अनुमान लगाया कि वह एक पोलकैट था।
उसने जम्हाई ली, अंगड़ाई ली और फिर गुब्बारे से हवा निकलने जैसी आवाज के साथ पाद मारा।
“हाय!” ग्रोवर जहरीली गैसों की परवाह किए बिना उस जानवर के पास पहुंचा। “मैं ग्रोवर हूं। आप कैसे हैं?”
मैं नेवले को अपना हाथ नहीं देता। उसके दांत नुकीले थे।
फिर भी, नेवला अपने ऊंचे पैरों पर खड़ा हो गया और अपना एक छोटा सा पंजा आगे बढ़ाकर ग्रोवर से विनम्रतापूर्वक हाथ मिलाया। फिर उसने शिष्टाचारवश दोबारा पाद मारा।
“गेल?” ग्रोवर ने पूछा। (मुझे पूरी उम्मीद थी कि वह नेवले की गैस की आवाज़ का अनुवाद नहीं कर रहा होगा।) “यह तो बहुत प्यारा नाम है। ये मेरे दोस्त हैं, एनाबेथ और पर्सी।”
इससे पहले कि मैं कुछ कह पाती, जैसे 'हैलो' या 'भगवान के नाम पर, तुम क्या खा रही हो?', बदबू मुझ तक पहुँच गई। मेरी आँखों में पानी आ गया। अगर मुझे गेल के साथ पूरा स्कूल सप्ताह बिताना था, तो मुझे डियोडराइज़र खरीदने जाना

पड़ेगा। शायद मैं उसकी पूंछ पर नई कार की खुशबू वाला एयर फ्रेशनर बाँध सकती हूँ।
फिर हमारे ऊपर से एक आवाज आई, "अरे, तुम यहाँ हो!"
सीढ़ियों के शीर्ष पर स्थित बालकनी पर देवी हेकेट खड़ी थीं।
आपके सबसे अहम सवाल का जवाब देने के लिए— देवता घर में क्या पहनते हैं? — मैं अब पुष्टि कर सकती हूँ: योगा पैंट और एक ढीली स्लीपशर्ट। हेकेट के बाल ढीले जूड़े में बंधे थे, और उनका चेहरा और कमीज़ गहरे धब्बों से ढके थे, ठीक वैसे ही जैसे मेरी माँ ओवन साफ़ करने के बाद होती हैं। (माफ़ करना, माँ।) वह बिल्कुल भी मेहमानों के लिए तैयार नहीं लग रही थीं।
“क्या हम जल्दी आ गए हैं?” मैंने पूछा। “हम बाद में आ सकते हैं—”
“नहीं, नहीं!” हेकेट ने मुझे एक ऐसी मुस्कान दी जो उसके घर की सजावट की तरह ही रूखी और बेरुखी भरी थी। “आप बिल्कुल सही समय पर आए हैं। मैं आपको तीन ड्रैक्मा में घर का भ्रमण करा सकती हूँ।”
“वाह!” ग्रोवर ने कहा।
हेकेट ने आशा भरी निगाहों से हमारी ओर देखा।
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मुझे झुकना चाहिए, या अपना हाथ आगे बढ़ाना चाहिए, या फिर जोर से पादना चाहिए।
“ओह,” एनाबेथ ने आखिरकार कहा। “तुम तीन ड्रैक्मा के बारे में मजाक नहीं कर रहे हो।”
देवी की आँखों में चमक आ गई। "मैं ड्रैक्मा के बारे में कभी मजाक नहीं करती, मेरे प्रिय।"
एनाबेथ ने अपनी जेबों में हाथ डाला। उसे तीन सोने के सिक्के मिले। हमेशा की तरह, मैं उसकी इस तैयारी के लिए आभारी थी। वरना, मुझे हेकेट के उधार लेने के बारे में उस अजीबोगरीब बातचीत में पड़ना पड़ता।
"बस उन्हें पियानो पर रख दो," हेकेट ने कहा।
एनाबेथ द्वारा अपनी भेंट चढ़ाने के बाद, हेकेट की मुस्कान थोड़ी सी नरम पड़ गई।
“ठीक है, तो फिर। ऊपर आ जाओ! मछलियाँ अपने आप तो नहीं खा लेंगी!”

पाँच
हम निषिद्ध आइसक्रीम की प्रयोगशाला में प्रवेश करते हैं
जी हां, ईल मछली।
हेकेट के दूसरी मंजिल के गलियारे में, उसने खारे पानी से भरा एक विशाल कांच का स्तंभ रखा हुआ था, जिसमें मोरे मछलियाँ भरी हुई थीं, क्योंकि उसने हमें बताया था कि उनका जहरीला बलगम औषधियों के लिए अच्छा होता है। यह जानकारी मेरे लिए ज़रूरत से ज़्यादा थी।
चार लंबे पीले राक्षस टैंक में इधर-उधर रेंग रहे थे, मूंगे के आसपास मटक रहे थे और अपनी निर्जीव नीली आँखों से मुझे घूर रहे थे। हेकेट ने हमें पास के एक फ्रीजर में रखी मरी हुई मछलियों से उन्हें खाना खिलाने का तरीका दिखाया, लेकिन उसे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी। ईलें मुझे सब कुछ टेलीपैथिकली बता रही थीं। उनके विचार बर्फ की कुल्हाड़ी की तरह मेरे दिमाग में उतर रहे थे।

वह हमें दिन में छह बार खाना खिलाती है, यह बात उस व्यक्ति ने कही जो खुद को लैरी समझता था।
"उन्हें दिन में केवल एक बार ही खाना खिलाएं," हेकेट ने कहा।
एक अन्य ईल, फोर्टुनाटो ने कहा, "हमें बीस-बीस मछलियाँ मिलती हैं।" “प्रत्येक को एक-एक मछली,” हेकेट ने निर्देश दिया।
बिगविग नाम की ईल ने कहा, "और पोलकैट भी स्वादिष्ट लग रहा है। हम पोलकैट खा सकते हैं।"
मैंने देवी से कहा, "हम इसका हल निकाल लेंगे। मुझे समुद्री जीवों से बहुत अच्छी तरह से मेलजोल है।"
हमें सब कुछ खिला दो, चौथी ईल, जेनेट ने चेतावनी दी। वरना हम तुम्हें काट लेंगे।
हमारी शुरुआत शानदार रही।
ईल हॉल से आधा दर्जन गलियारे निकलते थे, जिनमें से प्रत्येक में काले रंग के वार्निश किए हुए दरवाजे लगे थे जिन पर डरावने आर्ट डेको कंकालों के चित्र बने थे। आर्ट क्रीपो?
"ये बेडरूम हैं," हेकेट ने एक गलियारे की ओर इशारा करते हुए कहा।
"लेकिन ये केवल उन भाग्यशाली शिष्यों के लिए हैं जिन्हें मैं जादू का प्रशिक्षण देता हूं।"
एनाबेथ ने दिलचस्पी दिखाई। "क्या आप ऐसा अक्सर करते हैं?"
“मैंने कई सालों से ऐसा नहीं किया है।” हेकेट ने आह भरी। “एक समय यह हवेली जादू का स्कूल हुआ करती थी—”
“अजीब विचार है,” मैंने बुदबुदाया, क्योंकि कभी-कभी मैं ऐसी बातें बोल देता हूँ जो नहीं बोलनी चाहिए। बात बस इतनी थी कि मुझे कल्पना करने में दिक्कत हो रही थी कि छात्र घर में इधर-उधर दौड़ रहे हैं, एक-दूसरे पर जादुई छड़ियों से वार कर रहे हैं और ईल के बलगम से जादुई दवाइयाँ बना रहे हैं। इससे पहले कि हेकेट मुझे दंडित कर पाती, एनाबेथ बीच में कूद पड़ी। "हेकुबा ने बताया था कि स्कूल बंद हो गया है। ऐसा क्यों हुआ?"
हेकेट ने नरक के कुत्ते को गुस्से भरी नज़र से देखा। "अगर हम एक खुशहाल परिवार बने रहना चाहते हैं, तो हम स्कूल के बारे में बात नहीं करेंगे।" कुत्ते ने अपनी पूंछ पैरों के बीच दबा ली। हेकेट के कंधे पर बैठा नेवला चहचहा रहा था, शायद नरक के कुत्ते को चिढ़ा रहा था।

ग्रोवर ने गला साफ किया। "तो फिर हम कहाँ सोएंगे?" उसकी आवाज़ में थोड़ी चिंता झलक रही थी, क्योंकि सोना उसकी पसंदीदा चीजों में से एक है।
हेकेट हिचकिचाई। अगर मैं शर्त लगाने वाला होता, तो मेरा अनुमान होता कि हमारे सोने की व्यवस्था का सवाल उसके दिमाग में आया ही नहीं था।
"आप चाहें तो लिविंग रूम में डेरा डाल सकते हैं," उसने सुझाव दिया। “शानदार!” ग्रोवर ने विजयी मुस्कान के साथ कहा। “अच्छा हुआ मैं अतिरिक्त बिस्तर ले आया!”
मैंने कल्पना की कि मैं लोहे के कैंडलस्टैंड के नीचे सो रही हूँ, उसके गिरने और मुझे काटकर चीनी की कुकी के आकार में बदलने का इंतज़ार कर रही हूँ। या शायद मैं गेल नाम के उस पादने वाले नेवले के बगल में ग्रैंड पियानो पर लेट जाऊँ। कितने सारे विकल्प थे!
मैंने पूछा, "बाथरूमों के बारे में क्या?"
हेकेट ने माथे पर शिकन डाली। एक और मानवीय आवश्यकता जिसके बारे में उसने शायद सालों से नहीं सोचा था: फ्लश करने की ज़रूरत। उसने अस्पष्ट रूप से दूसरे गलियारे की ओर इशारा किया। "वहाँ नीचे आपको स्नानघर वाले कमरे मिलेंगे।"
मैंने पूछा, "आपने अभी-अभी नए बनाए हैं, है ना?"
“नहीं!” उसने झल्लाकर कहा। “अब, यहाँ नीचे आपको पुस्तकालय मिलेगा…।” “क्या यह भी वर्जित है?” मैंने अनुमान लगाया।
हेकेट ने अपनी भौंहें चढ़ा लीं। “मैं किताबों तक पहुँच को सीमित नहीं करती, पर्सी जैक्सन। मैं कोई राक्षस नहीं हूँ। अगर तुम्हें लगता है कि तुम मेरे पुस्तकालय के ज्ञान को समझ सकते हो, तो ठीक है। लेकिन अगर वह ज्ञान तुम्हें जलते हुए बैंगनी आर्मडिलो में बदल दे, तो बाद में मेरे पास रोते हुए मत आना।”
मैंने ध्यान दिया कि वह किस गलियारे की ओर इशारा कर रही थी। मैं रात में शौचालय ढूंढते हुए इधर-उधर भटकना नहीं चाहता था और कहीं खुद को खतरनाक जादुई किताबों से भरे कमरे में न पा लूँ। साथ ही, आर्माडिलो के बारे में दी गई चेतावनी कुछ ज़्यादा ही सटीक लग रही थी, मानो ऐसा पहले भी हो चुका हो। लेकिन एनाबेथ की आँखों में एक अलग ही चमक थी। उसके लिए ज्ञान बेहद आकर्षक था। यहाँ तक कि वह चटख बैंगनी रंग का ज्ञान भी, जिसने मुझे थोड़ा परेशान कर दिया।

ग्रोवर ने हाथ उठाया। “और क्या यहाँ रसोई है…?” उसने एनाबेथ के मैक्सिकन खाने के बैग की ओर इशारा करते हुए कहा। “हमारे टैकोस और एन्चिलाडास शायद ठंडे हो रहे हैं।”
अब उनकी आवाज़ में वाकई चिंता झलक रही थी। उन्हें सोने से भी ज़्यादा खाना पसंद था। उन्हें एनचिलाडा बहुत पसंद थे, जिनके बारे में उनका कहना था कि वे इतने ज़रूरी हैं कि उन्हें "भोजन" से अलग श्रेणी में रखा जाना चाहिए। हेकेट ने उपहास उड़ाते हुए कहा, “बेशक मेरे पास रसोईघर है, हालाँकि हम उसे प्रयोगशाला कहते हैं। वह तहखाने में है। मेरे पीछे आओ।”
वह हमें एक अलग सीढ़ी से नीचे ले गई। वहाँ कितने लोग थे? मुझे ऐसा लगा कि घर अपनी असलियत से कहीं ज़्यादा बड़ा था—जैसे कि अंदर का हिस्सा, बाहर की तरह, आसपास की इमारतों में घुलमिल गया हो। मुझे उम्मीद थी कि कहीं मैं गलती से किसी पड़ोसी के घर में न घुस जाऊँ और उन्हें नहाते हुए चौंका न दूँ। हेकुबा नाम की वह कुतिया हमारे पीछे-पीछे दबे पांव चल रही थी, जो अपनी माँ की डांट से अभी भी उदास लग रही थी। उसके मुंह से लार टपक रही थी, जिससे मुझे शक था कि उसके आने-जाने का पता लगाना आसान हो जाएगा।
गेल नाम की नेवला अभी भी हेकेट के कंधे पर बैठी थी। उसमें यह खूबी थी कि वह मेरे ठीक पीछे आने का इंतजार करती और फिर बदबूदार आवाज निकालती थी। तहखाना घर का सबसे रोशन और विशाल हिस्सा निकला। सफेद पत्थर का फर्श बर्फीले दूध की तरह चमक रहा था। खिड़कियों से धुंधले शीशे के ज़रिए तेज़ रोशनी अंदर आ रही थी, जो अजीब था क्योंकि सूरज पहले ही डूबना शुरू हो चुका था। शायद खिड़कियों का हर समूह अलग-अलग समय क्षेत्र में मौजूद था, और दिन के ठीक उसी समय पर था जब उसे एकदम सही रोशनी मिल रही थी।
कमरे के बीचोंबीच स्टेनलेस स्टील के वर्कस्टेशनों की एक कतार खड़ी थी, जो मुझे मुर्दाघर की मेजों की याद दिला रही थी। दीवारों के किनारे इतने सारे सफेद ग्रेनाइट के काउंटर, मिक्सिंग बाउल, ब्लेंडर, कटिंग बोर्ड, ओवन और चूल्हे लगे थे कि रसोइयों की पूरी फौज व्यस्त रह सकती थी। काँच के दरवाजों वाली अलमारियों में सैकड़ों जार, शीशियाँ और बीकर रखे थे, जो रंग-बिरंगे तरल पदार्थों से भरे थे। उनमें से कुछ में चिपचिपी वस्तुएँ तैर रही थीं, और मैं सचमुच यह जानना नहीं चाहता था कि वे क्या थीं। पास के चूल्हे पर कई ढके हुए बर्तन धीमी आँच पर उबल रहे थे और उनसे भाप निकल रही थी।

हेकेट ने गर्व से अपनी बाहें फैलाईं। “मुझे पता है आप क्या सोच रहे हैं: यह तो 'द ग्रेट विचेस ब्रू ऑफ' के सेट जैसा लग रहा है। और आप सही हैं। हमने इसके सभी सात सीज़न यहीं फिल्माए हैं।”
“ओह!” ग्रोवर ने कहा। “मुझे विकास के अमृत वाला एपिसोड बहुत पसंद आया! जब अलेजांद्रो एक हाइपरबोरियन दैत्य में बदल गया—?”
“एक क्लासिक,” हेकेट ने सहमति जताते हुए कहा। “सीज़न तीन, एपिसोड पाँच।” मैंने एनाबेथ की तरफ देखा, जो मेरी ही तरह हैरान दिख रही थी। शायद हम हेकेट के टीवी पर वो शो ढूंढकर इस हफ्ते पूरा देख लें। शायद उसके पास ओलंपस+ या जो भी आजकल देवता देख रहे हों, उसका सब्सक्रिप्शन होगा।
ग्रोवर ने हवा को सूंघा। "यह कितनी मनमोहक खुशबू है?"
वह अपनी नाक के सहारे—उबलते हुए बर्तनों की दुर्गंध को पार करते हुए— सबसे दूर वाले काउंटर तक पहुँचा, जहाँ एक पुराने ज़माने की आइसक्रीम बनाने वाली मशीन गड़गड़ा रही थी: एक चाँदी का डिब्बा कुटी हुई बर्फ से भरी लकड़ी की बाल्टी में घूम रहा था। मैंने ऐसी मशीन सालों से नहीं देखी थी।
अंदर जो भी था, उससे गर्मियों की धूप में पक रही ताज़ी स्ट्रॉबेरी की खुशबू आ रही थी, बिल्कुल कैंप हाफ-ब्लड के खेतों जैसी। डिब्बे के किनारे से गुलाबी रंग का एक बूंद तरल टपक रहा था, और ग्रोवर खुद को रोकने की कोशिश करते हुए कांप रहा था। खुशबू इतनी तेज़ थी कि मेरा भी मन कर रहा था कि मैं अपनी उंगली उसमें डुबोकर चख लूँ।
“मेरे किसी भी प्रोजेक्ट को तुम हाथ नहीं लगाओगे,” हेकेट ने चेतावनी दी। “जब तक मैं वापस नहीं आती, तब तक इन्हें चूल्हे पर ऐसे ही पकने देना होगा। लेकिन इस स्ट्रॉबेरी मिल्कशेक प्रयोग के लिए मैं एक अपवाद बना रही हूँ।” ग्रोवर की आंखें चौड़ी हो गईं। "क्या तुम ऐसा करोगे?"
“कल सुबह ठीक दस बजे, यह सही स्थिति में होगा। मैं आपको मोटर का प्लग निकालने, सुरक्षा दस्ताने पहनकर बर्फ में से कनस्तर निकालने और उसे वहाँ रखे फ्रीजर में रखने की अनुमति देता हूँ। बस इतना ही आप कर सकते हैं।” किसी भी हालत में इसे चखना मना है, वरना इसके गंभीर परिणाम होंगे। समझे? ग्रोवर को देखकर ऐसा लग रहा था मानो वह गोल्फ बॉल के आकार के निराशा के एक बड़े से टुकड़े को निगलने की कोशिश कर रहा हो। उसने उदास भाव से सिर हिलाया।

“अच्छा,” हेकेट ने कहा। “अन्यथा, आप अपनी इच्छानुसार भोजन तैयार करने के लिए रसोई का उपयोग कर सकते हैं। अब, आपकी सांसारिक ज़रूरतों के बारे में बहुत हो गया। चलिए मैं आपको दिखाती हूँ कि मेरे पालतू जानवरों की ठीक से देखभाल कैसे की जाती है!”

छह
कच्चे चिकन के कंकाल और उन्हें कहाँ से प्राप्त करें
हेकेट को नियम पसंद थे।
उसके पास पालतू जानवरों को खाना खिलाने के नियम थे, उन्हें टहलाने के नियम थे, उनकी देखभाल करने के नियम थे, और नियमों के नियमों का पालन करने के तरीके के बारे में भी नियम थे।
"ये हेकुबा के विटामिन हैं," उसने कहा, एक अलमारी के सामने खड़े होकर, जिसमें मेसन जार रखे हुए थे, और हर जार में चिकन नगेट्स जैसे दिखने वाले

विभिन्न रंगों के दाने भरे हुए थे - ग्रे, सुनहरा, हरा, नीला और गुलाबी-सफेद पोल्का-डॉट्स वाले।
वह हर सुबह हर जार में से दो निकालती है।
“हर जार?” मैंने पूछा।
ऐसा लग रहा था कि इसमें जरूरत से ज्यादा विटामिन हैं, यहां तक कि एक विशालकाय कुत्ते के पेट के लिए भी।
“उसके जोड़ों और फर के लिए बहुत ज़रूरी है,” हेकेट ने ज़ोर देकर कहा। “उसे ये पसंद नहीं हैं, लेकिन उसे मना करने मत देना।”
कमरे के कोने में, हेकुबा अपने बड़े से डॉगी बेड पर सिकुड़कर लेट गई, जो किसी झूले के आकार का था। उसने अपना चेहरा अपने पंजों पर टिकाया और गहरी साँस ली। मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी। मैं सोच रही थी कि हर सुबह उसे चालीस मेडिसिनल मैकनगेट्स खिलाने में कितना समय और मेहनत लगेगी। “नाश्ते और रात के खाने में उसे दो कप सूखा खाना दिया जा सकता है,” हेकेट ने आगे कहा। “मेरे जाने के दौरान उसे कोई ट्रीट नहीं दी जाएगी, वरना वह सोचेगी कि वह आपका फायदा उठा सकती है।”
जिसे वह किबल कह रही थी, वह मुझे पत्थरों से भरे कूड़ेदान जैसा लग रहा था। नापने वाला चम्मच एक गैलन दूध के जग से बनाया गया था। किबल से सूखी बर्फ की तरह धुआं निकल रहा था और उससे गर्म डामर जैसी गंध आ रही थी।
“वाह,” मैंने कहा।
“उसे यह बहुत पसंद है,” हेकेट ने जोर देकर कहा, फिर अपने नरक के कुत्ते की ओर मुड़ी। “है ना, प्यारी बच्ची?”
हेकुबा की बड़ी-बड़ी लाल आँखें मानो यह संदेश दे रही थीं कि मुझे अपने जीवन से नफरत है।
“ये मेरी प्यारी बच्ची है,” हेकेट ने प्यार से कहा। “अब, इसे दिन में दो बार, सुबह और शाम को सैर पर ले जाया जाता है। यहाँ आपको इसका सामान मिल जाएगा।”
उसने अलमारी का दरवाजा खोला, जिसमें चालीस गैलन के भारी भरकम बगीचे के कचरे के थैलों का एक डिब्बा दिखाई दिया, जिन पर दोबारा लेबल लगाकर उन्हें "हेकुबा के लिए मल के थैले" नाम दिया गया था। दीवार पर कई विशालकाय पट्टे लटके हुए थे—एक गुलाबी, एक पीला, एक पर डेज़ी के फूल बने थे और एक पर हेलो किटी के डिज़ाइन थे।

"बस उसे पेंसिल्वेनिया से आगे मत ले जाना," हेकेट ने सलाह दी। “पेंसिल्वेनिया?” ग्रोवर ने पूछा।
हेकेट ने एनाबेथ की ओर मुड़कर कहा, "क्या तुम्हारे दोस्त थोड़े मंदबुद्धि हैं, या उनकी सुनने की क्षमता ही खराब है?"
एनाबेथ ने अपने चेहरे पर कोई भाव नहीं आने दिया। “वे ठीक हैं। बस थोड़ा विस्मय में हैं। आखिर आप एक देवी हैं।”
हेकेट उस जवाब से संतुष्ट दिखीं। “अच्छा… मुझे खुशी है कि उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए एक समझदार युवती मिली है। अगर मेरा स्कूल अभी भी होता…” वह हिचकिचाईं, फिर आह भरी। “छोड़ो। यह बहुत ज़रूरी है कि जानवरों को बिना पट्टे के बाहर न जाने दिया जाए। इन सामानों पर जादू किया गया है ताकि मेरे ये छोटे शरारती जानवर इनसे बचकर भाग न जाएं। अगर आप में से कोई दरवाज़ा खोलकर उन्हें बाहर जाने दे तो—”
“हम ऐसा नहीं करेंगे,” मैंने वादा किया, क्योंकि मैं हेकेट की तीन सिरों वाली भयंकर मृत्युदंड की धमकियों का एक और प्रदर्शन देखने के मूड में नहीं थी। मैं जादू के प्रभाव में भी नहीं आना चाहती थी। यह बहुत दर्दनाक लगता था।
“बहुत बढ़िया!” हेकेट ने प्रसन्नता से कहा। “अब गेल के बारे में बात करते हैं।”
मैं उस बातचीत के लिए तैयार नहीं था... कच्चा चिकन देखते ही मुझे बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा।
गेल का अपना एक नेवला खेलने का कमरा था। वह जगह कालीन बिछे खंभों का जंगल थी, जिनमें नेवले के आकार के छेद थे, ताकि गेल को भागने, छिपने और पादने के लिए खूब जगह मिल सके। फर्श पर देवदार की छीलन की मोटी परत ने पेट की परेशानी की गंध को कुछ हद तक ढक रखा था, लेकिन फिर भी ऐसा लग रहा था जैसे गेल ने वहाँ अपना घर बना लिया हो। पीछे की दीवार के किनारे लड़ाकू पुतलों की एक कतार खड़ी थी—वैसे पुतले जो आत्मरक्षा की कक्षा में देखने को मिलते हैं, चबूतरे वाले आधार, गद्देदार ऊपरी शरीर और रबर के कटे बालों वाले सिर। नेवले ने इन पर जमकर हमला किया था। मैं चबाई हुई नाक, फटी हुई आंतें और पंजों के निशानों से यह समझ सकता था, जहाँ पुतलों के गुप्तांग होते।

मैं इन सब बातों को बर्दाश्त कर सकती थी। एक नेवला को भी मौज-मस्ती करने का हक है। लेकिन जब हेकेट ने हमें गेल का खाने का सामान दिखाया तो मैं लगभग आपा खो बैठी।
लाल रंग के इनेमल वाले रेफ्रिजरेटर का दरवाज़ा खुला और उसमें मांस टांगने वाले हुकों पर लटकी हुई मुर्गियों की लाशों की एक कतार दिखाई दी। गेल ने उन्हें देखते ही हेकेट के कंधे से छलांग लगा दी और खुशी से चहचहाते हुए हेकेट के पैरों के चारों ओर चक्कर लगाने लगी।
“नासमझ लड़की।” देवी खिलखिलाकर हंस पड़ीं। “इंतजार करो, मैं इसे तैयार कर देती हूँ।”
हेकेट ने फ्रिज से मुर्गे का कंकाल निकाला और छत से जंजीर से लटके एक बड़े मांस टांगने वाले हुक के पास गई। उसने मुर्गे को हुक पर टांग दिया और उसे झूलने दिया।
मुझे यह एहसास होते ही डर लगने लगा कि नेवला उस पर कूदने वाला था।
लेकिन यह छह फीट की ऊंचाई पर था। गेल किसी भी हालत में वहां तक नहीं पहुंच सकता था...
नेवला एक रॉकेट की तरह उछली और मुर्गी की बाईं जांघ में अपने नुकीले दांत गड़ा दिए। उसने अपने पंजों से झूलती हुई मुर्गी पर चढ़ाई की और फिर उसके, उह, खोखले हिस्से में गायब हो गई। मुर्गी की छाती से गुर्राने, फाड़ने और चूसने की आवाज़ें आ रही थीं। फिर, एक भयानक र-र-रिप की आवाज़ के साथ, गेल का सिर मुर्गी की पसलियों को चीरता हुआ निकल गया। उसकी आँखें खुशी से चमक रही थीं।
उसके दांत खून से सने थे, और उसकी खाल मुर्गे के मांस और चर्बी से ढकी हुई थी।
“ओह,” ग्रोवर ने कमजोर, पतली आवाज में कहा। “मुझे उम्मीद थी कि उसने चूहे के स्वाद वाले बिस्कुट या कुछ और खाए होंगे, लेकिन, उम…”
लेकिन इसके बजाय, हमें एलियन फिल्म का राक्षस मिल गया।
यहां तक कि एनाबेथ भी थोड़ी घबराई हुई लग रही थी, जबकि हम तीनों में से वही सबसे कम घबराने वाली थी।
“उह…” उसने कहा, जो सुनने में कुछ वैसा ही लग रहा था जैसे आप दोपहर का खाना खाने से ठीक पहले कहते हैं। “वह ऐसा कितनी बार करती है?”

“नाश्ता और रात का खाना,” हेकेट ने एक संतुष्ट माँ की मुस्कान के साथ कहा। “ज़ाहिर है, वह पूरा नहीं खाती।”
मैंने नेवले को देखा, जो वापस शव में घुस गया था और उसे हिला रहा था, जिससे मांस और चर्बी नीचे से टपक रही थी। "वाह।"
हेकेट ने मेरी ओर भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "भोजन का सबसे अच्छा हिस्सा तो अपने खाने के साथ खेलना ही होता है, पर्सी जैक्सन। तुम यह बात तो जानते ही होगे।"
मुझे वो दिन याद आए जब मैं छोटा था और आलू और मटर को मसलकर महल बनाया करता था। फिर मुझे उन सभी राक्षसों की याद आई जिन्होंने मुझे खाने की कोशिश करने से पहले मेरे साथ खिलवाड़ किया था।
“हाँ,” मैंने कहा। “तो हमने उसे थोड़ी देर तक इस पर सोचने दिया, और फिर…” गेल मुर्गी से नीचे उतरी, अपने नुकीले दांत दिखाने के लिए कुछ बार चहचहाई, फिर बिल्ली की तरह खुद को संवारने लगी। मुझे अचानक समझ आया कि उसका फर इतना चमकदार क्यों दिख रहा था—मुर्गी की चर्बी से अच्छी तरह कंडीशनिंग हो रही थी।
“तो फिर तुम सफाई करो!” हेकेट ने चुटकी बजाई, जिससे लाश धूल के गुबार में बदल गई। “आसान!” मैंने देखा कि उसने खाने के कुछ गंदे टुकड़े फर्श पर छोड़ दिए थे जिन्हें हमें साफ करना था।
ग्रोवर ने उंगलियां चटकाने की कोशिश की। यह एक ऐसी कला थी जिसमें वह कभी पूरी तरह माहिर नहीं हो पाया था।
अगर वह ऐसा कर भी सकता, तो मुझे शक था कि वह जादू से मरी हुई मुर्गियों को गायब नहीं कर पाता। गेल के बचे हुए खाने के साथ हमें कुछ मजेदार काम करना था।
“अब,” हेकेट ने कहा, “गेल के बारे में बात करते समय सही शब्दावली का प्रयोग करना महत्वपूर्ण है। अगर आप उसे किसी और प्रकार का मस्टेलिड कहेंगे तो वह बहुत नाराज़ हो जाती है। चाहे कुछ भी हो जाए, उसे कभी भी नेवला मत कहना।” गेल उछल पड़ी और चीखने लगी जैसे किसी ने उसकी पीठ में सुई चुभो दी हो। उसकी आँखें एकदम लाल हो गईं। उसके कानों से धुआँ निकल रहा था। मुझे पूरा यकीन था कि ज़्यादातर नेवले ऐसा नहीं करते।

“हाँ—बिल्कुल,” ग्रोवर हकलाते हुए बोला। “सब जानते हैं कि पोलकैट नेवलों से कहीं बड़े होते हैं। और हाँ, पोलकैट के चेहरे पर काले रंग के घने बाल होते हैं जो उनकी नाक तक फैले होते हैं!”
“यह तो सबको पता है,” मैंने सहमति जताई।
हेकेट ने कहा, "वह न तो नेवला है, न ही मिंक। न ही चूहा। और निश्चित रूप से वह एक स्कंक भी नहीं है।"
गेल ने गुस्से में फुफकारा।
“वाह, नेवला,” एनाबेथ ने कहा। “पक्का नेवला ही है।”
गेल ने गुस्से से सूंघा, फिर अपने पास रखे युद्ध के पुतले से खेलने लगी। और जब मैं खेलने की बात कह रही हूँ, तो मेरा मतलब है कि वह उसके सिर पर कूद पड़ी और उसके चेहरे पर छेद करने लगी।
मैंने कहा, "बहुत प्यारा।"
“मुझे पता है।” हेकेट ने संतुष्टि से आह भरी। “मुझे उन्हें छोड़कर जाना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता, चाहे कुछ दिनों के लिए ही क्यों न हो! लेकिन मुझे भरोसा है कि वे अच्छे हाथों में होंगे।” उसने मेरी तरफ देखा, भौंहें चढ़ाईं, फिर एनाबेथ की तरफ थोड़ी और उम्मीद से देखा। “गेल का हार्नेस उस दीवार पर टंगा है। जब तुम हेकुबा को सैर पर ले जाओगी, तो वह तुम्हारे साथ जा सकती है।”
हार्नेस काले चमड़े का था जिसमें स्टेनलेस स्टील के स्पाइक्स लगे थे। क्योंकि गेल धातु का बना था।
हेकेट ने हमें पोलकैट की गुफा की कुछ और खास चीजें दिखाईं: गत्ते का डिब्बा जहाँ गेल सोना पसंद करता था, उसके बगल में पोलकैट के लिए एक महंगा आवास था जो डिब्बे में आया था लेकिन गेल उसे देखना तक नहीं चाहता था। वहाँ फर्श पर जरूरत के हिसाब से बिछाने के लिए देवदार की छीलन का एक अतिरिक्त पैलेट, एक पूपर-स्कूपर, एक ग्रूमिंग किट और खरगोश के स्वाद वाले विशेष टूथपेस्ट के साथ पोलकैट का टूथब्रश भी था।
अंत में, हेकेट हमें वापस बड़े कमरे में ले गई।
“और क्या…?” उसने सोचा। “अरे हाँ, मेरे शक्ति के प्रतीक!”
उसने बालकनी की रेलिंग से लटकी हुई दो मशालों की ओर इशारा करते हुए कहा, “मैं ये मशालें आपको दे रही हूँ, लेकिन इनका इस्तेमाल केवल आपात स्थिति में ही करना।”

एक अत्यंत गंभीर आपात स्थिति के बारे में। क्या यह स्पष्ट है?
यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं था। हम दो मशालों का क्या करते? क्या यह आपातकालीन स्थिति मानी जाती अगर कोई हाइपरबोरियन दैत्य आकर हमसे रोशनी मांगता? चूंकि हेकेट पहले से ही मुझे बेवकूफ समझती थी, इसलिए मैंने सोचा कि सबसे सुरक्षित तरीका यही होगा कि मैं सिर हिला दूं। "समझ गया।"
“अच्छा…” हेकेट ने रंगीन कांच की खिड़कियों पर नज़र डाली, जो सूर्यास्त के साथ धुंधली होती जा रही थीं। “मुझे अब जाना होगा। टोक्यो डिज्नीलैंड जल्द ही खुलने वाला है, और वे मेरे सम्मान में एक डरावनी परेड आयोजित कर रहे हैं। कोई सवाल? नहीं? अच्छा!”
उसने एक बार फिर अपनी उंगलियां चटकाईं। उसकी नाइटशर्ट और योगा पैंट एक शानदार काले शाम के गाउन में बदल गईं, जिसमें काले रेशमी दस्ताने, हीरे का हार और उसके घने काले बालों में सोने का मुकुट था। वह डार्क सिंड्रेला जैसी लग रही थी, मानो अपनी दुष्ट सौतेली बहनों, राजकुमार और परी गॉडमदर को बेहतर गाड़ी न दिलाने के लिए सज़ा देने को तैयार हो।
“घर की चाबियां सामने वाले दरवाजे पर एक चाबी के गुच्छे में लटकी हैं, जिसमें छोटी-छोटी मशालें एक-दूसरे को काटती हुई बनी हैं,” उसने कहा। “जाते समय हमेशा ताला लगा देना। मैं तुमसे शुक्रवार की आधी रात को मिलूंगी। अगर सब ठीक रहा, तो तुम्हें तुम्हारा सिफारिशी पत्र मिल जाएगा, पर्सी जैक्सन। अगर सब ठीक नहीं रहा…”
मैंने अनुमान लगाया, "मुझे सिफारिश पत्र की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि मेरा कोई भविष्य नहीं होगा।"
उसने रेशमी दस्ताने से मेरे गाल पर थपथपाया। “मुझे पता था कि तुम दिखने से कहीं ज़्यादा समझदार हो। टाटा!”
देवी काले धुएं के बवंडर में गायब हो गईं।
मैंने एनाबेथ और ग्रोवर की तरफ देखा। मैंने कुछ हौसला बढ़ाने वाली बात सोचने की कोशिश की। तभी मैंने देखा कि हेकुबा और गेल अपने-अपने कमरों के दरवाजों से हमें घूर रहे थे। उनकी आँखें चमक रही थीं। दोनों मुस्कुराए, अपने दाँत दिखाते हुए मानो सोच रहे हों, माँ चली गई। अब मज़ा शुरू होता है।

सात
मैं डॉग-स्कीइंग करने जाता हूँ
असली मज़ा तो खाने और चिकन के ढेर के बाद सफाई करने में शुरू हुआ। हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की, हालांकि मेरी इच्छा थी कि हमारे पास हज़मैट सूट और शायद एक फायर होज़ होता।
जब मैं लड़खड़ाते हुए वापस बड़े कमरे में पहुँचा, तब तक मेरा खुद का खाना खाने का मन नहीं था। अच्छा ही हुआ। हेकुबा और गेल के मन में कुछ और ही चल रहा था। वे दोनों सामने के दरवाजे के पास खड़े थे, अपने कुत्तों की पट्टियाँ मुँह में पकड़े हुए।
“ठीक है,” मैंने उनसे कहा। “लेकिन हम पेंसिल्वेनिया तक नहीं जा रहे हैं।” कल एनाबेथ और मेरा स्कूल है।
मुझे लगा था कि जानवर मुंह फुला लेंगे। लेकिन इसके बजाय, वे खुशी से पागल हो गए। गेल चहचहाती और गोल-गोल दौड़ने लगी, अपने भारी-भरकम धातु के

हार्नेस को पीछे घसीटती हुई। अगर कमरे में मुर्गे का शव होता, तो मुझे लगता है कि वह खुशी के मारे उसे नोंच डालती।
हेकुबा अपने पिछले पैरों पर ऐसे खड़ी हो गई मानो रविवार की प्रार्थना सभा में उसे पवित्र आत्मा का अनुभव हो रहा हो। फिर वह खेल-खेल में झुकी और इतनी ज़ोर से भौंकी कि मोमबत्ती स्टैंड हिल गया।
एनाबेथ ने हेकुबा को पट्टा पहनाने में मेरी मदद की। एनाबेथ को हर कुत्ता पसंद था—जितना बड़ा और डरावना, उतना ही प्यारा। मेरी अपनी खूंखार कुतिया, मिसेज़ ओ'लेरी के मामले में, मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगा। लेकिन जब एनाबेथ हेकुबा के आसपास इतनी बेफिक्री से पेश आती थी, तो मुझे चिंता होने लगती थी।
ग्रोवर ने गेल को मीठी-मीठी बातें करके शांत करने की कोशिश में कुछ मिनट बिताए ताकि वह उसे लगाम पहना सके। “वाह, कितनी प्यारी नेवला है! स्कंक या चूहे से कहीं ज़्यादा सुंदर! कितनी प्यारी नेवला है!”
गेल ने पाद मारा, जो शायद इस बात का संकेत था कि वे एक-दूसरे के करीब आ रहे थे।
आखिरकार, हमने दोनों जानवरों को उनकी रस्सियों से बांध दिया। एनाबेथ ने हेकुबा की रस्सी पकड़ी हुई थी, जिसके एक सिरे पर वाटरस्कीइंग की रस्सी की तरह एक छड़ जैसा हैंडल लगा हुआ था। ग्रोवर ने गेल की ज़िम्मेदारी संभाली, जिसने अपने पैरों को ममी की तरह लपेट लिया और उसके खुरों के चारों ओर दौड़ती हुई, मस्ती करने के लिए तैयार थी।
"क्या अब सब ठीक है?" मैंने ग्रोवर के खुद को अलग करने के बाद पूछा।
“ठीक है,” एनाबेथ ने सहमति जताई।
हम जाने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थे। जैसे ही मैंने सामने का दरवाजा खोला, हेकुबा तेजी से फुटपाथ पर दौड़ने लगी और एनाबेथ को अपने पीछे घसीटती चली गई। गेल ने भी उसके साथ चलने की पूरी कोशिश की, जिससे ग्रोवर को भी तेज दौड़ लगानी पड़ी।
मैं उनके पीछे भागने लगा। तभी दरवाज़े पर दस्तक देने वाले ने चिल्लाकर कहा, “दरवाज़ा बंद करो! नहीं, दरवाज़ा खुला छोड़ दो! CRÊPES SUZETTE!” मैं तेजी से अंदर भागा, चाबियां पकड़ीं, फिर ताला लगाया और अपने दोस्तों के पीछे भागा, जो अब लेक्सिंगटन एवेन्यू पर गायब हो रहे थे।

एनाबेथ को मौत के मुंह में घसीटे जाने से बचाने वाली एकमात्र चीज उसके तेज पैर और यह तथ्य था कि हेकुबा एक स्प्रिंटर थी, मैराथनर नहीं।
वह विशालकाय लैब्राडोर एक ब्लॉक दौड़ता, कूड़ेदान को सूंघने के लिए रुकता, फिर दूसरे ब्लॉक दौड़ता, पीछे मुड़कर देखता कि कहीं एनाबेथ सड़क दुर्घटना में मर तो नहीं गई, फिर दूसरे कूड़ेदान को सूंघता, और इसी तरह दौड़ता रहता। क्योंकि जीवन छोटा है। आपको रुककर कूड़ेदानों को सूंघने के लिए समय निकालना चाहिए।
मैं उनसे 30 वीं और लेक्स स्ट्रीट पर मिला, जो हवेली से नौ ब्लॉक उत्तर में था। उस समय तक गेल सैटायर एक्सप्रेस में आराम कर रही थी। वह खुशी-खुशी ग्रोवर के सिर पर बैठी थी और उसके बाएं सींग को कुतर रही थी, जबकि ग्रोवर उसे नीचे उतारने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसे ज़्यादा सफलता नहीं मिल रही थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या राहगीरों ने उस नेवले को देखा था, या उन्होंने सोचा था कि ग्रोवर बस खुद से बातें कर रहा है और उसका मूड खराब है। एनाबेथ की चोटियाँ खुल गई थीं, मानो वह किसी तेज़ हवा के झोंके से गुज़री हो। उसकी कमीज़ पर नए दाग थे, जींस में नए छेद थे और बाएँ घुटने पर खरोंच थी।
“अब मेरी बारी?” मैंने पट्टे की ओर इशारा किया।
उसने इसे सौंप दिया।
“रनिंग शूज़,” उसने हांफते हुए अपने फ्लैट जूतों की ओर इशारा किया। “कल मैं रनिंग शूज़ लेकर आऊंगी।”
“वूफ़!” हेकुबा को दौड़ना शब्द बहुत पसंद आया होगा। मेरे पास स्की का हैंडल पकड़ने के लिए बस थोड़ा सा ही समय था, इससे पहले कि वह मुझे पूरी रफ्तार से दौड़ा देती।
जब तक हम ईस्ट 80 वीं स्ट्रीट पर पहुंचे, तब तक मैं पसीने से भीग चुका था, मेरी सांस फूल रही थी, और रनिंग शूज़ के बारे में एनाबेथ की बात से मैं पूरी तरह सहमत था।
जब हेकुबा ने सड़क के बीचोंबीच एक मैनहोल के ढक्कन पर नियाग्रा फॉल्स की तरह पेशाब कर दिया, तभी ग्रोवर मेरे पास आया, उसका नेवला दोस्त उसके सिर पर खुशी से चहचहा रहा था। उसने मुझसे पूछा, "कैसे हो?"

मैं कहना चाहता था कि हम सबके पास दौड़ने के लिए बकरी के खुर नहीं होते, लेकिन मेरे फेफड़ों में उतनी हवा नहीं थी। मैंने बस उसे अंगूठा ऊपर करके इशारा किया। फिर हेकुबा दोबारा दौड़ पड़ी।
मेरी मांसपेशियां जैसे-जैसे कमजोर होती गईं, मेरा मन भटकने लगा। मुझे एहसास हुआ कि मैंने श्रीमती ओ'लेरी को कभी सचमुच सैर पर नहीं ले जाया था। हम साथ खेलते और मस्ती करते थे, लेकिन जब भी हमें कहीं जाना होता था, हम उनकी छाया-दूरस्थानीकरण शक्ति के ज़रिए जाते थे, जो उन्हें एक बहुत ही उपयोगी साथी बनाती थी। मैंने सोचा कि क्या हेकुबा भी ऐसा कर सकती है, या हेकेट ने छाया-उन्मूलन द्वारा उनकी शक्ति छीन ली है।
श्रीमती ओ'लेरी हेकुबा के बारे में क्या सोचेंगी? मुझे अंदर से लग रहा था कि उनकी मुलाकात कभी नहीं होगी। श्रीमती ओ'लेरी के बारे में मुझे कभी शक नहीं हुआ कि उनमें एक कुत्ते की आत्मा है—पाताल लोक से आई एक प्राचीन विशालकाय अलौकिक कुतिया, लेकिन फिर भी एक कुतिया।
हेकुबा के साथ... खैर, मैंने उसकी आँखों में ज़्यादा देर तक न देखने की कोशिश की। जब मैंने देखा, तो मुझे कुछ चिंताजनक नज़र आया—एक मानवीय व्यक्तित्व की झलक। मेरी दोस्त हेज़ल ने मुझे बताया था कि प्राचीन काल में गेल और हेकुबा दोनों कभी इंसान थे। मुझे सारी बातें याद नहीं थीं, लेकिन यह साफ़ था कि हज़ारों साल बाद भी हेकुबा के दिमाग में कई साज़िशें चल रही थीं। इस जानकारी से निपटने का मुझे कोई और तरीका नहीं सूझा सिवाय इसके कि मैं उसकी लगाम को और कसकर पकड़ लूँ और उम्मीद करूँ कि वह 101 नंबर की बस के सामने दौड़कर मेरी हत्या न कर दे।
लगभग 95 वीं स्ट्रीट के पास, नेवला ने आखिरकार हम पर दया कर ली। गेल चहचहाती और चीं-चीं करती हुई अपनी नाक से दक्षिण की ओर इशारा कर रही थी। हेकुबा चिढ़कर हांफ रही थी, लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह भी मान रही थी कि शायद घर जाने का समय आ गया है।
मैंने एनाबेथ से पूछा, "क्या तुम उसे ले जाना चाहती हो?"
“नहीं, तुम बहुत अच्छा कर रही हो!” उसने कुछ ब्लॉक पहले ही अपने जूते उतार दिए थे।
आम तौर पर मैनहट्टन में पैदल चलते समय इसकी सलाह नहीं दी जाती थी, लेकिन उसके पैरों में कुछ भद्दे छाले पड़ गए थे, इसलिए मैंने शिकायत न करने का फैसला किया क्योंकि हेकुबा मुझे लेक्सिंगटन से वापस खींचकर ले जा रही थी।

जब तक हम ग्रामर्सी पार्क पहुँचे, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैंने आसमान का बोझ अपने कंधों पर उठा रखा हो। मेरा मतलब ये नहीं है, ये सचमुच ऐसा कर चुकी हूँ। एनाबेथ ने भी। ये बहुत बुरा अनुभव होता है। अगर मेरे बालों में फिर से सफ़ेद लकीरें आ जातीं, तो मुझे हैरानी नहीं होती, जैसे एटलस का काम संभालने के बाद आई थीं। मैंने सोचा कि क्या यूनानी देवताओं के साथ अक्सर ऐसा होता था, और क्या उन्हें बाद में अपने बालों को फिर से रंगना पड़ता था। शायद इसीलिए ग्रीसियन फ़ॉर्मूला नाम की एक हेयर डाई है...
मुझे ऑक्सीजन की कमी के कारण बेहोशी की हालत हो सकती थी...
दरअसल, ग्रामर्सी पार्क वेस्ट के कोने पर मुझे एक मतिभ्रम हुआ। ब्लॉक के दूसरे छोर पर, स्ट्रीटलाइटों के बीच की छाया में, मुझे लगा कि मैं
मुझे एक चमकती हुई नीली आकृति दिखाई दी—एक बच्चा साइकिल पर सवार होकर डर के मारे हमसे दूर भाग रहा था। पलक झपकते ही वह गायब हो गई।
मैंने एक और कदम बढ़ाया। मेरे जूते के नीचे कुछ कुचलने की आवाज़ आई। मैंने नीचे देखा।
फुटपाथ पर बच्चों के आकार का एक चश्मा टूटा पड़ा था... फिर वह भी धुंध में गायब हो गया।
“तुम ठीक हो?” एनाबेथ ने पूछा।
"क्या तुमने देखा?"
"क्या?"
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या जवाब दूं। "हेकेट भूतों की देवी हैं, है ना?"
एनाबेथ ने भौंहें चढ़ा लीं। "तुम्हें लगता है तुमने एक देखा?"
"मुझे यकीन नहीं है …।"
"दोस्तों, चलो!" ग्रोवर ने आगे से बेफिक्र होकर पुकारा।
आखिरकार हमारे खाने का समय हो गया!
मैंने सामने का दरवाज़ा खोला, और दरवाज़े पर दस्तक देने वालों की आवाज़ों को अनसुना करने की कोशिश की, मानो वे हमें श्राप देने की धमकी दे रहे हों अगर हमने उनके अनुमान लगाने वाले खेल में हिस्सा नहीं लिया। हमने जानवरों को उनकी रस्सियों से छुड़ाया, फिर अपना खाना बनाने के लिए तहखाने की रसोई में चले गए: ग्रोवर द्वारा लाई गई कुछ हरी सब्ज़ियाँ और ट्रेल मिक्स, साथ ही एनाबेथ द्वारा ब्लैक एंट से लाई गई स्वादिष्ट कीड़े-मकोड़े।

जब मैं मैक्सिकन खाने को दोबारा गर्म करने के लिए माइक्रोवेव ढूंढने की कोशिश कर रहा था, तभी मैंने देखा कि ग्रोवर हेकेट की आइसक्रीम मशीन के पास मंडरा रहा था।
मैंने उसे चेतावनी देते हुए कहा, "याद रखना, छूना मत।"
“बिल्कुल नहीं!” उसकी आवाज़ में नाराज़गी झलक रही थी, शायद इसलिए क्योंकि वह ठीक यही करने की सोच रहा था। “कल सुबह दस बजे तक नहीं, वो भी सुरक्षा दस्ताने पहनकर, वगैरह-वगैरह। मुझे लगता है मैंने माइक्रोवेव ढूंढ लिया है। अरे रुको, इस पर तो 'इज़ी कर्स ओवन' लिखा है। छोड़ो।”
खाना दोबारा गर्म करने के बाद, हमने बड़े कमरे में डेरा डाला। ग्रोवर के बिस्तर के रोल आश्चर्यजनक रूप से आरामदायक थे, चूहों ने उन्हें बस थोड़ा सा कुतरा था, और उनमें चूहों जैसी कोई गंध नहीं थी - बल्कि चीड़ की पत्तियों और जंगली पुदीने जैसी गंध आ रही थी।
मंद रोशनी में, मुझे लगभग ऐसा लग रहा था कि छत पर मौजूद चांदी के धब्बे वास्तव में किसी अंधेरे ग्रामीण आकाश में तारामंडल हैं।
काश, हमने अलाव जलाया होता... लेकिन मुझे लगा कि यह शहर के नियमों के खिलाफ होता। मैंने सोचा कि क्या हेकेट के पास धुएँ के डिटेक्टर होंगे? अगर वे बज उठते, तो क्या वे फायर ब्रिगेड या किसी दिव्य दल को बुलाते? यह पोसीडॉन के बच्चों के लिए एक अच्छा काम लगता। शायद कॉलेज में दाखिला न मिलने पर यह एक और करियर विकल्प हो सकता है जिस पर मैं विचार कर सकूँ।
हेकुबा और गेल अच्छे पालतू जानवरों की तरह अपने कमरों में जाकर तुरंत सो नहीं गए। इसके बजाय वे हमारी काल्पनिक अलाव के किनारे बैठ गए और हमें देखते रहे।
मानो उन्होंने पहले कभी इंसानों को खाना खाते नहीं देखा हो। हेकुबा की उदास आँखें मेरे मुँह में जाने वाले हर टुकड़े पर टिकी थीं। मेरा मन कर रहा था कि मैं उसे अपने टिड्डे के टुकड़े फेंक दूँ, लेकिन हेकेट ने मना किया था कि कोई दावत नहीं। इसलिए मैं बस अपनी प्लेट से थोड़ा-थोड़ा खाता रहा, यम-यम की आवाज़ें निकालता रहा और मंद रोशनी का सहारा लेकर इस बात को छुपाता रहा कि मैं कीड़े का मांस नहीं खा रहा था।
"यह अच्छा है," एनाबेथ ने अपना खाना खत्म करने के बाद कहा।
मैंने कहा, "मैं आपकी सकारात्मकता की प्रशंसा करता हूँ।"

उसने मेरे घुटने को हल्का सा धक्का दिया। “अरे, चलो भी, सीवीड ब्रेन। इतना भी बुरा नहीं है। खोज के लिहाज़ से, ये तो विलासिता है! हमारे पास हीटर और नल का पानी है। वैसे, मैं नहाने के लिए शावर ढूंढने जा रही हूँ…।”
जब ग्रोवर और मैं बर्तन साफ कर रहे थे, तब वह यह काम करने के लिए उठी।
जब एनाबेथ वापस आई, तो उसके बाल तौलिए में लिपटे हुए थे। उसने उल्लू के पैटर्न वाले ग्रे रंग के फलालैन के पजामा पहन रखे थे। उसके पैरों में छाले पड़ गए थे और उन पर पट्टियाँ बंधी हुई थीं। उसके चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान थी। "आप लोगों को बाथरूम देखना चाहिए।"
हेकुबा और गेल के पीछे-पीछे हम ऊपर गए, ताकि वहाँ की अद्भुत सुविधाओं को देख सकें। लगता है, हेकेट ने मेरे कहने पर ही जादू से उन्हें बना दिया था, यह बात मेरी सही थी। न तो वह कोई प्लंबर थी और न ही इंसान, इसलिए देवी को बाथरूम के उपकरणों की कार्यप्रणाली याद नहीं थी, और उन्होंने कई तरह के कमरे बना दिए थे, जिनमें से कोई भी समझ में नहीं आ रहा था। पहले बाथरूम में, जहाँ हम गए, शावर तो ठीक से चल रहा था, लेकिन टॉयलेट छत पर था, और पानी गुरुत्वाकर्षण के नियमों को धता बताते हुए कमोड में ही रुका हुआ था। मैंने सोचा, "अगर इसे फ्लश कर दिया जाए तो क्या होगा?"
एनाबेथ हंस पड़ी। “पर्सी, मैंने देखा है कि जब तुम पाइपलाइन से छेड़छाड़ करते हो तो क्या होता है। अगर तुम ऐसा करना चाहते हो, तो मेरे कमरे से बाहर जाने तक इंतजार करो।”
उसने बाथरूम के दरवाजे पर एक स्टिकी नोट चिपकाया: शावर ठीक है, ताकि हमें पता चल सके कि हम कौन सा इस्तेमाल कर सकते हैं। फिर वह हमें अपनी अगली खोज की ओर ले गई। इस बाथरूम में काले चमड़े की लाइनिंग थी और नुकीले क्रोम के फ़िक्स लगे हुए थे।
गेल ने सहमति में चहचहाहट की।
ग्रोवर ने धीमी आवाज़ में कहा, "तुम सही कह रहे हो। धातु।"
शावर में पानी का तापमान एक ही था: बर्फीला ठंडा। तौलिए चेन मेल के बने थे। “नहीं, धन्यवाद,” मैंने तय किया। “उसके बारे में क्या?”
“सावधान रहो,” एनाबेथ ने चेतावनी दी। उसने टॉयलेट का ढक्कन खोलने के लिए प्लंजर का इस्तेमाल किया।
भाप का गुबार फूट पड़ा। कटोरे में पानी किसी बर्तन में उबलने वाले पानी की तरह उबल रहा था।

मैंने कहा, "यह एक बॉइलेट है।"
मैं मुस्कुराया, खुद पर गर्व महसूस कर रहा था। हेकुबा गुर्राई। जाहिर है, उसे मेरा मज़ाक पसंद नहीं आया। एनाबेथ अक्सर मुझसे कहती थी कि मैं एक बेहतरीन पिता बनूंगा, क्योंकि मेरे पास पहले से ही सही चुटकुले थे— बेवकूफी भरे, घिसे-पिटे और बेवकूफी भरे।
हमने हेकेट के स्नानघरों की अद्भुत चीज़ों को देखने में कुछ और मिनट बिताए। हमें तीन चालू शौचालय मिले जो हमें नुकसान नहीं पहुँचा सकते थे, और दो चालू शावर भी मिले, साथ ही एक बाथटब भी मिला जो एक चालू कोई तालाब था। ग्रोवर ने हमें आश्वासन दिया कि जब तक मछलियों को कोई आपत्ति नहीं है, तब तक उसके लिए इतना ही काफी है।
जब हम सब सोने के लिए तैयार हो गए, तो हम फिर से बड़े कमरे में इकट्ठा हुए। पोलकैट और हेलहाउंड ग्रैंड पियानो के पास दुबके हुए थे, जो देखने में लगभग प्यारा लग रहा था अगर आप हेकुबा के सोते समय अपने नुकीले दांत दिखाने के तरीके और गेल की गैस की समस्या को नजरअंदाज कर दें।
“पहला दिन अच्छा रहा,” ग्रोवर ने आह भरी। “अब तो सब आसान होना ही चाहिए, है ना?”
तीन सेकंड बाद, वह खर्राटे लेने लगा।
मुझे उम्मीद थी कि इससे मुझे एनाबेथ से बात करने का थोड़ा समय मिल जाएगा। मैं इमारत के सामने देखे गए उस अजीबोगरीब दृश्य को लेकर चिंतित थी—भागता हुआ बच्चा, टूटे हुए चश्मे। मैं कल स्कूल जाते समय ग्रोवर को जादुई स्ट्रॉबेरी आइसक्रीम के साथ अकेला छोड़ने को लेकर भी चिंतित थी। और मैं सोते समय नरक के कुत्ते और नेवले द्वारा मेरा चेहरा कुतरने को लेकर भी चिंतित थी।
लेकिन एनाबेथ भी बहुत थकी हुई होगी। वह चूहों द्वारा पुनर्चक्रित किए गए अपने पलंग में दुबक गई और गहरी नींद में सो गई।
मैं कुछ देर तक जागता रहा, छत पर बिखरे तारामंडलों को देखता रहा। मैंने ग्रोवर की उस बात के बारे में सोचा—कि चीजें आसान होनी ही हैं।
समस्या यह थी कि पर्सी की दुनिया में चीजें कभी आसान नहीं होती थीं, बल्कि और भी अजीब हो जाती थीं।

आठ
अनुमान लगाओ क्या? नेवला का पिछवाड़ा
हम बहुत जल्दी उठ गए, नरक के कुत्ते और नेवले के पेट की गड़गड़ाहट के कारण। हमने उन्हें नाश्ता खिलाया, ईलों को कुछ मरी हुई मछलियाँ फेंकीं, और हेकुबा को उसके सात मिलियन विटामिन मैकनगेट्स निगलने के लिए मनाया। फिर हमने हेकेट के गुरुत्वाकर्षण-विरोधी शावरों और जादुई शौचालयों के चमत्कारों का आनंद लिया, उसके बाद रसोई की ओर चल दिए, जहाँ मेरे संतरे के रस में कुत्ते के बाल और मेरे अनाज के कटोरे में नेवले का पिछवाड़ा मिला। (नेवले का पिछवाड़ा—
जो कुछ भी।)
ग्रोवर ने पालतू जानवरों के लिए रोज़ाना सैर का कार्यक्रम सुझाया। उसका मानना था कि हममें से कम से कम दो लोगों को हमेशा पट्टे की ज़िम्मेदारी संभालनी चाहिए। हर सुबह, वह और मैं एनाबेथ को SODNYC तक ले जाते। फिर,

दोपहर में, वह और एनाबेथ पालतू जानवरों के साथ AHS में मुझसे मिलने आते और हम एस्टोरिया से हवेली तक साथ-साथ चलते। मेरा स्कूल एनाबेथ के स्कूल से काफ़ी दूर था, लेकिन अगर उसे इस योजना से कोई आपत्ति नहीं थी, तो मुझे भी कोई परेशानी नहीं थी। मैं बस एनाबेथ और ग्रोवर के साथ अतिरिक्त समय बिताकर खुश था, भले ही इसके लिए हमारे नए प्यारे अलौकिक आकाओं द्वारा पूरे शहर में घसीटा जाना पड़े।
“ग्रोवर, तुम्हारा क्या हाल है?” एनाबेथ ने पूछा। “इसका मतलब है कि सारा चलना-फिरना तुम्हें ही करना पड़ेगा।”
“ओह, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। ताजी हवा!”
मैनहट्टन के लिए ट्रिपएडवाइजर की कई समीक्षाओं में ताजी हवा का जिक्र नहीं मिलता, लेकिन मुझे ग्रोवर का उत्साह पसंद आया।
हमने स्कूल के लिए अपना सामान पैक किया, पालतू जानवरों को उनके हेवी-मेटल और हेलो किटी के कपड़ों में सजाया, फिर एनाबेथ को SODNYC छोड़ने के लिए निकल पड़े। जैसे ही हमने ताला लगाया, दरवाज़े की घंटी ने हमें बताया: 1) आपका दिन अच्छा रहे, 2) हम दर्दनाक मौत मरेंगे, और 3) सूअर का मांस! सच कहूँ तो, मैंने इससे भी अजीब बहुविकल्पीय परीक्षाएँ देखी हैं।
इस बार हम हेकुबा और गेल की चलने की आदतों के लिए ज़्यादा तैयार थे, इसलिए जब हेकुबा हमें ट्रैफ़िक के बीच से तेज़ रफ़्तार और डरावने अंदाज़ में दौड़ाती हुई, हर चीज़ को सूंघने और फिर उन पर पेशाब करने के लिए रुकती हुई ले गई, तो हमें कोई हैरानी नहीं हुई। एनाबेथ को हेकेट की एक अलमारी में स्नीकर्स की एक जोड़ी भी मिल गई थी, जिससे कुछ राहत मिली। मुझे बस उम्मीद थी कि कहीं वो जूते...
शापित। मैं नहीं चाहता था कि एनाबेथ गलती से चांद पर चली जाए या अचानक आयरिश लाइन डांस करने लगे।
गेल की बात करें तो, हमें पता चला कि उसे दवा की दुकानों से एक अजीब लगाव था। जब भी हम किसी दवा की दुकान के पास से गुजरते, वह नेवला ग्रोवर को अंदर खींचने की कोशिश करती। शायद उसे एहसास हो गया था कि उसे गैस की दवा की सख्त जरूरत है। या शायद डुआन रीड में मुर्गे के कंकालों पर छूट चल रही थी।
जब तक हम SODNYC पहुँचे, तब तक मुझे हैलोवीन के दौरान सुरक्षित रहने की हमारी संभावनाओं को लेकर काफी उम्मीद होने लगी थी। हम हँस रहे थे और खूब

मजे कर रहे थे, जो कि स्कूल के किसी भी सप्ताह के मंगलवार की सुबह मुझे बहुत अच्छा लगता है।
अच्छा लगा। एकदम घरेलू सा माहौल। बस तीन पक्की सहेलियाँ और उनके प्यारे किराए के पालतू जानवर ज़िंदगी का लुत्फ़ उठा रहे थे। मैंने कुछ नहीं कहा, क्योंकि उससे सब कुछ बिगड़ जाता, पर हम शुक्रवार रात तक तो मज़े कर ही सकते थे... है ना?
“तुम्हारा स्कूल में दिन अच्छा बीते, प्यारी,” मैंने एनाबेथ से कहा। “धन्यवाद, माँ!” उसने मुझे एक बड़ा सा गीला चुंबन दिया।
“तुम लोग और तुम्हारा सार्वजनिक रूप से स्नेह प्रदर्शन,” ग्रोवर ने बड़बड़ाते हुए कहा।
इशारा मिलते ही, एनाबेथ और मैं उसके दोनों ओर खड़े हो गए, उसे गले लगाया और उसके दोनों गालों पर बड़े प्यार से चूमा!
"काफी बेहतर," उसने धीरे से कहा और उसका चेहरा शर्म से लाल हो गया।
“आज दोपहर मिलते हैं,” एनाबेथ ने हेकुबा की रस्सी मुझे देते हुए कहा। काश उसके उधार लिए हुए स्नीकर्स जादुई तरीके से बड़े होकर मुझे फिट हो जाते, लेकिन ऐसा नहीं हो सकता था। फिर वह चली गई।
ग्रोवर और मैं हवेली की ओर वापस चल दिए। थर्ड एवेन्यू पर हमें थोड़ी परेशानी हुई जब हेकुबा ने लिल ज़्यूस ग्रीक फूड कार्ट पर हमला कर दिया, लेकिन मैंने उसे रसोइए को मारने या उसका सारा मांस चट करने से पहले ही रोक लिया। वो आदमी बिल्कुल खुश नहीं था। उसने मुझ पर ग्रीक में कुछ चिल्लाया— शायद, कृपया अपने गैंडे को काबू में रखें—लेकिन मैं हेकुबा पर ज़्यादा गुस्सा नहीं कर सकती थी। एक तो खाने की खुशबू अच्छी थी। दूसरा, ज़्यूस का लेबल लगी कोई भी चीज़ मुझे आक्रामक बना देती थी।
ग्रामर्सी पार्क वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि स्कूल तक चालीस मिनट का सफर तय करने के लिए मेरे पास लगभग बीस मिनट बचे हैं। सौभाग्य से, मेरी पहली पीरियड की टीचर अटेंडेंस को लेकर काफी सख्त नहीं थीं।
पालतू जानवरों के सुरक्षित रूप से अंदर वापस आ जाने के बाद मैंने दरवाजे पर ग्रोवर से पूछा, "क्या तुम्हें यकीन है कि तुम ठीक रहोगे?"
“ओह, हाँ!” उसकी आँख फड़क उठी। “मुझे बहुत कुछ करना है। शुक्रवार की पार्टी के निमंत्रण भेजने हैं, जानवरों के साथ खेलना है, शायद केक भी बनाना है।”

हम आपको एएचएस से ले लेंगे। फिर हम क्वींसबोरो ब्रिज से होते हुए पैदल घर तक का सुंदर सफर तय कर सकते हैं!
“ठीक है,” मैंने कहा। “आइसक्रीम पोशन वाली सामग्री डालना मत भूलना—” "फ्रीज़र, मुझे पता है! मैं ठीक हूँ, ठीक है? धन्यवाद, अलविदा!"
उसने दरवाजा बंद कर दिया।
“वह अच्छा करेगा!” दरवाजे पर दस्तक देने वालों में से एक ने मुझे आश्वस्त किया।
“वह सब कुछ बर्बाद कर देगा!” दूसरे ने कहा।
“रेनफॉरेस्ट कैफे!” तीसरे ने कहा।
हम्म... शायद चिंता की कोई बात नहीं है। मेट्रो स्टेशन पहुँचने पर ही मुझे एहसास हुआ कि मुझे पक्का नहीं पता था कि दरवाज़े पर दस्तक देने वाले ने क्या कहा था कि ग्रोवर सब कुछ बिगाड़ देगा—सच बोलने वाले ने या झूठ बोलने वाले ने। मैंने इस बात को अपने दिमाग से निकालने की कोशिश की। ग्रोवर समझदार था। वह ज़िम्मेदार था। वह सालों से मेरा रक्षक रहा था, और इस दौरान हम दोनों समझदार हो गए थे। मुझे पता था कि मैं उस पर भरोसा कर सकती हूँ कि वह सही काम करेगा।
मैं स्कूल इतनी देर से पहुँचा कि सचिव ने निराशा भरी आह भरी, लेकिन इतनी देर नहीं हुई कि मुझे पूरी तरह से डांट पड़े। मैंने इसे अपनी जीत माना। क्लास जाते समय, मैंने अपनी काउंसलर, यूडोरा को फिर से देखा। वह दबे पांव गलियारे में चल रही थी। जब उसने मुझे देखा, तो वह एकदम जम गई, जैसे कोई नेवला अचानक किसी मुसीबत में फंस जाता है।
“क्या वह चली गई?” उसने दबी आवाज़ में पूछा।
“उम… आपका मतलब हेकेट से है?”
“वह मुझे देख नहीं सकती!” वह पास के कमरे में घुस गई और दरवाज़ा अंदर से बंद कर लिया। मैं इंतज़ार करता रहा कि क्या वह वापस आएगी, क्योंकि वह अभी-अभी चौकीदार के कमरे में बंद हुई थी। वह नहीं आई। मुझे पहले ही देर हो रही थी, इसलिए मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया। वैसे भी, मुझे किसी न किसी समय यह पता लगाना ही था कि नेरीड हेकेट से इतनी डरी हुई क्यों थी। मतलब, इस स्पष्ट कारण के अलावा कि देवी डरावनी थी।
मेरी कक्षाएं ठीक-ठाक रहीं। मैंने अपना होमवर्क नहीं किया था, लेकिन यह कोई असामान्य बात नहीं थी।

अगस्त में, मेरे सौतेले पिता पॉल ने मेरी स्कूल की पढ़ाई को व्यवस्थित करने में मेरी मदद करने की कोशिश की, जब उन्होंने देखा कि मेरे लिए इसे अकेले संभालना बहुत मुश्किल हो रहा था। उन्होंने सुझाव दिया कि मैं होमवर्क को प्राथमिक उपचार की तरह समझूँ। उन्होंने कहा, "अपने असाइनमेंट को ऐसे देखो जैसे वे घायल मरीज हों, और उन्हें गंभीरता के क्रम में निपटाओ। 'ठीक है, तुम्हें तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है, वरना तुम मर जाओगे। तुम थोड़ा इंतज़ार कर सकते हो। तुम्हारी हालत इतनी बुरी नहीं है - घर जाओ, एस्पिरिन लो और कल मुझे फ़ोन करो।'"
मैंने अपने होमवर्क को बहुत सारी एस्पिरिन दी।
पॉल की प्रणाली ज़्यादातर समय कारगर रहती थी। मैं आमतौर पर समझ जाता था कि कौन से प्रोजेक्ट ज़रूरी हैं और कौन से प्रोजेक्ट मेरे शिक्षकों ने सिर्फ़ मजबूरी में दिए हैं, क्योंकि वे उन्हें जाँचने का मन नहीं रखते थे, ठीक वैसे ही जैसे मेरा मन नहीं करता था। परिवार में एक शिक्षक का होना वाकई फ़ायदेमंद होता है।
स्कूल का दिन खत्म होते-होते मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा था। मैंने किसी भी परीक्षा में फेल नहीं हुआ था। मुझे नींद भी नहीं आई थी। चमत्कारिक रूप से, जब मैंने एक सवाल का जवाब दिया तो मेरी इतिहास शिक्षिका ने कहा, "बहुत बढ़िया, मिस्टर जैक्सन," जो शायद इस बात का संकेत था कि वह असल में एक राक्षसी थीं, लेकिन जब तक वह मुझ पर हमला नहीं करतीं, मैं उनके बारे में कोई राय नहीं बनाने वाला था। मेरे कुछ सबसे अच्छे दोस्त राक्षसी हैं। तैराकी अभ्यास के बाद मैं एएचएस के सामने इंतज़ार कर रही थी, मेरे बालों से अभी भी क्लोरीन की गंध आ रही थी। मैं अपने दोस्तों से मिलने के लिए उत्सुक थी, यहाँ तक कि हेकुबा और गेल से भी।
पालतू जानवरों के बारे में यही तो अजीब बात है, मुझे लगता है। चाहे वे कितने भी परेशान करने वाले हों, फिर भी किसी न किसी तरह दिल में जगह बना लेते हैं। मैं 37 वीं एवेन्यू की तरफ देखता रहा, मानो मुझे लग रहा था कि कोई विशालकाय शैतानी कुत्ता क्षितिज से तेज़ी से आता हुआ दिखाई देगा, शायद एनाबेथ को रोलर स्केट पर घसीटते हुए।
बीस मिनट बीत गए। मेरे जैसे एडीएचडी वाले व्यक्ति के लिए, इसका मतलब लगभग चालीस घंटे पर्सी के साथ बिताना था। शायद ग्रोवर और एनाबेथ क्वींस जाने के लिए नदी पार करते समय ट्रैफिक जाम में फंस गए हों... या शायद पालतू जानवरों

ने उन्हें रास्ते से भटकाकर हैकेंसैक की ओर मोड़ दिया हो। कुछ भी नहीं भी हो सकता है।
बिना सेलफोन के रहना मुझे आदत सी पड़ गई थी। हाँ, जल्दी से कुछ ढूंढने, मज़ेदार वीडियो देखने या दोस्तों को मैसेज करके उनका हालचाल पूछने में दिक्कत तो होती थी। लेकिन मेरे दोस्तों के पास भी सेलफोन नहीं थे, इसलिए ज़्यादा फ़र्क नहीं पड़ता था। वैसे भी, बिल्लियों को रूमबा पर सवारी करते देखना या कॉलेज के लड़कों को बैकफ़्लिप करते देखना मज़ेदार तो था, लेकिन राक्षसों के हाथों खाए जाने का जोखिम उठाना ठीक नहीं था। हर साल, मैं किसी इंसान का सेलफोन उधार लेकर देखता था कि क्या उसका जादू कमज़ोर पड़ गया है या नहीं—क्या अब मैं बिना किसी राक्षसी पलायन या 'किल पर्सी रोडियो' के फ़ोन इस्तेमाल कर सकता हूँ। हर साल, यह प्रयोग नाकाम हो जाता था। फ़ोन की स्क्रीन छूते ही, औसतन छत्तीस सेकंड में कोई राक्षस सामने आ जाता था। संक्षेप में कहें तो: मुझे पता नहीं था कि ग्रोवर और एनाबेथ कहाँ थे। जैसा कि मैंने पहले बताया, आइरिस-संदेश केवल कुछ खास स्थितियों में ही काम करते थे, और अगर आप जिससे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं वह चल रहा हो—उदाहरण के लिए, अगर कोई खूंखार कुत्ता उसे त्रि-राज्य क्षेत्र में घसीट रहा हो— तो अक्सर आइरिस-संदेश नहीं पहुँच पाता था।
तो मैंने इंतज़ार किया। एक घंटे बाद, मुझे घबराहट होने लगी। अगर एनाबेथ और ग्रोवर को कुछ हो गया होता और मैं यहाँ यूँ ही खड़ा रहता, मदद नहीं करता... अगर
या तो उन्हें जेनेट और उसके मोरे ईल के गिरोह ने निगल लिया था, या फिर हवेली में पोलकैट गैस के जमाव के कारण विस्फोट हो गया था...
मैंने रिपटाइड निकाली। ब्लेड की नोक से मैंने फुटपाथ पर एक संदेश उकेरा: ग्रामर्सी गया था।
यह एक और तरकीब थी जो मैंने पिछले महीने ही सीखी थी। एक दिन जब मैं ऊब रही थी और फुटपाथ पर बैठी थी, जबकि मेरी माँ अपने पहले लेखक के ऑटोग्राफ शो के लिए कपड़े खरीद रही थीं, तब मुझे पता चला कि रिपटाइड डामर पर चमकती हुई रेखाएँ खींच सकता है जिन्हें कोई आम इंसान नहीं देख सकता। ये निशान लगभग तीन घंटे तक रहते थे और फिर मिट जाते थे—बारिश होने पर इससे भी कम समय में। इससे मुझे हैरानी हुई कि मैंने दूसरे देवताओं के बनाए हुए आकाशीय

कांस्य भित्तिचित्र क्यों नहीं देखे। शायद वे कभी इतने ऊबे ही नहीं कि इसे आज़माएँ। या शायद उनके हथियार लिखने के औजार के रूप में काम नहीं करते थे। मैं मैनहट्टन की ओर वापस चलने लगा, उस रास्ते से जो मुझे लगा कि एनाबेथ और ग्रोवर लेंगे ताकि अगर वे अभी भी मेरी ओर आ रहे हों तो मैं उन्हें रोक सकूं।
अपर ईस्ट साइड पहुँचने तक भी मेरी उनसे मुलाकात नहीं हुई थी। ईस्ट 60 वीं स्ट्रीट तक पहुँचते-पहुँचते मैं इतना चिंतित हो गया कि दौड़ने लगा। ग्रामर्सी पार्क तक का रास्ता अभी भी लंबा था, रास्ते में क्रॉसिंग लाइटें ठीक से काम नहीं कर रही थीं और ढेर सारी गाड़ियाँ और पैदल यात्री थे जिनसे बचकर निकलना मुश्किल था। मुझे हॉर्न बजाए गए, गालियाँ दी गईं, घूरा गया और कई बार मोटर वाली डिलीवरी बाइकों से टक्कर होते-होते बची, लेकिन मैं न्यूयॉर्क का रहने वाला हूँ। इन बाधाओं से मेरी रफ़्तार ज़रा भी धीमी नहीं हुई।
एक ब्लॉक दूर से ही मैंने एनाबेथ को विपरीत दिशा से हवेली की ओर दौड़ते हुए देखा। मेरे पेट में जैसे बर्फ जम गई। जाहिर है, ग्रोवर भी उसे लेने नहीं आया था।
हम घर के सामने मिले।
“तुम ठीक हो?” उसने पूछा।
"आप ठीक हो?"
“हाँ, लेकिन… मुझे लगता है कि पढ़ाई करते-करते मुझे समय का पता ही नहीं चला। ग्रोवर आया ही नहीं।”
मुझे लगा शायद वह सो गया होगा, या…” हवेली को देखते ही उसकी आवाज लड़खड़ा गई। “हे भगवान।”
मैं इतना चिंतित था कि मुझे धुंध के कारण ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो रही थी।
जब हेकेट के घर का बाहरी हिस्सा आखिरकार सामने आया, तो मैं अपनी आँखों पर विश्वास नहीं कर सका। सामने की खिड़कियाँ पूरी तरह से टूटी हुई थीं, उनका टूटा हुआ शीशा बगीचे में बिखरा हुआ था, मानो शीशे अंदर से ही तोड़े गए हों। कई कब्र के पत्थर की टाइलें दीवारों से गिर गई थीं। सामने के बरामदे से नीले रंग का धुआँ निकल रहा था, जहाँ विशाल तीन पैनल वाला दरवाजा था।

यह बाहर की ओर फट गया, मानो किसी ने अंदर से इस पर किसी भारी चीज़ से प्रहार किया हो।
“ग्रोवर,” हम दोनों ने एक साथ कहा।
और हम आपदा क्षेत्र में पहुँच गए।

नौ
सर्वनाश की गंध स्ट्रॉबेरी जैसी है। सामने के दरवाजे के मलबे के नीचे कहीं, जानवरों के सिर वाले दरवाज़े के हैंडल दर्द से कराह रहे थे... क्या वे दर्द में थे? चूंकि वे धातु के बने थे, इसलिए मैंने सोचा कि वे इंतज़ार कर सकते हैं।
अंदर, हमारे शिविर स्थल से धुआं निकल रहा था। नीले रंग का धुआं कुछ टूटी हुई शीशियों से आ रहा था जो हमारे अब फटे-पुराने बिस्तरों में मिल गई थीं। बेंचें चूर-चूर हो चुकी थीं। पियानो उल्टा पड़ा था। बगल की दीवारों पर लगे रंगीन कांच के शीशे चकनाचूर हो चुके थे, जिनके पीछे ईंटों की दीवारों के

सिवा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। सीढ़ियों पर फर के ढेर लगे थे और गुलाबी रंग के छींटे बिखरे पड़े थे, जिन्हें देखकर मुझे उम्मीद थी कि कहीं वे खून तो नहीं थे।
“एक हमला?” मैंने हैरानी से कहा।
मेरा दिल लंगर की तरह भारी हो गया था। अगर हमने ग्रोवर को अकेला छोड़ दिया होता और हेकेट से नफरत करने वाले राक्षसों के झुंड ने उसे घेर लिया होता, तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाती।
“मुझे ऐसा नहीं लगता।” गीले तौलिये से बिस्तर की चादरें पोंछते हुए एनाबेथ की आवाज़ कांप रही थी। “ये खिड़कियाँ, ये दरवाजे—सब कुछ अंदर से टूटा हुआ सा लग रहा है।”
मैं सीढ़ियों के पास घुटनों के बल बैठ गया और बालों का एक गुच्छा उठाया। "यह बकरी के बाल जैसा लग रहा है।"
और ये गुलाबी चीज़...
एनाबेथ मेरे बगल में आकर खड़ी हो गई। उसका पेट मुझसे ज्यादा मजबूत था।
उसने अपनी उंगली को उस चिपचिपे तरल में डुबोया और उसे सूंघा।
"स्ट्रॉबेरी।"
हम रसोई की ओर भागे।
वह जगह किसी 'द ग्रेट चेनसॉ बेक ऑफ' के सीज़न फिनाले के सेट जैसी लग रही थी।
हेकेट के उबलते हुए बर्तन चूल्हे से नीचे गिर गए थे, जिससे जादुई स्टू चारों ओर फैल गया था—अलमारियों पर रंग लग गया था, उपकरणों पर चिपक गया था, और छत पर रंग-बिरंगे टुकड़े और चिपचिपा पदार्थ बिखर गया था। बदबू भी उतनी ही भयानक थी जितनी सुनने में लग रही थी।
उस चिपचिपे पदार्थ का कुछ हिस्सा अम्लीय रहा होगा। फर्श की टाइलों को गलाते हुए उससे भाप निकल रही थी। फ्रिज ऐसा लग रहा था मानो किसी ने उसे तोड़ दिया हो। ओवन का दरवाजा अपने कब्जों से उखड़ गया था। हेकेट की अलमारियों से शीशियाँ और बीकर बाहर गिरकर चकनाचूर हो गए थे।
और इस सारी अराजकता के बीच में, बालों से लथपथ मांस का एक पहाड़ पड़ा था, जो जोर-जोर से खर्राटे ले रहा था, उसकी दो विशाल, रोएंदार टांगें रसोई के काउंटरटॉप पर टिकी हुई थीं, और उसके मूस के आकार के खुर छत की ओर इशारा कर रहे थे।
मैं पीछे हट गया। "यह क्या है?"

“यह…” एनाबेथ ने एक दबी हुई चीख मारी। “हे भगवान, ग्रोवर!”
मैंने उसकी बात गलत सुनी होगी। ग्रोवर XXXL साइज का नहीं होता। उसके खर्राटे से इमारतें नहीं हिलतीं, और वह कभी भी खाने से भरी रसोई का इस तरह अपमान नहीं करेगा।
लेकिन जब मैं फर माउंटेन के पास खड़ा हुआ, तो मुझे एहसास हुआ कि ग्रोवर की कमीज के टुकड़े उसके कंधों से चिपके हुए थे। उसका शरीर विशाल और लगभग पूरी तरह से बकरी जैसा था, लेकिन अगर मैं ध्यान से देखता और कल्पना का इस्तेमाल करता, तो मैं ग्रोवर का चेहरा लगभग देख सकता था—अविश्वसनीय रूप से फूला हुआ, मानो उसे अब तक की सबसे भयानक एलर्जी हो गई हो।
“हम क्या करें?” मैंने हकलाते हुए कहा।
मुझे उम्मीद थी कि एनाबेथ के पास कोई योजना होगी। एथेना के बच्चों के पास हमेशा कोई न कोई योजना होती है। लेकिन वह उतनी ही हैरान-परेशान लग रही थी जितना मैं महसूस कर रहा था।
“शायद हमें उसे कैंप में ले जाना चाहिए,” उसने कहा। “मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा…”
फर माउंटेन कराह उठा। उसके पेट से गड़गड़ाहट की आवाज़ आई, और हालांकि यह सामान्य से दस गुना तेज़ थी, मैंने उस चेतावनी भरी आवाज़ को पहचान लिया। "नीचे लेट जाओ!" मैं झुक गया और खुद को बचाने के लिए छिप गया क्योंकि फर माउंटेन ने दुनिया भर में मशहूर डकार मार दी।
स्ट्रॉबेरी की खुशबू से भरी एक तेज लहर रसोई में फैल गई, जिससे उपकरण हिलने लगे और जो कुछ बीकर अभी तक टूटे नहीं थे, वे भी गिर गए।
जब मैंने हिम्मत करके ऊपर देखा, तो ग्रोवर का शरीर लगभग सामान्य आकार में सिकुड़ चुका था। उसका ऊपरी हिस्सा लगभग फिर से इंसानी रूप ले चुका था।
उसका चेहरा किसी कार के एंटी-डेंट हुड की तरह वापस अपनी मूल आकृति में आ गया था, लेकिन वह अभी भी बेहोश सा लग रहा था।
एनाबेथ लड़खड़ाते हुए पास के सिंक तक गई। उसने एक कप में पानी भरा और ग्रोवर के चेहरे पर ठंडा पानी फेंक दिया।
“ब्लाह्ह्ह्ह्ह्ह!” ग्रोवर की आँखें खुल गईं। उसने उठने की कोशिश की, दर्द से चीखा और फिर लेट गया। “मेरा सिर। सब कुछ इतना चमकदार क्यों है? क्यों?” —?”

उसने अपने हाथों से अपना मुंह ढक लिया। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। "ओह, नहीं।"
फिर वह भ्रूण की मुद्रा में सिकुड़ गया और रोने लगा।
“अरे यार…” मैंने उसके कंधे पर हाथ फेरा। मैं उसे ये नहीं कह सकता था कि सब ठीक है। साफ तौर पर सब ठीक नहीं था। लेकिन मैंने पूरी कोशिश की। “हम तुम्हारे साथ हैं। क्या तुम्हें याद है कि क्या हुआ था?”
“मिल्कशेक,” उसने सिसकते हुए कहा।
मेरी नज़र एनाबेथ से मिली। इस तबाही के मंज़र में फैली स्ट्रॉबेरी जैसी खुशबू को देखते हुए मुझे कुछ-कुछ अंदाज़ा हो ही गया था। फिर भी... मुझे ज़ोर से चिल्लाने की इच्छा को रोकना पड़ा, अरे यार, तुम्हारा बस एक ही काम था! पहली बात तो यह सच नहीं थी। हमने ग्रोवर को पूरे भूतिया घर की ज़िम्मेदारी सौंपी थी, और मुझे अपने सबसे बुरे हालात के डर से पता था कि मिल्कशेक वाला प्रयोग गड़बड़ होने वाला है। दूसरी बात, ग्रोवर पहले से ही बहुत बुरा महसूस कर रहा था।
“मेरा ऐसा करने का इरादा नहीं था,” वह सिसकते हुए बोला। “मैं इसे फ्रीजर में रख रहा था, जैसा कि मुझे करना था। तभी ढक्कन खुल गया, और वह खुशबू… उसके बाद मुझे जो कुछ याद है…”
"चलो तुम्हें साफ कर देते हैं," एनाबेथ ने उसका हाथ पकड़ते हुए कहा। “नहीं, पालतू जानवर!” ग्रोवर चिल्लाया। “पालतू जानवरों की जाँच करो!” एनाबेथ ने गुस्से में बड़बड़ाया। मैंने पालतू जानवरों के बारे में भी नहीं सोचा था, लेकिन सामने के दरवाजे खुले होने से... क्या इसे उन्हें बाहर जाने देना माना जा सकता है? मैंने प्रार्थना की कि ग्रोवर ने उनके पट्टे बांध रखे हों ताकि वे अभी भी घर में ही रहने के लिए मजबूर हों।
हम ग्रोवर को वहीं छोड़कर हवेली में दौड़ पड़े और गेल और हेकुबा को पुकारने लगे। शायद हेकुबा झपकी ले रही थी। शायद गेल अपने मुर्गे के शवों पर टूट पड़ी थी। लेकिन मुझे याद आया कि जब हेकेट ने बताया था कि उनके गहनों पर जादू कर उन्हें घर के अंदर रखा गया है, तो वे कितने चिड़चिड़े लग रहे थे, और उन्हें सैर करना कितना पसंद था।
पहली मंजिल पर कोई सफलता नहीं मिली। हम तेजी से ऊपर की ओर भागे। दूसरी मंजिल ग्रोवर के उत्पात से अछूती लग रही थी, लेकिन पालतू जानवरों का कोई निशान नहीं था।

एनाबेथ पीछे के कमरों की जाँच करने के लिए दौड़ी।
मैं मोरे झील के पास रुक गया। “वे कहाँ गए? हेलहाउंड और पोलकैट?”
जेनेट ने कहा, मैंने उन्हें खा लिया।
"क्या?!"
फोर्टुनाटो ने कहा, "वह मजाक कर रही है, क्योंकि मुझे लगता है कि मोरे ईल बहुत बड़े मजाकिया होते हैं।"
जैसे ही दरवाजे खुले, दोनों बाहर भाग गए। क्या हम इन्हें आपके वापस लाने पर खा सकते हैं?
"नहीं!"
क्या हम सैटायर को खा सकते हैं?
"नहीं!"
मैंने पुस्तकालय के प्रवेश द्वार पर एनाबेथ से मुलाकात की।
“कुछ नहीं,” उसने बताया।
“ईल मछलियाँ कहती हैं कि गेल और हेकुबा चले गए हैं। वे जंगल में हैं।” मैंने मिडटाउन की ओर अस्पष्ट रूप से इशारा किया, जो कि लगभग उतना ही जंगली इलाका है जितना हो सकता है।
एनाबेथ ने गहरी सांस ली। मुझे लगा कि वह दस तक गिनती गिन रही थी, अपनी शांत, तर्कसंगत और सुखद स्थिति खोजने की कोशिश कर रही थी ताकि वह चीखने से खुद को रोक सके। "सबसे पहले, चलो ग्रोवर को देखते हैं।"
रसोई में वापस आकर, सैटायर धीरे-धीरे सामान्य हो रहा था। उसका बायां सींग अभी भी बहुत बड़ा था, जो नॉटिलस के खोल की तरह मुड़ा हुआ था। उसकी दाहिनी बाइसेप्स तरबूज के आकार की थी। वह सिर से पैर तक चिपचिपे गुलाबी पदार्थ से सना हुआ था, लेकिन इसके अलावा वह पहले वाले ग्रोवर जैसा ही दिख रहा था, बस अब उसमें स्ट्रॉबेरी का स्वाद पंचानवे प्रतिशत अधिक था।
“यह कितना बुरा है?” उसने पूछा।
मैंने उसे बता दिया। बात को घुमा-फिराकर कहने का कोई फायदा नहीं था, खासकर तब जब वह पहले से ही बहुत खुश था।
उसने अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया और कराहते हुए कहा, "मैंने सब कुछ बर्बाद कर दिया। और आज तो सिर्फ मंगलवार है!"
"हम इसका हल निकाल लेंगे," एनाबेथ ने कहा, हालांकि उसकी आवाज़ में आत्मविश्वास नहीं झलक रहा था।

“ग्रोवर, हमें जानवरों का पता लगाना होगा। इसके लिए हमें तुम्हारी प्रतिभा की जरूरत पड़ेगी। क्या तुम खड़े हो सकते हो?”
यह एक समझदारी भरा कदम था—ग्रोवर की मदद लेना, उसे यह एहसास दिलाना कि वह समस्या का समाधान करने में भागीदार है। मैंने इसके बारे में क्यों नहीं सोचा? शायद इसलिए कि मैं उस पर बहुत गुस्सा थी। मैं खुद को बार-बार समझा रही थी कि जो कुछ हुआ उसके लिए मुझे अपने सबसे अच्छे दोस्त को दोष नहीं देना चाहिए। आखिर मैंने ही तो उसे घर में अकेला छोड़ा था। यहां तक कि एनाबेथ ने भी स्कूल में समय का ध्यान न रखकर स्थिति को बिगाड़ा था। फिर भी, इन सब बातों के बावजूद, मैं गुस्से से कांप रही थी।
एनाबेथ ने इसे जरूर देखा होगा।
“पर्सी, तुम जाकर पट्टे ले आओ,” उसने कहा। “हम तुमसे सामने वाले दरवाजे पर मिलेंगे।”
“अच्छा विचार है,” मैंने कहा और मैं चल पड़ा।
मेरा दिमाग सुन्न पड़ गया था। मेरे हाथ बेजान से लग रहे थे। मुझे तब तक एहसास नहीं हुआ कि मैंने गेल का हार्नेस पकड़ लिया है, जब तक कि उसके कांटे मेरी हथेली में चुभने नहीं लगे। मैंने हेकुबा की रस्सी झट से पकड़ी और फिर सामने के दरवाजे की ओर चल पड़ी।
मुझे प्रधानाचार्य के कार्यालय में हेकेट के तीन सिर वाले रूप की याद आ गई। पिछले कई सालों में मुझे कई देवताओं से धमकियाँ मिली थीं। हेकेट की धमकी का असर कुछ अलग ही था—सिर्फ़ 'अभी मेरी बात मानो' जैसी धमकियों से कहीं ज़्यादा। शायद इसलिए कि हेकेट कोहरे पर शक्ति रखती थी। उसके बारे में कुछ ऐसा था जिसने मुझे अपनी मानसिक स्थिति पर संदेह करने पर मजबूर कर दिया। जैसे शायद सभी देवियों के तीन सिर होने चाहिए।
एक ही समय में अलग-अलग चेहरे। शायद शौचालय छत पर होने चाहिए। शायद नेवले और पोलकैट अलग होते हैं।
मुझे ऐसा लगा कि अगर वह मुझे उसका घर बर्बाद करने और उससे भी बुरा, उसके प्यारे पालतू जानवरों को खोने के लिए सज़ा देती, तो मैं सिर्फ़ मरती ही नहीं। मैं घुल जाती, मेरा नामोनिशान मिट जाता, मैं वास्तविकता से ही मिट जाती। मैं अपने अस्तित्व से ही संदेह करने लगती। वह इंसानों के देखने और सोचने की शक्ति रखती थी। यह मूलतः उनके अस्तित्व को नियंत्रित करने के बराबर था।

जादुई रसायनों के कारण हमारे बिस्तर आधे जल गए थे।
एनाबेथ और मैंने अपने अतिरिक्त कपड़ों से एक घोंसला बनाया और ग्रोवर को धीरे से फर्श पर लिटा दिया।
“मैं एक मिनट में ठीक हो जाऊंगा,” उसने कहा। “बस…”
वह एक तरफ लुढ़क गया और खर्राटे लेने लगा।
एनाबेथ और मैं उसके ऊपर खड़े थे। घर में सन्नाटा छाया हुआ था, सिवाय दबे हुए दरवाज़े के हैंडल की आवाज़ और अपने टैंक में मौजूद मछलियों के बीच गल्लूम के गाने की चार सुरों वाली सुरीली आवाज़ के।
"मुझे पूरा यकीन है कि ग्रोवर ठीक हो जाएगा," एनाबेथ ने कहा।
मैंने पूछा, "क्या आपको लगता है कि चौबीस घंटे वाली बात में वह सही है?" उसने बेपरवाही से एक कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे नहीं पता। ऐसा लगता है जैसे उसने 'अनसुलझे हत्याकांड' में कुछ सुना हो। लेकिन मुझे लगता है कि हमें वहां जाना चाहिए।"
मैंने ग्रोवर को नीचे देखा—दुख का एक बेचारा, स्ट्रॉबेरी-फ्रॉस्टेड पुतला, नींद में सिसक रहा था। मेरे मन में एक ठंडी सी निश्चितता छा गई— वैसी ही जैसी मुझे अक्सर तब होती है जब मैं कोई ज़रूरी और जानलेवा काम करने वाला होता हूँ। ग्रोवर को पहले अकेला छोड़ना और उसे इस हालत में डालना मेरी गलती थी। मुझे इसे ठीक करना ही था।
मैंने एनाबेथ से कहा, "तुम उसके साथ रहो। मैं पालतू जानवरों को ढूंढ निकालूंगी, शुरुआत हेकुबा से करूंगी।"
एनाबेथ ने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या आपको मदद की ज़रूरत नहीं होगी?"
मैंने यह महसूस न करने की कोशिश की कि वह मेरी क्षमताओं पर उसी तरह संदेह कर रही थी जिस तरह मैं अपनी क्षमताओं पर संदेह कर रही थी।
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "मुझे मदद मिल जाएगी। अब समय आ गया है कि एक शैतानी कुत्ते को पकड़ने के लिए दूसरे शैतानी कुत्ते का इस्तेमाल किया जाए। मैं श्रीमती ओ'लेरी को बुला रहा हूँ।"

□□

मुझे ना सुनने को मिली
जब मैंने यह कहा तो यह बहुत प्रभावशाली लगा।
फिर मुझे सचमुच ऐसा करना पड़ा।
श्रीमती ओ'लेरी को फोन करना हमेशा कारगर नहीं होता था। कभी-कभी वह इतनी दूर होती थीं कि उन्हें मेरी आवाज सुनाई ही नहीं देती थी। कभी-कभी वह किसी और काम में व्यस्त होती थीं, जैसे पाताल लोक में गड्ढे खोदना या किसी रसीली ड्रैगन की हड्डी चबाना। वर्षों पहले, डेडलस ने उन्हें मेरी देखरेख में छोड़ा था, लेकिन आजकल वह अपनी मर्जी की मालिक थीं। वह जो चाहती थीं वही करती थीं।
अगर मैं उसके बारे में गहराई से सोचती, तो शायद वो आ जाती। अगर उससे भी बात नहीं बनी, तो मुझे कुछ प्रोत्साहन चाहिए होंगे। मैंने हेकुबा के पास रखे कुछ खाने के सामान निकाल लिए।

अगर ये सब भी नाकाम हो जाते, तो मुझे अपने आखिरी उपाय का सहारा लेना पड़ता। मैंने अपनी चाबी के गुच्छे पर एक सीटी लगा रखी थी जो लियो वाल्डेज़ ने मुझे दी थी। यह मेरी पहली सीटी की तरह बर्फीली नहीं थी - वह तो टूट गई थी। यह दिव्य कांसे की बनी थी और इस पर 'लियो+पर्सी 4 एवर' लिखा था, क्योंकि लियो एक बेवकूफ है। मैं उस सीटी को तभी बजाती थी जब बहुत ज़रूरी होता था। दूसरी चीज़ जिसकी मुझे ज़रूरत थी: बहुत सारी खुली जगह। श्रीमती ओ'लेरी मुझे देखकर अक्सर उत्साहित हो जाती थीं। हमें हवेली को और ज़्यादा बर्बाद करने की ज़रूरत नहीं थी, जितना हम पहले ही कर चुके थे। मैंने हेकेट की चाबियाँ लीं, सड़क पार की और ग्रामर्सी पार्क के एक गेट का ताला खोल दिया। मुझे उम्मीद थी कि जब मैं इसे खोलूँगी तो अरबपति फरिश्तों का एक समूह गाना शुरू कर देगा, लेकिन अंदर से सिर्फ जंग लगे कब्जों की चरमराहट की आवाज़ आई। अंदर (स्पॉइलर अलर्ट), पेड़ थे। झाड़ियाँ, कंकड़ के रास्ते और बेंच भी थे, बिल्कुल न्यूयॉर्क के कई मोहल्लों के पार्कों की तरह। कुछ भी चौबीस कैरेट सोने से जड़ा हुआ नहीं था। फूलों की क्यारियों में हीरे या माणिक नहीं जड़े थे। मैं चाहती थी कि रास्ते पर एक बोर्ड लगा हो जो नए आगंतुकों का स्वागत करे: क्या आप निराश नहीं हैं?
पार्क के बीचोंबीच एक उदास दिखने वाले बूढ़े आदमी की मूर्ति खड़ी थी, जिसके पैरों पर एडविन बूथ नाम खुदा हुआ था। मुझे नहीं पता था कि एडविन इतना उदास क्यों दिख रहा था। शायद उसका खूंखार कुत्ता खो गया था। खैर, पार्क में मैं अकेला था, इसलिए मैंने सोचा कि श्रीमती ओ'लेरी को फोन करने के लिए थर्ड एवेन्यू के कोने से बेहतर जगह यही होगी, क्योंकि वहां वह किसी टैक्सी को कुचल सकती थीं।
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं। मैंने गहरी साँस ली, हेकेट द्वारा मुझे नष्ट कर दिए जाने की आशंका को शांत करने की कोशिश की। मैंने श्रीमती ओ'लेरी पर ध्यान केंद्रित किया। इधर आओ, लड़की!

सन्नाटा। अंधेरे में कोई सरसराहट नहीं। फोर्स में कोई हलचल नहीं। बस मैं और एडविन बूथ अकेले खड़े थे, उदास दिख रहे थे।
मैंने अपने कुत्ते के लिए रखे खाने-पीने के सामान से भरा बैग ऊपर उठाया और फिर से कोशिश की। बढ़िया!
अभी तक कुछ नहीं हुआ।
मुझे लगा कि श्रीमती ओ'लेरी शायद कैलिफ़ोर्निया के कैंप जुपिटर में होंगी, जहाँ वो आजकल अक्सर जाती हैं। अगर ऐसा है, तो वो शायद फील्ड ऑफ मार्स में अपने दोस्त हाथी हैनिबल के साथ खेल रही होंगी। मुझे उन्हें बुलाने में बुरा लग रहा था, क्योंकि मैं उनसे उम्मीद कर रहा था कि वो इतनी दूर से परछाई की तरह यात्रा करके आएंगी। इसमें बहुत ऊर्जा लगती है। अगर वो यहाँ पहुँच भी गईं, तो शायद इतनी थकी हुई हों कि मेरी मदद न कर पाएं। तब तो मेरे पास एक ढेर सारी, खर्राटे लेती हुई प्यारी सी हाथी होगी।
लेकिन मुझे सचमुच उसकी मदद की जरूरत थी।

अनिच्छा से ही सही, मैंने अपनी सीटी निकाली। मैंने उसे बजाया। तेज़ आवाज़ की वजह से मुझे कुछ सुनाई नहीं दिया, लेकिन सीटी पर लिखा हुआ इंद्रधनुषी रंगों में जगमगा उठा—LEO+PERCY 4EVER। जैसा कि मैंने शायद पहले भी बताया है, लियो एक बेवकूफ है।
मुझे लगा था कि मैं आगे जो होने वाला है उसके लिए तैयार हूँ। फिर भी, किसी तरह मुझे आश्चर्य हुआ। हवा का एक झोंका पार्क से गुज़रा, जिससे पत्तों के बादल उड़ने लगे। पेड़ों की डालियाँ हिलने लगीं। उनकी परछाइयाँ बजरी वाले रास्ते पर आपस में गुंथ गईं, और एक अंधेरे में तब्दील हो गईं। और उस अंधेरे से श्रीमती ओ'लेरी प्रकट हुईं।
काले रंग के रोएंदार कुत्तों का एक झुंड मुझ पर टूट पड़ा और मुझे जमीन पर गिरा दिया।
उसने मुझे चूम-चूमकर ऐसे मोहित कर दिया, मानो मैं गीले, खुरदुरे सैंडपेपर जैसे स्लीपिंग बैग में लिपटा हुआ हूँ। मेरे मुँह से हंसी और सिसकी के बीच की कोई आवाज़ निकली।
“ठीक है, लड़की,” मैंने कहा। “मुझे भी तुम्हारी बहुत याद आई।”
शुक्र है, उसे हमेशा पता होता था कि कब रुकना है, इसलिए मैं दम घुटने या पसली टूटने से नहीं मरा। जब मैं उठा, तो मैं कुत्ते की लार और बालों से सना हुआ था, लेकिन मैं मुस्कुरा रहा था।
मुझे अपने कुत्ते की बहुत याद आ रही थी।
हाँ, मैं एनाबेथ के साथ रहने के लिए न्यू रोम यूनिवर्सिटी जाना चाहता था। इसमें कोई शक नहीं था। लेकिन मुझे ऐसा भी लगता था कि मेरा दिल पहले से ही वहाँ बसा हुआ है। रोमन देवताओं में मेरे अच्छे दोस्त थे। मेरा सौतेला भाई टायसन वहीं रहता था। और श्रीमती ओ'लेरी अपना ज़्यादातर समय कैंप जुपिटर में बिताती थीं। उन्हें मेस हॉल का खाना पसंद था। उन्हें हाथी पसंद था। उन्हें सब कुछ पसंद था।
शायद मुझे इस विषय पर एक आवेदन निबंध लिखना चाहिए। मैं आपके विश्वविद्यालय में जाना चाहता हूँ क्योंकि मेरा कुत्ता वहाँ रहता है। या शायद नहीं।
श्रीमती ओ'लेरी ने मेरे चेहरे के एक तरफ एक और बेतरतीब चुंबन दिया; फिर उन्होंने मुझे सूंघना शुरू किया, उन सभी गंधों को महसूस किया जो हमारे

आखिरी बार मिलने के बाद से मुझमें समा गई थीं। ऐसा लग रहा था कि वह मेरे जीवन के फैसलों से खुश नहीं थीं।
वह पीछे हट गई, गुस्से से अपना सिर हिलाया और भौंकते हुए बोली, "वूफ़!" संभावित अनुवाद: क्या आपने अन्य नरक के कुत्तों को देखा है?
मैंने समझाया, "यह हेकुबा है। हेकेट की कुतिया। हम बस उसकी देखभाल कर रहे थे, और वह भाग गई।"
मैंने अपना बैग खोला और हेकुबा की रस्सी निकाली।
जैसे ही वह गंध श्रीमती ओ'लेरी की नाक तक पहुंची, वह पीछे हट गईं। उन्होंने मुझे आहत निगाहों से देखा।
मैंने कहा, "मुझे पता है। वह तुम्हारे जितनी शानदार नहीं है। लेकिन मुझे उसे ढूंढने में तुम्हारी मदद की बहुत ज़रूरत है।"
श्रीमती ओ'लेरी गुर्राईं।
मैंने उसकी बात समझी, “मैं उसे क्यों ढूंढना चाहूँगा?” “अगर मैं उसे नहीं ढूंढूंगा, तो हेकेट मुझे मार डालेगी। और ग्रोवर को भी। और एनाबेथ को भी।” श्रीमती ओ'लेरी ने नाक सिकोड़ी। मैंने इसे इस तरह पढ़ा: तुम मूर्खता की साक्षात मूर्ति हो, पर्सी। खैर, मैं तुम्हारी मदद करूंगी।
उसने पट्टे को सूंघा, हवा को सूंघा, फिर पार्क में उछल-कूद करते हुए भाग गई।
मुझे उम्मीद थी कि पीछा जल्दी खत्म हो जाएगा। शायद श्रीमती ओ'लेरी मुझे पास के किसी कोने तक ले जाएंगी, और हमें हेकुबा किसी झाड़ी के पीछे सोई हुई मिल जाएगी।
बेशक, यह इतना आसान नहीं था।
श्रीमती ओ'लेरी बाड़ फांदकर भाग गईं। वह ईस्ट 20 वीं स्ट्रीट पर तेज़ी से दौड़ पड़ीं, कारों के ऊपर से ऐसे कूदती हुई जैसे वे उनके लिए सीढ़ी हों। मैं बाधाओं को पार करने में उतना माहिर नहीं था, लेकिन मैंने उनके साथ चलने की पूरी कोशिश की, क्योंकि मैं एक ही शाम में दो तेज़ दौड़ने वालों से पीछे नहीं रहना चाहता था।
हेकुबा के विपरीत, श्रीमती ओ'लेरी का ध्यान पूरी तरह केंद्रित था। वह कूड़ेदानों पर पेशाब करने या खाने-पीने की चीजों की दुकानों पर ठेले लगाने के लिए नहीं रुकीं। वह बस दौड़ती रहीं, केवल फुटपाथ को सूंघने और यह पुष्टि करने के लिए रुकती थीं कि वह सही रास्ते पर हैं।

हाँ! मैंने सोचा। यह ज़रूर काम करेगा!
जब कोई चीज काम करना बंद कर देती है, तो उससे ठीक पहले मैं आमतौर पर यही कहता हूं।
मैं श्रीमती ओ'लेरी के पीछे-पीछे कुछ ब्लॉक पश्चिम की ओर गया, फिर दक्षिण की ओर, फिर पश्चिम की ओर। अंत में, वह एक टैटू पार्लर और ट्रेडर जोस के बीच एक गली में मुड़ गईं। जब मैं उनके पास पहुँचा, तो श्रीमती ओ'लेरी कचरे के थैलों, पिचके हुए डिब्बों और खाली फलों के बक्सों के ढेर को सूंघ रही थीं। वह अपनी पूंछ हिला रही थी, जो अजीब लग रहा था। हेकुबा की गंध सूंघने पर उसके व्यवहार को देखते हुए, मुझे संदेह था कि अगर श्रीमती ओ'लेरी को वह सचमुच मिल जाती, तो वह इतनी खुश होतीं। साथ ही, जिस कचरे के ढेर को वह सूंघ रही थी, वह इतना बड़ा नहीं था कि उसमें एक वयस्क हेलहाउंड छिप सके।
मैंने सकारात्मक सोचने की कोशिश की। "तुम्हारे पास क्या है, लड़की?"
मैं धीरे-धीरे उसके करीब गया। शायद किसी स्वादिष्ट खुशबूदार खाने के कचरे ने उसका ध्यान भटका दिया हो। उसे ट्रेडर जो के कद्दू से बने डॉग ट्रीट बहुत पसंद थे।
— शायद इसलिए क्योंकि वे कैंप जुपिटर के भोजनालय में उपलब्ध नहीं थे, और हेड्स ने अभी तक पाताल लोक में ट्रेडर जोस नहीं खोला था।
मैं फलों के कुछ डिब्बे हटाने के लिए नीचे झुका। तभी ढेर के अंदर से एक छोटी सी आवाज आई, "नहीं!"
मैं पीछे की ओर लड़खड़ाते हुए सड़े हुए केलों से भरे एक डिब्बे में जा गिरा।
हालांकि, श्रीमती ओ'लेरी चिंतित नहीं दिख रही थीं। उन्हें जो भी गंध आ रही थी, उसके बारे में वे उत्सुक और उत्साहित थीं।
ढेर में मौजूद उस चीज ने फिर से भौंका—“नहीं!”—और मुझे एहसास हुआ कि उसकी आवाज कितनी धीमी और कितनी डरी हुई लग रही थी…
मेरा दिल बेचैन हो गया। मुझे अचानक उस लगातार भौंकने वाले की मदद करने की तीव्र इच्छा हुई। मैंने बक्से और थैले हटाने शुरू कर दिए। श्रीमती ओ'लेरी ने मेरा मार्गदर्शन किया और कचरे में छानबीन करते हुए हमें भौंकने का स्रोत मिल गया।
वह एक पिल्ला था। एक खूंखार कुत्ते का पिल्ला।

उसके काले बाल मैल से सने हुए थे। उसकी लाल आँखों के आसपास मक्खियाँ भिनभिना रही थीं। उसके कान पीछे की ओर मुड़े हुए थे और वह डर से काँप रहा था। उसकी पीठ पर एक भयंकर घाव था, जैसे किसी पंजे वाले जानवर ने उस पर हमला किया हो।
मैं वैसे तो ज्यादा रोती नहीं हूँ, लेकिन आपको बता दूं, मेरी आँखों से बहुत पानी आया।
मैंने जितना हो सके धीरे से कहा, "अरे, दोस्त। हम तुम्हें नुकसान नहीं पहुँचाएँगे।"
मैं झुक गई ताकि मैं इतनी बड़ी न दिखूं, हालांकि यह शायद व्यर्थ ही था क्योंकि श्रीमती ओ'लेरी मेरे ठीक बगल में खड़ी थीं। "सब ठीक हो जाएगा।" मुझे उम्मीद थी कि मेरी आवाज़ नरम होगी, लेकिन मेरा गला इतना भर आया था कि मैं मुश्किल से बोल पा रही थी। मुझे टायसन की बताई कहानियाँ याद आ गईं कि कैसे छोटा साइक्लोप्स सड़कों पर पला-बढ़ा, राक्षसों से परेशान होता रहा, गलियों में छिपता रहा, हर समय अकेला और डरा हुआ महसूस करता रहा। मुझे नहीं पता था कि हेलपपीज़ के साथ भी ऐसा ही होता है या यह छोटा सा जीव यहाँ कैसे पहुँच गया। मुझे बस इतना पता था कि मुझे उसे बचाना ही होगा।
श्रीमती ओ'लेरी की भी यही प्रवृत्ति रही होगी। जैसे ही उन्हें उसकी गंध मिली, हेकुबा का शिकार करने का पूरा मिशन धराशायी हो गया।
मैंने उसे जरा भी दोष नहीं दिया।
मैंने अपने बैग में हाथ डालकर हेकुबा की एक मिठाई निकाली। मैंने उसे पिल्ले को देने की कोशिश की, लेकिन जैसे ही मैंने हाथ बढ़ाया, वह सहम गया। मैंने मिठाई को दो हिस्सों में तोड़ दिया। मैंने एक हिस्सा ज़मीन पर रख दिया और दूसरा हिस्सा मिसेज़ ओ'लेरी को दे दिया, ताकि पिल्ले को पता चल जाए कि इसे खाना सुरक्षित है।
श्रीमती ओ'लेरी स्थिति को समझती हुई प्रतीत हुईं। उन्होंने लेटकर खुद को धमकी भरा न दिखाने का प्रयास किया।
कुछ मिनट तक मैं शांति से बातें करता रहा और एक जगह पर बैठा रहा, फिर पिल्ला थोड़ा आगे बढ़ा। उसने खाने की चीज़ को सूंघा और फिर झट से खा गया। फिर उसने अपनी उन बड़ी-बड़ी लाल आँखों से मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे पूछ रहा हो, और चाहिए?

हम काफी देर तक वहीं बैठे रहे, जब तक कि पिल्ला मेरे हाथ से खाना खाने में सहज महसूस नहीं करने लगा। बेचारे को पिस्सू और टिक लगे हुए थे, और उसकी आँखों के आसपास के बाल घुन खा गए थे, इसलिए उसका चेहरा पीला पड़ गया था, कुछ-कुछ उल्टे नेवले जैसा। उससे बहुत बदबू भी आ रही थी, लेकिन कूड़े और पेशाब की दुर्गंध के नीचे से मुझे उसकी नई-नई खुशबू आ रही थी। वह छह हफ्ते से ज्यादा का नहीं रहा होगा।
मैंने उससे पूछा, "क्या तुम एक और मिठाई खाना चाहते हो?"
“नहीं!” वह गुर्राया, जिसका स्पष्ट अर्थ था, “हाँ, कृपया, मैं पूरा थैला ले लूँगा।”
मैं मुस्कुराए बिना नहीं रह सका। "क्या यही आपका नाम है? नहीं?"
उसने अपना सिर झुकाया, शायद इस बारे में सोच रहा था। "नहीं!"
"ठीक है, तो मैं तुम्हें इसी नाम से पुकारूंगा।"
वह रेंगकर सीधे मेरी गोद में आ गया। वह भारी था—लगभग पचास पाउंड—और ढीला- ढाला, उसके पंजे इतने बड़े थे कि मुझे लगा जैसे वह एक दिन गैंडे के आकार का खूंखार कुत्ता बन जाएगा। मैंने उसके कानों के पीछे खुजली की और उसे खाने की चीज़ें खिलाती रही, ताकि वह मेरी आवाज़ का आदी हो जाए।
इसी बीच, श्रीमती ओ'लेरी की आँखें भारी होने लगी थीं। परछाईं में यात्रा करने में बहुत ऊर्जा खर्च होती थी। पिल्लों का शिकार करना? यह भी बहुत मेहनत का काम था।
अब, यहाँ शांति से लेटे हुए और मेरी मधुर आवाज सुनते हुए, मेरा पालतू कुत्ता नींद महसूस करने लगा था।
मैंने उससे कहा, "कोई बात नहीं, बेटी। तुमने बहुत अच्छा किया। थोड़ा आराम करो।"
श्रीमती ओ'लेरी ने कराहते हुए अपने विशाल शरीर को समेटा और चपटे गत्ते के डिब्बों में घोंसला बनाते हुए चारों ओर घूमने लगीं। जैसे ही वह लेटीं, वह परछाइयों में विलीन हो गईं, और पीछे केवल एक भयानक कुत्ते के आकार का गड्ढा रह गया।
इससे मुझे थोड़ा दुख हुआ। वह मेरे साथ लगभग तीस सेकंड ही रही थी, और अब वह फिर चली गई। लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, वह अपनी मर्जी की मालिक है। अगर

वह परछाइयों में विलीन होकर कैंप जुपिटर में वापस प्रकट होना चाहती थी, अपने हमेशा की तरह विशाल कुत्ते के बिस्तर में आराम से लेटी हुई, मैं उसे रोकने वाला कौन होता?
“नहीं?” पिल्ले ने पूछा।
मैंने अपनी आंखें पोंछते हुए कहा, "मैं रो नहीं रही हूँ।"
नोप की पीठ पर लगा घाव संक्रमित लग रहा था। मुझे उसके फर के नीचे उसकी पसलियाँ महसूस हो रही थीं। उम्मीद है, ग्रोवर को हेलहाउंड की प्राथमिक चिकित्सा आती होगी।
मैंने पूछा, "क्या तुम यहाँ से जाना चाहते हो?" उसने कहा, "नहीं। तुम मेरे दोस्तों से मिल सकते हो, सोने के लिए एक अच्छी गर्म जगह मिलेगी। हम तुम्हें पूरी तरह ठीक कर देंगे।"
पिल्ले ने बेमन से मेरा हाथ चाटा। वह अभी भी कांप रहा था, लेकिन पहले जितना नहीं।
मैंने इसे हां मान लिया।
मुझे पता था कि इससे हमारी समस्याएँ हल नहीं होंगी। हेकुबा और गेल अभी भी खुले घूम रहे थे। हवेली अभी भी खंडहर थी। हेकेट अभी भी हमें जलाकर राख करने वाली थी। सच कहूँ तो, यह मेरे करियर में अब तक का सबसे अजीबोगरीब काम था। मैं दो लापता पालतू जानवरों को ढूंढने गया था और उनकी जगह एक अलग कुत्ते को लेकर घर लौट रहा था। लेकिन जब भी आप किसी पिल्ले की मदद कर सकते हैं, तो आपको उसकी मदद करनी चाहिए। मैंने नोप को जितना हो सके धीरे से उठाया, उसे एक बच्चे की तरह एक कंधे पर रखा और ग्रामर्सी पार्क की ओर वापस चल पड़ा।

ग्यारह
हमारे पास एक्स्ट्रा आंसुओं वाला पिज्जा है
“नहीं,” मैंने कहा और एनाबेथ और ग्रोवर को दिखाने के लिए कुत्ते को आगे बढ़ाया।
नहीं, वह इतना उत्साहित था कि उसने मेरे जूतों पर पेशाब कर दिया। एनाबेथ छींटों वाले इलाके से पीछे हट गई। वह थकी हुई लग रही थी। उसके हाथ में पोछा था, बालों में धूल जमी थी और कपड़ों पर स्ट्रॉबेरी आइसक्रीम के धब्बे लगे थे। ग्रोवर अब खड़ा तो था, लेकिन वह अभी भी ऐसा लग रहा था जैसे उसके पेट पर बार-बार घूंसे मारे गए हों।
“प्यारा पिल्ला है,” एनाबेथ ने कहा। “लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इसे हेकुबा बताकर अपना परिचय दे सकते हैं। तुम्हें यह कहाँ मिला?”

मैंने उन्हें कहानी सुनाई जबकि एनाबेथ पेशाब साफ कर रही थी। मुझे लगता है कि हमेशा तैयार रहने के भी अपने नुकसान होते हैं। जब पोछा आपके हाथ में हो, तो पोछा लगाना भी आपकी ही जिम्मेदारी होती है।
हेकुबा और गेल को न ढूंढ पाने पर न तो एनाबेथ और न ही ग्रोवर ने मुझे डांटा। शायद वे बहुत थके हुए थे, या शायद उन्हें लगा कि हमारा अंत तो होना ही था, तो चलो एक प्यारे से पिल्ले के साथ ही सही, अंत को स्वीकार कर लेते हैं।
“बेचारा छोटा बच्चा,” ग्रोवर ने कहा। “उसकी पीठ पर बहुत गहरा घाव है।” “नहीं!” नोप ने गुर्राते हुए कहा।
“हां,” ग्रोवर ने सहमति जताते हुए कहा। “कोई बात नहीं।”
मैंने पूछा, “उसने क्या कहा?”
“खैर, वह तो अभी पिल्ला है,” ग्रोवर ने समझाया। “वह अभी पूरे वाक्य नहीं बोल पाता। असल में, उसने कहा कि मैं लड़के पर पेशाब करता हूँ, तो लड़का मेरा है।”
“समझ में आता है,” मैंने कहा। “अह, क्या कोई और उसे पकड़ना चाहेगा?” एनाबेथ ने अपना पोछा दीवार के सहारे टिकाया और पिल्ले को लेने आई। वह छटपटाने लगा, मेरी छाती से खुद को दूर धकेलने लगा, जाहिर तौर पर अपनी नई माँ के पास जाने के लिए बेचैन था। मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी।
"लो हो गया," एनाबेथ ने नरक के उस काले ढेर को गले लगाते हुए कहा।
"कौन है जो 'ना' कहने में माहिर है?"
कुत्ते ने उसके चेहरे के किनारे को चाटा और थोड़ा और पेशाब कर दिया।
“ठीक है, हमें पेशाब पर नियंत्रण पर काम करना होगा,” एनाबेथ ने कहा। “लेकिन तुम इतनी प्यारी हो कि तुम पर गुस्सा करना मुश्किल है।”
“नहीं!” नोप ने सहमति जताई।
एनाबेथ ने कुत्ते को नीचे रख दिया और वह अपने नए ठिकाने की खोजबीन करने के लिए निकल पड़ा।
जब भी उसकी नाक किसी ऐसी चीज से टकराती जिससे वह चौंक जाता—जैसे कोई कुर्सी, या कोई खतरनाक दिखने वाली कॉफी टेबल—तो वह पीछे हटकर तब तक भौंकता रहता जब तक उसे यकीन नहीं हो जाता कि वह चीज उसके पिल्लेपन के प्रभुत्व के आगे झुक गई है।

“ग्रोवर, क्या तुम उसे ठीक कर सकते हो?” मैंने पूछा। “मुझे लगा कि तुम ही उसकी सबसे अच्छी उम्मीद हो।”
ग्रोवर को मेरी आँखों में देखने में परेशानी हो रही थी। हमारी भावनाएँ वर्षों से एक-दूसरे से जुड़ी हुई थीं, जब सातवीं कक्षा में उसने मेरे साथ एक भावनात्मक जुड़ाव महसूस किया था।
उन्हें भली-भांति पता था कि मैं पहले कितना गुस्से में थी। मैं समझ सकती थी कि वे अब भी अपराधबोध के बोझ तले दबे हुए थे। फिर भी, उन्हें यह एहसास हो गया था कि मैं सुलह की कोशिश कर रही हूँ।
“बिल्कुल,” उसने कहा। “थोड़ा सा कुदरती जादू और गर्म पानी से नहलाने से वो एकदम ठीक हो जाएगा। अरे नहीं, बिलकुल नहीं।”
“नहीं!” वह आज्ञाकारी होकर ग्रोवर के पीछे रसोई की ओर चल पड़ा, और रास्ते में उस सैटिर के खुरों पर भौंकता और झपटता रहा।
मैंने एनाबेथ की ओर मुड़कर पूछा, "तो अब क्या?"
जब भी मुझे कोई ऐसी समस्या आती है जिसका समाधान मैं नहीं ढूंढ पाता, और ऐसा लगभग हर साठ सेकंड में होता है, तो मैं यही करता हूँ। मैं एनाबेथ से पूछता हूँ।
उसने मेरी पेशाब से भीगी हुई जूतियों और अपने खुद के दाग लगे कपड़ों की ओर देखा।
“पहले, चलो साफ-सफाई कर लेते हैं। मैं तीस मिनट में यहीं वापस मिलूंगा।” मैं काफी थका हुआ था, क्योंकि मैं लड़खड़ाते हुए एक ऐसे बाथरूम में घुस गया जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था, जहाँ शावर से पानी टॉयलेट पर तिरछा पड़ रहा था। मुझे दूसरा बाथरूम ढूंढने का मन नहीं था, इसलिए मैंने बस पानी को अपने चारों ओर घुमाने की इच्छा की और बवंडर की तरह नहाने लगा। वैसे तो ठीक ही रहा, लेकिन मेरे बालों में एक ऐसा घुमाव आ गया जो कंघी करने पर भी नहीं निकला।
हम उस विशाल कमरे के खंडहरों में फिर से इकट्ठा हुए। मैं यह नहीं कहूँगी कि मुझे ताज़गी महसूस हुई या आशा बढ़ी। जब मैंने हेकुबा का खाली बिस्तर, गेल का भारी धातु का हार्नेस और टूटी हुई रंगीन कांच की खिड़कियाँ देखीं, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे पेट में एक गड्ढा खुल रहा हो, मानो सप्ताह भर जीवित रहने की मेरी सारी उम्मीदें निगल रहा हो। लेकिन कम से कम मैं साफ थी, और अपने दोस्तों के साथ थी।

किसी तरह एनाबेथ ने पिज्जा ऑर्डर कर दिया था। बिना किसी फोन ऐप का इस्तेमाल किए, उसने एक अदृश्य हवेली में पिज्जा कैसे मंगवाया, यह तो मुझे पता ही नहीं। लेकिन उसकी खुशबू लाजवाब थी।
वह अपने फटे-पुराने, आधे जले हुए पलंग पर पालथी मारकर बैठी थी और मशरूम और काले जैतून का एक टुकड़ा चबा रही थी। उसके बगल में फर्श पर वे तीन दरवाज़े के हैंडल पड़े थे जिन्हें उसने मलबे से निकाला था।
सामने के प्रवेश द्वार पर। वे चुप थे, शायद अभी भी सदमे में थे क्योंकि एक विशालकाय हिंसक बकरी जैसे राक्षस ने उनके जीवन का उद्देश्य छीन लिया था। ग्रोवर लहसुन वाले ब्रेडस्टिक खा रहा था। मुझे अपने अनुभव से पता था कि इससे उसके मुंह से कई दिनों तक बदबू आएगी, लेकिन उस आदमी का दिन बहुत खराब बीता था, इसलिए मैंने कुछ कहने का सोचा ही नहीं।
नोप एनाबेथ और ग्रोवर के बीच इधर-उधर भागता रहा, प्यार से सहलाता रहा और अपनी पूंछ इतनी ज़ोर से हिलाता रहा कि उसका पूरा शरीर कांपने लगा। ग्रोवर ने उसे साफ करने और पट्टी बांधने का बहुत अच्छा काम किया था। पिल्ले के बाल इतने ज़्यादा फूल गए थे कि वह किसी काले अंडरवर्ल्ड के डेंडेलियन फूल जैसा लग रहा था।
जब नोप ने मुझे देखा, तो वह खुशी से भौंका और अपने अगले पंजों को ज़मीन पर पटकते हुए खेलने लगा। मुझे यह समझने के लिए किसी जंगली सूअर होने की ज़रूरत नहीं थी कि वह क्या कहना चाह रहा है।
लड़के, मुझे पिज्जा दो वरना मैं तुम पर फिर से पेशाब कर दूंगा!
मैंने एक स्लाइस लिया और उसके लिए पेपरोनी के टुकड़े चुन-चुनकर दिए, जबकि वह अपनी उन बड़ी, उदास, शैतानी आँखों से मुझे घूर रहा था।
“तो, उम…” मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उस शानदार शुरुआत के बाद क्या कहूँ। मैं अपनी सारी समस्याओं को हल करने के लिए एक ज़बरदस्त योजना पेश करना चाहता था, लेकिन मेरे पास ऐसी कोई योजना नहीं थी। “शायद मुझे वापस बाहर जाकर रात भर खोजबीन करनी पड़ेगी।”
एनाबेथ ने अपना सिर हिलाया। "हम यूं ही बेतरतीब ढंग से पूरे शहर का सर्वेक्षण नहीं कर सकते।"
हेकुबा और गेल जादुई जीव हैं। वे कहीं भी हो सकते हैं। वे खुद ही घर लौटने का फैसला कर सकते हैं, या...
वह ऑपरेशन थिएटर काफी बड़ा था।

या फिर वे पाँचों इलाकों में आतंक फैला सकते हैं और न्यूयॉर्क के निर्दोष लोगों पर मौत, विनाश और पोलकैट गैस का कहर बरपा सकते हैं। या फिर वे पाताल लोक में गायब हो सकते हैं और फिर कभी नहीं मिल सकते। या फिर, या फिर, या फिर।
मेरी नज़र बालकनी पर पड़ी, जहाँ हेकेट की क्रॉस की हुई मशालें अभी भी रेलिंग पर टंगी हुई थीं। मैंने कहा, "शायद हम इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। ये किसी आपात स्थिति जैसी लग रही हैं। शायद... पता नहीं, पालतू जानवरों के लिए घर लौटने का रास्ता रोशन कर दें।"
एनाबेथ के माथे पर शिकन देखकर मुझे पता चल गया कि उसने इस बारे में पहले ही सोच लिया था और इस विचार को खारिज कर दिया था। "महज़ एक अंतर्ज्ञान? उन मशालों को छोड़ दो। वे तो बस आखिरी उपाय हैं। उनसे हेकेट को भी पता चल सकता है कि हम मुसीबत में हैं। पहले हमें इस समस्या का हल खुद निकालने की कोशिश करनी चाहिए।"
मैंने कहा, "समस्याएं, एक से अधिक। एक लापता हेलहाउंड। एक लापता पोलकैट।" घर नष्ट हो गया।
ग्रोवर ने ब्रेडस्टिक के सिरे से अपने आंसू पोंछे। "दोस्तों..."
“ऐसा मत कहो, जी-मैन,” मैंने उससे कहा। “माफी मत मांगो। एनाबेथ सही कह रही है।”
हम इसका हल निकाल लेंगे।
उसने एक गहरी आह भरी, शायद इसलिए क्योंकि नोप ने उसकी लापरवाही का फायदा उठाकर ब्रेडस्टिक चुरा ली थी। नमकीन सैटिर आंसुओं के साथ मिलाकर खाने में शायद उसका स्वाद और भी अच्छा लगता।
“हम सब गलतियाँ करते हैं,” एनाबेथ ने उसे दिलासा देते हुए कहा। “याद है जब पर्सी ने मेडुसा का सिर माउंट ओलंपस भेजा था? या जब उसकी नाक से खून बहने लगा और उसने गैया को जगा दिया? या वो समय—”
मैंने पूछा, "क्या तुम सिर्फ मेरी गलतियों की सूची गिन रहे हो?"
एनाबेथ ने कंधे उचकाते हुए कहा, "जब तुम गलती करते हो तो प्यारे लगते हो।" इससे ग्रोवर का मूड कुछ ठीक नहीं हुआ। वह बेमन से नोप को अपने बाएं खुर को चबाते हुए देखता रहा।
“हम सब मरने वाले हैं!” वह सिसकते हुए बोला। “हम एक पिल्ले के साथ मरेंगे, मैं हमेशा से यही चाहता था कि मेरी मृत्यु हो, लेकिन फिर भी—”

“कोई नहीं मरेगा,” एनाबेथ ने आश्वासन दिया। “हेकेट के वापस आने से पहले हमारे पास अभी भी तीन दिन हैं।”
ग्रोवर कराह उठा। "तुम सही कह रहे हो। फिर हम हैलोवीन पर मरेंगे, और हमारे सारे दोस्त हमें देखते रहेंगे!"
मुझे यह बात समझने में थोड़ा समय लगा। "रुको... तुमने पार्टी के निमंत्रण पत्र पहले ही भेज दिए?"
“बिल्कुल!” उसने कहा। “आज सुबह, इससे पहले कि सब कुछ स्ट्रॉबेरी जैसा हो जाए।”
मैंने उन्हें आभाओं को सौंप दिया।
मैंने कल्पना की कि दर्जनों पवन देवियाँ ग्रोवर के पत्रों को कैंप हाफ-ब्लड और उससे आगे ले जा रही हैं, सुंदर लिफाफे हमारे सभी परिचित अर्धदेवों के हाथों में उड़ रहे हैं। शुक्रवार को हेकेट के यहाँ पार्टी में शामिल हों! हमें दर्दनाक मौत मरते हुए देखें! वेशभूषा पहनना अनिवार्य नहीं है! मैंने आह भरी। “ग्रोवर…”
“कोई बात नहीं।” एनाबेथ की आवाज़ में ऐसा लग रहा था जैसे वह हम सबको समझाने के साथ-साथ खुद को भी समझाने की कोशिश कर रही हो। “इससे हमें सब कुछ ठीक करने की और भी प्रेरणा मिलती है।”
हमें अपनी समय सीमा पता है। हमें काम करना है।
उसने अपने हाथों से अपनी पैंट को पोंछा और खड़ी हो गई। "कल सुबह मैं छुट्टी ले लूंगी।"
मेरा मन खुश हो गया। "वाह! मेरा भी।"
“नहीं, तुम्हें जाने की ज़रूरत नहीं है,” उसने कहा। “मैं अपनी पढ़ाई में आगे हूँ। तुम्हें क्लास में जाना चाहिए।”
“आह,” मैंने शिकायत की।
“देखो,” उसने कहा, “नरक के कुत्ते आमतौर पर केवल रात में ही घूमते हैं, है ना?”
“शायद। लेकिन हेकेट ने कहा था कि हमें उन्हें दिन में दो बार टहलाना चाहिए

— ”

“और पोलकैट भी स्वभाव से निशाचर होते हैं, है ना?” उसने ग्रोवर की ओर मुड़कर पूछा।
“उह, मुझे ऐसा लगता है,” उन्होंने कहा।

“तो कल,” एनाबेथ ने निष्कर्ष निकाला, “हम मान सकते हैं कि पालतू जानवर दिन में आराम से सोएंगे। वे कोई परेशानी नहीं खड़ी करेंगे। इसका मतलब है कि मुझे हेकेट की लाइब्रेरी जाने और हेकुबा और गेल के बारे में जितना हो सके जानने का समय मिलेगा। मुझे पता है कि वे दोनों कभी इंसान थे। हेकुबा ट्रॉय की रानी थी। गेल... मुझे लगता है कि वह एक चुड़ैल थी? खैर, उम्मीद है कि मुझे उनके ठिकाने के बारे में कुछ सुराग मिल जाएंगे। फिर शाम को, जब पर्सी स्कूल से वापस आएगा, तो हम खोज जारी रख सकते हैं।”
ग्रोवर ने सिसकते हुए कहा, "और मैं पूरा दिन सफाई में बिताऊंगा।" उसने टूटे-फूटे फर्नीचर और बिखरी खिड़कियों पर नज़र डाली। "हालांकि यह नामुमकिन सा लगता है।"
….”
“एक बार में एक ही समस्या,” एनाबेथ ने कहा। “हम इसका हल निकाल लेंगे।” मुझे यकीन नहीं है कि उसने इस बात पर विश्वास किया होगा, लेकिन मुझे लगता है कि हम दोनों ने यह महसूस किया कि ग्रोवर की वर्तमान मानसिक स्थिति पतली बर्फ की चादर की तरह नाजुक थी। वह ज्यादा भार सहन नहीं कर सकती थी।
नोप ग्रोवर के खुर को कुतरता रहा। शायद यह उसकी मदद करने की कोशिश थी, या शायद उसके दांत निकल रहे थे। ग्रोवर को तो कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन मुझे थोड़ी चिंता थी कि कहीं मेरा दोस्त सुबह बिना बाएं पैर के न उठ जाए।
“ठीक है,” मैंने कहा। “मैं कल स्कूल जाऊँगा। रात को हम पालतू जानवरों को ढूँढेंगे।”
नहीं, कुतरते-कुतरते वह थक गया। उसने जम्हाई ली, ग्रोवर के बगल में सिकुड़कर लेट गया और अपनी आँखें बंद कर लीं।
“पिल्ले का विचार सही है,” ग्रोवर ने कहा। “मुझे लगता है…”
और बस यूं ही वो गिर पड़ा और खर्राटे लेने लगा। काश मैं भी सैटायर और पिल्लों की तरह आसानी से सो पाता। मैंने कल्पना की कि ग्रोवर स्ट्रॉबेरी के खेतों का सपना देख रहा है, जबकि नोप स्वादिष्ट बकरी के खुरों का सपना देख रहा है।
मैंने एनाबेथ की तरफ देखा। उसके चेहरे पर थकान और चिंता साफ झलक रही थी। जब हम छोटे थे, तब वह इसे बेहतर तरीके से छिपाती थी, या शायद तब मैं उसे इतना अच्छी तरह से नहीं जानता था।
मैंने कहा, "हम इससे उबर जाएंगे।"

वह हैरान दिखी—मैं उसे दिलासा दे रहा था, एक तरह से माहौल बदल रहा था। “हां,” उसने कहा। “हमने इससे भी बुरी परिस्थितियों का सामना किया है, है ना?”
“ज़रूर।” मैं वो बात नहीं कहना चाहता था जो हम दोनों शायद सोच रहे थे: आखिरकार, हमारी किस्मत का साथ तो खत्म होना ही है। आप सिक्के को कितनी बार उछाल सकते हैं, एक बार जब टेल आ जाए तो हार मान लेते हैं।
लेकिन उस पर सोचने का कोई फायदा नहीं था। इसके बजाय, मैंने पिज्जा साफ किया, मछलियों को शुभ रात्रि कहा और सोने की तैयारी करने लगा।
बुधवार को, मैं एक साहसिक कार्य करते हुए स्कूल जाऊँगा। वहाँ जाकर, शायद मैं अपने काम को पूरा करने से कहीं अधिक कुछ कर सकूँ। शायद मैं कुछ ऐसा करने का प्रयास कर सकूँ जो स्कूल के माहौल में शायद ही कभी किया गया हो: मैं उपयोगी जानकारी सीखने की कोशिश कर सकूँ—कुछ ऐसा जो वास्तव में हमें जीवित रहने में मदद कर सके।

बारह
मुझे एक पुराने दोस्त से सबक मिला। सबसे पहले, मैंने अपनी अलौकिक मार्गदर्शक सलाहकार यूडोरा को खोजने की कोशिश की।
चूंकि वह समुद्र से मिलने वाले उपहारों की प्रभारी नेरीड थी, इसलिए मैंने सोचा कि शायद वह मुझे कोई जादुई मछली दे सकती है जो नरक के कुत्तों को आकर्षित करती हो, या किसी समुद्री डाकू की टांग की हड्डी जो नेवलों के लिए कैटनिप की तरह काम करती हो... पता नहीं।
कुछ।
लेकिन यूडोरा गायब थी। उसका दफ्तर खाली था। उसकी मेज पर रखी कैंडी की टोकरी में जॉली रैंचर्स नहीं थे। अफसोस! मैंने सिक्की फ्रॉग पर एक नजर डाली, जो बैंगनी रंग की कार्टून वाली दीवार पेंटिंग थी, जो उस समय की याद दिलाती है जब यह कमरा एक प्राथमिक विद्यालय की नर्स का कार्यालय हुआ करता था।
मैंने उससे कहा, "मुझे ऐसा लग रहा है कि यूडोरा मुझसे बचने की कोशिश कर रही है।"
बीमार मेंढक बेहद दयनीय लग रहा था।
मैंने पूछा, "वह हेकेट से इतनी डरी हुई क्यों है?"
बीमार मेंढक के पास कोई जवाब नहीं था।
मैंने कहा, "अच्छी बातचीत रही। उम्मीद है आप जल्द ही बेहतर महसूस करेंगे।" दूसरा विचार: मैं अपनी इतिहास शिक्षिका के क्लासरूम में गई। डॉ. शर्मा का तैयारी का समय तब था जब मेरा अंग्रेजी का क्लास था। चूंकि उस दिन हम अंग्रेजी में एक फिल्म देख रहे थे, इसलिए मैंने सोचा कि मैं कुछ मिनटों के लिए क्लास छोड़ सकती हूँ।
डॉ. शर्मा काफी शानदार थीं—और सिर्फ इसलिए नहीं कि उन्होंने एक दिन पहले "बहुत बढ़िया, मिस्टर जैक्सन" कहा था। उन्हें प्राचीन संस्कृतियों के बारे में काफी जानकारी थी।
वह मुझे काफी समय से किसी भूले हुए ऐतिहासिक व्यक्ति पर अपने शोध पत्र के लिए विषय चुनने के लिए परेशान कर रही थी। मैं इससे बच रहा था, क्योंकि मैं कई भूले हुए ऐतिहासिक व्यक्तियों से मिल चुका था और उन सभी को मार चुका था।
लेकिन अब शायद मैं डॉक्टर से पूछ सकता हूँ।

शर्मा को ट्रॉय की रानी हेकुबा के बारे में जो कुछ भी पता था, वह बता सकती थी। शायद वह मुझे कुछ ऐसा बता सके जिससे मुझे हेलहाउंड को ढूंढने में मदद मिल सके। अगर इससे मेरा दिमाग इतिहास की किताबों के पहाड़ में उलझने से बच जाए, तो और भी अच्छा होगा।
मैं उसके खुले दरवाजे तक गया और अंदर देखते ही स्तब्ध रह गया।
डॉ. शर्मा की डेस्क पर देर से नाश्ता कर रहा व्यक्ति निश्चित रूप से डॉ. शर्मा नहीं था।
उनके काले बाल और दाढ़ी में सफ़ेद बाल आ गए थे। उन्होंने एक सिकुड़ी हुई ट्वीड जैकेट, टाई और फॉर्म शर्ट पहनी हुई थी, और उनकी गोद में एक फलालैन का कंबल था। उनकी पुरानी शैली की व्हीलचेयर में हाथ से धकेले जाने वाले स्टील के पहिये थे और घिसे हुए काले रंग के टायर लगे थे।
चमड़े की आर्मरेस्ट। उसके एक हाथ में आधा खाया हुआ बैगल और दूसरे हाथ में गर्म चाय का प्याला था। मैंने ये सारी बातें बिल्कुल स्पष्ट रूप से देखीं, लेकिन फिर भी मैं उसे पहचान नहीं पाया।
इस एहसास को सबसे अच्छे तरीके से बंजी जंपिंग से बयान किया जा सकता है। एक पल आप किसी चट्टान की चोटी पर होते हैं। अगले ही पल नदी तेज़ी से आपकी ओर बहने लगती है। आपकी सारी इंद्रियां पूरी तरह सतर्क हो जाती हैं। आपको पानी दिखाई देता है। फिर अचानक, पानी आपसे दूर भागने लगता है और आप हवा में उछल पड़ते हैं, और आप बीच में ही अटक जाते हैं, समझ नहीं पाते कि आप एक ही समय में दो जगहों पर हैं या कहीं भी नहीं हैं।
आखिरकार, मेरा दिमाग इस बात को समझ गया।
“म-श्री ब्रूनर?” मैंने हकलाते हुए कहा।
मैंने उन्हें बारह साल की उम्र के बाद से मिस्टर ब्रूनर कहकर नहीं पुकारा था, लेकिन पुरानी आदतें आसानी से नहीं छूटतीं। इतने सालों बाद उन्हें फिर से शिक्षक की कुर्सी पर देखना...
उसने मुस्कुराते हुए एक नज़र डाली। उसकी दाढ़ी पर क्रीम चीज़ का एक टुकड़ा चिपका हुआ था। "पर्सी! हेलो, मेरे प्यारे।"
मेरा दिमाग तेज़ी से सोचने लगा। मैं किस कक्षा में थी? मुझे अनायास ही चिंता होने लगी कि क्या मैंने अपना लैटिन का होमवर्क किया था, क्योंकि छठी कक्षा में वही एकमात्र शिक्षक थे जिनके लिए मैं अच्छा प्रदर्शन करना

चाहती थी। मेरी घबराहट और भी बढ़ गई क्योंकि श्री ब्रूनर बिल्कुल वैसे ही दिख रहे थे जैसे तब दिखते थे, मानो वे गुप्त रूप से अमर हों।
मैंने पूछा, "क्या आप अब यहाँ पढ़ाते हैं?"
“मैं बस किसी और की जगह काम कर रहा हूँ।” उसकी आँखों के कोने सिकुड़ गए। “तुम्हारे सौतेले पिता ने मेरी सिफारिश की थी।”
“क्या तुम पॉल को जानते हो?” मैंने याद करने की कोशिश की कि वे दोनों कब मिले होंगे—शायद मैनहट्टन की लड़ाई में? उस समय मैं इतना व्यस्त था कि इस बात का ध्यान नहीं रख पाया कि कौन किससे मिल रहा था, किससे लड़ रहा था या किसे मार रहा था।
श्री ब्रूनर मुस्कुराए। "बेशक। पॉल एक बेहतरीन शिक्षक हैं। उन्होंने ही मुझे जिले के वैकल्पिक शिक्षकों की सूची में शामिल करवाया है।"
“तो, आप एएचएस में एक संभावित अर्धदेवता पर नज़र रख रहे हैं?” मुझे आश्चर्य हुआ कि वह कौन हो सकता है, और हाई स्कूल तक उसने अपनी शक्तियों का प्रदर्शन क्यों नहीं किया था। मौली लेरी हमेशा इंजीनियरिंग लैब में लेगो के हत्यारे रोबोट बनाती थी और उन्हें लोगों को डराने के लिए हॉल में भेजती थी।
हेफेस्टस का संभावित बच्चा?
“नहीं, नहीं, पर्सी,” श्री ब्रूनर ने मुझे आश्वस्त किया। “एएचएस में मुझे केवल तुम ही एक अर्धदेव के रूप में ज्ञात हो। मैं तो बस समय-समय पर पढ़ाना पसंद करता हूँ, ताकि मेरे कौशल ताज़ा रहें!”
उसकी बातों से ऐसा लग रहा था मानो वह सच कह रहा हो... हालाँकि एक स्थानापन्न शिक्षक बनना किसी के लिए कैसे सुखद हो सकता है, यह मेरी समझ से परे था। यह तो तीरंदाजी के मैदान में निशाना बनने के लिए स्वेच्छा से आगे आने जैसा था।
उसने अपना कप कागजों के ढेर पर रख दिया। “मुझे उम्मीद नहीं थी कि तुम दिन में बाद में आओगे। डॉक्टर शर्मा चौथे पीरियड में तुम्हारी क्लास लेंगे, है ना? प्राचीन संस्कृति। मेरा पसंदीदा विषय!”
मुझे खुद पर मुस्कान आ गई। मुझे अपनी किस्मत पर यकीन नहीं हो रहा था। यह तो डॉ. शर्मा से बात करने से भी बेहतर था, क्योंकि श्री ब्रूनर से मैं सब कुछ कह सकती थी।
मैंने कहा, "आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे जरूरत है—"

“बस एक पल रुकिए, मेरे बेटे।” व्हीलचेयर में थोड़ा हिलते हुए वह दर्द से कराह उठा। “मैं आज सुबह लॉन्ग आइलैंड रेलरोड से यहाँ आया हूँ। मेरे पैरों में बहुत दर्द हो रहा है। चूंकि आप यहाँ हैं, तो क्या आप दरवाज़े पर नज़र रख सकते हैं जब तक मैं उतरकर थोड़ा आराम कर लूँ?”
"ओह, उह, ज़रूर।"
क्योंकि क्यों न चीजों को और भी अजीब बनाया जाए?
मैंने ध्यान से देखा जब श्री ब्रूनर ने अपनी व्हीलचेयर खोली। कंबल से ढके नकली इंसानी पैर कार के दरवाज़े की तरह एक तरफ़ खुल गए। उन्होंने अपने आर्मरेस्ट पकड़े और धीरे-धीरे खुद को कुर्सी से बाहर निकाला, जो एक जादुई भंडारण कक्ष की तरह थी, जिसमें उनका असली रूप समा सकता था। पहले घोड़े के अगले पैर निकले, फिर एक शानदार घोड़े का पूरा शरीर, और अंत में मेरे सामने सेंटॉर चिरोन खड़ा था, जो कैंप हाफ-ब्लड का गतिविधि निदेशक और नायकों का अमर प्रशिक्षक था, जिसका सिर लगभग फ्लोरोसेंट लाइट फिक्स्चर को छू रहा था। वह कक्षा में इधर-उधर उछल-कूद कर रहा था, अपनी पूंछ हिला रहा था, अपने पिछले पैरों को झटक रहा था और छात्रों की मेजों को अपनी जगह से हटा रहा था।
कोई भी हॉल में नहीं आया। मुझे नहीं पता कि अगर कोई आता तो मैं क्या कहता।
अरे, हाय! मैं तो बस इस क्लासरूम के दरवाजे पर आराम से बैठा हूँ। ये खटखटाहट की आवाज़ें? मुझे तो कुछ सुनाई नहीं दे रही हैं।
मुझे सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह थी कि चिरोन अपने पिछले बाएं पैर पर लंगड़ाकर चलता था।
मैंने इसे पहली बार पिछली गर्मियों में देखा था, जिससे मैं बहुत लापरवाह लग रहा हूँ, मुझे पता है। लेकिन सफाई में: 1) हर गर्मियों में जब मैं कैंप हाफ-ब्लड जाता था, तो मैं अपना नब्बे प्रतिशत समय कैंप में नहीं, बल्कि दुनिया भर में मिशन पर घूमते हुए, मरने से बचने की कोशिश में बिताता था। मैंने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि चिरोन सेंटॉर रूप में कैसे चलता है। और 2) मैं सचमुच बहुत लापरवाह था।
जब मैंने उसकी लंगड़ाहट देखी, तो मेरा ध्यान उसी पर केंद्रित हो गया। धीरे- धीरे मुझे एहसास हुआ कि वह व्यक्ति व्हीलचेयर का इस्तेमाल सिर्फ दिखावे के लिए नहीं करता था। उसके लिए चलना दर्दनाक था। कभी-कभी उसे आराम की ज़रूरत पड़ती थी। एक बार मैंने उसे पैर में ब्रेस पहने देखा। एक और बार मैं

उससे अपोलो केबिन में मिला, जहाँ वह अपने घुटने पर लगाने के लिए कुछ हर्बल लोशन ले रहा था।
आखिरकार, मैंने एनाबेथ से पूछा कि मामला क्या है। उसने मुझे ऐसे देखा जैसे वह मुझे किसी भारी भरकम चीज़ से सिर पर मारना चाहती हो।
“यह हरक्यूलिस की गलती थी,” उसने कहा। “उसने काइरन के पैर में विषैला तीर मारकर उसे घायल कर दिया था।”
"क्यों?"
“यह एक दुर्घटना थी। वह किसी दूसरे सेंटॉर को निशाना बना रहा था।” “बेवकूफ हरक्यूलिस,” मैंने बड़बड़ाया। “रुको, तुम्हारा मतलब है कि यह घटना हजारों साल पहले हुई थी, और यह अभी तक ठीक नहीं हुई है?”
“यह ठीक नहीं हो सकता,” एनाबेथ ने कहा। “और मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुम अब जाकर इस बात पर ध्यान दे रहे हो।”
चिरोन अपने शाश्वत जीवन के हर दिन पीड़ा में रहता है। वह इसे छिपाने में माहिर है, लेकिन जो चीज़ उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है, वह यह है कि वह हम, उन अर्धदेवताओं की परवाह करता है जिन्हें वह प्रशिक्षित करता है। बहुत खूब।
उसके बाद से मुझे बहुत बुरा लग रहा था। मुझे कभी यह ख्याल ही नहीं आया था कि चिरोन दर्द में है। मैंने उससे कभी नहीं पूछा कि वह कैसा महसूस कर रहा है। मैंने उसे सेंटॉर एप्रिसिएशन डे पर कभी कोई कार्ड नहीं भेजा। मैंने उसे यह भी नहीं कहा कि मेरे साथ इतना सब सहने के लिए उसका शुक्रिया। और पाँच साल से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद, अब मुझे कुछ भी कहने में अजीब लग रहा था।
चिरोन ने अपना पिछला पैर एक बार फिर सीधा किया। दर्द से कराहते हुए उसने दांत भींचे। "हाँ। अब बहुत बेहतर है, धन्यवाद।"
उसके लहजे से मुझे अंदाज़ा हो गया कि हालत कुछ खास अच्छी नहीं थी। चिरोन अपनी व्हीलचेयर में पीछे की ओर बैठा, नकली पैर का ढक्कन बंद किया, और एक बार फिर वह मिस्टर ब्रूनर बन गया, एक सौम्य स्वभाव वाला वैकल्पिक शिक्षक, जिसने ट्वीड जैकेट पहनी थी और उसके हाथ में आधा खाया हुआ ओटमील बैगेल था। उसने अपनी टाई ठीक की। "तो, पर्सी, क्या मैं आपकी किसी काम में मदद कर सकता हूँ?"

एक तरफ तो मुझे बुरा लग रहा था कि मैं अपनी परेशानियाँ उसके सामने रख रही हूँ। दूसरी तरफ, ऐसा लग रहा था कि उसे उन्हें सुनने में वाकई दिलचस्पी है।
चिरोन हमेशा से ही अच्छा श्रोता रहा है। शायद उसे यह ध्यान भटकाना अच्छा लग रहा था। मैं तो वैसे भी ध्यान भटकाने वाली थी।
मैंने उसे हेकेट के बारे में और उसकी जर्जर हवेली और लापता पालतू जानवरों से जुड़ी हमारी छोटी-सी स्थिति के बारे में बताया।
अगर मेरा लक्ष्य चिरोन को और भी अधिक पीड़ा में दिखाना था, तो मैं उसमें पूरी तरह से सफल रहा।
“ओह, हे भगवान,” उसने कहा।
"हाँ।"
“और हेकेट शुक्रवार रात को लौट रही है?”
मैंने सिर हिलाया। "हमने कितनी बड़ी गलती कर दी है?"
उसने अपनी कुर्सी के आर्मरेस्ट पर उंगलियां थपथपाईं। "खैर... मैंने इससे भी बुरे हालात देखे हैं। जैसे, जब सिनोन ने ट्रोजनों को लकड़ी के घोड़े को अपने द्वार के अंदर आने देने के लिए मना लिया था, या जब सैल्मोनियस ने ज़्यूस होने का नाटक किया और अपने पूरे शहर को नष्ट करवा दिया था।" "महान।"
“कम से कम हेकेट पूरे न्यूयॉर्क को नष्ट नहीं करेगी। मैनहट्टन में उसकी संपत्ति है, इसलिए वह इलाका शायद सुरक्षित है…।”
मुझे लगता है कि मेरे चेहरे के भाव काफी निराशाजनक रहे होंगे।
चिरोन ने गला साफ किया। "चलिए सबसे बुरे हालातों के बारे में न सोचें। आप कहते हैं कि एनाबेथ और ग्रोवर आपकी मदद कर रहे हैं।"
"हाँ।"
“ठीक है, तो मुझे पूरा भरोसा है। आप तीनों मिलकर एक शक्तिशाली टीम हैं। क्या आपके पास कोई योजना है?”
“अह… मेरा पहला विचार हेकेट की मशालों के बारे में था। उसने कहा था कि हम आपात स्थिति में उनका उपयोग कर सकते हैं।”
“नहीं!” चिरोन इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि मैं लगभग गिर ही गया। “नहीं, पर्सी, हेकेट की मशालें भूतों को बुलाकर उनसे काम करवाती हैं। साल के इस समय—जिसे तुम हैलोवीन कहते हो—ये मशालें और भी शक्तिशाली हो जाती हैं। तुम ऐसा जोखिम नहीं उठा सकते, वरना क्रोधित आत्माओं की सेना तुम्हें चीर-

फाड़ कर ले जाएगी। हेकेट तुम्हें इन्हें इस्तेमाल करने के लिए क्यों कहेगी, यह मेरी समझ से परे है… जब तक कि वह तुम्हारी परीक्षा न ले रही हो।” मैंने इस बारे में सोचा। अगर कोई देवता मेरी परीक्षा लेने वाला था, तो मैं बहुविकल्पीय प्रश्न पसंद करता। लेकिन फिर, हेकेट तो बहुविकल्पीय प्रश्नों की ही देवी थी। वह चौराहे पर खड़ी होकर यह देखने का इंतज़ार करती थी कि आप कौन सा रास्ता चुनते हैं।
शायद यह महज़ संयोग नहीं था कि उसने ग्रोवर को लुभाने के लिए स्ट्रॉबेरी फ्लेवर वाला एक प्रयोग छोड़ दिया था—वह भी ढीले ढक्कन के साथ। या फिर यह कि उसने मुझे अपनी टॉर्च इस्तेमाल करने का सुझाव दिया था। या फिर यह कि उसने अपनी बेहद खतरनाक लाइब्रेरी का ज़िक्र किया था... जिसे एनाबेथ इस समय खोज रही होगी।
मेरे रोंगटे खड़े हो गए।
लेकिन हेकेट हमें असफल होने के लिए क्यों उकसाएगी? अपने पालतू जानवरों के मामले में तो वह हद से ज़्यादा सतर्क थी। वह उन्हें खोना नहीं चाहती थी। जहाँ तक हमें उसके आलीशान घर को बर्बाद करने देने की बात है... यह तो बीमा कंपनी से मरम्मत का खर्च निकलवाने का एक बहुत ही पेचीदा तरीका लगता है। “ठीक है, तो फिर मशालें नहीं,” मैंने कहा। “एक जन्म में मुझे मृत आत्माओं के हमलों का काफी सामना करना पड़ चुका है।”
चिरोन का चेहरा गंभीर हो गया। "लेकिन पर्सी, सभी भूत मृत आत्माओं के नहीं होते। कुछ सबसे बुरे भूत यादें, पछतावे... हमारे द्वारा किए गए या न किए गए फैसले हो सकते हैं।"
महान।
मुझे साइकिल पर बैठे बच्चे की नीली धुंधली छवि याद आ गई। मैं सोच रहा था कि क्या वह किसी दिवंगत आत्मा का दृश्य था, या किसी जीवित स्मृति का, या इससे कोई फर्क पड़ता है या नहीं, क्योंकि चाहे कुछ भी हो, इसने मुझे बहुत डरा दिया था।
“तो, प्लान बी,” मैंने कहा। “मैं यूडोरा के कार्यालय में उसकी मदद मांगने गया था, लेकिन हेकेट के आने के बाद से वह छिप गई है।”
चिरोन अपने बैगेल पर लगभग अटक गया। "नेरीड यूडोरा? वह यहाँ है?"
मैं कितनी मूर्ख थी, ये मान लेना कि मेरे स्कूल से गुज़रने वाले सभी अमर प्राणी एक-दूसरे को जानते थे। अल्टरनेटिव हाई स्कूल प्राचीन ग्रीक ग्रैंड

सेंट्रल स्टेशन जैसा था। मैंने चिरोन को अपनी संदिग्ध रूप से मददगार काउंसलर के बारे में बताया, और कैसे तीन सिर वाले हैलोवीन मनाने वाले बच्चे के आने पर वह गायब हो गई थी।
चिरोन ने अपनी चाय की चुस्की ली। "यूडोरा के लिए यह एक बड़ा झटका रहा होगा।"
“क्या उन दोनों का कोई पुराना रिश्ता है?”
“यह कहानी सुनाने का अधिकार मुझे नहीं है,” चिरोन ने कहा। “लेकिन हाँ… एक जटिल इतिहास है।”
“क्या इसका संबंध विकल्पों से है?” मैंने अनुमान लगाया। “पछतावे से?” उसने अपने नाश्ते के बचे हुए हिस्से को ऐसे देखा मानो उससे उसे व्यक्तिगत रूप से निराशा हुई हो। "कुछ ऐसा ही। क्या आपके पास कोई दूसरा विकल्प है?" “मैं डॉ. शर्मा से हेकुबा के बारे में पूछने वाला था, शायद मुझे पता चल जाए कि वह कहाँ जा सकती है। लेकिन चूंकि आप यहाँ हैं…”
चिरोन ने अपने कंधे ढीले किए। “इसमें मैं आपकी मदद कर सकता हूँ। हेकुबा ट्रॉय की आखिरी रानी थी। जब यूनानियों ने शहर पर कब्ज़ा किया, तो उन्होंने उसके बच्चों को मार डाला और उसे गुलाम बना लिया। हेकुबा हताश हो गई और उसने खुद को समुद्र में फेंक दिया। वह मर जाती, लेकिन देवी हेकेट को उस पर दया आ गई और उन्होंने उसे कुत्ते में बदल दिया।”
मैंने मन ही मन ठान लिया कि मैं कभी हेकेट की दया का पात्र नहीं बनूंगा। कुत्ता होना कोई खास सांत्वना पुरस्कार जैसा नहीं लग रहा था।
“तो… क्या वह वापस समुद्र में जाएगी?” मैंने पूछा।
“मुझे शक है,” चिरोन ने कहा। “ट्रोजन लोगों के लिए, बुरी चीजें हमेशा समुद्र से ही आती थीं…।” उनकी आँखें चमक उठीं। “जैसे यूनानी! हेकुबा यूनानियों से नफरत करती थी। वह आज भी करती। हो सकता है वह बदला लेने के मौके तलाश रही हो।”
"कृपया मुझे यह मत बताएं कि वह ग्रीस गई थी।"
“उसे इसकी ज़रूरत नहीं पड़ेगी,” चिरोन ने कहा। “वह सबसे नज़दीकी गंध का पीछा करेगी। आस-पास यूनानी अप्रवासियों की कई बस्तियाँ हैं। हम तो अभी उनमें से एक में ही हैं।”
“वैकल्पिक हाई स्कूल?”

चिरोन ने मेरे सामने न हंसकर अपना असीम धैर्य दिखाया। “नहीं, मेरे बेटे। एस्टोरिया। क्वींस के इस हिस्से में एक बहुत बड़ा ग्रीक समुदाय है।” "क्या आपका मतलब है कि हेकुबा अभी यहीं कहीं हो सकती है?"
किसी तरह यह बात तर्कसंगत और परेशान करने वाली दोनों लग रही थी - कि जिस कुत्ते की मैं तलाश कर रहा था, वह मेरे ठीक बगल में ही होगा, और किसी बेचारे यूनानी मूल के व्यक्ति को कुतर रहा होगा।
“यह एक संभावना है,” चिरोन ने कहा। “अगर ऐसा है, तो वह रात में शिकार कर रही होगी, मनुष्यों को डराकर मौत के घाट उतारने की तलाश में। शरारत भरे जादू कर रही होगी। बदकिस्मती ला रही होगी। तुम्हें उसे ढूंढना होगा।”
मैं सिहर उठा। "शायद मैं हवेली वापस जा सकता हूँ, उसके लिए कुछ खाने की चीज़ें ला सकता हूँ और आज रात एस्टोरिया में उसकी तलाश कर सकता हूँ।" “इलाज कारगर हो सकता है,” चिरोन ने सहमति जताई। “लेकिन एक और संभावना भी है।”
आपने कहा कि आपने कल रात श्रीमती ओ'लेरी से मुलाकात की थी। जब उन्होंने किसी गंध का पीछा करना शुरू किया, तो वह गंध उन्हें कहाँ ले गई?
मैंने कहा, "सीधे पास के किसी मददगार के पास जाओ।" "यह एक तरह से प्यारा था। लेकिन साथ ही, उतना मददगार भी नहीं था।"
इसके विपरीत, मेरे बेटे। मादा हेलहाउंड में मातृत्व की प्रबल भावना होती है। श्रीमती ओ'लेरी ने इसे साबित कर दिया। हालाँकि हेकुबा अब इंसान नहीं रही, फिर भी वह अपने बच्चों की मौत से दुखी है। वह अपने तरीके से बहुत ही, अह, ममतामयी होगी। तुम्हारा यह पिल्ला शायद काम आ जाए।
मेरे दिमाग में एक योजना बनने लगी। यह एक अजीब सी अनुभूति थी, वास्तव में यह पता होना कि मैं क्या करने वाला हूँ।
“यह वाकई बहुत मददगार है,” मैंने कहा। “धन्यवाद, श्रीमान—चिरोन।”
बूढ़े सेंटॉर ने मुस्कुराते हुए कहा, “पर्सी, तुम मुझे ब्रूनर या चिरोन कह सकते हो, जैसे चाहो। मुझे दोनों नामों से खुशी है। दुर्भाग्य से, अगर तुम हेकुबा को ढूंढ भी लेते हो, तो भी तुम्हें गेल को ढूंढना होगा और हवेली की मरम्मत करनी होगी। इतनी सारी समस्याएं हैं और समय बहुत कम है।”
मैंने कहा, "यह तो मेरी जीवन कहानी जैसी है। क्या आप मुझे एक पत्र लिखकर आज के बाकी दिन के लिए स्कूल से छुट्टी दिलवा सकते हैं?"

चिरोन ने frowning करते हुए कहा, “पर्सी, तुम्हें पता है कि डॉ. शर्मा की क्लास में तुम्हारा एक क्विज़ है। हम तुम्हें वो क्लास मिस नहीं करने दे सकते, है ना?”
अचानक मुझे श्री ब्रूनर के शिक्षक होने के नकारात्मक पहलू याद आ गए। उन्हें मुझ पर भरोसा था, जिसका मतलब था कि उन्हें मेरे अंकों पर भरोसा था। वे हमेशा मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते थे। “नहीं, सर,” मैंने धीमी आवाज़ में कहा। “मुझे लगता है कि मैं स्कूल के बाद तक इंतज़ार करूँगा।”
“बहुत बढ़िया,” उन्होंने कहा। “जाओ कक्षा में। मुझे पता है तुम परीक्षा में अच्छा करोगे!”

तेरह
मुझे अतिरिक्त समय और कैंडी कॉर्न मिले, लेकिन मैंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

न तो क्विज़ में, न ही मेरे बाकी के स्कूल के दिन में, और न ही तैराकी अभ्यास के बाद हवेली में वापस आने में।
मेट्रो में देवताओं का क्या ही रहस्य है? मैं यूनियन स्क्वायर जाते हुए डब्ल्यू ट्रेन में था, तभी हेकेट ने मुझसे मिलने का फैसला किया। सौभाग्य से, मेरे डिब्बे में ज़्यादा लोग नहीं थे। किसी ने भी यह नहीं देखा कि मेरे सामने वाली बेंच मुरझाते पौधे की तरह काली हो गई, और फिर ट्रेन का पूरा एक हिस्सा लहरदार, बुलबुलेदार परछाइयों के दर्पण में बदल गया।
हेकेट के तीन भयानक चेहरे अंधकार से उभर आए - घोड़ा, शेर और कुत्ता, सभी अपनी धधकती आंखों से मुझे घूर रहे थे।
"क्या तुमने फोन करने की कोशिश की?" हेकेट ने पूछा, उसकी आवाज घोड़े के मुंह से हिनहिनाती हुई सुनाई दी।
फिर भी, ट्रेन में किसी और ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मैं देवी को जवाब देने से हिचकिचा रहा था, क्योंकि शायद ऐसा लगता कि मैं खुद से बात कर रहा हूँ। दूसरी ओर, न्यूयॉर्क के यात्रियों ने ट्रेन में ऐसा पहले भी देखा था। मुझे सच में अपने साथ नकली हेडफ़ोन रखने शुरू कर देने चाहिए। तब लोग सोचेंगे कि मैं बस किसी दोस्त से बात कर रहा हूँ, न कि किसी अलौकिक शक्ति से।
“नहीं, मैंने फोन नहीं किया,” मैंने कहा। “क्यों?”
“मैंने तुम्हें मेरा नाम लेते हुए सुना,” शेर ने कहा। “सामान्य से ज़्यादा बार। क्या सब ठीक है?”
मुझे उसका नाम इतनी बार नहीं लेना चाहिए था। इससे तो मानो भगवान का ध्यान मेरी ओर आकर्षित हो जाता है। ये तो मानो भगवान की नज़र में गलती से नंबर लग जाना है।
अब मुझे सोच-समझकर बोलना होगा। अगर मैंने झूठ बोला, तो शायद उसे पता चल जाएगा। लेकिन मैं उसे सच भी नहीं बता सकता था। सच बोलने पर तो मेरी जान ही निकल जाएगी, जैसे कोई उग्र स्ट्रॉबेरी बकरी राक्षस कुचल देता है।
“ओह, माफ कीजिए,” मैंने कहा। “मैं अभी प्राचीन संस्कृतियों की कक्षा में आपके बारे में ही बात कर रही थी।”
उसकी छह धधकती आँखों ने मेरी आत्मा को झुलसा दिया। "मैं समझ गया," कुत्ते के सिर ने गुर्राते हुए कहा।
"क्या अब मुझे प्राचीन माना जाता है?"

"नहीं मेरा मतलब है-"
उसके तीनों सिर हंसने लगे, जो वाकई बहुत परेशान करने वाला था।
“शांत हो जाओ, पर्सी जैक्सन।” हेकेट एक अधेड़ उम्र की महिला के रूप में प्रकट हुई, जिसने काले रंग की पोशाक पहनी हुई थी—यह उसका हमेशा वाला दुष्ट रूप था। वह अपने अंधेरे द्वार के बीच में एक काले रंग के सिंहासन पर बैठी थी और कैंडी कॉर्न का एक पैकेट चबा रही थी।
मैं तो बस तुम्हें चिढ़ा रहा था।
“मुझे पता था।” मैंने जबरदस्ती मुस्कुराते हुए कहा। “हा हा।”
“तो घर पर सब ठीक है?” उसने पूछा।
मैंने सोचा, ये तो बचने की चाल है! मैं झूठ नहीं बोल सकता था। मैं सच भी नहीं बता सकता था।
शायद मुझे तीसरे दरवाजे पर दस्तक देने वाले की तरह कुछ बेतरतीब सा बोल देना चाहिए जैसे कि Fahrvergnügen!
मैंने कहा, "अभी वापस जा रहा हूँ। वाह, हेकुबा और गेल को सैर करना कितना पसंद है! उन्होंने पहली रात हमें सचमुच चौंका दिया।"
हेकेट खिलखिलाकर हंस पड़ी। "हां, मेरे प्यारे बच्चों।" उसने अपने नुकीले सफेद दांतों से एक कैंडी कॉर्न का सिरा काट लिया, जिसे देखकर मुझे गिलोटिन की याद आ गई। "उम्मीद है कि वे ज्यादा परेशानी नहीं खड़ी कर रहे होंगे।" मैंने बड़ी चतुराई से विषय बदलते हुए पूछा, "यात्रा कैसी चल रही है?"
"आप आज कहां हो?"
जब भी संदेह हो, मैंने पाया है कि किसी का ध्यान भटकाने का सबसे अच्छा तरीका है उनसे उनके बारे में बात करवाना। ऐसा लगता है कि यह हर जगह लोगों के लिए अंतहीन आकर्षण का स्रोत है।
“आयरलैंड!” हेकेट ने कहा। “पुका महोत्सव की तैयारी में उनकी मदद कर रहे हैं।”
वे पूरी रात मशाल नृत्य करते हैं, जाहिर तौर पर मेरे सम्मान में, हालांकि सदियों से उनकी परंपराएं थोड़ी गड़बड़ हो गई हैं, भगवान उनका भला करे।" “ठीक है,” मैंने कहा। “कैंडी कॉर्न के साथ?”
“अरे नहीं, मैं तो वो अपने साथ लाई थी,” हेकेट ने कहा। “मैं हमेशा अपने साथ कैंडी कॉर्न का एक पैकेट लेकर चलती हूँ।”
यह भयावह था, लेकिन किसी तरह आश्चर्यजनक नहीं था।

मैंने कहा, "खुशी हुई कि तुम मजे कर रहे हो। अरे, बस यूं ही पूछ रहा था, तुम ऐसा कभी नहीं करोगे।" "वैसे, मैं बस ऐसे ही पूछ रहा था।"
… ”
मैंने खुद को रोक लिया। मैं चिरोन की उस टिप्पणी के बारे में सोच रहा था कि शायद हेकेट हमें फंसा रही थी। अब जब वह मेरे ठीक सामने थी, तो मेरा मन कर रहा था कि मैं उससे इस बारे में बात करूँ। मैंने लगभग पूछ ही लिया था, "आप कभी नहीं चाहेंगी कि हम असफल हों, आपके पालतू जानवर खो जाएँ और आपका घर बर्बाद हो जाए, है ना?" यह पर्सी के स्तर का एक बुरा विचार था। इससे यह सवाल उठ सकता था कि हमने वास्तव में उसके पालतू जानवर कैसे खो दिए और उसका घर कैसे बर्बाद कर दिया।
“मैं ऐसा कभी नहीं करूंगी?” हेकेट ने पूछा।
मुझे अपनी रणनीति बदलनी पड़ी—अपने सवाल को कुछ ऐसा बनाना पड़ा जिससे हमें मदद मिले, न कि जिससे हमारी जान और जल्दी चली जाए।
"आप अपनी यात्रा बढ़ाने के बारे में कभी नहीं सोचेंगे, है ना? कुछ दिनों के लिए? एक अतिरिक्त सप्ताह के लिए?"
हेकेट ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। "मैं ऐसा क्यों करूँगी?"
मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं अपनी बेंच पर पसीने से तरबतर हो रहा हूँ, अपनी ही परछाइयों के पोखर में पिघल रहा हूँ। "वाह, तुम तो खूब मजे कर रहे हो। तुम्हें ज्यादा छुट्टी नहीं मिलती। मुझे लगता है कि ऐसे कई त्यौहार होंगे जिनमें तुम शामिल नहीं हो पाओगे।"
एक तनावपूर्ण क्षण बीत गया। मैंने हेकेट के चुटकी बजाने, अपने महल में टेलीपोर्ट होने, वहाँ क्या हो रहा है यह जानने, फिर वापस आने और अपना W फेंकने का इंतज़ार किया।
सीधी ट्रेन से टारटारस तक जाएं।
वह हंस पड़ी। "तो, आपको मेरे पालतू जानवर पसंद हैं। मुझे पता था कि आपको ये पसंद आने लगेंगे!"
चिंता मत करो, पर्सी जैक्सन। अगर तुम इस हफ्ते अच्छा काम करोगे, तो मैं तुम्हें भविष्य के लिए अपने पसंदीदा पालतू जानवरों की देखभाल करने वालों की सूची में शामिल कर लूंगा।
मतलब, वाह!
लेकिन मुझे घर लौटने में बुरा लगेगा।

“मैं समझ गया। शायद शनिवार सुबह का समय ही ठीक रहेगा? आख़िरकार, शुक्रवार रात को हैलोवीन है। इसे बीच में ही रोकना अच्छा नहीं होगा। हमें कोई आपत्ति नहीं है।”
वह सोच-विचार करते हुए एक कैंडी कॉर्न चबा रही थी। "खैर... मैं हमेशा से ट्रांसिल्वेनिया में होने वाले उस उत्सव में शामिल होना चाहती थी।" “ट्रांसिल्वेनिया!” मैंने सिर हिलाया। “मुझे यह नाम तुम्हारे लिए बहुत पसंद आया।”
"जीवित मृतकों की रस्मों के अनुसार हत्या, आप जानते हैं ना।"
"मजेदार लगता है!"
“वहाँ के लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। साथ ही, उनके पास स्वादिष्ट कुर्तोस्कालाक्स भी हैं।”
मुझे लगा उसने कहा था कि उसे गुस्सा आता है, लेकिन मैंने आसपास की बातों को ध्यान में रखते हुए फैसला किया कि यह सही नहीं हो सकता। कहीं ऐसा तो नहीं कि हेकेट को ट्रांसिल्वेनिया के गुस्से के दौरे स्वादिष्ट न लगते हों। “वाह!” मैंने कहा।
“ठीक है,” हेकेट ने फैसला किया। “मैं शनिवार सुबह लौट आऊंगी। धन्यवाद, पर्सी जैक्सन!”
“इस बारे में बात मत करो।”
और जब मैं वापस लौटूंगा, अगर सब कुछ वैसा नहीं होगा जैसा मैंने छोड़ा था…” “अरे, चिंता मत करो!” मैंने कहा। “चिंता करना मेरा काम है। मैं चिंता करने में माहिर हूँ।”
स्पष्टतः, झूठ का कोई सबूत नहीं मिला।
हेकेट हंस पड़ी। "तो चलो!"
वह अंधेरे के एक विस्फोट में गायब हो गई, अपने पीछे कैंडी कॉर्न से भरा बैग छोड़ गई, मानो मुझे एक और खतरे की जरूरत थी।
जब मैं ग्रामर्सी पार्क वापस आया, तो ग्रोवर की पहली टिप्पणी थी, "क्या यह कैंडी कॉर्न है?"
“हाँ।” मैंने उसे बैग थमा दिया। “यह घिनौना है। मजे करो।”
ग्रोवर खाना खा रहा था, तभी मैं उसके और एनाबेथ के साथ बड़े कमरे के फर्श पर बैठ गया और उन्हें अपने भयानक, बेहद खराब, एकदम बेकार दिन के बारे में बताया। हेलपप्पी नोप एनाबेथ की गोद में सिमटकर मेरी बातें सुन रहा था।

जब मेरा काम खत्म हो गया, तो एनाबेथ ने कहा, "मुझे जलन हो रही है। चिरोन कभी भी स्कूल ऑफ डिजाइन में सब्स्टीट्यूट टीचर नहीं होता। तुम बहुत भाग्यशाली हो।"
मैंने कल्पना की कि सेंटॉर चमकीली टाई, स्फटिक लगे चश्मे और पहियों के रिम पर सीक्वेंस लगाकर एडवांस ड्रेसमेकिंग क्लास में आ रहा है। वह इस लुक में बिल्कुल फिट बैठ सकता था।
“नहीं!” नोप ने कहा।
“मुझे पता है,” ग्रोवर ने उससे कहा। “लेकिन मुझे नहीं लगता कि पर्सी को यह नाम पसंद आएगा।”
“माफ़ कीजिए?” मैंने पूछा।
ग्रोवर घबराकर इधर-उधर हिलने लगा, मानो कोई उससे उसकी मिठाई की थैली छीन लेगा।
“नहीं, हम सबके लिए हमने मनगढ़ंत नाम रखे हैं। एनाबेथ माँ है।”
एनाबेथ मुस्कुराई। "कितना अच्छा कुत्ता है!"
“मैं च्यू टॉय हूँ,” ग्रोवर ने कहा। फिर, इससे पहले कि मैं हँस पाता, उसने आगे कहा,
“तुम गली के लड़के हो।”
एनाबेथ ने अपने चेहरे पर कोई भाव नहीं आने दिया। "यह एकदम सही है।" मैंने बड़बड़ाते हुए कहा, "सीवीड ब्रेन तो काफी बुरा है। एली बॉय तो किसी घटिया दर्जे के सुपरहीरो के साइडकिक जैसा लगता है।"
“माँ, चबाने वाले खिलौने और गली के लड़के के कारनामे,” एनाबेथ ने सोचा। हमें इसे हॉलीवुड को पेश करना चाहिए।
मुझे यकीन नहीं था कि वह मजाक कर रही थी या नहीं, जिसकी वजह से मैं हमेशा घबरा जाता था।
मैंने कहा, "खैर, मैंने किसी तरह कुछ और घंटे हासिल कर लिए हैं। हेकेट शनिवार सुबह तक वापस नहीं आएगी।"
“अच्छा हुआ।” ग्रोवर ने उदास निगाहों से क्षतिग्रस्त घर के चारों ओर देखा। उसने मलबा साफ करने की पूरी कोशिश की थी। सामने का दरवाज़ा प्लास्टिक के पर्दे से ढका हुआ था। दरवाज़े की कुंडी को कागज़ के तौलिये में लपेटकर गत्ते के डिब्बे में रख दिया गया था। ज़्यादातर टूटा हुआ फर्नीचर हटा दिया गया था। लेकिन टूटी हुई रंगीन कांच की खिड़कियों और

दीवारों में बने बड़े-बड़े गड्ढों को छिपाने के लिए वह कुछ नहीं कर सकता था।
"शायद अगर हमें कुछ डक्ट टेप मिल जाए तो..."
“एक समय में एक ही काम,” एनाबेथ ने उसे याद दिलाया। “आज रात, हमारा मिशन हेकुबा है। वह सबसे बड़ी और सबसे खतरनाक पालतू है। अगर चिरोन सही है, तो सूरज डूबते ही वह यूनानियों का शिकार करने के लिए निकल पड़ेगी।”
वह मेरी ओर मुड़ी। “मैंने पूरा दिन पुस्तकालय में बिताया, और मैंने… खैर, लगभग वही सीखा जो चिरोन ने आपको बताया था। जो कि निराशाजनक है, क्योंकि मुझे अधिकांश जानकारी ग्रीक और लैटिन से अनुवाद करनी पड़ी।”
मैंने कहा, "अच्छी बात यह है कि तुम धधकते हुए बैंगनी आर्मडिलो में नहीं बदले।"
“अभी नहीं,” उसने सहमति जताते हुए कहा। “हालांकि उस कमरे में कुछ किताबें…” उसने हैरानी से सिर हिलाया। “मुझे ऐसा लग रहा था जैसे वे मुझे पुकार रही हों, मुझे उन्हें पढ़ने के लिए उकसा रही हों।”
मैंने कहा, "मुझे खुशी है कि तुमने ऐसा नहीं किया। मुझे डर है कि हेकेट हमें गलत फैसले लेने के लिए उकसा रही होगी।"
मैंने उन्हें स्ट्रॉबेरी के मिश्रण, पुस्तकालय और मशालों के बारे में अपने विचार बताए। मुझे यकीन नहीं था कि मोरे ईल मछली प्रलोभन का प्रतीक थीं या नहीं—या शायद वे मुझे मोरे ईल का गला घोंटने के लिए प्रेरित कर रही थीं।
ऐसे में, हेकेट ने बहुत अच्छा खेला।
ग्रोवर ने सिसकते हुए कहा, "पर्सी, तुमने जो कुछ भी कहा, उसके लिए धन्यवाद। लेकिन फिर भी यह मेरी ही गलती है। मैं कमजोर था!"
“हे।” मैंने उसके घुटने पर थपथपाया। “एक-एक करके काम करो, जी-मैन, जैसा कि एनाबेथ ने कहा था। चलो एस्टोरिया चलते हैं। वहाँ बहुत सारे यूनानी हैं जिन्हें हेकुबा डरा सकती है।”
शायद हमारी किस्मत अच्छी हो।
एनाबेथ ने सिर हिलाया। "हम उसका पट्टा, ढेर सारी खाने की चीज़ें और चबाने वाले खिलौने लाएँगे।"
“नहीं!” नोप ने कहा।

“उसका मतलब असली चबाने वाले खिलौनों से है, मुझसे नहीं,” ग्रोवर ने उसे समझाया। “हालांकि मैं भी जा रहा हूँ।”
"नहीं!"
मैंने कहा, "और हम पिल्ले को भी लाएंगे। शायद हेकुबा को मातृत्व का भाव महसूस हो रहा होगा।"
नहीं, उसे समझ आ गया होगा। वह इतनी खुशी से अपनी पूंछ हिलाने लगा कि उसने एनाबेथ की गोद में पेशाब कर दिया।
उसने मेरी तुलना में बेहतर तरीके से इसे संभाला। उसने बस एक गहरी सांस ली और कुत्ते को ज़मीन पर रख दिया। "मुझे अपनी पैंट बदलने दो। फिर हम क्वींस चलेंगे।"
“और अगर ये ट्रीट काम न करें तो?” ग्रोवर ने पूछा। “या फिर चबाने वाले खिलौने या पिल्ला?”
मैंने एक आशावादी जवाब सोचने की कोशिश की। हम तीनों न्यूयॉर्क में एक ऐसे शैतानी कुत्ते की तलाश कर रहे होंगे जिससे हम लड़ नहीं सकते और जिसे हमें...
उसे घर आने के लिए मनाना होगा, और वह निश्चित रूप से हमारे आने की गंध पहचान लेगी क्योंकि हम सभी से नरक के कुत्ते के पेशाब की बदबू आ रही थी। “मुझे पक्का नहीं पता,” मैंने स्वीकार किया। फिर मैंने वो शब्द कह दिए जो आगे चलकर मुझे एक अप्रिय और गैर-हैलोवीन तरीके से परेशान करने वाले थे। “एली बॉय को कुछ न कुछ हल निकालना ही होगा।”

चौदह
हमें कुछ मृत लोग मिले
एथेना से मुलाकात के बाद हालात बिगड़ने लगे।
शुरुआत में, हम अपने शैतानी पिल्ले के साथ एस्टोरिया में एक सुखद शाम की सैर कर रहे थे (हालाँकि उसे पट्टा बांधकर चलना सीखने की सख्त ज़रूरत थी)। सभी दुकानों को हैलोवीन के लिए सजाया गया था। पेड़ों से पीले पत्ते झड़ रहे थे। दर्जनों अलग-अलग रेस्तरां से खाना पकाने की खुशबू हवा में फैली हुई थी।
एस्टोरिया एक मशहूर ग्रीक इलाका है, लेकिन न्यूयॉर्क में इसका मतलब है कि यहाँ टाको रेस्टोरेंट, रामेन और सुशी बार के साथ-साथ कई सारे टैवर्न भी हैं। इस शहर में आपको कभी भी एक ही तरह का खाना नहीं मिलता। यहाँ हर तरह का स्वाद हमेशा मौजूद रहता है। इसीलिए मुझे यह शहर पसंद है।

चलते-चलते मुझे थोड़ी उदासी महसूस हो रही थी। मैं सोच रही थी कि क्या बे एरिया कभी मुझे उतना ही घर जैसा लगेगा... और क्या मैं यह जानने के लिए काफी समय तक जीवित रह पाऊंगी।
ग्रोवर ने मेरी तल्लीनता भंग कर दी। "वहाँ। मुझे कुछ गंध आ रही है।" “नहीं!” पिल्ले ने सहमति जताई। वह अपनी नई लीश (दरअसल, उसकी पुरानी हेकुबा लीश) को ऐसे खींचने लगा जैसे वह सचमुच सड़क पार करना चाहता हो।
30 वीं एवेन्यू के उत्तरी किनारे पर पेड़ों से घिरा एक पार्क था। यह ग्रामर्सी पार्क जितना बड़ा तो नहीं था—बस एक छोटा सा चौक था जिसमें मूर्तियाँ और बेंचें थीं, जिसके एक तरफ खेल का मैदान और दूसरी तरफ बास्केटबॉल कोर्ट बना हुआ था।
पिछले महीने वाशिंगटन स्क्वायर पार्क में एक चिड़चिड़े देवता के साथ कुश्ती के बाद, मैं अब और किसी खेल के मैदान में नहीं जाना चाहता था। इस बार, शायद मुझे खोए हुए कुत्तों के देवता के साथ हॉर्स गेम खेलने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शायद मैं उसमें भी हार जाऊँगा।
एनाबेथ ने अपना हाथ मेरे हाथ में डाल दिया। "सब ठीक हो जाएगा। मैं इस जगह को जानती हूँ।"
चल दर।"
पार्क के सामने एक बोर्ड पर लिखा था, एथेंस स्क्वायर।
नहीं, उसे इसकी परवाह नहीं थी, लेकिन उसे लोहे की बाड़ बहुत दिलचस्प लगी। उसने दूसरे कुत्तों के पेशाब के सारे संदेश सूंघे, फिर अपना पैर उठाया और रिप्लाई बटन दबा दिया।
चौक अंधेरा और सुनसान था। मुसीबत की तलाश में होने पर यह हमेशा एक अच्छा संकेत होता है। प्रवेश द्वार के पास ही देवी की एक मूर्ति हमारा स्वागत कर रही थी।
स्वयं ज्ञान की देवी—एथेना अपने युद्ध कवच में। उनका एक हाथ ऊपर की ओर फैला हुआ था, हथेली ऊपर की ओर, मानो वे पूछ रही हों, क्या मैं तुम्हारे लिए मजाक हूँ?
“हाय मॉम,” एनाबेथ ने कहा। “मैं बस एक हेलहाउंड की तलाश कर रही हूँ।” मैंने इंतज़ार किया कि मूर्ति मेरे सिर पर ज़ोर से मारेगी, लेकिन वह हिली नहीं। ओलंपस पर, एथेना को शायद मुझे सस्पेंस में रखना ज़्यादा मज़ेदार लगता होगा।

नहीं, उसने अपनी रस्सी को और जोर से खींचा, जिससे मैं और दूर प्लाजा में चला गया।
जब वह पूरी तरह से बड़ा हो जाएगा, तो उसे घुमाना बहुत मजेदार होगा, शायद एली बॉय की सीमित शक्तियों के लिए यह बहुत ज्यादा होगा।
केंद्रीय आंगन में धूसर और सफेद हीरे के आकार के पत्थरों की टाइलें लगी थीं, जिन्हें देखकर मुझे चक्कर आने लगा। एक छोर पर तीन यूनानी स्तंभ खड़े थे, जो बिल्कुल उस शैली के अनुरूप थे, और चोगे पहने दो आदमियों की मूर्तियाँ थीं, जिनके बारे में मैंने अनुमान लगाया (मेरा अंदाज़ा है) कि वे शायद प्राचीन यूनानी थे। स्तंभों के सामने एक गोलाकार चबूतरा था जिस पर कंपास रोज़ की तरह टाइलें लगी थीं। शायद गर्मियों में स्थानीय लोग यहाँ आयोजन करते थे, लेकिन मुझे तो पूरा स्थान मानव बलि की याद दिलाता था। मुझे जीवन में कई बार मानव बलि के रूप में पेश किया जा चुका था। इस साल मैं हैलोवीन पर इस रूप में नहीं जाना चाहता था।
नोप मुझे मंच की ओर खींच ले गया। जैसे-जैसे हम करीब पहुंचे, मैंने कंपास रोज़ पर एक बड़ा गहरा धब्बा देखा, मानो किसी ने उस पर एक बाल्टी भर स्याही उड़ेल दी हो।
“अरे वाह, लड़के,” मैंने उसे पीछे खींचते हुए कहा। “शायद हमें ऐसा नहीं करना चाहिए।”
नहीं, उसने नहीं सुना, और न ही एनाबेथ ने। वह तरल बुराई के दाग को देखने के लिए आगे दौड़ गई।
नहीं, मुझे तो इसकी खुशबू बहुत अच्छी लगी। किनारों पर बुलबुले उठ रहे थे और हल्की फुफकार निकल रही थी, जिससे मुझे डब्ल्यू ट्रेन में हेकेट के छाया द्वार की याद आ गई। मुझे डर था कि कहीं देवी बाहर न निकल आएं और ट्रांसिल्वेनिया की पेस्ट्रीज़ की मांग न करने लगें।
ग्रोवर ने अंधेरे में सूंघा। “यह हेकुबा ने बनाया है, पक्का। वह या तो परछाईं का निशान बनाते हुए यहां आई है या परछाईं का इस्तेमाल करते हुए यहां से गई है। मुझे पक्का नहीं पता कि कौन सा।”
दूर से किसी के चीखने की आवाज़ आई। मोहल्ले में एक जानी-पहचानी चीख गूंजी — कुत्ते की युद्ध-पुकार, लेकिन किसी भी आम कुत्ते की चीख से कहीं ज़्यादा गहरी और तेज़।
मैंने कहा, "मुझे लगता है कि हेकुबा अभी भी यहीं कहीं होगी।"

हम दहशत भरी आवाजों की ओर तेजी से भागे।
बास्केटबॉल कोर्ट के ठीक सामने वाली सड़क पर सैल्स सौवलाकी नाम की एक कबाब की दुकान थी।
आधे ब्लॉक की दूरी से, हम देख सकते थे कि भोजन करने वाले लोग रेस्तरां से बाहर भाग रहे थे, चिल्ला रहे थे और एक-दूसरे से टकरा रहे थे, नुकीली कबाब की छड़ें पकड़े हुए थे, जबकि उनकी माताओं ने शायद उन्हें नुकीली वस्तुओं के साथ दौड़ने से मना किया था।
"चूहे!" एक ने चिल्लाते हुए हमारे पास से दौड़ते हुए कहा। "बड़े-बड़े चूहे!"
“ओह, बढ़िया,” मैंने बुदबुदाया। जब इंसान धुंध में से चूहे देखते हैं, तो आप लगभग निश्चित हो सकते हैं कि वे असल में चूहे नहीं होते। जैसे ही नोप मुझे घसीटते हुए ले गया, मैंने अपनी कलम-तलवार जेब से निकाली, क्योंकि मुझे भी नुकीली चीज़ें लेकर दौड़ना पसंद है।
ग्रोवर मेरे बगल में दौड़ता हुआ आया। उसने कहा, "अगर हेकुबा अंदर है, तो शायद हम उसे बहला-फुसलाकर बाहर निकाल सकते हैं—ओह, नहीं!"
उसने एकदम से ब्रेक लगा दिए। (कल्पना कीजिए कि उसके खुरों में ब्रेक लगे हों।) एनाबेथ ने मेरा हाथ पकड़कर मुझे पीछे खींच लिया, मानो मैं उसके और उस उत्सुक पिल्ले के बीच किसी हड्डी की तरह टूट गया होऊँ।
“हेकुबा अंदर नहीं है,” एनाबेथ ने कहा। “देखो।”
उसने पाँचवीं मंज़िल की छत की ओर इशारा किया। सैल के सौवलाकी के ऊपर, किसी गली-मोहल्ले के नकली साथी की तरह नहीं, बल्कि एक असली सुपरहीरो की तरह, हेकुबा खड़ी थी। उसके अगले पंजे छत की चौखट पर टिके थे, आँखें भयानक रूप से चमक रही थीं और उसके नुकीले दाँत बाहर निकले हुए थे। ऐसा लग रहा था मानो वह हवा में व्याप्त भय को सूंघ रही हो और इसका भरपूर आनंद ले रही हो।
जैसे ही नोप को मेरी मौजूदगी का एहसास हुआ, वह सिसकने लगा, मेरे पैरों के पीछे छिप गया और बुरी तरह कांपने लगा। वह एक समझदार पिल्ला था।
मैंने कहा, "तो अगर हेकुबा ऊपर है, तो रेस्टोरेंट में क्या है?"
मुझे वाकई ऐसे सवाल न पूछना सीखना था। जैसे ही आखिरी ग्राहक चीखते- चिल्लाते रात के अंधेरे में भागा, रेस्टोरेंट की कांच की खिड़की टूट गई और आधा दर्जन मरे हुए योद्धा फुटपाथ पर गिर पड़े।

वे प्राचीन कवच, जंग लगी तलवारें और हेकुबा जैसी चमकती लाल आँखों वाले सड़े-गले शव थे, मानो वे सभी एक ही शक्ति स्रोत से जुड़े हों। वे निश्चित रूप से चूहे नहीं थे।
“ट्रोजन सैनिक,” एनाबेथ ने बुदबुदाते हुए कहा।
मैंने पूछा, "क्या तुम्हें पता था कि हेकुबा मृतकों को बुला सकती थी?" “नहीं, लेकिन ये तो हमारी बदकिस्मती ही है।” उसने छत की ओर घूरते हुए कहा, “हेकुबा, बुरी कुतिया! इन बेचारे इंसानों को परेशान करना बंद करो!” हेकुबा ने हम पर गुर्राते हुए देखा। जैसे ही उसके साथियों ने हमला किया, वह मुड़ी और परछाइयों में गायब हो गई।
कहते हैं ना, हर चीज़ का एक पहला अनुभव होता है। मैंने कभी कुत्ते की रस्सी पकड़े हुए आमने-सामने की लड़ाई नहीं लड़ी थी, और मैं इसकी सलाह बिल्कुल नहीं दूंगा।
मेरी दिव्य कांस्य तलवार मरे हुओं के खिलाफ़ एकदम सही काम कर रही थी। इसमें कोई शिकायत नहीं। मैंने पहले पुनर्जीवित शव को काट गिराया (ज़ाहिर है, नोप की रस्सी में उलझते हुए), फिर दो और मरे हुओं को धूल में मिला दिया। इसी बीच, एनाबेथ ने एक और मरे हुए आदमी पर झपट्टा मारा और अपना खंजर उसके चेहरे में घुसा दिया, जबकि ग्रोवर ने एक मरे हु को लात मारकर एक खड़ी टोयोटा की विंडशील्ड के पार फेंक दिया।
“माफ़ कीजिए!” उसने किसी खास को संबोधित किए बिना चिल्लाकर कहा। “मैं चीज़ें तोड़ना बंद नहीं कर सकता!”
नोप गुर्राया और अपने जबड़े से एक ट्रोजन के टखने को जकड़ लिया। मरे हुए आदमी ने अपनी तलवार उठाई, लेकिन मैं किसी तरह अजीब से कोण पर मुड़ने में कामयाब रहा, फिर भी पट्टे में उलझा हुआ था, और मैंने उसे पहले ही वार कर दिया।
दुर्भाग्यवश, इससे मेरी पीठ खुली रह गई। दो और लाशें मेरे ऊपर ऐसे आ गिरीं जैसे मुझे पीठ पर लादना चाहती हों। वे आसानी से मुझे चाकू मार सकती थीं, लेकिन उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। इसके बजाय, उन्होंने अपने ठंडे, सूखे हाथों से मेरी गर्दन को जकड़ लिया।
जैसे ही उनके शरीर का स्पर्श मेरे भीतर हुआ, भावनाओं का सैलाब मुझ पर उमड़ पड़ा।

मैं घुटनों के बल गिर पड़ा, बेकाबू होकर रोने लगा, और एक भयानक सपने में खो गया।
जब मैंने ऊपर देखा, तो मैं क्वींस में नहीं था। मैं एक बंजर, युद्धग्रस्त पहाड़ी पर घुटनों के बल बैठा था। मेरे दाहिनी ओर, ट्रॉय शहर जल रहा था।
दीवारें अंडे के छिलकों की तरह चटक रही थीं। मीनारें आग की लपटों में ढह रही थीं।
मेरे नीचे मैदान में, अचेयन सैनिक गुलाम बनाए गए ट्रोजनों को दूर स्थित अपने जहाजों की ओर घसीट रहे थे। मैं समझ गया कि मेरा भी यही हश्र होगा।
मेरे टखने और कलाई लोहे की बेड़ियों से बंधे थे। लेकिन मुझे अपनी परवाह नहीं थी।
मेरे सामने मेरे इकलौते बेटे का क्षत-विक्षत शरीर पड़ा था—मेरा प्यारा बेटा, जिसे यूनानियों ने मेरे बाकी बच्चों की तरह ही मार डाला था।
उन्होंने मुझसे सब कुछ छीन लिया था: मेरे पति, मेरा परिवार, मेरा शहर, मेरी उम्मीद।
मेरा दुःख क्रोध में बदल गया। मैंने अपने अपहरणकर्ताओं पर गुर्राया। मेरे मुँह से झाग निकलने लगा।
मेरी आँखें जलने लगीं, भौहें लपटों की तरह झुलसने लगीं। मेरे दाँत नुकीले हो गए। लोहे की बेड़ियाँ मेरी कलाई से छूट गईं और मेरे हाथ एक काले शिकारी कुत्ते के पंजों की तरह सिकुड़ गए।
मैं पास के सैनिक पर झपटने ही वाला था कि एनाबेथ की आवाज़ ने मेरे बुरे सपने को तोड़ दिया। "पर्सी!"
“यूनानियों को मार डालो!” मैं अचेत अवस्था में उठकर चिल्लाया। स्वप्नलोक गायब हो गया था। एनाबेथ और ग्रोवर ने आखिरी बचे हुए मरे हुए योद्धाओं को मार गिराया था। नोप ने मेरी मदद करने की कोशिश में मेरा चेहरा चाटा, लेकिन क्रोध और दुःख मुझे ऐसे जकड़े हुए थे जैसे किसी को चक्कर आ रहा हो।
“मैं… उफ़।” मैं रेंगते हुए फुटपाथ तक गया और उल्टी कर दी, जैसा कि हीरो होने पर लोग करते हैं।
यहां तक कि नोप भी इसमें शामिल नहीं होना चाहता था। वह एनाबेथ के पैरों के पीछे छिप गया।
ग्रोवर ने मेरे कंधे पर हाथ रखा। "तुम ठीक हो ना, दोस्त?"

मैं सिहर उठा। "क्या हमने उन सबको पकड़ लिया?"
“ट्रोजन? हाँ। लेकिन हेकुबा बच निकली।”
“तुम्हें क्या हुआ?” एनाबेथ ने मुझसे पूछा। उसके लहजे में कोई निंदा नहीं थी, बस चिंता थी।
मैंने उन्हें बताया कि मैंने क्या देखा और क्या महसूस किया। मैंने कहा, "मैं हेकुबा थी। मुझे नहीं लगता कि वह किसी को मारना चाहती है। वह बस उन्हें अपना दर्द महसूस कराना चाहती है।"
एनाबेथ ने माथे पर शिकन डाली। “हजारों वर्षों का शोक, अपने बच्चों की मृत्यु के बारे में सोचना। बेचारी हेकुबा—”
ग्रोवर ने कहा, "इस समय क्वींस में कौन आतंक फैला रहा है? और कौन बढ़िया खाना बर्बाद कर रहा है?"
मैंने उसे याद दिलाया, "तुम शाकाहारी हो।"
वह नाराज़ लग रहा था। "उस रेस्टोरेंट में तो बड़े-बड़े बर्तनों में बेगुनाह त्ज़ात्ज़िकी सॉस रखी है! त्ज़ात्ज़िकी सॉस!"
मैं बहस करने के लिए बहुत कमजोर था। एनाबेथ और ग्रोवर ने मुझे खड़े होने में मदद की। नोप ने समर्थन में मेरे जूते पर पेशाब कर दिया।
मैंने कहा, "तो हम असफल हो गए। हम अपने प्यारे पिल्ले को लुभाने का प्रयास भी नहीं कर पाए।"
नहीं, उसने धीमी आवाज़ में कहा। मुझे लगता है कि उसे 'चारा' शब्द पसंद नहीं आया।
“रात अभी खत्म नहीं हुई है,” एनाबेथ ने कहा। “मुझे ऐसा लग रहा है कि हेकुबा तब तक नहीं रुकेगी जब तक वह पूरी तरह थक न जाए या—”
ठीक उसी समय, कुछ ही ब्लॉक दूर से चीख-पुकार का एक नया दौर शुरू हुआ और शाम की शांति भंग हो गई।
“क्या तुम चल सकते हो?” ग्रोवर ने मुझसे पूछा।
मैंने चीख-पुकार की ओर दौड़कर जवाब दिया, जैसा कि आप तब करते हैं जब आप एक हीरो होते हैं और उल्टी करने के बाद आपका मन शांत हो जाता है।

पंद्रह
मैं कुत्तों से निपटने में असफल रहा।
टेरराइज ए ग्रीक एस्टैब्लिशमेंट प्रतियोगिता में हमारे अगले भाग्यशाली विजेता पापौज़ पेस्ट्रीज़ थे।
पापौ खुद सामने खड़ा था। कम से कम, मैंने तो यही मान लिया था कि वही मालिक था। वह एक दादाजी जैसा दिखने वाला आदमी था, जिसके सिर पर सफेद बालों का हेलमेट था, पेट पर एक धब्बेदार एप्रन लिपटा हुआ था, और मजबूत बांहें थीं जिनसे वह मृत ट्रोजनों की भीड़ की ओर झाड़ू घुमाते हुए उन पर यूनानी भाषा में चिल्ला रहा था।
ग्रोवर लड़खड़ाते हुए रुक गया। "लगता है उसने सब कुछ काबू में कर लिया है।" “चूहे!” पापा ने अंग्रेजी में हम पर चिल्लाते हुए कहा, शायद सहानुभूति पाने की कोशिश में। “मेरी बेकरी में चूहे नहीं होने चाहिए!”

उसकी बात में दम था। मरे हुए लोग आते-जाते रहते हैं, लेकिन न्यूयॉर्क शहर का स्वास्थ्य विभाग हमेशा के लिए है। चूहों के आने पर उसकी रसोई तुरंत बंद करवा दी जाएगी।
“हम इसका ख्याल रखेंगे, सर,” एनाबेथ ने वादा किया।
उसने अपना खंजर निकाला और मरे हुओं के बीच से रास्ता बनाते हुए उन्हें एक-एक करके वार करने लगी। यह सब देखने में तो प्रभावशाली था, लेकिन इससे मेरे लिए उसकी मदद करना मुश्किल हो गया। मेरी तलवार वार करने में तो माहिर थी, लेकिन वार करने में नहीं, और मैं एनाबेथ पर वार नहीं करना चाहता था। इससे वह बहुत गुस्सा हो जाती।
ग्रोवर गुस्से से भरे खुरों के साथ अंदर घुस आया। नोप भौंका और मरे हुए लोगों के टखनों को काट डाला। अपने पिछले अनुभव के बाद, मैं किसी भी शापित मांस को छूना नहीं चाहता था, लेकिन मैंने रिपटाइड की मूठ का इस्तेमाल करके कुछ ट्रोजन की नाकें तोड़ दीं (जो किसी बेहद खराब पंक बैंड के नाम जैसा लगता है)।
एनाबेथ चीख पड़ी जब एक मरे हुए हाथ ने उसकी गर्दन को छुआ। वह गिर पड़ी, जो मुझे तुरंत हमला करने के लिए काफी था। जैसे ही ग्रोवर एनाबेथ को सुरक्षित स्थान पर ले गया, मैंने ट्रोजन को अपने बॉलपॉइंट पेन की धार दिखाई।
…और वाह, मुझे वाकई में कुछ बेहतर वीर भाव व्यक्त करने की जरूरत है।
जब सभी ट्रोजन धूल में मिल गए, तो मैं दौड़कर एनाबेथ के पास पहुंचा।
"मैं ठीक हूँ," उसने कहा, हालाँकि खड़े होने की कोशिश करते समय उसके पैर लड़खड़ा रहे थे।
ग्रोवर ने मेरी तरफ आंखें मिलाईं, वह स्पष्ट रूप से चिंतित था, लेकिन जब एनाबेथ कहती है कि वह ठीक है, तो आपको उसका सम्मान करना होगा, कम से कम तब तक जब तक वह इसके बारे में बात करने के लिए तैयार न हो जाए।
वह मुझसे कहीं ज्यादा जल्दी ठीक हो गई।
पापौ ने अपनी झाड़ू को सीधा खड़ा किया और हमें योद्धा की तरह सलाम किया।
"तुम लोग चूहे मारने में माहिर हो।"
“धन्यवाद,” एनाबेथ ने कहा।
“क्या आप बकलावा खाना चाहेंगे? मुझे नहीं लगता कि इसमें चूहे घुसे हैं।” “हाँ!” ग्रोवर ने कहा।
“नहीं!” नोप ने कहा।

“धन्यवाद, शायद अगली बार,” एनाबेथ ने उससे कहा।
पापौ ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "लेकिन आप स्वास्थ्य विभाग को नहीं बताएंगे?"
मैंने कहा, "वे हमारी बात पर विश्वास नहीं करेंगे।"
पापौ ने न्यूयॉर्क के एक दुकानदार की तरह, जिसने सब कुछ देख लिया था, सिर हिलाकर सहमति जताई। "सच है। वे बहुत बड़े चूहे थे।"
“चलो,” एनाबेथ ने हमसे कहा; फिर वह इमारत के किनारे से तेजी से निकल गई। मुझे पक्का पता नहीं था कि वह कहाँ जा रही थी, लेकिन खैर, गलियों में चलना मेरी खासियत थी। जब ग्रोवर और मैं उसके पास पहुँचे, तो वह आग से बचने वाली सीढ़ी के पायदान चढ़ रही थी।
मुझे समझ नहीं आया कि वो इतनी जल्दी कैसे ठीक हो गई। ट्रॉय की यात्रा के दौरान उल्टी करने के कारण मेरी तबीयत अभी भी ठीक नहीं थी। मुझे ये भी समझ नहीं आ रहा था कि एनाबेथ क्या योजना बना रही है।
यकीनन हेकुबा अभी भी छत पर नहीं मंडरा रही होगी। वह तो अपने अगले लक्ष्य की ओर बढ़ चुकी होगी...
फिर भी, मैंने नोप को उठाया, उसे अपने कंधों पर एक ऐसे मुलायम यात्रा तकिए की तरह लपेट लिया जिसका मूत्राशय पर नियंत्रण खराब हो, और चढ़ाई शुरू कर दी।
जब हम छत पर पहुंचे, तो मुझे पता चला—हैरानी की बात है!—एनाबेथ सही थी। हेकुबा अब भी पापौ की पेस्ट्री की दुकान के ऊपर अपने बिखरे बालों और लाल आंखों वाले पूरे वैभव के साथ बैठी हुई थी।
नरक की कुतिया असमंजस में दिख रही थी, अगर नरक की कुतियाएँ इस तरह दिख सकती हैं। वह इधर-उधर चक्कर लगा रही थी, कभी गुर्रा रही थी, कभी कराह रही थी और कभी छत पर अपने पंजे मारते हुए हवा को सूंघ रही थी।
"उससे बदबू आ रही है।" मैंने अनुमान लगाया और पिल्ले को अपनी बाहों में ले लिया।
सैल के सौवलाकी में, भुने हुए मेमने की तेज़ गंध, आतंकित मनुष्यों और मृत ट्रोजनों की महक के बीच हेकुबा इतनी व्यस्त रही होगी कि उसने पिल्ले पर ध्यान ही नहीं दिया होगा। अब वह हमें संदेह भरी निगाहों से देख रही थी— आधे गुस्से से, आधे जिज्ञासा से—
मेरी बाहों में नन्ही नोप छटपटा रही थी और उसने पेशाब कर दिया।

“हे, हेकुबा।” मैंने शांत रहने की कोशिश की, जो पेशाब से लथपथ और मतली की इस हालत में आसान नहीं था। “यह नोप है। इसे एक नरक की कुतिया माँ की ज़रूरत है।”
नोप ने कराहते हुए मेरे पेट पर लात मारी, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उसे वास्तव में जल्द से जल्द बाहर निकलना था।
मैंने हेकुबा की ओर एक और कदम बढ़ाया। “तुमने उन्हें डराने का बहुत अच्छा काम किया।”
— वे भयानक यूनानी। मुझे लगता है कि उन्होंने सचमुच तुम्हारा दर्द महसूस किया होगा। मुझे तो किया ही था।
हेकुबा गुर्राई।
ग्रोवर के चेहरे से मुझे समझ आ गया कि मैं हेकुबा की बातों का अनुवाद नहीं चाहता था। एनाबेथ ने मुझे आगे बढ़ने का इशारा किया। उसने हेकुबा की रस्सी अपनी पीठ के पीछे पकड़ रखी थी, लेकिन मैं नहीं चाहता था कि कोई भी उसे हेकुबा के कॉलर से बांधने की कोशिश करे जब तक कि वह थोड़ी और शांत न हो जाए... अगर वह शांत हो भी जाए तो।
मैंने श्रीमती ओ'लेरी से बात करने का तरीका याद करने की कोशिश की। मेरी अपनी शैतानी कुतिया दोस्त के साथ तो यह बहुत स्वाभाविक लगता था। हेकुबा के साथ तो ऐसा लग रहा था जैसे मैं हेरा से बात कर रही हूँ, एक देवी रानी जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं करती थी और मुझे जान से मार सकती थी।
मैंने कहा, “घर पर हम तुम्हें बहुत याद कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि गेल जहाँ भी हो, तुम्हारे बारे में चिंतित होगी। और अगर हेकेट के लौटने पर भी तुम वहाँ नहीं मिली, तो वह बहुत दुखी होगी।”
और भी गुर्राहट की आवाजें। मुझे लगा कि हेकुबा के मन में अपने घर वालों के बारे में मिली-जुली भावनाएँ थीं।
मैंने कहा, “मुझे पता है कि आप अपनी आज़ादी का आनंद ले रही होंगी। मैं समझती हूँ। लेकिन मुझे ये बेचारा पिल्ला सड़कों पर लावारिस मिला। और मैंने सोचा... मैंने आपके बारे में सोचा। आप अपने बच्चों की कितनी अच्छी माँ थीं। जब वे... आप जानती हैं, जब उनकी मृत्यु हुई, तो आपको कितना दुख हुआ होगा। मुझे लगा कि आप इस बेचारे छोटे से पिल्ले की देखभाल करना समझ जाएँगी।”

नहीं, उसने सिसकते हुए कहा। मुझे लगता है कि मेरी पेशाब से भीगी हुई पैंट उसकी गंध को चारों ओर फैलाने में वाकई मदद कर रही थी।
ग्रोवर मेरे बगल में आ गया। उसने धीमी आवाज़ में कुछ फुसफुसाते हुए नोप से कहा, शायद यह कहते हुए कि यह बड़ा, बुरा, डरावना शैतानी कुत्ता तुम्हें नहीं मारेगा, शायद! हो सकता है वह तुम्हें गोद ले ले!
इससे मुझे तो शांति नहीं मिलती, लेकिन नोप को इससे कुछ मदद मिली। उसने पहले की तरह ज्यादा छटपटाना बंद कर दिया।
हेकुबा ने हवा को चाटा, फिर अपनी थूथन को इस तरह उठाया मानो कह रही हो, इसे यहाँ लाओ। यह स्वादिष्ट लग रहा है।
“मैं उसे ले जाऊंगी,” एनाबेथ ने कहा।
“उम…” अगर हेकुबा किसी को काटती, तो मैं चाहती कि वो मैं होती, एनाबेथ नहीं, लेकिन उसने मेरी राय नहीं पूछी। उसने पिल्ले को गोद में उठाया और चुपके से मुझे हेकुबा की रस्सी थमा दी। “जब वो शांत हो जाए,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “शांत रहना।”
“उह…” मैंने कहा।
एनाबेथ ने नोप को अपनी बाहों में उछालते हुए, प्यार से पुचकारा और उसे अच्छा लड़का कहा।
हेकुबा सूंघती और गुर्राती हुई देख रही थी।
“एनाबेथ बहुत होशियार है,” ग्रोवर ने धीरे से कहा। “वह एक प्यार करने वाली माँ होने का बेहतरीन उदाहरण पेश कर रही है। इससे हेकुबा को जलन होनी चाहिए।”
“क्या यह अच्छी बात है?” मैंने पूछा।
“देखो,” ग्रोवर ने कहा।
एनाबेथ हेकुबा के पास गई और उसे पिल्ले को सूंघने दिया। नोप का पिछवाड़ा? जाँच हो गई। नोप का चेहरा? ठीक है। लार, पेशाब, कान का मैल? सब कुछ ठीक-ठाक लग रहा था। नोप छटपटा रहा था, हेकुबा की आँखों में देखने से बच रहा था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह उस विशालकाय राक्षसी से घुलमिल रहा है।
“लो, अब।” एनाबेथ ने मेरी तरफ मुड़कर देखा। “कितने अच्छे कुत्ते हैं।” ओह, ठीक है। यही मेरा इशारा था।
ग्रोवर और मैं एक दूसरे के करीब आ गए।

एक पल के लिए, हम सब एक बड़े, खुशहाल, अजीब से परिवार की तरह एक साथ खड़े हो गए।
शायद यह मेरे बुखार वाले सपने की गूंज मात्र थी, लेकिन मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा अपना दुख सुलझ रहा हो। मेरे सीने में जकड़ा हुआ दुख का एक विशालकाय गोला आखिरकार ढीला पड़ने लगा था।
मुझे एहसास हुआ कि हेकुबा सदियों से कितना दर्द अपने अंदर दबाए बैठी थी। वह केवल गुर्राहट, चीख-पुकार और कभी-कभार मुर्दों को ज़िंदा करके ही अपनी भावनाओं को व्यक्त कर पाती थी। अब शायद उसे माँ होने के सुखद पल याद आ सकें... किसी नन्हे और प्यारे बच्चे—अपने बेटे—की देखभाल करने की खुशी। ग्रोवर ने मेरी तरफ देखा। वह मेरी तरफ मुस्कुराते हुए ऐसे देख रहा था जैसे कह रहा हो, देखा?
एनाबेथ एक बेहतरीन मां बनेगी!
यार, मैंने सोचा था। एक बार में एक ही काम। मैं अभी भी कॉलेज में दाखिले के लिए आवेदन कर रहा हूँ।
लेकिन मैं इस भावना को नकार नहीं सकती थी। नन्हे नोप के आसपास इकट्ठा होना, उसकी रक्षा करना और उसे प्यार दिखाना अच्छा लग रहा था, हालांकि मैं उसकी पूंछ को सूंघने वाली नहीं थी। माफ कीजिए। मेरी भी कुछ सीमाएं हैं।
अंत में, हेकुबा ने अपना थूथन एनाबेथ के चेहरे पर सटा दिया और उसे एक कदम पीछे धकेल दिया। उसका संदेश शायद यही था, "पीछे हटो, नकली माँ। मैं इसे संभाल लूँगी।"
“ठीक है, कोई बात नहीं,” एनाबेथ ने कहा। “मैं पर्सी को जाने दूंगी…”
उसने नोप मुझे वापस देते हुए मुझे एक ऐसी नज़र से देखा जिसका मतलब था कि अब करो।
मुझे सच में नहीं पता कि वह मुझसे क्या उम्मीद कर रही थी। शायद हाथ-आँख का तालमेल? मुझे लगता है कि मुझे एक हाथ से नोप को पकड़ना था और चालाकी से आगे बढ़कर हेकुबा के पट्टे को उसके कॉलर से जोड़ना था, साथ ही कोमल आवाज़ें निकालनी थीं और यह ज़ाहिर नहीं होने देना था कि मेरा कोई छिपा हुआ इरादा था।
उसे तो पता होना चाहिए था। मैं तो एक ही समय में च्युइंग गम चबाते हुए पानी के अंदर सांस भी नहीं ले सकती। यकीन मानो, मैंने कोशिश की थी। आखिर में मैंने च्युइंग गम और खारा पानी दोनों निगल लिए।

मैंने नोप को अपनी बाईं बांह में थाम लिया और अपने दाहिने हाथ से पट्टे का सिरा पकड़ा। मैंने उसे हेकुबा के कॉलर पर लगा दिया, लेकिन यह काम मैंने बड़ी चतुराई से किया।
मैंने हेकुबा के कॉलर को इतना खींचा कि वह पीछे की ओर झटक गई, उसे समझ आ गया कि मैंने क्या किया है, और उसने अपनी बड़ी-बड़ी लाल आँखों से मुझे घूरना शुरू कर दिया। क्या तुमने अभी-अभी—?
“सब ठीक है,” एनाबेथ ने कुत्ते को आश्वासन दिया।
“कू!” ग्रोवर ने कहा।
सब कुछ ठीक नहीं था, न ही बढ़िया था।
हेकुबा एक बार फिर क्रोधित होकर घोड़े की तरह उछल पड़ी। वह छत पर दौड़ने लगी। दुर्भाग्य से, उसकी रस्सी का दूसरा सिरा मेरी कलाई से लिपटा हुआ था, इसलिए मैं भी उसके साथ खिंचता चला गया, और बड़ी मुश्किल से नोप को पकड़े रहा।
मुझे ज़मीन पर गिरा दिया गया। छत के किनारे पर एक काला द्वार घूम रहा था, और जैसे ही हेकुबा उसमें से कूदी, नोप और मैं परछाई की दुनिया में खिंच गए।

सोलह
हेलहाउंड्स! एट द डिस्को
आह, हाँ, एक भयानक परिदृश्य में एक नरक के कुत्ते के पीछे वाटरस्कीइंग करना, साथ ही पेशाब करने के लिए तरस रहे एक पिल्ले को पकड़े रहना... या, जैसा कि हम अर्धदेवता के कारोबार में कहते हैं, बस एक और बुधवार की रात।
मैंने पहले भी परछाई यात्रा की थी। श्रीमती ओ'लेरी मुझे कुछ ऐसी दिलचस्प जगहों पर ले गई थीं जिन्हें मैं दोबारा कभी नहीं देखना चाहती थी। मेरे दोस्त निको डि एंजेलो, जो हेड्स के पुत्र थे, उनके पास भी यह क्षमता थी। उन्होंने एक बार मुझे फ्लोरेंस में क्रिसमस की खरीदारी के लिए ले जाने के लिए इसका इस्तेमाल किया था। (लंबी कहानी है।)
लेकिन जैसे-जैसे हेकुबा के पीछे-पीछे मुझे घसीटा जा रहा था, मुझे लगने लगा कि शायद श्रीमती ओ'लेरी और निको ने मुझे शैडो-सर्फिंग के सबसे बुरे प्रभावों से बचाने के लिए जानबूझकर प्रयास किया था।

मुझे याद नहीं था कि हवा इतनी ठंडी थी, या सफर इतना उबड़-खाबड़ था। परछाइयाँ मुझे चारों ओर से घेर रही थीं, मेरे अंगों से ऐसे चिपकी हुई थीं जैसे मेरी लगाम खींच रही हों। मुझे एक बुरा एहसास हो रहा था कि अगर ऐसा हुआ तो मैं न्यूयॉर्क वापस नहीं पहुँच पाऊँगी।
मेरे कानों में कर्कश, तीखी आवाज़ों का एक समूह भर गया, जो मानो मेरा ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश कर रही हों। इधर देखो। इस तरफ आओ। तुम्हें अपनी समझदारी की ज़रूरत तो नहीं है, है ना?
कम से कम हेकुबा की रस्सी मेरी कलाई पर कसकर बंधी हुई थी। वरना, मैं सचमुच और प्रतीकात्मक रूप से, दोनों तरह से अपनी पकड़ खो सकता था। अगर नोप ने छूटने की कोशिश की होती, तो मैं उसे पकड़ नहीं पाता, लेकिन वह सवारी का आनंद लेने में पूरी तरह संतुष्ट लग रहा था। वह सूंघता और खुशी से "नोप! नोप! नोप!" कहते हुए परछाइयों पर भौंकता रहा।
मुझे कभी समझ नहीं आया था कि परछाईं से यात्रा कैसे होती है। निको ने एक बार मुझसे कहा था कि दुनिया की सारी परछाइयाँ एक महासागर की तरह आपस में जुड़ी हुई हैं, लेकिन यह किसी भी ऐसे महासागर जैसा नहीं था जिसमें मैं कभी गया था। मेरे जोड़ बर्फ की तरह ठंडे हो रहे थे। हवा इतनी पतली थी कि मेरे फेफड़ों में हवा भर ही नहीं पा रही थी।
ठीक उसी समय जब मुझे लगा कि मैं बेहोश हो जाऊंगी, हम अचानक से असल दुनिया में लौट आए—या कम से कम एक जर्मन नाइटक्लब में, जिसे मैं शायद नाइटक्लब कहूँ या नहीं। स्ट्रोब लाइटें चमक रही थीं। संगीत ज़ोर से बज रहा था। कम कपड़ों और चमकीले रंग के बॉडी पेंट में सजी खूबसूरत लड़कियाँ वेप के धुएँ के घने बादल के नीचे डांस फ्लोर पर नाच रही थीं।
जैसे ही हेकुबा कमरे में आगे बढ़ी, हमें "हुच! आच!" की कई चीखें सुनाई दीं। "यह कितना भयानक है?" लेकिन फिर पार्टी में शामिल लोग खुशी से चिल्लाने और ताली बजाने लगे, कुछ लोगों ने उस पल को कैमरे में कैद करने के लिए अपने फोन ऊपर उठा लिए। मुझे लगता है कि जब कोई शैतानी कुत्ता डांस फ्लोर पर आ जाए तो लोग यही करते हैं।
हेकुबा रुक गई, शायद अपने नए फैन क्लब को देखकर चौंक गई थी। इससे पहले कि मैं उठ पाता, उसने शायद तय कर लिया कि उसे टेक्नो-पॉप पसंद नहीं है, और हम फिर से अंधेरे में गायब हो गए। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या क्लब में किसी ने मेरी अच्छी फुटेज ली होगी—#GiantDogPullsStrangeKidThroughClub।

लगभग तुरंत ही, हम फिर से अंधेरे से बाहर निकले, इस बार एक खाली रेगिस्तानी परिदृश्य में—सूखी, गर्म हवा, आकाश में लाखों तारे, क्षितिज तक फैला रेत के टीलों का विशाल जाल। यह खूबसूरत था, और समुद्र देवता के पुत्र के पास किसी भी प्रकार की शक्ति होने की यह लगभग अंतिम जगह थी।
जब हमारा नरक का कुत्ता टूर गाइड मुझे और नोप को रेत के टीले के किनारे घसीट रहा था, तो मैंने कर्कश स्वर में कहा, "हेकुबा, रुको!"
उसने पीछे मुड़कर देखा, उसके खुले हुए दांत पारे की तरह चमक रहे थे। मैंने कहा, "मैं तुम्हें धोखा देने की कोशिश नहीं कर रहा था! मैं बस तुम्हें सुरक्षित घर पहुंचाना चाहता था।"
वह चीखी—गुस्से और दुख का ऐसा मिश्रण जिसने मेरा दिल तोड़ दिया होता अगर मेरा दिल गले से बाहर निकलने की कोशिश में इतना व्यस्त न होता। यह वही आवाज़ थी जो मैंने अपने बुखार वाले सपने में सुनी थी, ठीक उसी समय जब हेकुबा इंसान से कुत्ते में बदल गई थी, दुख से उसकी पूरी पहचान चकनाचूर हो गई थी।
मैंने उससे कहा, "मैं समझ गई। लेकिन हेकेट को तुम्हारी ज़रूरत है।" मैंने गलत बात कह दी। उसने पट्टा झटका दिया, और इससे पहले कि मैं कह पाता, नहीं, कृपया, कुछ भी कहो, वह एक और छाया में छलांग लगा गई, मुझे ऐसे खींचती हुई ले गई जैसे हम किसी खदान की खाई में गिर रहे हों।
अगली मंजिल पर: स्विमसूट और महिलाओं के अंतर्वस्त्र।
नहीं, सचमुच। हम अचानक एक खाली डिपार्टमेंटल स्टोर में पहुँच गए—मुझे नहीं पता कहाँ। हम कपड़ों के रैक के बीच से दौड़ पड़े, जिसमें नोप को काफी मज़ा आ रहा था। जैसे ही हम बिकिनी के पास से गुज़रे, वो भौंकता और उन्हें काटता रहा, वहीं मैं रास्ते में आने वाले हर कोट हैंगर से अपनी आँख में चोट लगने की पूरी कोशिश कर रही थी।
मैंने "रुको!" कहने की कोशिश की, लेकिन बदले में मुझे लेसदार अंडरगारमेंट का एक टुकड़ा मुंह में भरकर मिला। फिर हम वापस अंधेरे में चले गए।
अंततः हम कंटीली झाड़ियों और टेढ़े-मेढ़े पेड़ों से भरी एक ग्रामीण पहाड़ी पर पहुँचे। भोर होने ही वाली थी, और इस बार मुझे समुद्र की गंध आ रही थी। पहाड़ी की चोटी पर एक टूटी हुई पत्थर की दीवार फैली हुई थी। हेकुबा रुक गई। मुझे लगा कि वह थक गई होगी। फिर मैंने देखा कि वह दीवार को घूर रही थी। कुछ तो जाना-पहचाना सा लगा।

दूसरी ओर, ज़मीन एक सुनसान सड़क से नीचे की ओर ढलानदार होकर एक पथरीले, अर्धचंद्राकार समुद्र तट तक जाती थी। चाँदनी में समुद्र चमक रहा था। यह नज़ारा मेरी कल्पना से बिल्कुल अलग था। सदियों में चीज़ें बदल जाती हैं। लेकिन फिर भी मैंने इसे पहचान लिया।
मैंने कहा, "ट्रॉय।" या जो कभी ट्रॉय हुआ करता था। हम तुर्की में, एजियन सागर के किनारे पर थे।
अंधेरे में हेकुबा की आंखें नारंगी रंग से चमक रही थीं, जिससे वह एक उदास जैक-ओ'-लैंटर्न जैसी लग रही थी। ऐसा लग रहा था मानो उसे अपना अंतिम गंतव्य मिल गया हो।
मैंने सोचा कि शायद सुलह का प्रस्ताव देने का समय आ गया है। "मैं तुम्हारी रस्सी खोल रहा हूँ, ठीक है?"
मैं लड़खड़ाते हुए उसके पास गई। मुझे इतनी मतली हो रही थी कि अगर मैंने सौवलाकी की दुकान पर पहले ही पेट खाली न किया होता तो शायद मैं उल्टी कर देती। मैं इस मामले में चतुर हूँ। हमेशा आगे की योजना बना लेती हूँ। हेकुबा जरा भी नहीं हिचकी। वह बस समुद्र को देखती रही।
मैंने पट्टा खोला और नोप को नीचे रख दिया। उसने मिट्टी को सूंघा, अपनी पिछली टांग में लिपटी ब्रा को झाड़ा और फिर इधर-उधर घूमने निकल गया। मुझे उम्मीद थी कि मैं दोनों शैतान कुत्तों को आज़ाद घूमने देकर कोई बड़ी गलती नहीं कर रहा हूँ, लेकिन मुझे यही करना सही लगा।
मैंने हेकुबा से कहा, "यहीं पर सब कुछ हुआ था। यहीं पर तुमने अपने बच्चों को खोया था।"
उसने मेरी तरफ नहीं देखा, लेकिन उसकी नाक के नथुने फड़कने लगे। उसने अपने होंठ चाटे, कुछ निगला और अपनी छाती से एक गहरी गड़गड़ाहट की आवाज निकाली। मैं उसके बगल में बैठ गया। मुझे याद आया कि कुत्ते तब कम असुरक्षित महसूस करते हैं जब आप उनसे नीचे हों। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था कि हेकुबा जैसे विशाल कुत्ते को मुझसे कोई खतरा होगा, भले ही मैं अपने पंजों पर खड़ा हो जाऊं, लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं थोड़ा असुरक्षित दिखूं तो शायद उसे आराम महसूस होगा।
साथ ही, मैं असुरक्षित महसूस कर रहा था। परछाईं की यात्रा से मैं इतना थका हुआ और सहमा हुआ था कि मेरे पास या तो बैठ जाने या बेहोश हो जाने के अलावा कोई चारा नहीं था।

नोप इधर-उधर सूंघता हुआ झाड़ियों के बीच से निकलता हुआ आगे बढ़ा। जब उसे डिपार्टमेंट स्टोर से लाई हुई गुलाबी ब्रा दिखी तो वह चौंक गया। उसने उस पर भौंका। फिर, उस अंडरगारमेंट को अपना दबदबा दिखाने के बाद, वह अपनी खोज जारी रखने लगा।
मैंने हेकुबा से कहा, "मेरी माँ को बच्चा होने वाला है।"
मुझे नहीं पता कि यह विचार मेरे मन में क्यों आया, लेकिन इसने हेकुबा का ध्यान आकर्षित कर लिया। वह मेरी ओर मुड़ी, उसकी आँखें तापदीप्त लैंप की तरह मुझ पर टिकी हुई थीं।
मैंने आगे कहा, “मैं अपने माता-पिता की इकलौती संतान के रूप में पली-बढ़ी। मैं अपनी माँ के लिए बहुत काम का बोझ थी।”
आप जानते ही हैं कि ये कैसा होता है। अर्धदेवता।
उन शैतानी आंखों को देखकर मुझे सनबर्न हो रहा था।
मैंने कहा, “मैं सोच भी नहीं सकती कि उसे दूसरा बच्चा पैदा करने के लिए कितनी हिम्मत जुटानी पड़ी होगी। मुझे बच्चे की चिंता हो रही है। मतलब, ये बच्चा कोई देवता तो नहीं बनेगा, लेकिन फिर भी... मैंने दुनिया को खतरनाक होते देखा है। मैंने अपने दोस्त खोए हैं। एक बार तो मैंने अपनी माँ को खो दिया था—सोचा था कि वो हमेशा के लिए चली गई। वो दुनिया का सबसे बुरा एहसास था।”
मैं इधर-उधर की बातें कर रहा था, लेकिन हेकुबा ने अभी तक मुझ पर गुस्सा नहीं किया था। मैंने सोचा कि शायद यही प्रगति है।
मैंने कहा, "जब भी मैं किसी को खोता हूँ, तो मुझे बहुत गुस्सा आता है... मुझे बदला लेने का मन करता है।"
लेकिन फिर मुझे याद आता है कि मेरे दोस्त क्या चाहते होंगे। वही जो मेरी माँ मेरे लिए चाहती है—खुश रहना। ऐसे लोगों को खोजना जो मेरे लिए मायने रखते हैं और उन्हें यथासंभव लंबे समय तक अपने साथ रखना।
मैंने एक चिकना, गोल पत्थर उठाया। मुझे लगा कि यह ट्रोजन युद्ध का कोई गुलेल का पत्थर हो सकता है।
मैंने कहा, “मैं समय में पीछे नहीं जा सकता। मैं उन लोगों को वापस नहीं ला सकता जिन्हें मैंने खो दिया है। इसलिए मुझे अपने बचे हुए परिवार पर ध्यान देना होगा। सिर्फ़ मेरी माँ और सौतेले पिता या नवजात शिशु ही नहीं, बल्कि एनाबेथ, ग्रोवर और कैंप हाफ-ब्लड के मेरे सभी दोस्त भी।”

नोप धीरे-धीरे हेकुबा के पास गया, उसे सूंघा और उसके अगले पंजों के बीच में लेट गया।
हेकुबा ने पिल्ले की ओर देखा, जो वही कर रहा था जो पिल्ले सबसे अच्छे से करते हैं—
मधुरता बिखेरते हुए, हर माध्यम से यह संदेश भेजते हुए: मैं मनमोहक हूँ। मेरा ख्याल रखें।
“तुम्हारा भी परिवार है,” मैंने हेकुबा से कहा। “मुझे पता है हेकेट परिपूर्ण नहीं है। जिस तरह से वह तुम्हारे साथ पालतू जानवर जैसा बर्ताव करती है, वह ज़रूर परेशान करने वाला होगा। लेकिन मैंने यह भी देखा है कि वह तुम्हें किस नज़र से देखती है। तुम उसके लिए बहुत मायने रखती हो। और गेल— मुझे लगता है कि तुम्हारे बिना वह बहुत दुखी होगी। और अब नोप भी है…।” हेकुबा ने पिल्ले के सिर को सूंघा। उसका हावभाव अभी भी उदास और शोकग्रस्त था, लेकिन वह पहले से शांत लग रही थी—अब उसे ग्रीक रेस्तरां को नष्ट करने या डिस्को में उत्पात मचाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी।
मैंने स्वीकार किया, "मैं केवल कल्पना कर सकता हूँ कि ट्रॉय के पतन के समय आप किस दौर से गुज़रे होंगे।"
“लेकिन आप जितने चाहें उतने यूनानियों को डरा सकते हैं… इससे दुख कम नहीं होगा। यह तो आग में घी डालने जैसा है। मुझे लगता है कि बेहतर यही है कि आप अपने समूह को ढूंढें और उसकी रक्षा करें।”
हेकुबा गुर्राई।
“ठीक है,” मैंने कहा। “शायद झुंड सही शब्द नहीं है। मुझे नहीं पता कि हेकेट ने तुम्हें नरक का कुत्ता क्यों बना दिया। देवता अजीब होते हैं। मेरा एक दोस्त है जिसका
पिताजी ने एक बार उसे पेड़ में बदल दिया था। शायद हेकेट ने तुम्हें उसी तरह बचाया जिस तरह वह जानती थी। यह परिपूर्ण नहीं है, लेकिन फिर भी यह प्यार है।
हेकुबा ने समुद्र को निहारा—ऐसा नज़ारा जो उसने शायद अपने नश्वर जीवन में हज़ारों बार देखा होगा। उसने उस तट पर युद्ध के लिए तैयार यूनानी जहाजों को लंगर डालते देखा था। उसने अपने बच्चों को अपने विनाश के कगार पर खड़े शहर की दीवारों के सामने उस पथरीले समुद्र तट पर युद्ध में मरते देखा था।

अंत में, उसने अपनी नाक नोप के सिर के ऊपरी हिस्से से सटा दी। उसने उसकी खुशबू को इस तरह से महसूस किया जैसे वह उसे अपनी स्मृति में समाहित कर रही हो, उसे अपना हिस्सा बना रही हो।
फिर उसने मेरी तरफ देखा और अपना सिर झुकाया।
“न्यूयॉर्क वापस जाने के लिए तैयार हो?” मैंने पूछा। “तुम बहुत से लोगों को खुश करोगी। और स्वार्थवश कहूँ तो, मैं चाहूँगा कि हेकेट मुझे इसलिए न मारे क्योंकि मैंने तुम्हें खो दिया।”
उसने अपना पंजा पट्टे पर रख दिया।
“ठीक है,” मैंने कहा। “पट्टा नहीं लगाना है। जब हेकेट वापस आएगी, तो मैं उसे मनाने की कोशिश करूँगी कि वह तुम्हें ज़्यादा आज़ादी दे। हम एस्टोरिया को आतंकित करने वाली बात का ज़िक्र नहीं करेंगे।”
हेकुबा ने हल्की सी आवाज़ निकाली। शायद वह मेरी बात से सहमत थी। या शायद वह बस यही कह रही थी कि वे इसके हकदार थे।
मैं किसी तरह उठ खड़ा हुआ। मैंने सोए हुए पिल्ले को उठाया। हेकेट घुटनों के बल बैठ गई और मुझे अपनी पीठ पर चढ़ने दिया।
मैंने कहा, "चलो घर चलते हैं।"
मुझे ठीक से याद नहीं कि हम वापस कैसे आए। जैसे ही हम छायालोक में दाखिल हुए, मैं बेहोश हो गई, लेकिन हेकुबा ने ज़रूर ध्यान रखा होगा कि मैं गिर न जाऊं। अगली बात जो मुझे याद है, वो ये है कि मैं हवेली के बड़े कमरे की जगमगाती छत को घूर रही थी और एनाबेथ मेरे चारों ओर कंबल ओढ़ा रही थी। “शाबाश, हीरो,” उसने कहा। “मैं तो यह भी नहीं पूछने वाली कि तुमने बिकिनी का निचला हिस्सा अपने टखने के चारों ओर क्यों लपेटा हुआ है।”
उसने मेरे माथे पर चुंबन किया, गहरी साँस ली मानो मेरी खुशबू को वैसे ही याद रखना चाहती हो जैसे हेकुबा ने नोप के साथ किया था। मैं बेहोश हो गया और पिल्लों का सपना देखा, जो मेरे सामान्य सपनों से कहीं बेहतर था।

सत्रह
ग्रोवर को घर में बंद कर दिया गया
बच्चों, परछाई यात्रा हमेशा जिम्मेदारी से करना याद रखना। अगर ज़्यादा करोगे तो परछाई यात्रा के बाद का हैंगओवर जानलेवा होता है। अगली सुबह जब एनाबेथ और ग्रोवर ने मुझे जगाया, तब तक साढ़े सात बज चुके थे। तब तक तो मुझे नहा-धोकर तैयार हो जाना चाहिए था और होमवर्क के लिए एस्पिरिन ले लेनी चाहिए थी।
ग्रोवर ने कहा, "तुम्हें नींद की ज़रूरत थी। उन्हें भी।"
उसने हेकुबा के कुत्ते के बिस्तर की ओर इशारा किया। ट्रॉय की रानी हेकुबा उस पर सिकुड़कर सो रही थी और खर्राटे ले रही थी, और नोप आराम से उसके पेट से सटकर सो रहा था और नींद में हल्की-हल्की आवाज़ें निकाल रहा था। अगली बार जब मैं श्रीमती ओ'लेरी से मिलूँगी, तो मैं उन्हें एक बड़ा चबाने वाला खिलौना

दूँगी। उनके बिना, हम उस पिल्ले को कभी नहीं ढूंढ पाते जो हेकुबा को घर लाया था।
“उसे सुबह की सैर का बिल्कुल मन नहीं था।” एनाबेथ ने सामने के दरवाजे की ओर इशारा किया, जिसे अब डक्ट टेप के कब्जों पर टिकी एक ऊर्ध्वाधर मेज़पोश से मजबूत किया गया था। हमारी सुरक्षा के लिए यही सबसे अच्छा उपाय था। “कल रात वह बहुत थक गई थी। लो, खाओ और बताओ क्या हुआ।”
उसने मेरे लिए नाश्ता बनाया था: बेकन, अंडा और चीज़ वाला बैगल सैंडविच। अगर मैं उससे पहले से ही प्यार न करता, तो यह बात पक्की हो जाती। ग्रोवर को भी मेरे सैंडविच से प्यार हो गया था—क्योंकि जब मैं उन्हें पर्सी जैक्सन की आधी रात की सवारी के बारे में बता रहा था, तो वह बार-बार उसमें से एक-एक टुकड़ा चुरा रहा था।
“ओह, एक जर्मन नाइटक्लब!” ग्रोवर ने ज़ोर से सिर हिलाया। “क्या यह बर्घाइन था?”
मैं हमेशा से वहां जाना चाहता था।"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "मुझे नहीं लगा था कि तुम नाइटक्लब जाने वाले आदमी हो।"
“मज़ाक कर रहे हो? मैं तो किसी से कम नहीं हूँ! मेरे पास तो 'सी ऑफ मॉन्स्टर्स' वाली शादी की ड्रेस भी है।” उसने आह भरी।
"शायद कभी।"
मैंने तय किया कि फिलहाल मुझे ग्रोवर के गुप्त डिस्को सपनों के बारे में और कुछ नहीं जानना है। यह तो काफी बुरा था कि हमें शायद कल की हैलोवीन पार्टी रद्द करनी पड़ेगी। आज किसी समय, अगर हम अपनी सारी समस्याओं का समाधान नहीं निकाल पाए, तो मुझे ग्रोवर को याद दिलाना पड़ेगा कि वह हमारे सभी दोस्तों को चेतावनी भेज दे कि वे न आएं, वरना हमें जलते हुए देखना चाहेंगे।
लेकिन अभी उस बारे में बात करने की मेरी हिम्मत नहीं हुई।
मैंने पूछा, "मुझे नहीं लगता कि गेल अकेले आई होगी?"
एनाबेथ ने सिर हिलाया। "आज के लिए यही तुम्हारा काम है। तुम और ग्रोवर।" मेरा मनोबल बढ़ गया। "आपका मतलब...?"
“हाँ, ऐसा ही है,” उसने कहा। “मुझे स्कूल जाना ही होगा। डेव, हाना और मुझे एक प्रेजेंटेशन देनी है, जिसे मैं छोड़ नहीं सकती। मैंने तुम्हारी माँ को

पहले ही मैसेज कर दिया है, और वो एएचएस को फोन करेंगी। तुम छुट्टी ले रहे हो।”
"बहुत बढ़िया!"
"एक नेवला ढूंढने के लिए।"
"मैं इसे ले जाऊँगा।"
“अच्छा, शुभकामनाएँ।” उसने मुझे चूमा। “मैंने गेल के बारे में कुछ नोट्स लाइब्रेरी में छोड़ दिए हैं।” फिर वह ग्रोवर की ओर मुड़ी। “उस पर नज़र रखना, ठीक है, मिस्टर।”
रक्षा करनेवाला?"
ग्रोवर ने मेरे बैगल सैंडविच का आखिरी टुकड़ा भी चट कर लिया। "हमेशा।" एनाबेथ के जाने के बाद, ग्रोवर और मैं अपने दिन की तैयारी में जुट गए। उसने बचा हुआ सारा नाश्ता खाकर सब कुछ साफ कर दिया। मैंने ईलों को खाना खिलाया, गुरुत्वाकर्षण-रोधी स्नानघर में नहाया (यह कैसा रहा, यह मत पूछो), कपड़े पहने और पुस्तकालय की ओर चल दिया।
खतरनाक ज्ञान का कमरा निराश नहीं करता था। यह त्रिशूल के आकार का था: फर्श से छत तक फैली आबनूस की किताबों की अलमारियों से भरे तीन विशाल गलियारे, जिनके चौराहे पर हेकेट की मूर्ति थी क्योंकि... ओह, हाँ, चौराहों की देवी। अब समझ में आया उसने क्या किया। गुंबददार छत से लोहे के मोमबत्ती स्टैंड लटक रहे थे, जो टिमटिमाती मशाल की रोशनी से कमरे को रोशन कर रहे थे। आग और किताबें एक बुरा मेल लग रहा था, लेकिन मुझे क्या पता? कम से कम ग्रोवर का स्ट्रॉबेरी का उत्पात हवेली के इस हिस्से तक तो नहीं पहुँचा था। किताबें अंतहीन थीं—चमड़े की जिल्द वाली किताबें, सुनहरे अक्षरों में लिखे शीर्षक, रेशमी रिबन से सजे सुंदर बुकमार्क। मुझे लगा था कि शायद कोई स्मोकिंग जैकेट पहने, आरामदायक कुर्सी पर बैठा पाइप पी रहा होगा। लेकिन कमरे में सिर्फ मैं और मूर्ति ही थे।
किसी भी किताब ने मुझे अपनी ओर आकर्षित नहीं किया, न ही किसी गुप्त मंत्र या वर्जित ज्ञान से लुभाया। शायद उन्होंने देखा कि यह सिर्फ पर्सी जैक्सन की कहानी है और इसलिए उन्होंने इस पर चर्चा न करने का फैसला किया।
पास वाली मेज पर, किताबों के ढेर के बगल में, एनाबेथ ने पीले रंग का एक पैड रखा था जिस पर उसने कुछ नोट्स लिखे थे। मुझे कभी समझ नहीं आया कि एनाबेथ मेरी ही तरह डिस्लेक्सिया से पीड़ित होने के बावजूद इतनी साफ लिखावट कैसे

रख सकती है। मेरी लिखावट तो किसी नशे में धुत सुमेरियन द्वारा उकेरी गई कीलाक्षर लिपि जैसी लगती थी। फिर भी, मैं शुक्रगुजार थी कि उसने मेरे लिए इतनी उपयोगी पर्ची छोड़ दी थी।
नोट्स के अनुसार, गेल प्राचीन काल में एक नश्वर चुड़ैल थी। (मुझे यह पता था।) उसकी व्यक्तिगत स्वच्छता बहुत खराब थी और उसे गैस की समस्या थी। (मुझे गंध आ रही थी।)
(वह।) वह जादुई औषधियों और सुगंधों की विक्रेता थी और किसी तरह हेकेट की नज़रों में आ गई थी, शायद इसलिए कि वह जादू की एक बुरी प्रवक्ता थी, लगातार गैस छोड़ने की वजह से। (बस एक अनुमान।) गुस्से में आकर हेकेट ने उसे एक नेवला बना दिया, लेकिन फिर उस पर दया आ गई और उसे अपने पास रखने का फैसला किया। एक पन्ने के हाशिये पर, एनाबेथ ने कुछ सवाल लिखे थे: औषधियाँ? सुगंध? गैस रोधी दवा?
मुर्गियाँ?
मैंने सोचा कि गेल अब जब आज़ाद हो गई है, तो शायद इन्हीं चीज़ों के पीछे जाएगी। मैंने सोचा, शायद ग्रोवर और मुझे गैस-एक्स का एक पैकेट और एक मरी हुई मुर्गी लेकर मैनहट्टन में घूमना चाहिए और देखना चाहिए कि क्या होता है।
मैं पास की किताबों की अलमारी को घूर रहा था और नेवलों की समस्या के बारे में सोच रहा था, तभी मेरी नज़र किसी चीज़ पर पड़ी। कांच से ढकी एक अलमारी पर कागज़ों और छोटी-छोटी चमकदार वस्तुओं का एक संग्रह रखा हुआ था।
मैं उसे देखने के लिए उधर गया। किताबों का मुझ पर शायद उतना प्रभाव न हो, लेकिन मैं छोटी-छोटी चमकदार चीजों के प्रति बहुत आकर्षित हो जाता हूँ। डिस्प्ले के बाईं ओर पीले पड़ चुके पैम्फलेट थे जिन पर पुराने जमाने की लिखावट में "प्रैक्टिकल फोर्सरी" और "पोशन फॉर बिगिनिंग यूफरफ" जैसे शीर्षक लिखे थे।
बीच में, हेकेट के जादू स्कूल का एक विज्ञापन, 1913-14
अकादमिक वर्ष को टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया था, फिर उसे उसी तरह फ्रेम में जड़ दिया गया था, मानो हेकेट उस क्रोध के क्षण को यादगार बनाना चाहती हो जब उसे फाड़ा गया था। दाईं ओर पुराने देखने के उपकरणों का एक संग्रह था— दूरबीन, मोनोकल, एक बोतल में रखे कुछ कॉन्टैक्ट लेंस और बच्चों के चश्मों

के आधा दर्जन जोड़े। हाँ। बिलकुल भी डरावना नहीं। इस संग्रह के नीचे एक पीतल की पट्टिका थी जिस पर लिखा था "क्या हो सकता था"।
मैंने डिस्प्ले केस का ढक्कन उठाया। मैंने नीले फ्रेम वाला एक चश्मा उठाया जो बीच से टूटा हुआ था। ये वही चश्मा था जो मैंने उस बच्चे के सपने में देखा था जो हवेली से डर के मारे साइकिल चलाकर भाग रहा था। चश्मे के दाहिने डंडे पर सुनहरे अक्षरों में SEJ लिखा हुआ था।
मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी बर्फ के टुकड़े में समा गया हूँ। मैं हिल नहीं पा रहा था। मैं सांस नहीं ले पा रहा था। एसईजे। मैं उन अक्षरों को जानता था।
चिरोन ने मुझे चेतावनी देने की कोशिश की थी। ऐसा लग रहा था मानो भूत मेरे चारों ओर मंडरा रहे हों—सिर्फ़ मृतकों की आत्माएँ ही नहीं, बल्कि इस छोटे से डिस्प्ले में दफ़न यादें और अफ़सोस भी। मैंने किसी तरह चश्मा वापस रख दिया। मैं तुरंत समझ नहीं पा रहा था कि इसका क्या मतलब है। गुरुवार की सुबह हो चुकी थी। हमें एक नेवला ढूँढ़ना था, एक हवेली की मरम्मत करनी थी, और हेकेट के घर आने में सिर्फ़ अड़तालीस घंटे बचे थे…
मैंने दौड़ने से बचने की पूरी कोशिश करते हुए पुस्तकालय से बाहर कदम रखा। जब मैं बड़े कमरे में ग्रोवर के पास पहुंचा तो उसने पूछा, "क्या हुआ?"
"आप इस तरह दिख रहे हो जैसे-"
मैंने विनती करते हुए कहा, "ऐसा मत कहो जैसे तुमने भूत देख लिया हो।" उन्होंने मेरे चेहरे के भावों को गौर से देखा। मुझे पता था कि वे मेरे डर और उलझन को भांप सकते हैं, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर ज़ोर नहीं दिया। "ठीक है... क्या तुमने कुछ सीखा? गेल के बारे में?"
मैंने कमज़ोरी से सिर हिलाया। मैंने अपने अनसुलझे सवालों और चिंताओं को अपने दिमाग के पिछले हिस्से में एक कांच के डिब्बे में बंद करने की पूरी कोशिश की। मैंने ग्रोवर को बताया कि मैंने एनाबेथ के नोट्स में क्या पढ़ा था।
ग्रोवर ने अपनी दाढ़ी खुजलाई। "सुगंधित पदार्थ या गैस की दवा... हमें मामले को सुलझाना होगा वरना हम उसे कभी नहीं ढूंढ पाएंगे।"
मैंने सोते हुए शैतानी कुत्तों की तरफ देखा। मुझे पहले से ही लग रहा था कि वे इस शिकार में हमारे साथ नहीं आएंगे। मुझे हेकुबा के दोबारा भागने की कोशिश करने की भी ज़्यादा चिंता नहीं थी। श्रीमती ओ'लेरी के साथ मेरे

अनुभव को देखते हुए, हेकुबा और नोप पूरे दिन सोते रहेंगे। काश मैं भी उनके साथ सो पाता।
“तो फिर, हम शहर में मुर्गे के कंकाल लेकर घूमते हैं?” मैंने पूछा। ग्रोवर परेशान लग रहा था, मानो एनाबेथ की रक्षक होने वाली टिप्पणी उसके दिमाग में बार-बार गूंज रही हो। "नहीं। मेरे पास एक—ठीक है, शायद इससे बेहतर विचार नहीं है, लेकिन एक ऐसा विचार है जो काम कर सकता है। चलो बताओ।" उसने घर की चाबियां उठा लीं।
मैंने पूछा, "हम कहाँ जा रहे हैं?"
उन्होंने कहा, "मुझे खुद को शांत करने की जरूरत है। बस कुछ मिनटों के लिए।" वह मुझे सड़क पार करके ग्रामर्सी पार्क ले गया।
मुझे समझ नहीं आ रहा था कि ग्रोवर के मन में क्या चल रहा है। शायद उसे प्राकृतिक वातावरण में कुछ पल एकाग्र करने की ज़रूरत थी। मैनहट्टन में ऐसी शांत जगहें मिलना मुश्किल है।
मुझे यह एहसास नहीं हुआ कि जब उसने खुद को ज़मीन से ढकने की बात कही थी, तो उसका मतलब सचमुच खुद को ज़मीन से ढक लेना था। वह फूलों की क्यारी में बैठ गया और अपने पैरों पर पत्ते और मिट्टी का ढेर लगाने लगा।
“उम… तुम ठीक हो ना, जी-मैन?”
उसने अपनी आँखें इस तरह बंद कर लीं जैसे वह छाल के ढेर के साथ एक हो जाना चाहता हो।
“हां,” वह स्तब्धता में बुदबुदाया। “गिलहरियों के लिए तैयारी कर रहा हूँ। कृपया शांति बनाए रखें।”
इससे सारी बात साफ हो गई।
मैं पास की बेंच पर बैठ गया और इंतजार करने लगा। अगर कोई वहां से गुजरता, तो मुझे यह समझाना मुश्किल होता कि मेरा दोस्त अपने लिए किला क्यों खोद रहा है, लेकिन
पूरा पार्क हमारे लिए खाली था।
सुबह की हवा ठंडी और ताज़ी थी। पत्तियाँ सुनहरे से लाल रंग में बदल रही थीं। अगर हालात कुछ और होते, तो मैं अपने इस पल का आनंद लेने में खुश होता। "बीमारी की छुट्टी" में अपनी सबसे अच्छी दोस्त के साथ समय बिताया, लेकिन कल रात की यात्रा से मेरा पेट अभी भी खराब हो रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे मैंने कुछ परछाइयों के साथ-साथ कुछ जालीदार अंडरगारमेंट्स भी निगल लिए

हों। हेकेट के पुस्तकालय की मेरी छोटी सी यात्रा से भी कोई फायदा नहीं हुआ।
कुछ मिनटों बाद, ग्रोवर लगभग कमर तक पूरी तरह से मिट्टी में दब गया था। मुझे चिंता होने लगी। मैं उससे कहना चाहता था, "क्या मैं तुम्हारे लिए कुछ ला सकता हूँ? और पत्ते? और मिट्टी?"
फिर गिलहरियाँ आने लगीं। तीन गिलहरियाँ पास के पेड़ के तने से नीचे उतरीं और ग्रोवर की पीठ पर कूद गईं। एक और झाड़ी से निकली और उसके कंधे पर उछल पड़ी। दो और गिलहरियाँ पत्तों के बीच से सुरंग बनाकर ग्रोवर की टांगों पर चढ़ गईं। एक मिनट के भीतर, दर्जनों, शायद सैकड़ों गिलहरियाँ हो गईं। सच कहूँ तो, मुझे बिल्कुल अंदाज़ा नहीं था। मैंने इससे पहले कभी इतनी बड़ी संख्या में गिलहरियों को गिनना नहीं पड़ा था।
ग्रोवर का धड़ चहचहाते बालों और फड़फड़ाती घनी पूंछों की लहर में गायब हो गया। भूरे और धूसर रंग के मिश्रण में कहीं मुझे एक बहुत बड़ा काला चूहा दिखाई दिया, जो झट से अपने गिलहरी जैसे साथियों के समुद्र में गायब हो गया। “क्या, ग्रोवर…?”
एक गिलहरी मुड़ी और मेरी तरफ भौंकते हुए बोली, मानो कह रही हो, चुप रहो, इंसान!
ऐसा लग रहा था मानो पार्क की वनस्पतियां भी इस मजे में शामिल होना चाहती हों। पास के पेड़ों की जड़ें ग्रोवर की ओर रेंगने लगीं। लताएं उसकी छाती के चारों ओर लिपट गईं। पेड़ की शाखाएं झुकने और हिलने लगीं, मानो उस तक पहुंचने की कोशिश कर रही हों।
ग्रोवर की आंखें ऊपर की ओर घूम गईं। वह कांपने लगा। मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता था।
“ठीक है, बस बहुत हो गया,” मैंने फैसला किया।
मैं हमेशा की तरह बहादुरी से गिलहरियों को सबक सिखाने के लिए आगे बढ़ा, लेकिन वह सिलसिला अपने आप ही खत्म हो गया। गिलहरियाँ अपनी कतार तोड़कर इधर-उधर बिखर गईं। चूहा डूबते हुए सैटिर को छोड़कर जाने वाला आखिरी जीव था। वह अपनी पीठ पीछे मेरी तरफ एक आखिरी नापसंदगी भरी नज़र डालते हुए झाड़ियों में चला गया।

“ग्रोवर?” मैं उसके पास घुटनों के बल बैठ गया। लताएँ और शाखाएँ पीछे हट गईं। मैंने धूल और पत्तियाँ हटाईं और यह देखकर दंग रह गया कि ग्रोवर लगभग आधा फुट ज़मीन में धंस गया था, मानो धरती उसे निगलने की कोशिश कर रही हो। “अरे दोस्त।” मैंने उसके कंधे को हल्के से हिलाया।
उसकी आंखें धीरे-धीरे खुल गईं।
“ओह। हाय।” उसने नींद में पलकें झपकाईं। “मैं अभी भी यहीं हूँ। अच्छा हुआ।”
"किसकी प्रतीक्षा?"
वह उठकर बैठ गया। “कुछ नहीं। बस… वाह। यह तो बहुत कुछ था।”
“अभी क्या हुआ?”
वह मेरी आंखों में आंखें नहीं मिला रहा था। "मैंने तुमसे कहा था। मुझे घर में बंद कर दिया गया था। मैंने गेल को ढूंढने की कोशिश की... खैर, मैनहट्टन में मौजूद हर जीवित प्राणी से संपर्क करके। इंसानों को छोड़कर। तुम सब मायने नहीं रखते। बुरा मत मानना।"
"तुम ऐसा कर सकते हो?"
"मेरा मतलब है हाँ …।"
यहां बहुत कुछ समझने की जरूरत थी। जैसे, ग्रोवर ने मुझे इसके बारे में पहले कभी क्यों नहीं बताया? वह इस बारे में इतना छुपा हुआ व्यवहार क्यों कर रहा था? क्या उसे कुछ पता चला था?
लेकिन चूंकि मुझे एडीएचडी है, इसलिए मेरे मुंह से पहला सवाल यही निकला, "उस चूहे का क्या मामला है? आपके पास तो लाखों गिलहरियां थीं और सिर्फ एक चूहा।"
“ओह, ये तो यूस्टिस है,” ग्रोवर ने कहा। “ये गोद लिया हुआ है।”
जाने दो, पर्सी, मैंने खुद से कहा।
“तो, क्या तुम ठीक हो?” मैंने पूछा। “वह दर्दनाक लग रहा था।”
“मैं ठीक हूँ।” वह झूठ बोल रहा था। किसी के साथ भावनात्मक जुड़ाव होने पर भी, यह पता होना स्वाभाविक है कि उसे कोई तकलीफ़ नहीं हो रही है। “मुझे कुछ जानकारी मिली है। पता चला है कि मैनहट्टन में पोलकैट ज़्यादा नहीं हैं। स्कंक तो हैं, लेकिन पोलकैट नहीं। जब कोई पोलकैट खुले में घूमता है, तो दूसरे जानवर उसे देख लेते हैं। आखिरी बार उसे मंगलवार को लाफायेट स्ट्रीट पर देखा गया था।”

मैंने यह कल्पना करने की कोशिश की कि वह किस जगह की बात कर रहा है। "जैसे चाइनाटाउन में?"
“मुझे नहीं पता कि डाउनटाउन कितनी दूर है,” उसने स्वीकार किया। “लेकिन लाफायेट नौवीं स्ट्रीट के आसपास से शुरू होता है, है ना? हम वहाँ जा सकते हैं, बस दक्षिण की ओर चलना शुरू कर सकते हैं।”
यह योजना अन्य योजनाओं की तरह ही अच्छी लग रही थी।
मुझे इसकी अनिश्चितता भी कुछ हद तक अच्छी लगी। एनाबेथ की योजना ज़्यादा असरदार, ज़्यादा लक्षित और ज़्यादा तार्किक होती। लेकिन बस चलना शुरू कर देना, इस तरह की सोच का मैं समर्थन कर सकता था।
मैंने उसे उठने में मदद की। हम नरक के कुत्तों को देखने गए और पाया कि वे अभी भी सो रहे थे। उन्हें अकेला छोड़ना ठीक नहीं था, लेकिन इस सप्ताह कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। हमने ताज़ा खाना रखा, ईलों को बताया कि हम वापस आएंगे और शहर की ओर चल दिए।
SODNYC हमारे रास्ते में था, इसलिए मैं रुका और एनाबेथ के छात्रावास सलाहकार के लिए एक संदेश छोड़ दिया ताकि जब एनाबेथ कक्षा से बाहर निकले, तो उसे कुछ अंदाजा हो जाए कि हम कहाँ जा रहे हैं।
हम चलते रहे। बीच-बीच में मैं ग्रोवर की तरफ देखता रहा, जो परछाई में यात्रा करने के बाद मुझसे भी ज़्यादा कांप रहा था। कुछ बार वह लड़खड़ाया, और एक बार मैंने उसका हाथ पकड़ लिया।
"क्या आपको यकीन है-?"
“मैं ठीक हूँ,” उसने जोर देकर कहा।
"जब हम करीब पहुंचेंगे तो आपको खुद को फिर से ज़मीन पर टिकाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी, है ना?"
वह हल्की हंसी हंसा। "नहीं। ऐसा नहीं होगा... नहीं।"
मैं रुका, उसके कंधों को पकड़ा और उसे मेरी आंखों में देखने के लिए मजबूर किया।
“ग्रोवर, तुम मुझसे क्या छिपा रहे हो? मैंने तुम्हें गिलहरियों के साथ ऐसा करते हुए पहले कभी क्यों नहीं देखा?”
वह हिचकिचाया। मुझे लगा जैसे वह बेहोश होने वाला हो।

“आओ।” मैंने उसे पास की एक बेंच पर बिठा दिया, जो संयोगवश एक बेकरी के बाहर थी। यह पापू की पेस्ट्री की दुकान तो नहीं थी, लेकिन अंदर की चीज़ों से अच्छी खुशबू आ रही थी। “एक मिनट यहीं रुको।”
मैं अंदर गई और ग्रोवर के लिए स्ट्रॉबेरी चीज़केक का एक टुकड़ा और दो आइस टी खरीदीं। मैंने सोचा कि खाना खाने से शायद उसकी ऊर्जा वापस आ जाएगी। जब वह केक का एक-एक टुकड़ा खा रहा था, मैंने कहा, "ठीक है। मुझे बताओ।" उसने बेपरवाही से कंधे उचकाए। “बस… खुद को इस तरह ज़मीन से जोड़ना? यह वाकई बहुत शक्तिशाली जादू है। मैं ऐसा सिर्फ इसलिए कर सकता हूँ क्योंकि मैं एक क्लोवन एल्डर हूँ।”
ग्रोवर बहुत ही विनम्र स्वभाव का था। वह इसके बारे में शायद ही कभी बात करता था, लेकिन मैनहट्टन की लड़ाई के बाद, उसे दुनिया के तीन सबसे महत्वपूर्ण सैटायरों की परिषद में पदोन्नत कर दिया गया था, जिसने मेरी नज़र में उसे एक कुलीन बॉस बना दिया था।
“क्या यह खतरनाक है?” मैंने अनुमान लगाया।
“अरे… मुझे चिंता करने की कोई बात नहीं है,” उन्होंने कहा। “कोई बड़ी बात नहीं है। बस जब मैं ऐसा करता हूँ, जब मैं प्रकृति से उस स्तर पर जुड़ता हूँ, तो हमेशा एक छोटा सा खतरा रहता है…”
"हाँ?"
उसने चीज़केक का एक और टुकड़ा खाया। "काश मैं पूरी तरह से घुल कर शून्य हो जाऊं।"

अठारह
आई स्मेल ट्रबल™, पुरुषों के लिए एक नई खुशबू। मुझे बेवजह घबराने वाला कहिए, लेकिन मेरे दोस्त के अचानक गायब हो जाने का विचार मुझे काफी गंभीर लगा।
मैंने इसे अपने हमेशा की तरह शांत तरीके से व्यक्त किया।
“क्या?!” मैं चिल्लाया और पास के ही एक फायर हाइड्रेंट में धमाका कर दिया (ध्यान रहे, यह धमाका गलती से हुआ)। हाइड्रेंट का ऊपरी हिस्सा किसी अरबपति के रॉकेट की तरह हवा में उछला, कुछ बार पलटी खाई और आठवीं स्ट्रीट के बीचोंबीच जा गिरा।
“ग्रोवर—”
"मुझे पता है।"

“क्या सच में?” मैं घबराहट को काबू में रखने की कोशिश करते हुए इधर-उधर चक्कर लगाने लगा। मेरे पैर के पास एक मैनहोल का ढक्कन अचानक खुल गया। “तुम ऐसा कैसे कर सकते हो? क्यों?”
"क्या आप शहर की और संपत्ति को नष्ट करने से पहले बैठ सकते हैं?"
मैं कुछ देर और इधर-उधर टहलती रही, फिर जाकर खुद को इतना शांत कर पाई कि उसके साथ बेंच पर बैठ गई। तब तक वह अपना चीज़केक और दोनों आइस टी खत्म कर चुका था, क्योंकि वह तब खाता है जब वह घबराया हुआ होता है, या जब वह घबराया हुआ नहीं होता है, या फिर जब आसपास खाना होता है।
“देखो, पर्सी…” वह अपनी उंगलियों को कुरेदने लगा। उसके नाखून पहले से कहीं ज़्यादा खुरदुरे लग रहे थे। उसकी दाढ़ी कांप रही थी। “मुझे हेकेट की जगह को लेकर बहुत बुरा लग रहा है… मैं ज़िम्मेदार हूँ।”
“यार, तुम नहीं हो।”
उसने मुझे उदास आँखों से देखा, उसका निचला होंठ काँप रहा था। ऐसा लग रहा था मानो हम छठी कक्षा में वापस आ गए हों, जब यान्सी अकादमी के अन्य बच्चों द्वारा तंग किए जाने के बाद वह कैंटीन की पिछली मेज पर छिप जाता था। “सिवाय इसके कि… शायद मैं हूँ,” उसने कहा। “सोमवार रात को, सब कुछ गड़बड़ होने से पहले, मैं सोच रहा था… अगर तुम्हें यह सिफारिशी पत्र मिल जाता है, तो बस एक और पत्र की ज़रूरत होगी। फिर तुम कॉलेज के लिए तैयार हो जाओगे। और तुम और एनाबेथ जा चुके होगे। और मैं… मैं यहीं रहूँगा।”
उस बात ने मुझे पेट में तेज गेंद लगने जैसा झटका दिया। सारा गुस्सा मुझमें से निकल गया, बस अपराधबोध ही रह गया।
“ग्रोवर। अरे यार, हम तुम्हें कभी नहीं छोड़ेंगे। तुम कभी भी यहाँ आकर रह सकते हो। और हम वापस आ जाएँगे।”
उसने नाक पोंछी। “मुझे पता है। बस... मुझे ये सब पसंद नहीं है। मैं तुम दोनों को बहुत याद करूंगा। और ये स्वार्थीपन है, इसलिए मैंने कुछ नहीं कहा। मैं मदद करना चाहता हूं। सच में। लेकिन मेरे मन में एक सवाल उठता है... शायद इसीलिए मैंने वो स्ट्रॉबेरी वाला पेय पिया।”
शायद अवचेतन रूप से, लेकिन फिर भी... बस चीजों को बिगाड़ने के लिए। अगर मैंने ऐसा किया तो क्या होगा? मैं खुद को माफ नहीं कर पाऊंगा।

मैंने पाँच तक गिना। मैं जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहता था, क्योंकि मुझे लग रहा था कि एक और इनकार से कोई फायदा नहीं होगा और मैं बस और अधिक मैनहोल के ढक्कन पलटता रहूँगा।
मैंने कहा, "हमें इस बारे में पहले ही बात कर लेनी चाहिए थी। ये मेरी गलती है। मुझे समझ लेना चाहिए था कि ये तुम्हारे लिए कितना मुश्किल रहा है।" उसने अपने गाल से एक आंसू पोंछा। "इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है।" मैंने यथासंभव नरमी से कहा, "ऐसा मत करो। इसे दूर मत हटाओ।"
"आंसू?"
नहीं यार, तुम जो कह रहे हो वो कितना ज़रूरी है। देखो, मुझे नहीं पता स्ट्रॉबेरी पोशन के साथ क्या हुआ। मुझे नहीं पता हेकेट तुम्हें नाकाम करने की साजिश रच रही थी या क्या। लेकिन मुझे इतना ज़रूर पता है कि इस दुनिया में मेरे सबसे अच्छे दोस्त को खोने से ज़्यादा कीमती कुछ नहीं है। हम इसका हल निकाल लेंगे। बस, अब और खुद को सज़ा मत दो। मुझे माफ़ी मांगनी चाहिए। मुझे कॉलेज में दाखिला पाने की चिंता करने के बजाय तुम्हारे बारे में सोचना चाहिए था।
उसने नाक पोंछी। "अच्छा... तुम्हें कॉलेज के बारे में थोड़ा तनाव लेना चाहिए।"
"धन्यवाद दोस्त।"
"क्योंकि मैंने तुम्हारा जीपीए देखा है।"
“बस इधर आओ।” मैंने उसे गले लगा लिया। उससे मिट्टी, सूखे पत्तों और शायद गिलहरियों और यूस्टिस नाम के एक पालतू चूहे की गंध आ रही थी, लेकिन सौभाग्य से मेरी सूंघने की क्षमता इतनी अच्छी नहीं थी। “वादा करो कि अब और सज़ा नहीं दोगे।”
उसने सिर हिलाया। "यह... यह काफी अच्छा था, है ना?"
मैंने कहा, "बहुत प्रभावशाली। और साथ ही डरावना भी।"
“ठीक है। एनाबेथ मुझे मार डालेगी, है ना?”
हमने उसे न बताने के बारे में तो बात ही नहीं की, क्योंकि ऐसा करना मुसीबत को न्योता देने जैसा था।
“हो सकता है वो तुम्हें थोड़ा मार डाले,” मैंने सहमति जताते हुए कहा।
“लेकिन प्यार और स्नेह से। और वो तुम्हें वही बात कहेगी जो मैंने कही थी।

तुम्हें खोने से बढ़कर कुछ भी नहीं है। तुम हमेशा हमारे साथ रहोगे, भले ही हम कुछ समय के लिए अलग-अलग तटों पर रह रहे हों।”
उसकी मुस्कान फीकी पड़ने लगी। मुझे डर था कि मैंने उसे फिर से उदास कर दिया है, लेकिन तभी उसकी आँखें चमक उठीं जैसे उसे कोई महत्वपूर्ण बात समझ आ गई हो।
“अलग-अलग तट!” उसने कहा। “गिलहरियों ने तट के बारे में कुछ कहा था।”
….”
"जैसे, गिलहरियाँ कैलिफोर्निया से हैं?"
“नहीं। उन्होंने कहा… इसका अनुवाद करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि नेवला आखिरी बार तट के उस पार से आई चार आत्माओं के साथ देखा गया था। कुछ ऐसा ही।”
"तुम्हें अभी-अभी याद आया?"
उसने भौंहें चढ़ाईं। मुझे उसे मुझसे नाराज़ देखकर खुशी हुई, क्योंकि यह उसके उदास होने और मिट्टी में मिल जाने की इच्छा से बेहतर था। "नहीं, पर्सी, लेकिन मैंने पहले कभी खुद को ज़मीन में नहीं गाड़ा है। मैनहट्टन में हर जीवित चीज़ की आवाज़ें एक साथ सुनना थोड़ा मुश्किल है। मुझे आश्चर्य है कि मैं लाफायेट स्ट्रीट की आवाज़ भी पहचान पा रहा हूँ।"
“यह ठीक है। तो, ये चार आत्माएँ... क्या आपके पास कोई विचार हैं?”
"यह बात समझ में नहीं आती। आमतौर पर, एक गिलहरी के लिए, तट के पार से आने वाली आत्मा का मतलब जलपरी होती है, लेकिन हम किसी प्राकृतिक जल निकाय के पास नहीं जा रहे हैं।"
मैं थोड़ा सीधा होकर बैठ गया। “खैर, मेरा स्कूल पानी के बहुत पास नहीं है, और मेरी मार्गदर्शक सलाहकार गहरे समुद्र की एक जलपरी है। कम से कम, उसके गायब होने से पहले तो थी ही। अगर जलपरियां शामिल हों, तो यह अच्छी बात है, है ना? पानी तो मेरा पसंदीदा विषय है।”
"मेरा मतलब है, हां, मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था।"
मैंने उसके कंधे पर थपथपाया। "चलो, क्लोवन एल्डर। तुमने शायद आज का दिन बचा लिया है।"
जब हमने दोबारा लाफायेट स्ट्रीट पर चलना शुरू किया, तो मेरा मूड काफी बेहतर था।

मेरा दोस्त मिट्टी में नहीं बदल रहा था। गेल को ढूंढने के लिए हमारे पास ठोस सुराग थे। और ग्रोवर को क्लोवन एल्डर कहलाना अच्छा लग रहा था। मेरे विचार इधर-उधर भटकने लगे, जैसा कि अक्सर होता है। मैं सोचने लगा कि क्या मुझे उसे संक्षेप में सीई कहना चाहिए? क्या इसका मतलब यह था कि क्लोवन एल्डर बनने से पहले वह ग्रोवर बी.सी.ई. था?
मेरा दिमाग इसी तरह काम करता है। इस अराजकता में आपका स्वागत है।
हमने धीरे-धीरे समय लिया, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि ग्रोवर प्रकृति के साथ अपने जुड़ाव से अभी भी थोड़ा घबराया हुआ था। साथ ही, मैं अपने आस-पास किसी भी जल-प्रेत जैसी चीज़ के प्रति सतर्क रहने की कोशिश कर रही थी। मुझे बस इतना ही महसूस हुआ कि मेरा मूत्राशय भरा हुआ है, जो मददगार नहीं था।
हम ह्यूस्टन स्ट्रीट पार कर गए। नोलीटा से गुज़रते हुए, मुझे वही जानी- पहचानी बेचैनी महसूस हुई जो मुझे डाउनटाउन के इस हिस्से में जाते समय होती थी। इमारतें बहुत नीची थीं, आसमान बहुत खुला था, सड़कें अब पहले जैसी सरल ग्रिड में नहीं थीं। मुझे ऐसा लगा जैसे मैनहट्टन के वो हिस्से जिन्हें मैं सबसे अच्छी तरह जानता था—
अपटाउन, मिडटाउन—वे दोपहर के समय होने वाली भीषण गोलीबारी से ठीक पहले किसी जंगली पश्चिमी शहर के नागरिकों की तरह छिपने के लिए भाग गए थे। जर्सी स्ट्रीट के कोने पर हमें पहली परफ्यूम की दुकान दिखी। वहां से आती खुशबू से मेरी आंखों में पानी आ गया, मानो लाखों फूलों के गुलदस्ते एक साथ डर से चीख रहे हों। अगले ब्लॉक में तीन और परफ्यूम की दुकानें थीं। सड़क पर चल रहे पैदल यात्रियों से भी परफ्यूम की खुशबू आ रही थी, मानो वे दुकानों में घूम रहे हों और उन्हें मुफ्त में परफ्यूम के सैंपल छिड़के गए हों। ग्रोवर को छींक आ गई।
“हाँ,” मैंने सहमति जताई। “ये सारी बदबूदार चीज़ें किसलिए हैं?”
"इस क्षेत्र में दुनिया भर में इत्र की दुकानों की सबसे अधिक संख्या है।" उन्होंने कहा, "मैं यहां आने से बचने की कोशिश करता हूं क्योंकि इससे मेरे साइनस में दर्द होता है।"
मैं रुक गया। "सुगंध।"
ग्रोवर की आँखें चौड़ी हो गईं। “और हम गेल को ढूंढ रहे हैं, जो दुनिया की सबसे बदबूदार नेवला है। यह महज़ संयोग नहीं हो सकता। क्या तुम्हें लगता है कि वह अपनी गंध छिपाने के लिए यहाँ नीचे छिपी हुई है?”

मैंने कहा, "मुझे नहीं पता। शायद। लेकिन जलपरियों का इससे क्या लेना-देना है?"
ग्रोवर के पास कोई जवाब नहीं था, और मैं उसे जवाब जानने के लिए गिलहरियों की फौज बुलाने नहीं देने वाला था। इसके बजाय, हम आगे बढ़ते रहे और इत्र की दुकानों पर ज़्यादा ध्यान देने लगे।
एक बार जब आप उन्हें देख लेते, तो फिर नज़रें हटाना नामुमकिन हो जाता। वे हर जगह थे, जैसे ईस्ट 47 वीं स्ट्रीट पर सोने और गहनों की दुकानें। मुझे कभी समझ नहीं आया कि एक ही चीज़ की इतनी सारी दुकानें इस तरह एक साथ क्यों ठसाठस भरी होती हैं। क्या एक साथ इतनी सारी गहनों की दुकानें देखकर आपको थकान नहीं हो जाएगी? क्या एक ही बार में इतने सारे अलग-अलग परफ्यूम सूंघने की कोशिश में आपकी नाक नहीं थक जाएगी? फिर भी, मुझे कभी समझ नहीं आया कि मैनहट्टन में कोई भी बिना दिवालिया हुए कैसे कोई व्यवसाय चला सकता है। मैंने मन ही मन सर्फिंग की दुकान खोलने के विचार को अपने भावी करियर की सूची से हटा दिया।
एक और ब्लॉक पार करते ही मैं थम गया। सड़क के उस पार एक और इत्र की दुकान थी।
इस जगह का दरवाज़ा सोने से मढ़ा हुआ था और उस पर ग्रीक की पैटर्न बने हुए थे, जिससे लग रहा था कि अंदर कुछ जादुई और ग्रीक जैसा कुछ चल रहा होगा। खिड़कियाँ हर आकार और प्रकार की रंगीन शीशियों से भरी हुई थीं और एक बड़ा पानी का नल था जिससे पाइपों के ज़रिए तरल पदार्थ बुलबुले की तरह निकल रहे थे। एक बड़े कड़ाहे से सूखी बर्फ़ का धुआँ निकल रहा था। शायद यह उनका हैलोवीन का डिस्प्ले था? या शायद यह हमेशा से ऐसा ही था। दरवाज़े के ऊपर मोती जैसे सफ़ेद अक्षरों में जगह का नाम चमक रहा था: AEAEA। मुझे लगता है कि उन्होंने अपना सारा पैसा इसी पर खर्च कर दिया था।
उन्होंने दुकान के बाहरी हिस्से की सजावट पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं जुटाए थे और अपने साइनबोर्ड के लिए किसी भी व्यंजन अक्षर का खर्च वहन करने में असमर्थ थे।
“यह क्या है?” ग्रोवर ने पूछा।
मैंने कहा, "पक्का नहीं पता। क्या उस जगह का नाम आपके लिए कुछ मायने रखता है?"

ग्रोवर ने इसका उच्चारण करने की कोशिश की। "ऐसा लगता है जैसे हेफेस्टस अपने पैर पर हथौड़ा गिराने पर चीख रहा हो।"
मुझे सच में उम्मीद थी कि हेफेस्टस ने ग्रोवर की टिप्पणी नहीं सुनी होगी, क्योंकि हमें एक और देवता को हमसे नाराज करने की जरूरत नहीं थी।
मैंने कहा, "कुछ तो गड़बड़ लग रही है..."
तभी मेरी नज़र सेल्स काउंटर के पीछे खड़ी महिला पर पड़ी, जो एक ग्राहक से बात कर रही थी। वह किसी महंगे स्टोर की आम सेल्सपर्सन जैसी लग रही थी। उसने गहरे नीले रंग की खूबसूरत ड्रेस और सोने के झुमके पहने थे। उसके काले बाल क्लियोपेट्रा स्टाइल में कटे हुए थे। उसने अपने ग्राहक को बड़ी सहजता से मुस्कुराते हुए देखा, मानो वह यह संदेश दे रही हो, "मेरे उत्पाद खरीदो, और शायद तुम भी मेरी तरह खूबसूरत दिखोगी।"
उसमें कुछ जाना-पहचाना सा था... जैसे हम एक ही नदी में खड़े हों, जिसकी धारा सीधी उसकी ओर से मेरी तरफ बह रही हो।
मैंने कहा, "वह एक जलपरी है।"
ग्रोवर ने सिर हिलाया। "तुम सही कह रहे हो। अब मुझे इसका एहसास हो रहा है। वाह, तुम तो कमाल हो।"
“अब हम क्या करें? क्या हम उससे विनम्रता से पूछें कि क्या उसने कभी किसी नेवले को पादते हुए देखा है?”
ग्रोवर ने पीछे हटते हुए कहा, "अगर तुम उसे महसूस कर सकते हो, तो क्या तुम्हें लगता है कि वह तुम्हें महसूस कर सकती है?"
काश उसने ऐसा न कहा होता। मुझे लगता है कि उसकी वजह से मेरे अंदर से कुछ ज़्यादा ही समुद्री देवता जैसी ऊर्जा निकल रही थी। वह महिला मुड़ी और खिड़की से बाहर देखने लगी, मानो उसने किसी को अपना नाम पुकारते सुना हो। हमारी नज़रें मिलीं। उसका चेहरा घृणा से भर उठा। उसने अपने ग्राहक से कुछ कहा—शायद, "माफ़ कीजिए, मुझे किसी को मारना है।" फिर उसने इत्र के कुछ नमूने उठाए और सीधे हमारी ओर बढ़ गई।

□□□□□□

□□! ... □□□□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□

□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□, □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□-□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□, □□□□□□ □□ □□□□□

□□□□□□

मैंने उससे कहा, "शायद मुझसे दूर हट जाओ। अगर वो उस चीज़ को इधर-उधर उछालने लगे तो..."
“ऐसा नहीं होगा।” ग्रोवर दृढ़ता से खड़ा रहा, उसकी मुट्ठियाँ भींची हुई थीं, मानो आज का दिन उसके लिए मौत, गिलहरियों और इत्र को भी हँसकर मात देने का दिन हो।
मैंने अपनी तलवार निकालने के बारे में सोचा। मैं मामले को और बढ़ाना नहीं चाहता था।
इसके अलावा, तलवारें तरल पदार्थों को रोकने में उतनी कारगर नहीं होतीं।
मेरे पास इसके लिए दूसरे तरीके भी थे।
वह महिला हमसे कुछ ही फीट की दूरी पर फुटपाथ के किनारे रुक गई।
वह गुर्राते हुए बोली, "तुम आगे नहीं बढ़ सकते!"
“रुको, मुझे यह लाइन याद है,” मैंने कहा। “यह लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के जादूगर की लाइन है।”
वह क्षण भर के लिए अपनी घातक दृष्टि खो बैठी और असमंजस में पड़ गई। "क्या?" “क्या?” मैंने दोहराया।
“शायद यह दूसरा जादूगर हो,” ग्रोवर ने सुझाव दिया। “उस दूसरी फिल्म वाला।” नहीं, मुझे पूरा यकीन है कि यह—”
“पर्सी जैक्सन!” महिला चिल्लाई। “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई यहाँ अपना चेहरा दिखाने की!”
“ओह, अच्छा, आप मुझे जानते हैं,” मैंने कहा। “अच्छा, उह, सुश्री ऐ-ऐ-ऐ—” “क्या?” उसने फिर पूछा।
“क्या?” मैंने पूछा। “क्या यही आपका नाम नहीं है?”
उसे इस कदर भ्रमित करने की मेरी योजना कि उसका दिमाग चकरा जाए, अच्छी तरह से चल रही थी। उसने मेरी तरफ देखा, फिर अपनी दुकान के साइनबोर्ड की तरफ, फिर ग्रोवर की तरफ, मानो वह सोच रही हो कि एक समझदार दिखने वाला कामुक व्यक्ति इतने मूर्ख व्यक्ति के साथ कैसे घूम सकता है।
“मेरा नाम फिलोमेना है,” उसने दांत पीसते हुए कहा। “एईए मेरा गृह द्वीप था। लेकिन आपको याद भी नहीं होगा, है ना?”
"ओह। उम..."

“उसे सब याद है!” ग्रोवर ने कहा। “वह किसी परिचित का चेहरा कभी नहीं भूलता! उसने मुझे तुम्हारे बारे में सब कुछ बताया। तुमने उसकी मदद की थी... एईए द्वीप पर! जब वह एईए द्वीप पर था, जहाँ से तुम हो।”
उसने इतनी ज़ोर से सिर हिलाया कि मुझे लगा कहीं उसके सींग ही न गिर जाएँ। शायद उसे लगा कि वह अपने उत्साह से उसे यकीन दिला सकता है।
“मैंने उसकी कभी मदद नहीं की,” उसने गुस्से से कहा। “मैं उसकी दोस्त नहीं थी।”
“ओह, वो दुश्मन का चेहरा भी कभी नहीं भूलता!” ग्रोवर ने कहा। “मेरा मतलब यही था।”
फिलोमेना ने मेरी ओर उंगली हिलाई, जो शीशियों का गुच्छा पकड़े हुए करना आसान नहीं रहा होगा। "मेरी बहनें और मैं तुम्हारा दखल बर्दाश्त नहीं करेंगे।"
अगर आपको लगता है कि आप मुझे नेवले के साथ मेरा मौका छीन लेंगे—”
“अब तुम्हारी बारी?” मैंने पूछा। “बहनें?”
"यह नेवला नहीं है," ग्रोवर ने बुदबुदाते हुए कहा, लेकिन मैंने उसे चुप रहने के लिए कोहनी मारी।
मैंने पूछा, "गेल कहाँ है?"
“क्या तुम जानना नहीं चाहोगे!” वह चिल्लाई।
“मैंने अभी-अभी कुछ ऐसा ही कहा था। माफ कीजिए, आप मुझे कैसे जानते हैं? मुझे पता है कि मैंने किसी बात पर आपको ठेस पहुंचाई है, और मैं उसके लिए माफी मांगता हूं, लेकिन मैं तो बहुत से लोगों को ठेस पहुंचाता हूं—” “बाह!” उसने मुट्ठी भर शीशियाँ हमारे पैरों पर फेंक दीं।
मेरी पहली प्रतिक्रिया ग्रोवर और खतरे के बीच खुद को खड़ा करने की थी। ग्रोवर की पहली प्रतिक्रिया भी मेरे और उसी खतरे के बीच खुद को खड़ा करने की थी। हम दोनों एक-दूसरे से टकरा गए और सीधे छींटों के क्षेत्र में आ गए। पांच अलग-अलग सुगंधें कमर से नीचे तक हम पर बिखर गईं। हमारे चारों ओर एक जहरीला बैंगनी कोहरा उठने लगा। मैंने होश संभाला और चिल्लाया, "एएएए!" (क्योंकि यह मेरे दिमाग में था), और मैंने उस औषधि के धुंध को वापस फिलोमेना की ओर फेंक दिया।
“आह!” उसने शिकायत की, अब वह जादुई चीज़ से सिर से पैर तक रंगी हुई थी। “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई!”

वह गुलाब की खुशबू से भरी एक महीन धुंध में बदल गई। उसकी बाकी शीशियाँ डामर पर खटकती हुई गिरीं और पास के नाले में लुढ़क गईं।
ग्रोवर और मैंने एक-दूसरे की तरफ देखा। हमारे पैरों से धुआं निकलने लगा था।
मैंने गुस्से में बड़बड़ाया, फिर पूरी एकाग्रता से अपने दोस्त के शरीर से सारा तरल पदार्थ सोखने की कोशिश की। उसके कार्गो शॉर्ट्स और फर से बूंदें मधुमक्खियों के झुंड की तरह उड़ने लगीं। शायद मैं जोश में बह गया था, क्योंकि उसके रोमछिद्रों से भी पसीना निकलने लगा। उसकी आँखों से आंसू बहने लगे। मैंने पसीने के उस बादल को फुटपाथ पर फेंक दिया।
मेरे खून में झनझनाहट होने लगी थी। मेरी त्वचा जलने लगी थी। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपनी बची हुई सारी ताकत लगाकर उस तरल पदार्थ को अपने शरीर से बाहर निकाल दिया।
मुझे होश ही नहीं आया, मैं फुटपाथ पर बेहोश पड़ा था। ग्रोवर मुझे हिला रहा था।
“अरे, अरे, उठो,” उसने कहा।
मेरी आँखें खुल गईं। “क्या…? क्या हम अभी भी ज़िंदा हैं?”
“आपकी वजह से,” उसने कहा। “आपको कैसा लग रहा है?”
मुझे बहुत प्यास लगी है।
“हाँ। मुझे लगता है तुमने हमें प्यासा कर दिया है। ये लो।” उसने मुझे एक गेटोरेड पकड़ा दिया।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "यह तुम्हें कहाँ से मिला? मैं कितनी देर बेहोश था?"
लगभग एक घंटा।
"क्या?!"
ये कहते ही मेरे होंठ फटने लगे। मुझे तेज सिरदर्द हो रहा था। मैंने बस अपना गेटोरेड पीने का फैसला किया।
ग्रोवर ने मुझे आई ड्रॉप्स और कुछ लिप बाम दिए। उन्होंने कहा, "मैं अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज़ करने की कोशिश कर रहा था। शुक्र है कि आप हमें दवा की दुकान के ठीक बगल में प्यास से बेहाल कर रहे हैं।"

मैंने आह भरी। मैनहट्टन में दवा की दुकान ढूंढना मुश्किल नहीं था। शहर के लगभग हर इलाके में एक दुकान थी। ग्रोवर और मैं फुटपाथ पर साथ बैठे और सहारा रेगिस्तान जैसी ठंड से उबरने की कोशिश करने लगे।
“क्या फिलोमेना ने…? क्या मैंने उसे भाप बना दिया?” मैंने पूछा।
जलपरी का व्यवहार उतना दोस्ताना नहीं था, लेकिन फिर भी मुझे उसे गलती से आकाश में स्थित महान जल स्रोत या जहाँ भी जलपरियाँ पुनर्जन्म लेने जाती हैं, वहाँ भेजने का विचार पसंद नहीं आया।
ग्रोवर सिहर उठा। "अगर तुमने इतनी जल्दी कार्रवाई न की होती, तो वह हमें भाप बनाकर उड़ा देती।"
मैंने नमकीन बूंदों की पूरी बोतल अपनी आँखों में डाल ली। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैंने पिछला एक घंटा किसी भट्टी को घूरते हुए बिताया हो।
“हमें यह पता लगाना होगा कि वह किस बारे में बात कर रही थी। उसने कहा कि उसकी बहनें हैं। उसने गेल का ज़िक्र किया। आपको क्या लगता है…?” मैंने परफ्यूम की दुकान की ओर इशारा किया।
ग्रोवर ने कहा, "किसी और ने बाहर आकर हमें मारने की कोशिश नहीं की है। लेकिन अगर गेल अंदर है, तो हमें जाँच करनी चाहिए। क्या हमें पहले सुरक्षात्मक उपकरण खरीदने चाहिए?"
रेनकोट? छाते?
उन्होंने मुझे उठने में मदद की।
“नहीं,” मैंने कहा। “अगर कोई और जादुई दवाइयां फेंकना शुरू करेगा, तो मैं उन पर पूरी तरह से कहर बरपा दूंगा।”
ये शब्द तो लड़ाई जैसे लग रहे थे। सड़क पार करके ऐया में घुसते हुए, युद्ध के लिए तैयार होकर, मैंने कितना वीर भाव महसूस किया, लेकिन वहाँ पहुँचकर देखा कि वहाँ एक हरे बालों वाला कॉलेज की उम्र का सेल्समैन था, जो अपने फोन पर टाइप करते हुए "सो यस्टरडे" के वायलिन संस्करण की धुन गुनगुना रहा था, और वहाँ सब खाली था?
बिल्कुल सही। मुझे काफी वीरतापूर्ण महसूस हुआ।
“अरे, मुझे यह गाना बहुत पसंद है!” ग्रोवर ने कहा।
मैंने कहा, "चुप रहो। मैं डराने की कोशिश कर रहा हूँ।"
मैं हरे बालों वाले आदमी के पास गया, जिसने मेरी तरफ देखा और आह भरी, फिर दरवाजे की तरफ तिरछी नज़र से देखा जैसे मेरे पीछे कोई और दिलचस्प आदमी आ

रहा हो। "मुझे लगा आप मेरी बॉस हैं। वो करीब एक घंटे पहले चली गई हैं, और मुझे लंच ब्रेक पर जाना है।" उसने कुछ सेकंड तक टाइप किया, फिर शायद उसे याद आया कि उसे काम करना है। उसने ऊपर देखा और कहा, "आपकी मदद करूँ?" दोस्ताना अंदाज़ में नहीं। बल्कि इस तरह से जैसे, ज़ाहिर है तुम महंगे परफ्यूम नहीं खरीदोगे, बच्चे; क्या तुम मुझे परेशान करना बंद कर सकते हो? मैंने अनुमान लगाया, "तुम्हारी बॉस फिलोमेना है।"
“शायद ऐसा ही है।” उसने आह भरी। “ओह, कृपया मुझे बताएं कि आप उसकी दोस्त नहीं हैं।”
उन्होंने यह बात ऐसे कही मानो यह शारीरिक रूप से असंभव हो।
मैंने पूछा, "क्या उसकी बहनें यहाँ काम करती हैं?"
वह इतना हैरान हुआ कि उसने अपना फोन ही नीचे रख दिया। "क्या तुम मजाक कर रहे हो?"
क्या उसकी बहनें हैं? यह तो उनके लिए बहुत दुख की बात है।
“मैं इसे ना मान लेता हूँ। और मुझे नहीं लगता कि आपकी दुकान में कोई नेवला है?”
“क्या?” हरे बालों वाले व्यक्ति ने पूछा।
ग्रोवर ने बीच में कहा, "यह एक प्रकार का मस्टेलिड है। कुछ-कुछ नेवले जैसा दिखता है, लेकिन आप उनकी आंखों के आसपास के बालों के पैटर्न से अंतर बता सकते हैं।"
मुझे शक था कि ग्रीन हेयर का दिमाग मस्टेलिड शब्द के आसपास कहीं काम करना बंद कर दिया था।
“उम, नहीं,” उसने कहा। “कोई नेवला नहीं।”
मैं उस जगह की तलाशी लेने की मांग कर सकता था, लेकिन मुझे विश्वास था कि ग्रीन हेयर सच कह रहा है। वह झूठ बोलने में समय बर्बाद करने के लिए बहुत ही उदासीन लग रहा था। अगर वह छुपकर कोई राक्षस था, तो मैं ऐसे और राक्षसों से मिलना चाहता था, जिन्हें कोई परवाह नहीं, अपने काम से नफरत और लंच ब्रेक पर जाने की इच्छा हो।
“कोई बात नहीं,” मैंने कहा। “क्या पिछले कुछ दिनों में दुकान में कुछ अलग सा बदलाव आया है?”

हरे बालों वाले व्यक्ति ने नाक सिकोड़ी। "तुम्हारा मतलब हमारे नए उत्पाद लाइन के अलावा?" उसने लगभग खाली डिस्प्ले टेबल की ओर इशारा किया। उस पर केवल एक ही चीज़ रखी थी।
एक छोटा सा पोस्टर जिस पर लिखा था, "एईएईए द्वारा चमत्कार"।
“चमत्कार क्या है?”
“मुझे नहीं पता,” ग्रीन हेयर ने शिकायत की। “पिछले दो दिनों से यह लगभग दस मिनट में बिक जाता है। इसे लगाने से तो लोग बेहद आकर्षित हो जाते हैं, लेकिन मुझे तो कभी इसका एक भी सैंपल नहीं मिला।”
मैंने ग्रोवर की ओर भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "तुम्हें लगता है कि उसने हम पर यही डाला था?"
ग्रीन हेयर ने नाक सिकोड़ी। “फिलोमेना ने तुम पर कुछ छिड़का है? लगता नहीं मिरेकल ही होगा। वो तो सोने से भी ज़्यादा कीमती है। तुम्हारी गंध तो…” उसने नाक सिकोड़ी। “ड्राई नंबर टू जैसी है।”
बेशक, मुझ पर ड्राई नंबर टू से पानी की बौछार की जाएगी।
“तो मुझे अंदाज़ा लगाने दीजिए,” मैंने कहा। “फिलोमेना ने मंगलवार को मिरेकल का निर्माण शुरू किया?”
ग्रीन हेयर ने वापस अपने फोन की स्क्रीन पर ध्यान दिया। "शायद। आपको लगेगा कि कोई नया हिट प्रोडक्ट होने से वह खुश होगी, लेकिन वह पहले से भी ज्यादा चिड़चिड़ी हो गई है। शेयर करने को लेकर लगातार बड़बड़ाती रहती है।" ग्रोवर और मेरी नज़रें मिलीं। मुझे लगने लगा था कि हमारे नेवला दोस्त का इस्तेमाल किसी कुटिल जलपरी पूंजीवाद के लिए किया जा रहा है, हालांकि मुझे यह ठीक से समझ नहीं आ रहा था कि कैसे।
मैंने पूछा, "फिलोमेना किसके साथ अपना सामान साझा करेगी?"
“बिल्कुल कोई नहीं!” ग्रीन हेयर ने कहा।
“क्या उसके प्रतियोगी हैं?”
“सब लोग! लेकिन उसे यह जगह बिल्कुल पसंद नहीं है।” ग्रीन हेयर ने अपनी कमीज़ की जेब से एक बिज़नेस कार्ड निकाला और मुझे नाम दिखाया: फैंसी वॉटर। “ये यहाँ से दो ब्लॉक दूर है। मैं ये कार्ड हमेशा संभाल कर रखता हूँ ताकि जब वो मुझे नौकरी से निकाल दे तो मैं वहाँ काम करने चला जाऊँ। उसे सबक मिल जाएगा।”
“कोई ऐसा जिससे वह नफरत करती हो…” ग्रोवर सोचने लगा। “शायद कोई बहन?”

“मैं तुमसे गुलाब की खुशबू वाले घुलने वाले तरल की एक शीशी की शर्त लगाता हूँ,” मैंने सहमति जताई। फिर हरे बालों वाले व्यक्ति से कहा: “आज के लिए दुकान बंद कर दो। मुझे नहीं लगता कि फिलोमेना तुम्हारे लंच ब्रेक तक वापस आ पाएगी।”

बीस
हम खतरनाक हद तक दिखावटी हो जाते हैं
फैंसी वाटर नामक परफ्यूम की दुकान पर मुझे जितनी उम्मीद थी, उतनी ही भीड़ थी... यानी बिल्कुल भी नहीं।
ग्रोवर और मैं सड़क के दूसरी तरफ से उस जगह को देख रहे थे। कोई अंदर नहीं गया।
कोई बाहर नहीं निकला। किसी ने हमें अजीब नज़रों से नहीं देखा। किसी ने भी हमारी तरफ़ पाद नहीं मारा।

इसका बाहरी हिस्सा एईए के बाहरी हिस्से से कहीं अधिक सादा था। बड़ी-बड़ी खिड़कियों के बजाय, मुख्य प्रवेश द्वार पूरी तरह से धुंधले शीशे से बना था। मैं अंदर नहीं देख सकता था और मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि अंदर क्या हमारा इंतजार कर रहा होगा, जो हमें मार डालेगा या हम पर सुगंधित पदार्थ छिड़क देगा।
हालांकि, मुझे आस-पास किसी जलपरी का आभास हुआ। यह ऐसी चीज नहीं थी जिसे मैं आमतौर पर नोटिस करता। मतलब, मैं सड़क पर चलते हुए पोकेमोन गेम की तरह चमकते हुए नीले बिंदुओं को अचानक प्रकट होते नहीं देखता। लेकिन जब मुझे जलपरियों पर नजर रखने के लिए कहा गया, तो मैं उस स्थिति में आ गया। जब मैं उनके काफी करीब पहुंचा, तो मुझे उनकी उपस्थिति का एहसास हुआ, मानो मैं किसी ऐसे सूक्ष्म वातावरण में आ गया हूं जहां वायु दाब थोड़ा अलग है।
मैंने कहा, "वहाँ एक जलपरी है। क्या तुम्हें गेल का ज़रा भी आभास हो रहा है?"
ग्रोवर ने frowning करते हुए कहा, "मेरे पास नेवले को पहचानने की क्षमता नहीं है।"
“पोलकैट।”
"अरे, बस करो।"
मैं मुस्कुराया। अपनी सामान्य हंसी-मजाक पर वापस लौटना अच्छा लगा, भले ही हम इत्र से संबंधित एक खतरनाक निगरानी मिशन पर थे।
मुझे पता था कि हमें सीधे दुकान में घुस जाना चाहिए। दिन बेकार जा रहा था, और किसी जंगली जानवर की जान खतरे में हो सकती थी। फिर भी मैं हिचकिचा रहा था। शायद बाल-बाल बचने ने मुझे सतर्क कर दिया था। या शायद उम्र बढ़ने के साथ-साथ मैं सावधान रहना सीख रहा था। नहीं, शायद यह बात नहीं थी।
मैंने कहा, "मैं गेल के अतीत के बारे में सोच रहा था। वह एक नश्वर चुड़ैल थी, है ना? जाहिर तौर पर जादुई औषधि बनाने में बहुत माहिर थी।"
ग्रोवर ने सिर हिलाया। "तो शायद वह यहाँ छिपने की जगह की तलाश में आई थी। फिलोमेना को उसकी पहचान पता चल गई। अगर फिलोमेना उसे मिरेकल नाम का कोई उत्पाद बनाने का काम दे दे, तो गेल खूब पैसा कमा सकती है।"
मैंने इस पर विचार किया। "अगर गेल को सराहना महसूस होती है, तो शायद वह जाना नहीं चाहेगी।"
और अगर इसमें तीन और औषधि फेंकने वाली जलपरियां शामिल हों तो..."

ग्रोवर कांप उठा। “हालात बिगड़ सकते हैं। क्या हम वाकई कुछ रेन पोंचो नहीं खरीदना चाहते?”
काश मुझे यूनानी जादू-टोने के बारे में और अधिक जानकारी होती। मैं आमतौर पर ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए जादूगर को जल्द से जल्द चाकू मार देता था और/या भाग जाता था। लेकिन चुड़ैल कितनी जल्दी जादू कर सकती है, वह किस चीज से जादू कर सकती है और ऐसे जादू से कैसे बचा जा सकता है, इन सब बातों से मैं पूरी तरह अनजान था।
मैंने फैसला किया, "मुझे नहीं लगता कि वाटरप्रूफ कपड़े काफी होंगे। यह एक दुकान है, है ना? अंदर जो भी हो, जरूरी नहीं कि वे हमें जानते हों।"
चलिए, हम ग्राहक होने का नाटक करते हैं।
"सिवाय फिलोमेना के, जिसने तुम्हें पहचान लिया।"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "ठीक है। और मुझे बिल्कुल नहीं पता कि हम कहाँ मिले थे। क्या आपको पता है?"
ग्रोवर ने सिर हिलाया। “ऐसा लग रहा था कि वह तुम्हें जानती है, मुझे नहीं। मैं अकेले अंदर जा सकता था।”
“बिल्कुल नहीं।” मैंने सोचने की कोशिश की। एनाबेथ के बिना, जो मेरे लिए 90 प्रतिशत काम करती थी, यह आसान नहीं था। “चलो बस दिखावा करते हैं। हम उपहार की तलाश में जाते हैं। अगर कोई जलपरी मुझे पहचान लेती है, तो मैं तुरंत कुछ सोच लूंगा।”
ग्रोवर ने अपने सींग खुजलाए। "मुझे पहल करने दो। मैं तुम्हारी तात्कालिक प्रतिभा की आलोचना नहीं कर रहा, लेकिन..."
“ठीक है,” मैंने कहा। “हम यह कर सकते हैं।”
मैंने यह इसलिए नहीं कहा क्योंकि मुझे इस पर विश्वास था, बल्कि इसलिए कहा क्योंकि 1) मैं चाहता था कि यह सच हो, और 2) मैं अधीर था और मुझे कुछ करने की जरूरत थी, भले ही वह कुछ खतरनाक हो।
हम सड़क पार करके टहलने लगे।
ग्रोवर ने दरवाजा धक्का देकर खोला, जिससे एक हल्की सी इलेक्ट्रॉनिक स्वागत ध्वनि निकली। अंदर आते ही गंध की विशाल दीवार ने मुझे झकझोर दिया— पचौली, अदरक और कद्दू की इतनी तेज़ गंध थी कि मेरी आँखों में पानी आ गया। धुंध के बीच से मुझे कुछ कांच के डिस्प्ले काउंटर, दो सैलून कुर्सियाँ और पीछे कैश रजिस्टर के पास एक महिला पत्रिका पढ़ती हुई दिखाई दी। वह

फिलोमेना जैसी ही दिखती थी, बस उसके काले बाल थोड़े लंबे थे। उसने गुलाबी पोशाक के ऊपर कॉस्मेटिक्स लैब का कोट पहना हुआ था और उसकी आँखों पर कछुए के खोल जैसे रंग के धूप के चश्मे लगे थे, शायद इसलिए कि इस जगह की गंध इतनी तेज़ थी कि आँखों को चुभ रही थी।
“स्वागत है,” उसने अपनी पत्रिका से नज़रें उठाए बिना कहा। उसकी आवाज़ में उदासी थी, मानो उसे बिक्री में गिरावट की आदत हो गई हो। “अगर मैं आपकी किसी भी तरह से मदद कर सकूँ तो मुझे बताइएगा।”
“धन्यवाद,” ग्रोवर ने कहा।
मैंने दुकान का जायजा लिया। वहाँ कोई नेवला नहीं था। न ही कच्चे मुर्गे के कंकाल थे, न ही नेवले के टुकड़ों से भरे थैले। जगह खाली-खाली और कुछ हद तक नीरस थी।
निराशाजनक, लेकिन वो सेल्स लेडी सचमुच जलपरी थी। मुझे उससे निकलती जल ऊर्जा नदी की धारा की तरह महसूस हो रही थी। अभी तक तो उसे मेरी मौजूदगी का एहसास नहीं हुआ था। मैं यही चाहता था।
ग्रोवर मुस्कुराते हुए काउंटर की ओर बढ़ा। “मैं एक उपहार ढूंढ रहा हूँ। अपनी प्रेमिका के लिए। क्या वह जुनिपर की झाड़ी है?”
उस महिला ने मुझे हैरानी से देखा। मैं कमरे के दूसरी तरफ था, दिखावा कर रहा था कि मैं कुछ देख रहा हूँ, लेकिन मेरी नज़र के कोने से मैंने देखा कि वह ग्रोवर को फिर से परख रही थी, यह महसूस कर रही थी कि वह एक कामुक प्राणी है, और फिर ग्रीक पौराणिक कथाओं के अंदाज़ में सोचने लगी, जैसे, ठीक है, तुम जादुई हो, मैं जादुई हूँ, चलो सौदा करते हैं।
“मैं समझ गई।” उसने सावधानी भरी मुस्कान के साथ कहा। “एक जुनिपर अप्सरा! क्या अवसर है? क्या आज उसका फूल खिलने का दिन है?”
“नहीं, बस सैटर्नलिया का एक शुरुआती तोहफा,” ग्रोवर ने कहा। “अगर मैं छुट्टियों की खरीदारी पहले से नहीं करती, तो मैं परेशान हो जाती हूँ।” “ओह, मैं समझ गई! बहुत अच्छा लगा। क्या आप पहले भी दुकान में आए हैं? मुझे याद नहीं आ रहा।”
“नहीं, लेकिन मैंने उनके बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं। ग्रोवर अंडरवुड, क्लोवन एल्डर।”
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। कुछ पल के आश्चर्य के बाद, उसने उसका हाथ मिलाया।

“एक क्लोवन एल्डर।” उनकी मुस्कान थोड़ी सी गर्म हुई। “यह मेरे लिए सम्मान की बात है।”
“और आपका नाम… फैंसी है?” उसने अनुमान लगाया। “मैंने सुना है कि आप सबसे बढ़िया पानी बनाती हैं।”
उसने अपने होंठ ऐसे सिकोड़ लिए जैसे वह विनम्रता बनाए रखने की कोशिश कर रही हो और वीआईपी पर चिल्लाना नहीं चाहती हो। मेरा हाथ रिपटाइड की ओर बढ़ा, कहीं कुछ गड़बड़ न हो जाए, लेकिन ग्रोवर एक सीधे-सादे बेवकूफ की तरह व्यवहार कर रहा था, जो आमतौर पर मेरी भूमिका होती थी।
"दरअसल, यह सिल्बे है," जलपरी ने कहा।
“सिल्वी।”
नहीं, सिल- बी, बी के साथ।
“बिल्कुल,” ग्रोवर ने कहा। “यह तो बहुत ही शानदार है। तो, मेरे जुनिपर के लिए आप क्या सुझाव देंगे?”
“चलिए देखते हैं।” सिल्बे ने डिस्प्ले केसों पर नज़र डाली। “जुनिपर खट्टे फलों के साथ अच्छा लगता है... जैसे कि अंगूर या संतरा?”
ग्रोवर ने कहा, "खट्टे फल खाने से मुझे छींक आती है।"
कई चीजों से ग्रोवर को छींक आती थी। मुझे लगता था कि उसे यह जानकारी साझा करने की ज़रूरत नहीं थी। मुझे डर था कि वह भूल गया होगा कि हम यहाँ क्यों आए हैं और कहीं हम सैटर्नलिया का उपहार लेकर ही न चले जाएँ।
“ठीक है,” सिल्बे ने कहा। “उस पर छींकना बिल्कुल भी रोमांटिक नहीं होगा!” उसकी नज़र उस डिब्बे पर पड़ी जहाँ मैं खड़ा होकर छुपकर बातें सुनने की कोशिश कर रहा था।
बिना ज्यादा स्पष्ट हुए। सिल्बे की नजरें मेरी नजरों से मिलीं। उसके चेहरे पर संदेह के भाव साफ झलक रहे थे।
“आप जाने-पहचाने लग रहे हैं,” उसने कहा। “मुझे यकीन है कि हम पहले मिल चुके हैं।”
“हम्म?” मैंने धीरे से कहा। “हम्म… हम्म…”
वाक्पटुता मेरी महाशक्तियों में से एक है।
“ओह, वह अक्सर मेरे साथ घूमता रहता है,” ग्रोवर ने कहा। “वह कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं है।”

आह! मैंने सोचा। लेकिन उसकी आवाज़ ने ही असर कर दिया। सिल्बे ने अपना ध्यान फिर से डिस्प्ले केस पर लगाया। "अच्छा, शायद कोई और लकड़ी की खुशबू, जैसे सरू की।"
“यह तो बढ़िया लग रहा है,” ग्रोवर ने सहमति जताते हुए कहा। “हालांकि मैंने सुना है कि बाज़ार में कुछ नया आया है। कुछ बहुत ही खास। मुझे पूरा यकीन है कि मेरे एक दोस्त ने हाल ही में यहाँ से एक बोतल खरीदी थी। उसका नाम 'मिरेकल' है?”
सिल्बे पीछे हट गई। “हम यहाँ वो सब नहीं बेचते। घटिया नकली जादू। आप मुझे मेरी बहन फिलोमेना समझ रही होंगी। अगर आपको ऐसी घटिया चीज़ें चाहिए, तो उसकी दुकान यहीं पास में है—”
“ओह, मेरी गलती!” ग्रोवर ने झट से कहा। “माफ़ कीजिए, माफ़ कीजिए। मेरे दोस्त ने मुझे मिरेकल से दूर रहने को कहा था। मुझे अब याद आया। उन्होंने कहा था कि आपके पास इससे कहीं बेहतर चीज़ है।”
सिल्बे हिचकिचा रही थी। मैं समझ सकती थी कि वह कई तरह की भावनाओं से जूझ रही थी: नाराजगी, संदेह, लेकिन साथ ही दिखावा करने और बिक्री करने की जरूरत भी।
“मिरेकल एक प्रेम औषधि का धोखा है,” उसने बड़बड़ाते हुए कहा। “मैं ऐसे घटिया नुस्खे पर अपना समय कभी बर्बाद नहीं करूंगी। मेरा नया उत्पाद कहीं अधिक विशिष्ट है।”
हमारे पास अब बस कुछ ही शीशियाँ बची हैं।"
वह मेरे डिस्प्ले केस की ओर चली और लगभग मुझे दीवार से सटा दिया।
ग्रोवर ने मुझे घबराहट भरी नजरों से देखा, फिर उसके पीछे-पीछे दौड़ने लगा। सबसे नीचे वाली शेल्फ से सिल्बे ने एक छोटा नीला डिब्बा निकाला। ढक्कन पर सुनहरे अक्षरों में 'स्पेलबाउंड' लिखा हुआ था।
“ओह,” ग्रोवर ने कहा। “शानदार।”
“जी हां,” सिल्बे ने कहा। “यह एक प्राचीन नुस्खा है, जिसे औषधियां बनाने वाले सर्वोत्कृष्ट रसायनशास्त्रियों में से एक ने तैयार किया था। इसे पुनः खोजा गया है… दरअसल, इसी सप्ताह। यह फैंसी वाटर का एक विशेष उत्पाद है।”
मैंने पूछा, "आपने इस रेसिपी को दोबारा कैसे खोजा?"

मुझे तुरंत एहसास हो गया कि बोलकर मैंने गलती कर दी है। सिल्बे की आंखें सिकुड़ गईं।
“यह महत्वपूर्ण नहीं है,” उसने कहा।
हमारे बीच की हवा झिलमिलाने लगी, पानी की बूंदें बारीक धुंध में तब्दील हो गईं। इससे पहले कि हम एक छोटी-सी बारिश शुरू कर पाते, ग्रोवर ने हस्तक्षेप किया। “मैं
मुझे यह बहुत पसंद आया! इसकी कीमत कितनी है?
सिल्बे मुस्कुराई। "क्लोवन एल्डर के लिए, मुझे यकीन है कि हम मित्र और वन छूट की व्यवस्था कर सकते हैं। केवल एक हजार स्वर्ण ड्रैक्मा।"
ग्रोवर ने घबराकर कहा, "क्या बढ़िया सौदा है!" उसकी आवाज़ ऐसी लग रही थी जैसे उसने हीलियम गैस पी ली हो। "क्या आप इसे गिफ्ट रैप कर सकते हैं?" “बिल्कुल,” सिल्बे ने कहा। “लेकिन पहले, आपको खुद उस खुशबू को चखकर देखना चाहिए, ताकि आप यह सुनिश्चित कर सकें कि आपकी प्रेमिका को वह पसंद आएगी या नहीं।”
उसने डिब्बा खोला और उसमें से एक चमकदार नीली शीशी निकाली, जिसके ऊपर एक स्प्रे ढक्कन लगा हुआ था।
उसने उसे ग्रोवर की ओर निशाना बनाया, जो सहज रूप से पीछे हट गया। "उम..." “ओह, आप सही कह रहे हैं,” सिल्बे ने माफी मांगते हुए कहा। “स्पेलबाउंड के लिए आपका केमिस्ट्री प्रोफाइल सही नहीं है। आपका यह दोस्त एक बेहतर परीक्षण विषय है।”
इससे पहले कि मैं कह पाती कि नीला रंग मुझ पर जचता नहीं, उसने मेरे चेहरे पर ही परफ्यूम छिड़क दिया।
मैं मानती हूँ—उसने मुझे हरा दिया। वो चीज़ मेरी नाक, आँखों और मुँह में चली गई। उसका स्वाद बिल्कुल वैसा ही था जैसा मैंने गेल के नेवले के लिए बने बिस्कुट का सोचा था, जो कि अच्छा नहीं था।
“देखो, महिला,” मैंने कहा। फिर मेरा मुंह सुन्न हो गया। मेरी बाहें रेत की बोरियों जैसी हो गईं। मेरे पैर लड़खड़ा गए। मैं एक तरफ ज़मीन पर गिर पड़ा, पूरी तरह लकवाग्रस्त।
“बिल्कुल सही।” सिल्बे मेरे ऊपर घुटनों के बल बैठ गई, जबकि ग्रोवर डर के मारे पीछे हट गया।

“□□□□ □□ □□□ □ □□□, □□□□□ □□□□□□,” □□□□ □□□□ “□□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□”

□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□ □□, □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□!

□□□□□□

□□□□□□ □□ □□□□-□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□, □□□, □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□

□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□-□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□

□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□, □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□

“□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□!” □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ “□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□!”

उसने ग्रोवर की ओर मुस्कुराते हुए कहा, "अच्छा है, है ना? मैं कुछ ताकतवर इन्फ्लुएंसर्स को काम पर रखने की सोच रही हूँ, उनसे कुछ देवताओं को लकवाग्रस्त करवाकर उसका लाइव प्रसारण करवाऊँगी।"
“नहीं!” ग्रोवर चिल्लाया। “नहीं, यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं है! इसके लिए एक हजार सोने के ड्रैक्मा कौन देगा?”
उन्होंने मेरी ओर इशारा किया। मैंने नाराज़ न होने की कोशिश की। मैंने सोचा कि वह मेरी स्थिति के बारे में बात कर रहे थे, न कि मेरे बारे में। “अरे, आपको आश्चर्य होगा,” सिल्बे ने कहा। “यह सब विशिष्टता के बारे में है। बहुत कम ग्राहकों के पास स्पेलबाउंड जैसा शक्तिशाली अमृत है। मैं कई लोगों के बारे में सोच सकता हूँ जो इस विशेष नायक को एक असहाय वस्तु में बदलने के लिए पैसे देने को तैयार होंगे—”
“अरे!” ग्रोवर ने विरोध किया। “वह मेरा दोस्त है। मैंने मजाक नहीं किया था जब मैंने कहा था कि मैं क्लोवन एल्डर हूँ! तुम उसे अभी ठीक करो वरना—” सिल्बे हँसी। “आप जा सकते हैं, श्रीमान क्लोवन एल्डर। मैं आपकी महिला मित्र के लिए सरू के इत्र का एक डिब्बा मुफ़्त में दे दूँगी। मुझे आपसे कोई समस्या नहीं है। आप वहाँ नहीं थे—”
“कहाँ?” ग्रोवर ने पूछा। “उसने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था?”
“क्या तुम सच में ऐसा कह रहे हो?!” सिल्बे चीख पड़ी।
मेरी उंगलियों में झुनझुनी होने लगी थी। मुझे लगा कि ग्रोवर समय बिता रहा है, उम्मीद कर रहा है कि परफ्यूम का असर जल्द ही खत्म हो जाएगा। अगर यह काम कर जाता तो अच्छी रणनीति होती। अफसोस की बात है कि सिल्बी के हाथ में अभी भी स्पेलबाउंड का सैंपलर था, और एक और बार परफ्यूम छिड़कने से ग्रोवर मेरे बगल में ज़मीन पर गिर जाता। मैंने अपना हाथ हिलाने की कोशिश की। लेकिन मेरी उंगली फड़कने लगी। शायद अगर मैं और ज़्यादा लार टपकाऊं, या डर के मारे अपने दिल की धड़कन तेज़ कर लूं... ये सब मैं कर सकती थी।
सिल्बे ने घृणा से अपना सिर हिलाया। "उसने तुम्हें कभी बताया तक नहीं, है ना? हम शायद उसके लिए कुछ और आकस्मिक शिकार थे, कुछ और जिंदगियां जिन्हें उसने नायक बनने की राह में तबाह कर दिया।"
“वीरता कोई वास्तविक शब्द नहीं है,” ग्रोवर ने कहा। उसने मेरी तरफ देखा। “क्या सच में है?”
मेरे मुंह से बेवजह लार टपकने लगी।

अब मुझे मोजे के अंदर अपनी सारी उंगलियां महसूस हो रही थीं। किस्मत अच्छी रही तो शायद मैं सिल्बे के टखने पर लात मार सकूं।
“मैं इस झंझट में नहीं पड़ूंगी,” सिल्बे बड़बड़ाई। “जुड़वां बच्चे और फिलोमेना सोचते हैं कि हमारे नए नौकर का इस्तेमाल करना सिर्फ उन्हें ही आता है? मैं उन्हें दिखा दूंगी! जब वे देखेंगे कि मैंने स्पेलबाउंड के साथ क्या किया, तब तो उन्हें मुझे उस चुड़ैल के साथ और समय देना ही पड़ेगा।” “चुड़ैल,” ग्रोवर ने कहा। “गेल।”
सिल्बे ने नाक सिकोड़ी। “बिल्कुल गेल। ज़िंदगी में दूसरा मौका बार-बार नहीं मिलता, खासकर एक जादुई नेवले के रूप में। मैं इसका पूरा फायदा उठाऊंगी! अब जाओ, सैटायर, जब तक तुम जा सकते हो।”
उसने मेरी तरफ देखा। मैंने आँख मारी, क्योंकि मैं बस इतना ही कर सकती थी। मुझे उम्मीद थी कि इससे उसे यह संदेश मिल जाएगा कि मेरा लकवा धीरे-धीरे कम हो रहा है। काश वह मुझे कुछ और समय दे पाता, जैसे कुछ घंटे...
“ठीक है!” ग्रोवर ने कहा। “लेकिन मुझे उपहार लपेटने की सुविधा चाहिए!” वह कामुक नायक था जिसे मैं जानता था और प्यार करता था - जो उपहार लपेटने की मांग करके हमारे दुश्मनों को डराता था।
सिल्बे ने आंखें घुमाईं। "बहुत खूब। मुझे लगता है मेरे पास है... देखते हैं। मैं अभी आती हूँ।"
जब वह पीछे वाले कमरे में गई तो मुझे उसकी ऊँची एड़ी के जूतों की आवाज़ सुनाई दी। ग्रोवर मेरे बगल में घुटनों के बल बैठ गया, मेरे चेहरे पर एक थप्पड़ मारा और सिसकते हुए बोला, "पर्सी?"
"पर्सी, अनफ्रीज़ हो जाओ!" मानो मैंने खुद यह न सोचा हो। उसने डिस्प्ले ट्रे से एक शीशी उठाई और मुझ पर छिड़क दी। इससे कोई फायदा नहीं हुआ, हालांकि इससे मुझे चेरी ब्लॉसम जैसी खुशबू आने लगी।
पीछे वाले कमरे से सिल्बे ने पुकारा, "मेरे पास जैक-ओ'-लैंटर्न हैं या काली बिल्लियाँ!"
“नहीं, हैलोवीन नहीं!” ग्रोवर ने चिल्लाकर जवाब दिया। “यह सैटर्नलिया के लिए है!”
सिल्बे ने हताशा में गुर्राया, लेकिन वह इधर-उधर तलाशी लेती रही।

“पर्सी!” ग्रोवर फुफकारा। उसने मेरा हाथ उठाया, जो धड़ाम से वापस नीचे गिर गया। कम से कम दर्द तो हुआ। इसका मतलब था कि मेरी संवेदनाएं वापस आ रही थीं।
घबराहट भरी चीख के साथ, ग्रोवर ने अपनी जेबों में टटोला। उसने एक पेपर क्लिप (क्यों?), एक हॉट व्हील्स कार (फिर से, क्यों?), और कुछ ऐसा निकाला जो रुई के गुच्छे जैसा लग रहा था। उसने मेरा मुंह खोला और रुई को मेरी जीभ के नीचे चिपका दिया।
मैंने गुस्से में मुंह से लार टपकाने की पूरी कोशिश की। मेरी आंखों ने संदेश दिया, 'यार!'
“ये लीजिए!” सिल्बे ने गुनगुनाते हुए कहा और उपहार के कागज का एक रोल हाथ में लिए पर्दों को तोड़कर अंदर आ गई। “इस पर छोटे-छोटे बर्फ के टुकड़े बने हैं। यही ठीक रहेगा। और ये कुछ रिबन और धनुष हैं जिनमें से आप चुन सकते हैं। वैसे, साइप्रस समर ब्रीज़ की कीमत आमतौर पर इतनी होती है—”
“रुको, मुझे उसके लिए भी गिफ्ट रैपिंग चाहिए।” उसने मेरी ओर इशारा किया। सिल्बे का चेहरा हम दोनों के लिए काफी अविश्वास से भरा हुआ था। "तुम अपने दोस्त को तोहफे में लपेटना चाहती हो? लेकिन मैं तो उसे बांधकर अपनी बहनों को दिखाने के बाद ठिकाने लगाने वाली थी। मैं तो उसे सबके सामने बेइज्जत करने के लिए बेताब थी।"
“सिल्बे,” ग्रोवर ने कहा, “मैं क्लोवन एल्डर्स मंथली में तुम्हारे लिए एक शानदार समीक्षा लिख सकता हूँ। पूरे पाँच अंक। मैंने आज तक किसी भी प्रतिष्ठान को पूरे पाँच अंक नहीं दिए हैं। लेकिन तुम्हें भी मेरी बात माननी होगी। तुमने कहा था कि मेरे दोस्त का केमिस्ट्री प्रोफाइल मेरी गर्लफ्रेंड जैसा ही है, है ना? मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि उपहार लपेटने से पहले वह उस पर अच्छा लगे!”
यह बात मुझे बिल्कुल समझ नहीं आई। खैर, मैं तो ज़मीन पर पड़ा एक बेजान सा मांस का टुकड़ा था और किसी ने मेरी राय भी नहीं पूछी थी। वैसे भी, मुझे लगता है कि ग्राहक हमेशा सही होता है। सिल्बे की आँखें क्लोवन एल्डर्स मंथली में पाँच खुरों वाली समीक्षा के ख्याल से चमक उठी थीं, जिसके बारे में मुझे पूरा यकीन था कि ऐसी कोई पत्रिका होती ही नहीं थी।
“ठीक है।” उसने स्पेलबाउंड की बोतल काउंटर पर रखी, घुटनों के बल बैठी और मेरे माथे पर नीले रंग का रिबन लगा दिया। “ओह, हाँ, ये तो बिल्कुल उसके रंग

का है। मैं उसे अपनी बहनों से इसी तरह मिलवा सकती हूँ। अब, तुम्हारी गर्लफ्रेंड के तोहफे के बारे में…”
जब वे रिबन और धनुष के विकल्पों पर चर्चा कर रहे थे, तब मुझे एहसास हुआ कि अब मेरी जीभ के नीचे मौजूद रूई का स्वाद मुझे महसूस हो रहा है। गले से होते हुए फेफड़ों तक गर्मी फैल रही थी। मेरी उंगलियां फड़कने लगीं। मैं अपना हाथ हिला पा रही थी।
ग्रोवर ने मेरे मुंह में जो कुछ भी डाला था, उससे मेरी रिकवरी में तेजी आती दिख रही थी।
ग्रोवर ने सिल्बे की पीठ मेरी तरफ करने के लिए अपना चेहरा घुमाया। जब वह उसकी वापसी नीतियों के बारे में सवाल पूछ रहा था, तो मैं लड़खड़ाते हुए और सुस्त महसूस करते हुए किसी तरह उठ बैठा। मैंने अपनी तलवार ढूंढने की कोशिश की, लेकिन मेरा हाथ ठीक से काम नहीं कर रहा था। मैं गलती से सेल्स काउंटर पर गिर पड़ा, जिससे वह एक तरफ खिसक गया, और एक शीशी किनारे से लुढ़ककर मेरी गोद में आ गिरी: स्पेलबाउंड की बोतल।
सिल्बे मेरी ओर मुड़ी और बोली, "क्या?!"
ग्रोवर ने स्नोफ्लेक रैपिंग पेपर के रोल से उसके सिर पर मारा, जिससे वह मुड़ गई। "अरे!"
मैंने किसी तरह अपनी अनाड़ी उंगलियों से परफ्यूम की बोतल को पकड़ लिया। लगभग गलती से मैंने उसे गलत दिशा में, अपने ही चेहरे पर छिड़क दिया होता, जो कि ठीक नहीं होता।
बहुत बढ़िया रहा। जैसे ही सिल्बे को एहसास हुआ कि ग्रोवर केवल ध्यान भटकाने वाला था और शायद उस पांच खुरों वाली समीक्षा के बारे में गंभीर नहीं था, मैंने शीशी को सही दिशा में करके सिल्बे के पैरों पर स्प्रे कर दिया।
वह घुटनों के बल बैठ गई।
“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई!” वह चीख पड़ी।
मैंने उसके चेहरे पर पांच बार वीर्य छिड़का।
वह एक तरफ लुढ़क गई और उसके मुंह से लार टपकने लगी और वह कांपने लगी।
“उफ्फ,” मैंने कहा।
ग्रोवर ने मुझे उठने में मदद की। मेरे पैर स्विमिंग पूल के फोम नूडल्स जैसे लग रहे थे। मैं काउंटर के सहारे खड़ी हो गई।

“धन्यवाद यार।” मैंने मुँह से रुई थूक दी। “वो क्या था?” मेरी जीभ और होंठ सुन्न होने के कारण मेरी आवाज़ थोड़ी लड़खड़ा रही थी।
"भूरे मेंढक की आंख का टुकड़ा।"
अब क्या?
“सूखे मशरूम से इलाज। मुझे यकीन नहीं था कि यह काम करेगा।”
“अच्छा, धन्यवाद,” मैंने उससे कहा। “मैं इस स्वाद को अपने मुंह से कभी नहीं जाने दूंगा।”
"पीछे का कमरा देख लो..." मैंने एक कदम बढ़ाने की कोशिश की और लगभग मुंह के बल गिरते-गिरते बचा। "शायद तुम्हें पीछे का कमरा देख लेना चाहिए। मैं सिल्बी का ध्यान रखूंगा।"
ग्रोवर पर्दे के पीछे छिप गया। जब वह खोज रहा था, तब सिल्बे और मैं एक-दूसरे को घूरते रहे और गुस्से से लार टपकाते रहे।
जब ग्रोवर दोबारा बाहर आया तो उसने कहा, "कोई नेवला नहीं मिला। लेकिन मुझे यह जरूर मिला।"
उन्होंने मुझे एक और बिजनेस कार्ड दिया। यह चमकीले गुलाबी रंग का था और इस पर चमकदार चांदी के अक्षरों में 'SCENTS FOREVER' लिखा था, और नीचे छोटे अक्षरों में 'DAEDRA AND PHAEDRA, PROPRIETORS' लिखा था, जिसके बाद पता लिखा था।
“हे भगवान!” मैंने कहा। “व्यापारियों के नाम तो और भी बदतर होते जा रहे हैं।” कम से कम मेरी ज़बान तो सुधर रही थी। “मुझे लगता है डैड्रा और फेड्रा जुड़वाँ बहनें हैं। और यह पता तो बस तीन ब्लॉक दक्षिण में है।”
ग्रोवर ने सिर हिलाया। "इसका क्या करें?" उसने सिल्बे के जूते पर लात मारी।
मैंने इस बारे में सोचा। मैं उसे गुलाब की खुशबू के बादल में गायब नहीं करना चाहती थी, चाहे उसने मेरे साथ कितनी भी बुरी तरह से व्यवहार किया हो। मुझे अंदर से महसूस हुआ कि इन बहनों के बदला लेने की कोई जायज़ वजह थी। मुझे याद नहीं आ रहा था कि वो क्या वजह थी, लेकिन मुझे बुरा लगा।
मैंने कहा, "उपहार के रूप में लपेटने पर वह अच्छी लगेगी। शायद जैक-ओ'- लैंटर्न वाले कागज में?"
ग्रोवर मुस्कुराया। "वहाँ पीछे डक्ट टेप भी है!"
हमने सिल्बे को हैलोवीन के लिए सुंदर बनाने का काम शुरू कर दिया।

मैं अपने काम को लेकर काफी खुश था, मानो खुशी से झूम रहा था, तभी दुकान का दरवाजा खुला और रेनकोट पहने एक लड़की अंदर घुस आई। हुड ऊपर किए और चेहरे पर N95 मास्क लगाए, मैंने उसे एक पल के लिए भी नहीं पहचाना। फिर मेरी नज़र उसके हाथ में खंजर पर पड़ी, मानो वह किसी जलपरी को मारने के लिए तैयार हो। जब उसने हमें देखा, तो उसके कंधे ढीले पड़ गए।
एनाबेथ ने अपना हुड पीछे किया और मास्क नीचे खींच लिया। "भगवान का शुक्र है कि तुम दोनों ठीक हो।" उसने मेरे माथे पर लगे नीले रिबन को देखा, फिर सिल्बे को देखा जो डक्ट टेप और जैक-ओ'-लैंटर्न गिफ्ट रैपिंग में लिपटी हुई थी। "एथेना के नाम पर, तुम ये क्या कर रही हो?"

बाईस
एनाबेथ ने मैनेजर से मिलने की गुजारिश की। मुझे कुछ स्पष्टीकरण देना था। मैंने एनाबेथ को एईए और फैंसी वाटर में हुई घटना के बारे में बताया। उसने सिर हिलाया। "और तुमने रेनकोट भी नहीं पहना?"

ग्रोवर ने अपने हाथ फैलाते हुए कहा, "धन्यवाद।"
मैंने कहा, "हालात हमारे नियंत्रण में थे।"
वह मेरे पास आई, मुस्कुराई और फिर मेरे माथे से धनुष खींचकर हटा दिया। “ठीक है। कृपया मुझे बताएं कि आप इस जलपरी को लपेटकर उसे हर्मेस एक्सप्रेस के जरिए माउंट ओलंपस नहीं भेज रहे हैं।”
“क्यों—ओह।” मैं मेदुसा के सिर और देवताओं वाली घटना के बारे में पल भर के लिए भूल ही गया था। उन्हें यह मज़ाकिया नहीं लगा था। “नहीं। कोई चालबाज़ी नहीं।”
बस कुछ तोहफे। क्या आपको परफ्यूम चाहिए?
“मैं ठीक हूँ।” उसने मेरे मुँह के किनारे को पोंछा। “लेकिन जब तक तुम अपना चेहरा नहीं धो लेते, मैं तुम्हें चूमूंगी नहीं। आमतौर पर, जागते समय तुम्हारे मुँह से लार नहीं टपकती।”
"वैसे, आपको हमारे बारे में कैसे पता चला?"
“मुझे वह नोट मिला जो तुमने मेरे स्कूल में छोड़ा था। मैंने अपनी आखिरी क्लास छोड़ दी और सीधे यहाँ आ गई।”
“आपकी प्रस्तुति ठीक रही?”
“मैंने कमाल कर दिया,” उसने बड़े ही सहज अंदाज़ में कहा। “खैर, मुझे लगा कि तुम्हें अंदाज़ा नहीं था कि तुम्हारा सामना किससे होने वाला है, इसलिए मैं जितनी जल्दी हो सके आ गई।”
“धन्यवाद,” मैंने कहा। “लेकिन सच कहूँ तो, हम ठीक हैं—”
“तुम्हें अभी दो और जलपरियों का सामना करना है। तुम बच नहीं पाओगे।”
उसने उपहारों में लिपटे हमारे विक्रेता की ओर एक नज़र डाली। "इन सब के लिए क्षमा करें, सिल्बे।"
लड़कों, अब तुम क्या करने वाले हो?
सिल्बे ने सहमति जताते हुए लार टपकाई।
एनाबेथ ने मेरी और ग्रोवर की ओर मुड़कर कहा, "चलो, हम बाहर जाकर बात करेंगे।"
वह हमें सड़क पर आगे ले गई और चलते-चलते अपना रेनकोट उतारती गई। "मुझे लगता है कि आपने जलपरियों को नहीं पहचाना?"
“कहां से?” ग्रोवर ने पूछा।

“तुम हमारे साथ नहीं थे,” एनाबेथ ने उससे कहा। “उस समय तुम एक साइक्लोप्स की गुफा में फंसे हुए थे।”
ग्रोवर कांप उठा। "राक्षसों का सागर।"
“जी हां। जलपरियां एईए द्वीप से हैं।”
मैंने अपनी दुखती गर्दन को सहलाया। "मुझे लगता है कि मुझे एईए जैसा नाम याद रहता।"
एनाबेथ ने इस पर विचार किया। "दरअसल, आप सही कह रही हैं। मुझे नहीं लगता कि जब हम वहाँ थे तब किसी ने इसे इस नाम से पुकारा था। यह सर्सी के द्वीप का दूसरा नाम है।"
देवदार की छीलन की गंध मेरी नाक में भर गई। इसका इत्र से कोई लेना-देना नहीं था। मुझे वो समय याद आ गया जब मैं गिनी पिग बनकर पिंजरे में गिनी पिग लुटेरों के साथ बंद थी। सी.सी. स्पा एंड रिज़ॉर्ट मेरी पसंदीदा छुट्टी बिताने की जगह नहीं थी।
“ओह,” मैंने कहा। “वह पूरा दिन धुंधला सा याद है।”
सर्सी के द्वीप पर बहुत से लोग थे। उसकी दो परिचारिकाओं, रेना और हिला से मेरी जान-पहचान बहुत बाद में हुई। अब वे हमारी अच्छी दोस्त थीं। लेकिन सिल्बे और फिलोमेना? मुझे उनका नामोनिशान भी याद नहीं था।
“सर्स की चार मुख्य दासियाँ थीं,” एनाबेथ ने कहा। “एईयन अप्सराएँ। वे उसके लिए औषधियाँ तैयार करने के लिए ज़िम्मेदार थीं। मुझे लगता है कि जब समुद्री लुटेरों ने सी.सी. के स्पा को जला दिया—”
“जलपरियां मैनहट्टन आईं,” ग्रोवर ने अपनी बात समाप्त की। “और उन्होंने प्रतिस्पर्धात्मक इत्र की दुकानें खोल लीं। जैसा कि लोग करते हैं।” एनाबेथ ने सिर हिलाया। "तुम अभी-अभी चार बहनों में से दो से मिली हो।" मैंने कहा, "शायद एक में विस्फोट हो गया होगा। दूसरे को गिफ्ट रैप कर दिया होगा।"
“और अभी दो और बाकी हैं,” ग्रोवर ने बुदबुदाते हुए कहा। “शानदार।”
मैंने एनाबेथ से पूछा, "तो क्या वे तुम्हें देखते ही पहचान लेंगे?" एनाबेथ ने जवाब दिया, "उन्होंने मुझे ज़रूर पहचान लिया।"
मुझे लगभग एनाबेथ के दिमाग में चल रही बातें दिखाई दे रही थीं।

“मुझे नहीं पता,” उसने कहा। “मैं उनसे तब मिली थी जब... जब सर्सी ने मुझे उस मेकओवर के लिए भेजा था। लेकिन अगर उन्होंने आपको पहचान लिया, तो हमें यह मान लेना चाहिए कि वे मुझे भी पहचान लेंगे।”
मुझे एनाबेथ का मेकओवर याद आ गया। ये तब की बात है जब हम सातवीं कक्षा में थे, हमारे डेटिंग शुरू करने से बहुत पहले। सर्सी ने एनाबेथ को अपने सुपर-फैशनेबल चुड़ैलों के समूह में शामिल होने के लिए मनाने की पूरी कोशिश की थी, और एक पल के लिए मुझे लगा था कि एनाबेथ मान गई है। मुझे याद है वो खूबसूरत ड्रेस में, सँवारे हुए बालों और परफेक्ट मेकअप में कैसी लग रही थी। उस समय मैं एक गिनी पिग थी, लेकिन मेरा छोटा सा जबड़ा पिंजरे के फर्श पर जा गिरा था।
“ठीक है,” मैंने कहा। “तो, मैं अंदाज़ा लगा रहा हूँ कि आपके पास आखिरी दो अप्सराओं को हराने की कोई योजना है?”
“इस पर काम चल रहा है,” उसने सहमति जताई।
ग्रोवर और मैंने राहत भरी नज़रें एक-दूसरे पर डालीं। जब भी एनाबेथ बातचीत में शामिल होती, हमारे कुछ बेवकूफी भरा काम करने की संभावना बहुत कम हो जाती थी। वैसे, संभावना कभी शून्य नहीं होती थी, क्योंकि मैं भी बातचीत में शामिल रहता था।
“सबसे पहले,” उसने कहा, “हमें उस तरह के कपड़े पहनने होंगे। खुशी है कि हैलोवीन लगभग आ ही गया है।”
सड़क के ठीक नीचे एक पॉप-अप कॉस्ट्यूम स्टोर है।
मैंने पूछा, "क्या मैं स्पाइडर-मैन बन सकता हूँ?"
“क्या मैं स्पाइडर-गोट बन सकता हूँ?” ग्रोवर ने पूछा। “हम एक मल्टीवर्स प्रोजेक्ट कर सकते हैं।”
….”
“मकड़ियों से दूर रहो।” एनाबेथ सिहर उठी। “मेरे दिमाग में इससे बेहतर उपाय है।”
एक घंटे बाद, हम अपने नए परिधानों में सेंट्स फॉरएवर पहुंचे, जो स्पाइडर-मैन के परिधानों से बेहतर नहीं थे।
खैर... शायद एनाबेथ की पोशाक बेहतर थी। उसने एक रोमन कुलीन महिला का रूप धारण किया था, जिसमें एक बहने वाला सफेद गाउन था जो एक कंधे पर तिरछा लिपटा हुआ था। उसकी बाहों में सोने की नकली चूड़ियाँ चमक रही थीं। उसने सबसे

भड़कीला सोने का हार भी चुना था जो उसे मिल सकता था। पास से देखने पर पता चल रहा था कि वह प्लास्टिक का है, लेकिन हम उम्मीद कर रहे थे कि जलपरियाँ इतनी करीब नहीं आएंगी।
कॉस्ट्यूम टीम के एक सदस्य की मदद से, एनाबेथ ने अपने बाल और मेकअप बिल्कुल वैसे ही किए थे जैसे सर्सी के द्वीप पर किए जाते थे। वह बेहद खूबसूरत लग रही थी, लेकिन आपको मेरी बात पर यकीन करने की ज़रूरत नहीं है। कॉस्ट्यूम टीम की सदस्य की प्रतिक्रिया थी, "आप बेहद खूबसूरत लग रही हैं।" फिर वह ग्रोवर और मेरी तरफ मुड़ी और बोली,
"अब, ये दोनों एक चुनौती हैं।"
हम एनाबेथ के नौकरों/अंगरक्षकों/वफादार ग्लेडिएटरों के रूप में कपड़े पहने हुए थे?
मुझे पक्का पता नहीं, लेकिन हम उस लुक में कुछ खास अच्छे नहीं लग रहे थे। ग्रोवर ने ग्लेडिएटर का कवच और चमड़े की स्कर्ट जैसी कोई चीज़ पहनी हुई थी, और कमर पर एक बड़ी प्लास्टिक की तलवार थी। मैंने रेटियारियस की तरह कपड़े पहने थे—कोलोसियम के उन योद्धाओं में से एक जो भारी जाल और त्रिशूल लिए रहते थे। त्रिशूल मुझे थोड़ा अजीब लगा, लेकिन यही मेरी सबसे बड़ी शिकायत नहीं थी।
मेरा "कवच" असल में एक बड़ी सी लंगोटी थी, जिसके साथ एक मोटी चमड़े की बेल्ट, सैंडल और मेरे बाएं हाथ पर एक अजीब सी ढाल जैसी चीज़ थी जो मुझे पिज्जा पैन की याद दिलाती थी। इसका मतलब था कि मैं अक्टूबर के आखिर में मैनहट्टन में लगभग अपने अंडरवियर में ही घूम रहा होता। एनाबेथ ने एक बड़ा सा हेलमेट भी पहना दिया था जिसमें एक फेसप्लेट लगी थी, ताकि कोई मुझे पहचान न सके, जब तक कि वे मेरे बिल्कुल सामने न आ जाएं।
जब मैं ड्रेसिंग रूम से बाहर आया, तो ग्रोवर ने frowning करते हुए कहा, "मुझे लगा था कि तुम्हारे पास मांसपेशियां वगैरह हैं।"
मैंने कहा, "यार, पहली बात तो ये है कि 'मसल एंड स्टफ' किसी दिवालिया हो चुकी फिटनेस चेन जैसी लगती है। दूसरी बात, मैं तैराक हूँ, बॉडीबिल्डर नहीं।" “ठीक है…”, उसने कहा, लेकिन यह स्पष्ट था कि वह मेरी शानदार बॉडी से प्रभावित नहीं था।
जब तक हम सेंट्स फॉरएवर पहुँचे, मैं ठंड से काँप रही थी। मेरे हाथों पर रोंगटे खड़े हो गए थे। कम से कम सड़क पर किसी ने हमारी तरफ दोबारा नहीं

देखा—वैसे भी कोई देखता नहीं, क्योंकि न्यूयॉर्क में हर तरह के लोग दिखते हैं, लेकिन हैलोवीन के मौके पर प्लास्टिक के डायपर में ग्लेडिएटर बनकर घूमना और भी आसान था। सिर्फ एनाबेथ को ही सब घूर रहे थे, और जो लोग उसे घूर रहे थे, वे खुशकिस्मत थे कि मैंने उन्हें अपने नकली त्रिशूल से नहीं मारा। इत्र की दुकान उन दोनों दुकानों से कहीं ज़्यादा अच्छी लग रही थी, जिन्हें हमने पहले ही बुरी तरह से डरा दिया था। काले संगमरमर का अग्रभाग दो मंज़िला था, और उस पर ग्रीक मंदिर की तरह स्तंभ बने हुए थे।
चमकती हुई सफेद खिड़कियों से अंदर रखी शीशियाँ और बोतलें किसी पवित्र अवशेष की तरह लग रही थीं, मानो वे स्वर्ग में उड़ने वाली हों। मुझे उम्मीद थी कि मुझ पर कोई पवित्र तरल पदार्थ न गिर जाए। मैं लंगोटी पहने हुए स्वर्ग में नहीं जाना चाहता था।
एनाबेथ ने हमें पहले से कोई हौसलाअफजाई नहीं दी। वह बस हमें साथ लेकर दुकान में ऐसे दाखिल हुई जैसे वह उस जगह की, हम सबकी और आस-पड़ोस की हर चीज की मालकिन हो।
“मैं मैनेजर से मिलना चाहती हूँ!” उसने घोषणा की।
ग्रोवर और मैंने एक बार फिर एक-दूसरे को देखा। मैंने एनाबेथ को पहले कभी इस तरह व्यवहार करते नहीं देखा था। हक जताना? बिल्कुल। घमंड? बिल्कुल।
मैनेजर से मिलने की ज़िद करने से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता जो यह जताए कि "मेरी तरफ ध्यान दो क्योंकि मैं बहुत बुरी हूँ"। यह एनाबेथ के व्यक्तित्व का हिस्सा नहीं था, लेकिन उसने बखूबी ऐसा दिखाया।
वहाँ कुछ और ग्राहक भी थे। वे सबने देखना बंद कर दिया और जल्दी से चले गए। कोई भी मैनेजर-ग्राहक-योद्धा की झड़प में फंसना नहीं चाहता था।
काले रंग का पैंटसूट पहने एक कर्मचारी हमारी ओर दौड़ता हुआ आया। "मैडम, शायद मैं आपकी मदद कर सकता हूँ—"
एनाबेथ ने उसे ऐसी घूरती निगाहों से देखा जो टाइटेनियम को भी भेद सकती थीं।
“मैं—मैं मैनेजरों को बुलाता हूँ,” कर्मचारी हकलाते हुए बोला। “अभी।”
वह जल्दी से पीछे वाले कमरे में चली गई, हमें अकेला छोड़कर।
दुकान के अंदरूनी हिस्से में चमकदार सफेद दीवारें और गहरे रंग की मेजें थीं। छत के साथ-साथ पारदर्शी ट्यूबें लगी हुई थीं। शायद वे आपके परफ्यूम को वायवीय कनस्तरों में पहुंचाते हों, मैंने सोचा। पीछे की दीवार के सहारे

रसायन विज्ञान के बीकर, डेकैंटर, बन्सन बर्नर और उबलते तांबे की केतलियों का प्रदर्शन फैला हुआ था।
इक्कीसवीं सदी की चुड़ैल को एक बढ़िया ऑर्गेनिक और फेयर-ट्रेड काढ़ा बनाने के लिए आवश्यक हर चीज।
मैंने देखा, "कोई नेवला नहीं है।"
“धैर्य रखो,” एनाबेथ ने कहा। वह पास के डिस्प्ले के पास गई और एक बोतल उठाई। उसने उसे सूंघा, फिर वापस रख दिया।
उसने कुछ और मेजों की जाँच की, फिर एक बंद कांच के डिस्प्ले केस पर उसकी नज़र पड़ी। अंदर काले और सुनहरे रंग के तीन बक्से थे, जिन पर GALE, BY का लेबल लगा हुआ था।
खुशबू हमेशा के लिए।
“आहा!” एनाबेथ ने कहा।
“उन्होंने हमारे नेवले को निकाल लिया?” ग्रोवर चिल्लाया। “हम तो मर ही गए!”
“शांत रहो।” एनाबेथ के लिए यह कहना आसान था। वह शक्तिशाली दिख रही थी। हम? हमारे पास तो प्लास्टिक के हथियार थे।
फिर प्रबंधक प्रकट हुए। दो महिलाएं—स्पष्ट रूप से जुड़वां—पीछे के कमरे से अंदर आईं, मानो किसी टकराव के लिए तैयार हों। उनके काले बाल बाकी दोनों बहनों के बालों के समान थे, लेकिन छोटे और नुकीले कटे हुए थे। उन्होंने एक जैसे काले पैंटसूट पहने थे। एकमात्र अंतर यह था कि बाईं ओर वाली ने चांदी की बालियां पहनी थीं और दाईं ओर वाली ने सोने की।
“फेड्रा और डैड्रा,” एनाबेथ ने कहा।
इससे वे एकदम रुक गए। उन्होंने एनाबेथ को गौर से देखा।
दाहिनी ओर बैठी महिला ने कहा, "मैं आपको जानती हूँ।"
“बिल्कुल सही,” एनाबेथ ने कहा। “और तुम दोनों गंभीर मुसीबत में हो।”

तेईस
हमें बुरी खुशबू का अड्डा मिल गया। जुड़वा बच्चों को भी कुछ स्पष्टीकरण देना था।
इससे पहले कि वे पूछ पाते कि आपके पास दुबले-पतले ग्लेडिएटर लड़के क्यों हैं?
एनाबेथ ने उन पर जमकर हमला बोला।
“क्या आपको पता है कि मैं कौन हूँ?” एनाबेथ ने पूछा।
वाह, वह तो 'द ग्रेटेस्ट हिट्स ऑफ एंटाइटलमेंट' के पहले भाग को ही देख रही थी।
"तुम वही लड़की हो," फेड्रा ने कहा, जिसका नाम मैंने नेम टैग से चतुराई से पता लगाया, जिस पर फेड्रा लिखा था।
“तुमने सर्सी के द्वीप को नष्ट कर दिया!” नाम से टैग किए गए डैड्रा ने चिल्लाकर कहा।

एनाबेथ हंस पड़ी। “तुम दोनों के मुंह से ये बात बिल्कुल सही है। मैंने द्वीप को नष्ट नहीं किया। मेरे साथ मौजूद उस बेवकूफ लड़के ने उन समुद्री डाकुओं को खुला छोड़कर द्वीप को नष्ट किया! और क्या तुमने उसे रोका? क्या तुम दोनों में से किसी ने रोका? नहीं!”
“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई—” फेड्रा हकलाते हुए बोली। “तुम तो थे ही नहीं

— ”

“क्या तुम्हें सर्सी ने विशेष प्रशिक्षण के लिए खुद चुना था?” एनाबेथ ने पूछा। “हाँ, मुझे ही चुना था! और जहाँ मैंने बड़ी-बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं और बड़े-बड़े कारनामे किए हैं, वहीं तुम दोनों नोलीटा में छिपकर सस्ती दवाइयाँ बेच रही हो!”
"हम छिप नहीं रहे हैं," फेड्रा ने जोर देकर कहा।
“ये सस्ते नहीं हैं!” डैड्रा ने आगे कहा।
उनके पीछे खड़ी उनकी कर्मचारी ने गला साफ किया। "उम, रखैलें?"
“अपनी नौकरानी को यहाँ से भेज दो,” एनाबेथ ने कहा। “अच्छा होगा कि वह मेरी बात न सुने।”
जुड़वा बहनों को यह बात पसंद नहीं आई, लेकिन डैड्रा ने चुटकी बजाते हुए कहा, "हमें अकेला छोड़ दो, मैडलीन।"
मैडलीन भाग गई। जहाँ तक मुझे पता था, वह गली में आगे जाकर ग्रीन हेयर के साथ लंच ब्रेक पर जाने वाली थी।
“अब,” एनाबेथ ने कहा, “शायद तुमने सर्सी को त्याग दिया हो—”
“त्याग दिया गया?” डैड्रा चिल्लाई।
लेकिन मुझे इससे भी बेहतर शिक्षक मिले हैं!
"इससे बेहतर शिक्षक कोई नहीं!" फेड्रा चिल्लाई।
एनाबेथ ने अपने ग्रामर्सी पार्क स्थित घर की चाबियां और क्रॉस-टॉर्च वाली चाबी का गुच्छा दिखाते हुए कहा, "क्या आप इन चाबियों को जानते हैं? क्या आप जानते हैं कि मैं किसके लिए काम करती हूँ?"
फेड्रा हांफते हुए बोली, "आप—देवी—?"
“हां,” एनाबेथ ने कहा। “मैं स्वयं देवी हेकेट के लिए काम करती हूँ!” तकनीकी रूप से, यह सच था, हालांकि एनाबेथ ने इसे एक सप्ताह के पालतू जानवरों की देखभाल करने की तुलना में कहीं अधिक गंभीर रूप दिया।

“यह असंभव है।” डैड्रा दुखी लग रही थी। “उसने एक सदी पहले अपना स्कूल बंद कर दिया था। उसने—जब हमने उससे मदद मांगी तो उसने हमें मना कर दिया!” जुड़वाँ बहनें इतनी उदास लग रही थीं कि मुझे उन पर तरस आ गया। मैंने कल्पना की कि चारों बहनें हवेली पहुँचतीं और दरवाज़ा खटखटाने वालों ने उन्हें डाँटा होता। नहीं, अंदर नहीं आ सकते! हाँ, आ सकते हैं! टिम्बरडूडल! फिर शायद हेकेट ने उन्हें डाँटा होता और चले जाने को कहा होता। मैंने 1913 के फटे हुए स्कूल के पर्चे और उन टूटे हुए चश्मों के बारे में सोचा... क्या हो सकता था। एक सदी पहले जो भी हुआ हो, जिसकी वजह से हेकेट को अपना स्कूल बंद करना पड़ा, वो अभी भी कुछ समस्याओं से जूझ रही थी। काश मुझे समझ आता कि इसका एसईजे से क्या संबंध था।
“देवी अपने शिष्यों को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं,” एनाबेथ ने घमंड से कहा। “उन्हें… बुद्धिमान होना ही चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर तुम देवी के प्रिय नेवले को चुराने जा रहे थे, तो कम से कम तुम्हें अपने नए उत्पाद का नाम गेल रखने से बचना चाहिए था।”
मैंने किसी को पीछे धकेलने वाली कहावत सुनी तो थी, लेकिन मैंने इसे कभी होते हुए नहीं देखा था। फेड्रा और डैड्रा दोनों ने अपनी एड़ियों पर पूरा भार डाल दिया और एनाबेथ से ऐसे दूर हट गईं मानो वह आग उगलने वाली हो। मैं उन्हें प्लास्टिक के त्रिशूल से भी गिरा सकता था।
“मैं—मैं आपको आश्वस्त करती हूँ,” फेड्रा हकलाते हुए बोली, “हमने गेल को चुराया नहीं है! वह यहाँ बिल्कुल खुद आई है!”
“और वो अब यहाँ है,” एनाबेथ ने अनुमान लगाया। “तुम्हारी बहनें फिलोमेना और सिल्बे पहले ही देवी के क्रोध का सामना कर चुकी हैं। अगर मुझे पता चला कि गेल को कोई नुकसान पहुँचा है, तो मैं तुम्हें ये दिखाने में खुशी महसूस करूँगी कि क्या—”
“कोई ज़रूरत नहीं!” डैड्रा चिल्लाई। “गेल बिल्कुल ठीक है। हम उसे घर भेज सकते हैं, शायद अगले हफ्ते?”
“या उसके अगले सप्ताह?” फेड्रा ने कहा। “हमारे पास एक बड़ा ऑर्डर आने वाला है।”
“अब तुम मुझे नेवला दिखाओगे,” एनाबेथ ने आदेश दिया।

जुड़वा बच्चों ने एक-दूसरे को देखा। एनाबेथ ने निश्चित रूप से उन्हें लड़ने या भागने के लिए उकसाया था, और मुझे लगता है कि वे दोनों में से किसी एक विकल्प को चुनने की संभावना पर विचार कर रहे थे।
“बिल्कुल,” डैड्रा ने कहा। “इधर आइए।”
जुड़वां बच्चे तेजी से पीछे वाले कमरे की ओर बढ़े और हमें भी पीछे आने का इशारा किया।
एनाबेथ ने ग्रोवर और मुझे चेतावनी भरी नज़र से देखा। "तैयार रहो," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
उसने यह नहीं बताया कि किस चीज के लिए तैयार थी, लेकिन हम अप्सराओं के पीछे-पीछे उनकी कार्यशाला में चले गए।
मुझे समझ नहीं आता कि पौराणिक खलनायक मैनहट्टन में इतनी बड़ी जगह कैसे खरीद पाते हैं। उनके पास हमेशा बड़े-बड़े बहुमंजिला ठिकाने होते हैं जिनमें यातना कक्षों और आराम से बैठकर अपनी नापाक योजनाओं को रचने के लिए काफी जगह होती है। क्या उनके मकान मालिक सोने के सिक्के लेते हैं? दूसरी तरफ, एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के ऊपर हवाई अधिकार के लिए माउंट ओलंपस के देवताओं को अरबों-खरबों खर्च करने पड़े होंगे, तो शायद मुझे इस पर सवाल नहीं उठाना चाहिए।
फेड्रा और डैड्रा हमें लोहे की घुमावदार सीढ़ियों से नीचे एक ऐसे कमरे में ले गईं जो पूरी प्रयोगशाला के लिए काफी बड़ा था, और यह अच्छी बात थी, क्योंकि उनके पास वही था। तांबे की केतलियों से बीस अलग-अलग रंगों की भाप निकल रही थी।
दीवारों के साथ-साथ गेज वाली पाइपें बिछी हुई थीं, जिन पर दबाव नियंत्रित करने के लिए बड़े-बड़े लाल पहिये लगे थे। कमरे के बीचोंबीच, एक बड़े से बर्तन में सुनहरा तरल उबल रहा था, जो शायद चिकन सूप नहीं था। काम करने की मेजों पर जड़ी-बूटियों, मसालों और जीवों व पौधों के सूखे हुए हिस्सों से भरी शीशियाँ रखी थीं। हेकेट की साधारण रसोई देखने के बाद, यह जगह बहुत ही शानदार लगनी चाहिए थी। यह उससे कहीं ज़्यादा बड़ी और जटिल थी। लेकिन सच कहूँ तो, मुझे ऐसा लगा कि ये अप्सराएँ ज़रूरत से ज़्यादा कोशिश कर रही थीं। हेकेट की रसोई तो बस कामचलाऊ लग रही थी। यह जगह मानो कह रही हो, देखो हम कितने प्रतिभाशाली हैं! जल्द ही हम समझ जाएँगे कि हम क्या कर रहे हैं!

और कमरे में इधर-उधर भागता हुआ, छत पर लगे पुली सिस्टम से लटकती एक लंबी सुनहरी चेन से बंधा हुआ, हमारा पुराना दोस्त गेल था।
गेल को अपनी छुट्टियाँ कुछ भी पसंद नहीं आ रही थीं। वह प्रयोगशाला में बेतहाशा दौड़ रही थी, और उसके पीछे-पीछे गुस्से में भरी धातुई मधुमक्खियों का झुंड मंडरा रहा था। गेल शीशियों के एक डिब्बे में से कुछ ढूंढती, उनमें से एक पर अपना पंजा रखती, और मधुमक्खियाँ उसके चारों ओर जमा हो जातीं, उसे उठातीं, कड़ाही तक ले जातीं और उसमें डाल देतीं। फिर गेल अपना अगला घटक ढूंढने के लिए भागती। अगर गेल सोचने के लिए रुकती या साँस भी लेती, तो मधुमक्खियाँ उस पर टूट पड़तीं और उसके नितंब पर डंक मारतीं। गेल उन पर भौंकती और पादती, लेकिन मधुमक्खियों को कोई फर्क नहीं पड़ता था। वे शायद दिव्य कांस्य की स्वचालित मशीनें थीं, जिन्हें घातक गैस जैसी छोटी-मोटी चीजों से कोई परवाह नहीं थी।
"गेल!" ग्रोवर चिल्लाया, यह भूलकर कि हमारी भूमिका प्लास्टिक के कवच में चुपचाप और डराने वाली मुद्रा में रहने की थी।
नेवला ने उसे घूरकर देखा और लगातार इतनी तीखी आवाजें निकालीं कि मैं उन्हें छाप नहीं सकता—आंशिक रूप से इसलिए कि मैं उनकी वर्तनी नहीं जानता था, और आंशिक रूप से इसलिए कि वे संवेदनशील दर्शकों के लिए उपयुक्त नहीं हैं।
मधुमक्खियों ने गेल को डंक मारा और उसे दौड़ाती रहीं, जिससे उसकी शिकायतों की सूची छोटी हो गई।
ग्रोवर ने अप्सराओं की ओर मुड़कर कहा, "वह नेवला यहाँ अपनी मर्जी से नहीं आया है।"
फेड्रा चौंक गई। “क्या? नहीं! हमें उसकी तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है।” “उसे यहाँ बहुत अच्छा लगता है,” डैड्रा ने सहमति जताते हुए कहा।
"चीख!" गेल चिल्लाई, मधुमक्खियों का झुंड उसका पीछा करते हुए मेज के पार चला गया।
ग्रोवर ने कहा, "उसे यहां रहना पसंद नहीं है।"
डेड्रा और फेड्रा ने गुस्से में मुंह बनाया और हैरानी जताते हुए गेल द्वारा कार्यस्थल की चिंताओं को व्यक्त करने के मामले में पारदर्शिता की कमी के बारे में तरह-तरह के बहाने पेश किए।

इस बीच, मैंने अपना मुंह बंद रखने में काफी अच्छा काम किया था, अगर मैं खुद कहूँ तो। मैं कमरे का जायज़ा ले रहा था, उन सभी उपयोगी पानी के स्रोतों के बारे में सोच रहा था जिनका इस्तेमाल मैं आपदा आने पर कर सकता था—और चीजें लगभग हमेशा आपदा में बदल जाती थीं। मैं पाइप और केतली तोड़ सकता था। मैं पूरे तहखाने में पानी भर सकता था। समस्या यह थी कि प्रयोगशाला में मौजूद अधिकांश तरल पदार्थ किसी न किसी प्रकार का जादुई घोल था, और मुझे यकीन नहीं था कि मैं बिना यह जाने कि उनका क्या असर होता है, जादुई रसायनों का इस्तेमाल करना चाहता था। स्ट्रॉबेरी क्रीम की एक घूंट ही थी जिसने हमें इस सारी मुसीबत में फंसाया था।
अंत में, एनाबेथ ने अपने हाथ के एक दबंग इशारे से जुड़वा बच्चों की बोलती बंद कर दी।
“तुमने गेल की मर्ज़ी के बिना उसे अपने पास रखा है। तुमने उसका इस्तेमाल अपने फ़ायदे के लिए औषधियाँ बनाने में किया है। हेकेट इससे नाराज़ होंगी। गेल को अभी हमारे हवाले कर दो और मैं तुम्हारी शिकायत नहीं करूँगी। वरना, तुम्हें त्रिदेवी के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा!”
मुझे यह वाक्य अच्छा लगा। मैं तो तुरंत कह देता, "लो, एक नेवला खाओ!"
लेकिन जुड़वाँ बच्चे एकदम शांत हो गए। शायद एनाबेथ की कोई बात थी, या ग्रोवर का लहजा, या फिर मेरा बेचैनी से एक पैर से दूसरे पैर पर हिलना। मुझे वो पल याद आ गए जब मैं शार्क के साथ तैरता हूँ—जो आमतौर पर मज़ेदार होता है, जब आप पोसीडॉन के बेटे हों—और अचानक उन्हें पानी में खून की गंध आती है। गंध मिलते ही एक नैनोसेकंड के लिए सिहरन दौड़ जाती है। फिर वे जानलेवा, सब कुछ खा जाने वाले मोड में आ जाते हैं।
जुड़वा बहनों ने एक-दूसरे को देखा, चुपचाप सहमति जताते हुए, और फिर एनाबेथ की ओर मुड़ गईं।
"हम शायद उतने बुद्धिमान नहीं हैं," डैड्रा ने कहा, "लेकिन हम जानते हैं कि हेकेट कभी भी ऐसे शिष्य को नहीं चाहेगी जिसने उसके नेवले की चोरी की सूचना न दी हो।"
"तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था," फेड्रा ने सहमति जताते हुए कहा। "इससे तुम बेताब दिखते हो।"
“तुमने देवी का नेवला खो दिया, है ना?” डैड्रा ने कहा।

“इसीलिए तो तुम यहाँ हो,” डैड्रा ने आगे कहा। “तुम हमसे ज़्यादा मुसीबत में हो।”
"तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?" एनाबेथ ने कहा, हालांकि यह एक वास्तविक प्रश्न की तरह लग रहा था।
फेड्रा ने ठंडी मुस्कान के साथ कहा, “तुम्हारा अभिनय अच्छा था। मुझे लगभग यकीन हो गया था। लेकिन अब मुझे याद आ रहा है कि तुम एईए में कितने अच्छे अभिनेता थे…”
हमारे पक्ष में होने का नाटक करते हुए, ठीक उससे पहले जब आपने गिनी पिग्स को छोड़ दिया और हमारी दुनिया को तबाह कर दिया।"
एनाबेथ ने स्थिति को टालने की कोशिश की। उसने मुट्ठी भींची, आगे बढ़ी और फेड्रा से नज़रें मिलाईं। “तुम्हारे पास आखिरी मौका है। सही काम करो वरना अंजाम भुगतना पड़ेगा।”
यहां तक कि नेवला और मधुमक्खियां भी हिलना-डुलना बंद कर दीं। ऐसा लग रहा था मानो वे हमें देख रही हों, यह देखने के लिए कि इस टकराव में कौन जीतता है। अगर मधुमक्खियों के पास पॉपकॉर्न के छोटे-छोटे डिब्बे होते, तो मुझे यकीन है कि वे उन्हें खा रही होतीं।
“जिस लड़के को तुमने बचाया था,” डैड्रा ने कहा। “पर्सी जैक्सन नाम का लड़का। मुझे लगता है कि तुम उसे भेस बदलकर यहाँ लाए हो!”
वह ग्रोवर के पास गई और उसके बाएं सींग को खींचने लगी।
“ओह!” ग्रोवर ने कहा।
डेड्रा ने भौंहें चढ़ाईं। वह एक तरफ हटी और मेरा प्लास्टिक का हेलमेट गिरा दिया। "आहा!" वह चिल्लाई।
मैंने कहा, "यह ठीक नहीं है। मेरे हेलमेट के नीचे देखने के लिए आपके पास तलाशी वारंट नहीं था। अदालत में यह सब खारिज हो जाएगा।"
डेड्रा गुर्राया। "ओह, पर्सी जैक्सन, तुम्हारा मुकदमा यहीं चलेगा।"
देवी का प्रकोप हम पर नहीं पड़ेगा। तुम उनके पालतू जानवरों की रक्षा करने में असफल रहे। हम हेकेट के प्रतिशोध के सेवक बनेंगे।
"बिल्कुल।" फेड्रा ने अपने पैंटसूट की जेब से हरे रंग के तरल पदार्थ की एक शीशी निकाली।

“हम तुम्हें मार डालेंगे, तुम्हारे शव हेकेट को लौटा देंगे और समझाएंगे कि तुमने उसे कितना निराश किया। हम गेल को भी लौटा देंगे, और देवी हमें इसका इनाम देंगी!”
"गेल द्वारा हमें अपनी सभी गुप्त रेसिपी बनाना सिखाने के बाद,"
डेड्रा ने आगे कहा।
“हाँ, उसके बाद तो ज़रूर,” उसकी बहन ने सहमति जताते हुए कहा। “मरने के लिए तैयार हो जाओ, देवदेवो!”
“और सैटायर,” एनाबेथ ने कहा।
“जो भी हो!” फेड्रा ने शीशी को एनाबेथ के पैरों पर फेंक दिया।

चौबीस
हम सब मिलकर एक व्यवस्थित और बेकाबू माहौल बनाते हैं। अपनी प्रेमिका पर चिल्लाना और उस पर कोई जादुई पेय फेंकना, ये दो तरीके मुझे गुस्सा दिलाने

के लिए काफी कारगर हैं। और जब मुझे गुस्सा आता है, तो तरल पदार्थ फट जाते हैं।
(मेरे मन में यह बात अधिक प्रभावशाली लग रही थी।)
इससे पहले कि एनाबेथ कोई प्रतिक्रिया दे पाती, मैंने अपना प्लास्टिक का त्रिशूल एक तरफ फेंक दिया और उस हरे तरल को सीधे फेड्रा की ओर वापस फेंक दिया, जिससे वह सिर से पैर तक भीग गई।
फेड्रा चीख पड़ी। वह गिर पड़ी और कांपने लगी।
“फेड्रा!” उसकी बहन चिल्लाई। “तुमने उसे लकवाग्रस्त कर दिया!”
एनाबेथ अचंभित रह गई। शायद उसने यह उम्मीद नहीं की थी कि मैं लड़ाई की शुरुआत में ही भौतिकी के नियमों को तोड़ दूंगा। मैंने अपनी तलवार निकाली और डैड्रा की ओर बढ़ा।
“ग्रोवर!” मैंने पीछे मुड़कर पुकारा। “नेवले को छोड़ दो!”
डेड्रा ने फुफकारा और पास की मेज से एक शीशी उठा ली।
“इसके बारे में सोचना भी मत!” मैंने गुस्से से कहा।
समस्या यह थी कि उसे रोकने के लिए मुझे उसे टुकड़े-टुकड़े करना पड़ता।
शायद मैं इसे जायज़ ठहरा सकता था, लेकिन फिर भी मुझे यह विचार पसंद नहीं आया। मैं मानता हूँ कि मिनोटौर या खून के लिए चिल्लाते सात फुट ऊँचे भालू जैसे राक्षस पर तलवार चलाना, शहर के बीचोंबीच अपनी दुकान में सजी-धजी अप्सरा को चाकू मारने से कहीं ज़्यादा आसान है।
मेरी झिझक ने डैड्रा को शीशी का ढक्कन खोलने का समय दे दिया। मैं शीशी का सारा तरल पदार्थ उस पर वापस फेंकने के लिए तैयार हो गया, लेकिन उसने मुझे चकमा दे दिया। उसने उसे गटक लिया।
वह कांप उठी, उसका शरीर फूलने और रूपांतरित होने लगा, और अंत में मेरे सामने एक सात फुट लंबा भालू राक्षस खड़ा हो गया जो खून के लिए दहाड़ रहा था। मुझे सच में अपने सबसे बुरे जीवन को साकार होने से रोकना होगा।
इसी बीच, एनाबेथ ने रबर की नली पकड़ी और फेड्रा की कलाइयों को बांधना शुरू कर दिया। ग्रोवर गेल का पीछा कर रहा था, जो अभी भी गुस्से में भरी रोबोट मधुमक्खियों से बचने के लिए इधर-उधर भाग रहा था।
इस प्रयोगशाला में बहुत कुछ चल रहा था।
डेड्रा ने मुझ पर झपट्टा मारा, लेकिन अपने नए रूप में भी वह अनाड़ी थी। मैं नाचते हुए रास्ते से हट गया।

मैंने चेतावनी देते हुए कहा, "मैं तुम्हें मारना नहीं चाहता!"
डेड्रा भालू दहाड़ी। उसने उबलते हुए कड़ाहे को उलट दिया, जिससे मुझे पीछे हटना पड़ा। मैंने उसके हमले के लिए खुद को तैयार किया, लेकिन वह बड़ी चालाक थी।
इसके बजाय उसने एनाबेथ पर हमला कर दिया।
मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। "सावधान!"
एनाबेथ ने मुड़कर देखा तो उसे तीन टन वजनी डैड्रा द पूह उसकी ओर तेजी से आता हुआ दिखाई दिया। वह एक तरफ कूद गई, लेकिन डैड्रा ने उसे पीछे से जोरदार थप्पड़ मारा, जिससे वह दीवार से जा टकराई।
“नहीं!” मैं उबलते हुए कड़ाहे के सूप के कुंड में छप-छप करते हुए उनकी ओर दौड़ा। इससे पहले कि वह एनाबेथ को अपने पंजों से खरोंच पाती, मैं भालू तक पहुँच गया और मैंने रिपटाइड से वार किया—डेड्रा के दाहिने पंजे को चीरते हुए।
पंजा हवा में उड़ गया। डैड्रा चीखी। खून की जगह घाव से हरे-पीले रंग का पेड़ का रस टपक रहा था। घिनौना, हाँ। हिंसक, हाँ। लेकिन एनाबेथ खतरे में थी, इसलिए अप्सराओं पर उनके बुटीक में हमला करने के बारे में मेरी झिझक गायब हो गई।
डेड्रा लड़खड़ाते हुए दूर चली गई, सिकुड़ती हुई और अपने सामान्य रूप में लौटते हुए उसके बाल झड़ने लगे। मैं एनाबेथ की ओर दौड़ी, जो पहले से ही उठ रही थी।
“मैं ठीक हूँ!” उसकी आवाज़ में नाराज़गी से ज़्यादा झुंझलाहट थी। “जाओ ग्रोवर की मदद करो!”
“जी हाँ, कृपया!” ग्रोवर चिल्लाया।
उसने गेल को पकड़ लिया और उसे एक बांह के नीचे दबा लिया, जिसका मतलब था कि मधुमक्खियों का झुंड अब उसके पीछे पड़ गया था। वे उसे बुरी तरह से डंक मार रही थीं, जबकि वह अपनी बांसुरी से उन्हें भगाने की नाकाम कोशिश कर रहा था। मुझे लगता है कि उसका प्रकृति संगीत स्वचालित मधुमक्खियों पर काम नहीं करता, जो एक डिज़ाइन की खामी लगती है। अगर हम इससे बच गए, तो मुझे हेफेस्टस को एक गुस्से भरा पत्र लिखना होगा।
मैं ग्रोवर की ओर दौड़ा। आधे रास्ते में ही मेरा पिछला पैर जम गया, जिससे मुझे लगभग गर्दन में मोच आ गई। मेरा बायां जूता, जो पानी के गड्ढे में

छपछपा रहा था, अब फर्श से चिपक गया था। उसके चारों ओर नारंगी रंग का झाग उभर रहा था और पत्थर की टाइलों पर फैल रहा था।
अच्छी बात यह रही कि कम से कम मैंने मोज़े और जूते तो पहने रखे थे, भले ही प्लास्टिक के ग्लेडिएटर जैसे कपड़े पहनना फैशन की दृष्टि से गलत था। वरना मैं उस उबलते हुए चिपचिपे पदार्थ में नंगे पैर दौड़ता। बुरी बात यह रही कि उस उबलते हुए चिपचिपे पदार्थ में दौड़ना बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा। नारंगी रंग का झाग धीरे-धीरे मेरे टखने की ओर बढ़ रहा था।
मुझे पता है आप क्या सोच रहे हैं: बस अपना पैर जूते से बाहर निकाल लो। बहुत बढ़िया विचार था, लेकिन जैसे-जैसे वह चिपचिपा पदार्थ फैला, वह सीमेंट की तरह सख्त हो गया और मेरा पैर जूते में ही फंस गया। झाग अब मेरे मोजे के कपड़े तक पहुंच गया था।
"पर्सी, अपने जूते से बाहर निकलो!" एनाबेथ चिल्लाई, जो अब कमरे में एक हाथ वाले, आधे भालू डैड्रा का पीछा कर रही थी और उसे कांसे के बर्तन से मारने की कोशिश कर रही थी।
“मुझे पता है!” मैंने चिल्लाकर जवाब दिया।
क्या उसे लगता था कि मैं बेवकूफ हूँ? क्या मैंने कभी उसे ऐसा सोचने का कोई कारण दिया था? पता है क्या? भूल जाइए कि मैंने यह सवाल पूछा था।
“मदद करो!” ग्रोवर ने कहा।
उसके होंठ और आँखें काँसे हुए मधुमक्खियों के डंक से लगभग सूज गई थीं। गेल, जो अभी भी उस सुनहरी चेन से बंधी थी, उसकी बगल से कूदकर भाग गई। अब वह एक एयर डक्ट में छिपकर, सुरक्षित दूरी से इस अफरा-तफरी को देख रही थी और बिल्कुल भी मदद नहीं कर रही थी। वैसे, शायद दो दिनों में यह पहली बार था जब मधुमक्खियाँ उसका पीछा नहीं कर रही थीं या उसे एक बुरी इत्र की दुकान से दूसरी बुरी दुकान पर नहीं धकेल रही थीं।
मैंने चिपचिपे सीमेंट के खिलाफ ज़ोर लगाया। तीसरी कोशिश में, एक ज़ोरदार आवाज़ के साथ मेरा पैर मोज़े से बाहर निकला और टखने में तेज़ दर्द हुआ। कम से कम मैं आज़ाद तो हो गया।
अगर आप हिसाब लगा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि मेरी हैलोवीन पोशाक अब सिर्फ एक लंगोटी, एक बाजूबंद, एक मोजा और एक जूता बनकर रह गई थी। अगर मैं अप्सराओं को अपनी तलवार से नहीं मार सका, तो शायद मैं उन्हें अपने भयानक रूप से डराकर मार डालूँ।

मैं लंगड़ाते हुए ग्रोवर के पास गया—हाँ, मेरा टखना वाकई बुरी तरह से चोटिल हो गया था—
फिर वह चिल्लाने लगा और मधुमक्खियों को मारने लगा।
इसी बीच, एनाबेथ ने डैड्रा को पकड़ लिया और बर्तन से उसके सिर पर ज़ोरदार वार किया। डैड्रा लड़खड़ाते हुए बेहोश होकर चली गई, उसके चेहरे से भालू के बालों के गुच्छे गिरने लगे। अगर उसे कोई ऐसा जादुई पेय मिल जाता जिससे कार्टून वाले पक्षी उसके सिर के चारों ओर घूमने लगते, तो शायद वह उसे पी लेती।
दुर्भाग्यवश, एनाबेथ का ध्यान पहले से किए जा रहे काम से भटक गया था, जिसमें उसे फेड्रा को बांधना था, जो हिलने-डुलने लगी थी।
“तुम्हारे पीछे!” मैंने चिल्लाकर कहा।
मैं और भी बहुत कुछ कर सकता था, लेकिन मैं लोगों से घिर गया था।
सलाह: अगर आप आकाशीय कांस्य मधुमक्खियों को गुस्सा दिलाना चाहते हैं, तो अंडरवियर में ऐसा न करें। मैंने अपनी तलवार से जितनी मधुमक्खियों को मारा, उतनी ही मुझे छह डंक लगे। हर डंक ऐसा लगा जैसे कोई गर्म कील मेरी त्वचा में ठोक रहा हो।
कम से कम मैंने ग्रोवर को सोचने का समय तो दिया। उसने पास ही पड़ा बन्सन बर्नर उठाया, एक कागज़ लपेटा और घर में बनी मशाल जला ली।
कमरे के दूसरी ओर से, हाल ही में लकवाग्रस्त स्थिति से मुक्त हुई फेड्रा चीखी, "रुको!"
ये रेसिपीज़ अनमोल हैं!
एनाबेथ ने अपनी कटार के मूठ से उसके मुंह पर एक जोरदार मुक्का मारा - यह दृश्य भी अनमोल था।
ग्रोवर ने अपनी टॉर्च घुमाई और धुएँ से मधुमक्खियों को भगा दिया। मैं तब तक उन्हें मारता रहा जब तक कि आखिरी कांस्य रंग की मधुमक्खी दीवार से टकराकर एक संतोषजनक आवाज़ के साथ उड़ नहीं गई।
मैंने ग्रोवर की ओर देखा, जो हांफ रहा था और उसके शरीर पर जगह-जगह घाव के निशान थे।
मैंने पूछा, "तुम ठीक हो?"
इससे पहले कि वह जवाब दे पाता, कमरे के दूसरी ओर से एक विजयी स्वर में "हा- हा!" की आवाज आई।

एनाबेथ, फेड्रा से जूझ रही थी, जो मुंह पर चोट लगने के बावजूद भी काफी आक्रामक थी। चीख डेड्रा की थी, जो अब पूरी तरह से जलपरी बन चुकी थी, उसका एक हाथ कटा हुआ था और शायद उसे मामूली चोट लगी थी। वह लड़ाई में कूद पड़ी और एनाबेथ की पीठ पर चढ़ गई।
एनाबेथ लड़खड़ा गई।
हम लड़खड़ाते हुए मदद के लिए पहुँचे, लेकिन फेड्रा हमसे तेज़ थी। उसने अपनी जेब से एक और औषधि निकाली—जो सीप की बनी एक कीमती बोतल में थी और देखने में इतनी महंगी लग रही थी कि जानलेवा हो सकती थी।
एनाबेथ किसी तरह डैड्रा से पीछा छुड़ाने में कामयाब रही।
फेड्रा ने अपना पेय गटक लिया और चिल्लाई, "जानवर की सांस!"
मुझे पता ही नहीं था कि असल जिंदगी में खलनायक अपने खास हमलों के नाम चिल्लाकर बोलते हैं। शायद जुड़वा बच्चों ने मॉर्टल कॉम्बैट बहुत ज्यादा खेल लिया था।
ग्रोवर और मैं एनाबेथ के पास ठीक उसी समय पहुंचे जब फेड्रा ने अपना मुंह खोला और हम पर सफेद गैस का एक बादल उगल दिया।

पच्चीस
जानवर जैसी सांस से होने वाले उदासी का कोई इलाज नहीं है
कम से कम एनाबेथ पर पूरा असर नहीं पड़ा। ज़्यादा से ज़्यादा जगह पर असर डालने के लिए, फेड्रा ने हम पर इस तरह साँस छोड़ी जैसे किसी तलवार से वार किया जाता है—तिरछे, ऊपर से नीचे की ओर। एनाबेथ के चेहरे पर धुंध छा गई। मेरे सीने पर लगी।
ग्रोवर के कमर के नीचे धुआं किया गया।
पहले तो कुछ नहीं हुआ। मुझे इतनी राहत मिली कि मैंने अपनी तलवार के मूठ से फेड्रा की नाक पर ज़ोरदार प्रहार किया। उसकी आँखें ऊपर की ओर चढ़ गईं और वह गिर पड़ी। एनाबेथ ने डेड्रा के चेहरे पर कोहनी मारी, जिससे वह भी ज़मीन पर गिर गई। मुझे उम्मीद थी कि आस-पास कुछ अच्छे प्लास्टिक सर्जन होंगे क्योंकि इस लड़ाई के बाद, जुड़वा बहनों को एक जैसी नाक की सर्जरी करवानी पड़ेगी।

हमारे दोनों हमलावर मारे गए। मधुमक्खियाँ कुचल दी गई थीं। हमने प्रयोगशाला का केवल आधा हिस्सा ही नष्ट किया था, और गेल अभी भी जीवित थी, एयर डक्ट में अपनी जगह से सावधानीपूर्वक हमें देख रही थी।
मैंने राहत की सांस ली। "यह... वास्तव में इससे भी बुरा हो सकता था।"
मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था।
ऐनाबेथ ने जवाब दिया, "वाह!"
अगर मैंने पैंट पहनी होती तो मैं खुशी से उछल पड़ता। जहाँ एक पल पहले मेरी प्रेमिका का चेहरा था, वहाँ अब दो विशाल काली आँखें एक नुकीली सुनहरी चोंच के ऊपर से झाँक रही थीं। उसका सिर सफेद पंखों के दिल के आकार के फैलाव में बदल गया था, जिसके किनारों पर भूरे रंग के धब्बेदार पंख थे। गर्दन से ऊपर, मेरी समझदार लड़की एक खलिहान उल्लू जैसी लग रही थी।
“क्या?!” मैं चीख उठा।
एनाबेथ का नया सिर एक तरफ घूम गया। "कौन?"
वे दोनों ही बहुत अच्छे प्रश्न थे।
ग्रोवर सिसकते हुए बोला, "पर्सी—हे भगवान!"
“सब ठीक हो जाएगा,” मैंने हकलाते हुए कहा। “हम इसका हल निकाल लेंगे।” “नहीं, खुद को देखो!” ग्रोवर ने मांग की।
मैंने नीचे देखा। मैं अब भी नंगे बदन था। अब भी सिर्फ़ अंडरवियर में था। मैंने अपने हाथ ऊपर उठाए—लेकिन अब मेरे हाथ नहीं थे। जहाँ मेरी बाँहें हुआ करती थीं, वहाँ गुलाबी सक्शन कपों से सजी आठ मोटी बैंगनी रंग की तंतुमयी वस्तुएँ थीं। एक तंतुमयी वस्तु
रिपटाइड के चारों ओर लिपटा हुआ था। मैं इतना चौंक गया कि मैंने अपनी पकड़ ढीली कर दी और ब्लेड नीचे गिर गया।
"ओह …"
मुझे उल्टी आने का मन कर रहा था। ऑक्टोपस का अपमान करने का मेरा कोई इरादा नहीं है। मैंने ऑक्टोपस के साथ कई मज़ेदार बातें की हैं। लेकिन मैं उनके टेंटेकल्स नहीं चाहता था। मेरे नए अंग गीले और चिपचिपे लग रहे थे। त्वचा के नीचे शक्तिशाली मांसपेशियां फड़क रही थीं। चूसने वाले अंग हवा को सूंघते हुए, कुछ पकड़ने के लिए जगह तलाशते हुए, बार-बार खुल-बंद हो रहे थे। "यह तो बहुत बुरा है।"
“बात यहीं खत्म नहीं होती,” ग्रोवर ने सिसकते हुए कहा।

अपनी ही दुख भरी स्थिति से बाहर निकलना मुश्किल था, लेकिन मैंने खुद को ग्रोवर की ओर देखने के लिए मजबूर किया।
वह अपनी टांगों को घूर रहा था और रो रहा था। जहाँ उसके बालदार बकरी जैसे पिछले हिस्से थे, वहाँ नंगी त्वचा थी, आगे की ओर मुड़े हुए घुटने थे, और खुरों की जगह... पैर थे। पाँच उंगलियों वाले पैर, जो मेरे पैरों से बहुत अलग नहीं थे।
“इंसान,” उसने नाक सिकोड़ते हुए कहा। “वह तो सबसे घटिया किस्म का जानवर है!”
मैंने अपने मन में थोड़ी सी नाराजगी को दबा लिया, क्योंकि हम तीनों में से मुझे लगा कि उसे सबसे कम बुरा अनुभव हुआ था। मधुमक्खी के डंक भी शामिल थे। लेकिन फिर भी, मैं कोई कामुक प्राणी नहीं था।
“हाँ,” मैंने कहा। “मुझे खेद है यार। लेकिन इसका कोई न कोई इलाज तो होना ही चाहिए।”
"ऐसा नहीं है!" फेड्रा फर्श पर लेटकर विलाप करने लगी।
ये जलदेवियाँ बहुत मजबूत थीं। फएड्रा की टूटी हुई नाक से रस रिस रहा था और उसके चोटिल मुँह के चारों ओर सफेद रस जमा हुआ था, लेकिन वह फिर से उठने की कोशिश कर रही थी।
मैंने पूछा, "तुम अभी तक होश में कैसे हो?"
“अरे मूर्ख!” वह चिल्लाई। “इस बदबूदार सांस का कोई इलाज नहीं है। तुम हमेशा ऐसे ही रहोगे!”
एनाबेथ ने अपना सिर 180 डिग्री घुमाया और अप्सरा पर चीख पड़ी।
“अजीब!”
यह सवाल से ज़्यादा एक बयान जैसा लग रहा था। मैंने अंदाज़ा लगाया कि एनाबेथ उल्लू की भाषा में गाली दे रही थी। या शायद वह किसी प्रतिद्वंद्वी शिकारी के शोर पर प्रतिक्रिया दे रही थी। क्या उस औषधि ने उसके दिमाग को भी बदल दिया था? क्या अब उसके पास शिकारी पक्षी का दिमाग था?
मुझे पता था कि उल्लू एथेना के देवता माने जाते हैं, बुद्धिमान और ज्ञानी, लेकिन मुझे यह विचार पसंद नहीं था कि मेरी प्रेमिका को अपना बाकी जीवन पक्षी के सिर के साथ बिताना पड़े। मतलब... हाँ, मैं रात में जागने वाला व्यक्ति था। हम कोशिश कर सकते थे। लेकिन अगर वह चूहों को पूरा निगलने लगे और उल्लू की बीट उगलने लगे... नहीं! कोई न कोई उपाय तो होना ही चाहिए।

ऐसा लग रहा था जैसे पूरा कमरा हिल रहा हो। मैंने अपने पेट में हो रही कंपकंपी को शांत करने की कोशिश की।
मैंने कहा, "ग्रोवर, क्या तुम इस बार इन निम्फों को अच्छे से बांध सकते हो?" वह हताशा से अपने पैरों को घूर रहा था।
“मुझे बहुत अपमानित महसूस हो रहा है,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “मेरी खूबसूरत खाल… मेरे टखने और पंजे—”
“ग्रोवर!” मैंने अपनी सूंडें झटक दीं। मेरा ऐसा करने का इरादा नहीं था, लेकिन मेरी बेचैनी देखकर वे हिलने लगीं और गोल-गोल घूमने लगीं। शुक्र है कि मेरी बगलों से स्याही नहीं निकली। “ग्रोवर, मुझे पता है यार, लेकिन प्लीज़।”
“मुझे मर्द मत कहो!” वह सिसकते हुए बोला।
मेरे पेट में कंपन बढ़ता जा रहा था और धीरे-धीरे मेरे पैरों तक फैलने लगा। काश, मैं उस भयानक सांस के सबसे पहले निशाने पर होता। शायद मैं किसी मछली के सिर में बदल जाता, लेकिन कम से कम एनाबेथ बात तो कर पाती और हमें बता पाती कि क्या करना है। उसके पास कोई उपाय तो होता।
मैं… मेरे पास सौ नए चूसने वाले अंग थे और लॉबस्टर का शिकार करने की एक अजीब सी इच्छा थी।
“ग्रोवर, जुड़वा बच्चों को बांध दो ना?” मैंने विनती की। “मुझे सोचना पड़ेगा…।”
“ठीक है, ठीक है।” ग्रोवर लड़खड़ाते हुए डैड्रा की ओर बढ़ा। “इन पर कैसे चलते हैं? ये तो बहुत नाजुक हैं! आह! आह! आह!”
इसी बीच, एनाबेथ, जिसके पास सौभाग्यवश अभी भी इंसानी हाथ थे, ने फेड्रा की कलाइयों को रबर की नली से बांधना शुरू कर दिया। मुझे उम्मीद थी कि इसका मतलब यह होगा कि वह अभी भी पहले की तरह सोच रही है।
ग्रोवर ने डक्ट टेप उठाया। वह डैड्रा के पास घुटनों के बल बैठ गया, जो अब कराह रही थी और अधमरी हालत में थी। फिर उसे एहसास हुआ कि उसकी कलाइयों को बांधना मुश्किल होगा क्योंकि उसका सिर्फ एक ही हाथ था। वह कटे हुए भालू के पंजे के पास गया, उसे एक पंजे से उठाया और डैड्रा के पास वापस ले आया। उसने डक्ट टेप से उसे वापस उसकी कलाई पर चिपका दिया, हालांकि वह पंजा कई गुना बड़ा था।

ग्रोवर ने कहा, "अगर आप जल्दी करें तो एक अच्छा सर्जन इसे दोबारा जोड़ सकता है।"
“यह तो भालू का पंजा है!” डैड्रा ने शिकायत की। “मैं तो अप्सरा हूँ!”
"अरे, कोई बात नहीं, कोई बात नहीं," ग्रोवर ने उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहा, लेकिन इससे उसे कोई राहत नहीं मिली।
मैंने कहा, "इस प्रयोगशाला में कुछ तो खास होना ही चाहिए। ये सारी दवाइयाँ..."
“कोई इलाज नहीं है,” फेड्रा ने कहा। “तुम जैसी हो वैसी ही रहने के लिए अभिशप्त हो! अगर तुम कोई इलाज ढूंढ भी लो, तो तुम्हारे पास समय नहीं है।” “कौन?” एनाबेथ ने पूछा।
“देखो!” फेड्रा ने अपनी ठोड़ी से इशारा किया।
उबलते हुए सूप का कुंड लगातार फैलता जा रहा था। अब उसका व्यास छह फीट हो गया था, और चिपचिपी लटें पत्थर की टाइलों के बीच से रेंगती हुई फर्श को फाड़ रही थीं। दरारों से जहरीली भाप उठ रही थी। जो कंपन मैं महसूस कर रहा था, वह सिर्फ मेरा नहीं था। पूरा कमरा कांप रहा था।
"हमारा तो विनाश निश्चित है," फेड्रा खिलखिलाकर हंस पड़ी, "लेकिन अगर तुम यहीं रुके रहे तो तुम्हारा भी विनाश निश्चित है! जल्द ही यह पूरी इमारत एक अथाह गड्ढे में गिर जाएगी!"
यह सुनकर बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा।
एनाबेथ क्या करती? मतलब, अगर वो एक उल्लू न होती तो...
मैंने गेल की ओर देखा, जो अब भी उत्सुकता से एयर डक्ट से हमें देख रही थी। मुझे हेकुबा के साथ शैडो-ट्रैवल डिस्को का अपना अनुभव याद आया, और वह तरीका भी याद आया जिससे हम ट्रॉय के खंडहरों में आखिरकार एक-दूसरे के करीब आए थे...
“ग्रोवर, एनाबेथ,” मैंने कहा। “जुड़वा बच्चों को यहाँ से निकालो। सुरक्षित स्थान पर पहुँचो।”
“क्या तुम ऐसे दिख रहे हो?” ग्रोवर ने पूछा।
“आउच!” आउल-ए-बेथ चीखी।
मैंने वादा किया, "मेरे पास एक विचार है।"
मेरी नज़र एनाबेथ की बड़ी-बड़ी काली आँखों पर पड़ी। मुझे उल्लू के चेहरे के हाव-भाव का विशेषज्ञ होने की ज़रूरत नहीं थी, मैं समझ गया था कि वह संशय

में थी। मेरे विचार वैसे ही थे जैसे दूसरों के शरीर पर चकत्ते होते हैं... आमतौर पर शर्मनाक और ऐसी चीज़ें जिन्हें आप किसी के साथ साझा नहीं करना चाहते।
मैंने अपने नए बैंगनी रंग के टेंटेकल्स को हिलाते हुए कहा, "मुझ पर भरोसा करो। मैं पोलकैट से बात करने जा रहा हूँ।"

छब्बीस
ठीक है, शायद इसका कोई इलाज हो, लेकिन आपको यह पसंद नहीं आएगा।
दरअसल, मैं नेवलों से बात नहीं कर सकता था।
अगर मैं तर्कसंगत होता, तो मैं वह काम ग्रोवर को सौंप देता। लेकिन ग्रोवर का मूड नहीं था। वह अपने पैरों के नाखूनों को लेकर बहुत उदास था।
जब वो और एनाबेथ अप्सराओं को ऊपर खींच रहे थे, मैं गेल के पास जितना हो सके शांत भाव से पहुँचा। मेरे पैरों के नीचे ज़मीन चटक रही थी, इसलिए यह आसान नहीं था। मेरी सूंडें भी मदद नहीं कर रही थीं। वे ऐसे इधर-उधर हिल रही थीं

मानो उनका अपना दिमाग हो... और सच कहूँ तो, ऑक्टोपस की सूंडें होती भी हैं। मेरे दिमाग के ADHD वाले हिस्से ने सोचा कि क्या मैं होमवर्क का काम अपनी नई भुजाओं को सौंप सकता हूँ। नहीं... बुरा पर्सी। नेवले पर ध्यान केंद्रित रखो।
“हे गेल।” मैंने सहजता से बात करने की कोशिश की, जैसे हम किसी कॉफी शॉप में अचानक मिल गए हों। “मैं तुम्हें ऊपर छिपने के लिए दोष नहीं देती। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं, है ना?”
गेल ने मेरी तरफ घूरकर देखा, शायद सोच रहा था, यार, तुम आधे ऑक्टोपस हो। हाँ, ये तो बहुत बड़ी बात है।
“मैं चाहती हूँ—” इससे पहले कि मैं कुछ कह पाती, मैंने खुद को रोक लिया। मुझे याद आया कि हेकुबा के साथ मेरी क्या बातचीत हुई थी। “मैं तुम्हें उस जंजीर से आज़ाद करना चाहती हूँ। फिर तुम खुद तय कर सकती हो कि आगे क्या करना है।”
कमरा हिल उठा। नारंगी रंग का झाग कंक्रीट की नींव में रिस रहा था, जिससे इतनी बड़ी दरारें बन रही थीं कि उनमें एक छोटा सा कीड़ा भी समा सकता था। चिपचिपे पदार्थ की और भी पतली-पतली लकीरें दीवारों पर चढ़ती हुई ईंटों और गारे को गला रही थीं। खाने की थाली के आकार का छत का प्लास्टर का एक टुकड़ा मेरे पैर के पास आकर गिरा।
गेल फुफकारती हुई हवा के पाइप में पीछे हट गई, लेकिन वह अपनी सोने की जंजीर के अंत तक पहुँचने से पहले ज़्यादा दूर नहीं जा सकी। वरना, मुझे लगता है कि वह अब तक बहुत दूर जा चुकी होती।
“गेल, हमारे पास ज़्यादा समय नहीं है…” मैंने शांत और समझदारी से अपनी सूंडें हिलाईं। “मुझे तुम्हारी मदद चाहिए। मुझे पता है कि फेड्रा ने कहा था कि उस भयानक सांस का कोई इलाज नहीं है, लेकिन मुझे यकीन है कि तुम्हें इसका कोई एंटीडोट पता होगा।”
नेवला ने नली से अपनी नाक बाहर निकाली, मानो पूछ रही हो, कौन, मैं?
मैंने स्वीकार किया, "तुम पर मेरा कोई एहसान नहीं है। लेकिन आज मैंने देखा कि तुम जादुई औषधियों से क्या कमाल कर सकते हो। तुम सचमुच अद्भुत हो।" उसने अपने फर को फुलाया, फिर गुस्से में पाद मारा।

“मुझे पता है,” मैंने कहा। “हेकेट तुम्हें उतना महत्व नहीं देती जितना देना चाहिए। ऐसा लगता है जैसे वह भूल गई है कि तुम कभी एक प्यारे से रोएंदार पालतू जानवर के अलावा भी कुछ थे।”
“भौंकना!” बिल्कुल सही।
वाह... या तो मुझे पोलकैट समझ में आने लगा था, या फिर हवा में मौजूद छह हजार जादुई रसायनों के कारण मुझे मतिभ्रम हो रहा था।
मैंने कहा, “मैंने पहले तुम्हारी काबिलियत को नहीं समझा था। तुममें हुनर है। यही असली वजह थी कि हेकेट ने तुम्हें नेवला बना दिया, है ना? पूरी वजह नहीं…”
उसे पेट में गैस की समस्या थी। उसे इस बात से जलन होती थी कि तुम बहुत शक्तिशाली होते जा रहे थे।
“भौंकना!” ज़ाहिर है।
(पोलकैट में यह बिल्कुल और स्पष्ट रूप से लगभग एक जैसा लग रहा था, और हाँ, मुझे निश्चित रूप से मतिभ्रम होने लगा था।)
“अब जब मेरे पास ये हैं”—मैंने अपने गुलाबी लॉलीपॉप लहराते हुए कहा
— “मुझे समझ में आ रहा है कि ये कितना मुश्किल होगा। तुम्हारी हालत तो और भी बदतर है। हेकेट ने ये सुनिश्चित किया है कि तुम्हारी न तो आवाज़ है, न अंगूठे हैं, और न ही तुम खुद से कोई औषधि बना सकते हो।”
गेल के बैठने की जगह के ठीक बगल वाली दीवार पर एक बड़ी दरार टेढ़ी-मेढ़ी ऊपर की ओर जा रही थी। वह नारंगी रंग का चिपचिपा पदार्थ बहुत शक्तिशाली था। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मेरे मोज़े और जूते ने किसी तरह उसे और भी शक्तिशाली बना दिया था—एक बढ़ते हुए चिपचिपे राक्षस के लिए एकदम सही पोषक तत्व।
मैंने कहा, “चलो मिलकर एक इलाज बनाते हैं। हो सकता है ये तुम पर भी असर करे — अगर तुम फिर से इंसान बनना चाहते हो। अगर नहीं, तो कोई बात नहीं। मुझे बताओ क्या करना है। लेकिन इससे पहले कि ये जगह हमारे सिर पर गिर पड़े, हमें इलाज तैयार करना होगा।”
गेल ने चहचहाया, फिर हताशा में अपनी हथकड़ी को दांतों से काट लिया।
“बेशक, मैं पहले तुम्हें आज़ाद करूँगा,” मैंने कहा। “फिर तुम फैसला कर सकते हो। तुम्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का हक है, लेकिन इस तरह नहीं... जंजीरों में जकड़े हुए और लालची इत्र अप्सराओं के लिए काम करने को मजबूर। चलो वो

विषनाशक बनाते हैं ताकि हम सब उसकी मदद कर सकें। जब हम हेकेट के पास वापस जाएँगे—”
गेल ने फुफकारा। वह चुड़ैल!
मैंने खुद को सुधारते हुए कहा, "अगर तुम वापस जाने का फैसला करते हो, तो मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि हेकेट तुम्हारी अहमियत समझे। हम तुम्हारे लिए तुम्हारी अपनी प्रयोगशाला, कुछ ऐसे सहायक जो अंगूठे से काम कर सकें, जो कुछ भी तुम चाहो, सब कुछ दिलवा सकते हैं!"
गेल ने अपना सिर झुकाया। मैं तुम पर भरोसा क्यों करूं?
मैंने कहा, “मैं तुम्हारे बिना नहीं जाऊंगी। तो…”
मैंने ढहती हुई प्रयोगशाला की ओर एक टेंटेकल लहराया। दीवारों में और दरारें आ गई थीं। फर्श टूटे हुए, चिपचिपे कांच की चादर जैसा लग रहा था। जल्द ही,
हम टन भर मलबे और महंगे इत्र के नीचे दब जाएंगे।
गेल पास की मेज पर कूद गई। उसने अपनी चेन पेश की।
“बहुत बढ़िया,” मैंने कहा। “बस स्थिर रहो…।”
तलवार उठाने में मुझे कुछ प्रयास करने पड़े। खोपड़ी में एक मानव मस्तिष्क और आठों भुजाओं में एक-एक छोटा ऑक्टोपस मस्तिष्क होने के बावजूद, अपनी तंतुओं को समन्वयित करना सीखना आसान नहीं था। आखिरकार, मैंने हैंडल पर मज़बूत पकड़ बना ली। मैंने एक और तंतु गेल की पीठ पर टिकाया, और...
सदमा। चक्कर आना। दर्द।
टेंटेकल्स संवेदी अंग थे। मैं यह जानता था, लेकिन ये मानवीय इंद्रियों से बिलकुल अलग थे। मैं गेल के अतीत की गंध महसूस कर सकता था। मैं उसकी भावनाओं का स्वाद चख सकता था। हमारे बीच एक विद्युतीय प्रवाह हुआ, जिससे मैं उसके शरीर की हर मांसपेशी, उसके मस्तिष्क में प्रवाहित होने वाले हर रसायन, उसके न्यूरॉन्स द्वारा चित्रित हर स्मृति को सुन सकता था।
मैंने एक युवती को फटे-पुराने भूरे वस्त्रों में देखा। उसने एक कंधे पर चमड़े का थैला टांग रखा था, जो औषधीय पौधों, शीशियों, मरहमों और ग्रंथों से भरा हुआ था। यही उसका जीवन भर का काम था—कुलुस्सियों द्वारा शहर से निकाले जाने पर वह जो कुछ बचा पाई थी, बस वही था। वह एक ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्ते पर संघर्ष करती हुई चढ़ रही थी, बीच-बीच में रुककर अपना पेट पकड़ती और दर्द से कराहती। आँसुओं से उसका चेहरा बह रहा था, जिससे उसकी आँखों के

चारों ओर लगा काजल फैल गया था और ऐसा लग रहा था मानो उसने काला मुखौटा पहन रखा हो।
उसकी आंतें टूटे हुए कांच के टुकड़ों से भरी हुई महसूस हो रही थीं।
अपामिया के बाद से उसकी हालत और बिगड़ती जा रही थी, जब हेकेट उसके सपनों में प्रकट हुई थी और उसे रुकने की चेतावनी दी थी। लेकिन गेल नहीं रुकी थी। वह रुकने के बहुत करीब थी।
फिर कोलोसे शहर। उसने अपनी औषधियों से एक लड़की को जीवनदान दिया था! और शहर ने उसे क्या इनाम दिया? भय, घृणा, मशालें और हिंसा से। उन्होंने उसे लात मारी और उस पर थूका। वह बस फुफकारती और अपनी जान बचाने के लिए अंधेरे में भागती रही।
अब उसकी सारी शक्ति समाप्त हो चुकी थी। उसने कई योजनाएँ बनाई थीं। वह जानती थी कि वह कितनी प्रतिभाशाली है। वह देवी बन सकती थी, अमरता का अमृत बना सकती थी—डायोनिसस के शराब के उपहार से भी बेहतर कुछ। क्यों नहीं? उसे देवताओं द्वारा पुरस्कृत क्यों नहीं किया जाना चाहिए?
गेल एक चट्टान की चोटी पर रुक गया, जहाँ से रास्ता बाएँ और दाएँ दो भागों में बँट जाता था।
उस सुनसान और वीरान चौराहे पर गहरे रंग के लंबे वस्त्र पहने एक लंबी महिला खड़ी थी, जिसके सिर पर चांदी का एक चमकदार मुकुट था।
“मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी,” हेकेट ने आश्चर्यजनक रूप से कोमल स्वर में कहा। “वे तुम्हारी जैसी शक्ति वाली महिला को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।” गेल को पेट में तेज दर्द हो रहा था, जिससे वह दर्द से कराह उठी। वह सिसकते हुए खुद को इतना कमजोर देखकर खुद से नफरत करने लगी।
“यह अंतिम मोड़ है,” हेकेट ने कहा। “तुम अपनी जादुई कलाओं को त्यागकर जीवित रह सकती हो।”
“कभी नहीं,” गेल ने जोर देकर कहा। “तुम मेरी देवी हो! तुम मेरी रक्षा क्यों नहीं करती?”
हेकेट दुखी दिख रही थी। “मैं तुम्हें उनके नज़रिए से नहीं बचा सकती। मैं तुम्हारी प्रतिभा से भी तुम्हें नहीं बचा सकती। वे तुमसे डरते हैं। वे तुम्हें कभी आगे नहीं बढ़ने देंगे।”
“देवता या मनुष्य?” गेल गुर्राया।

हेकेट ने कोई जवाब नहीं दिया। उसे जवाब देने की ज़रूरत भी नहीं थी। गेल जानती थी कि जवाब दोनों ही है।
“तुम मर सकते हो,” हेकेट ने कहा। “और दर्द बंद हो जाएगा।”
“नहीं!” गेल ने गुस्से से कहा। “मैं उन्हें यह संतुष्टि नहीं दूंगा।” हेकेट ने सिर हिलाया। “दूसरा एकमात्र विकल्प सबसे कठिन है। शाश्वत पीड़ा में जीना। तुम्हें अमरता तो मिल जाएगी, लेकिन न तो मनुष्य के रूप में और न ही देवता के रूप में।”
वे ऐसा कभी होने नहीं देंगे। तुम्हारा अस्तित्व अभिशाप होना चाहिए, आशीर्वाद नहीं। यही एकमात्र तरीका है जिससे तुम्हारी प्रतिभा वाली चुड़ैल जीवित रह सकती है।
“तो फिर करो!” गेल गुर्राया।
उसका शरीर बदलने लगा—वह सिकुड़ने लगी, उसके शरीर पर बाल उगने लगे, वह गालियां देने लगी और दर्द से चीखने लगी—यहाँ तक कि एक नेवला देवी के चरणों में औंधा पड़ा रह गया। हेकेट घुटनों के बल बैठी, उस नन्हे जानवर को धीरे से उठाया और अपनी बाहों में थाम लिया।
“ऐसा ही हो,” हेकेट ने कहा।
मैंने गेल की पीठ से अपना टेंटेकल उठाया। मेरे पेट में दर्द हो रहा था। मेरी आँखों में जलन हो रही थी।
हेकेट के बारे में मेरी सोच गलत थी। उसने ईर्ष्या के कारण गेल को नेवला नहीं बनाया था। कारण और भी बुरा था। उसे गेल के प्रति सहानुभूति थी। उसे विश्वास नहीं था कि गेल केवल अपनी जादुई शक्तियों के बल पर जीवित रह सकती है। हेकेट को अच्छी तरह पता था कि दुनिया चुड़ैलों को कैसे देखती है। उसे गेल पर दया आती थी, वह उसकी प्रशंसा करती थी, और हाँ, शायद उससे थोड़ा डरती भी थी, लेकिन वह यह कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि एक साधारण इंसान सफल हो सकता है जबकि वह, एक देवी, असफल हो गई थी। इसलिए गेल को अपना मानव अस्तित्व छोड़ना पड़ा।
प्रयोगशाला अभी भी कांप रही थी। गेल ने मेरे द्वारा उसकी जंजीर काटने का इंतजार किया। उसने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया जिससे लगे कि उसे मेरे द्वारा महसूस की गई बात का पता है।

मैंने रिपटाइड को पकड़े हुए टेंटेकल को स्थिर किया और तलवार को सुनहरे बंधन पर नीचे लाया, जिससे वह गेल के कॉलर से कुछ इंच की दूरी पर साफ-सुथरा कट गया।
नेवला हैरानी से मेरी तरफ देखने लगा। तुमने मुझे नहीं मारा। और तुम रो क्यों रहे हो?
“अगर तुम चाहो तो भाग सकते हो।” मेरी आवाज़ भारी थी। “शायद तुम्हारा अगला सफ़र इससे बेहतर हो… या हम एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं। चाहे जो भी हो, मुझे तुम पर भरोसा है।”
गेल की मूंछें फड़कने लगीं। शायद वह हवा को सूंघ रही थी, चिपचिपे पदार्थ की गंध के आधार पर यह अनुमान लगा रही थी कि हमारे पास कितना समय बचा है। या शायद वह बस सोच रही थी, "तुम तो बड़े अजीब बच्चे हो।" आखिरकार, वह दौड़कर दूसरी मेज पर गई और अपने पंजे एक मिश्रण कटोरे के किनारे पर रख दिए।
मैं अपने मुड़े हुए टखने के बल लड़खड़ाते हुए अंदर गया और अंदर देखा। "यह खाली है।"
उसके चेहरे के भाव कह रहे थे, "मजाक नहीं, आइंस्टीन। हम यहीं पर औषधि मिलाएंगे।"
मैंने कहा, "समझ गया। मुझे दिखाओ कि हमें क्या चाहिए।"
सच कहूँ तो, गेल एक बहुत अच्छी टीचर थी। वह किसी शीशी या बर्तन के पास दौड़कर जाती और उसे थपथपाकर इशारा करती कि हमें उसमें मौजूद तरल पदार्थ को अपने मिश्रण में मिलाना है। ज़ाहिर है, मैं दस्ताने नहीं पहन सकती थी, लेकिन कुछ कोशिशों के बाद, मुझे शीशियों को बिना तोड़े उठाना और फिर उन्हें थोड़ा सा झुकाकर तरल पदार्थ को कटोरे में डालना आ गया। मैंने तो अपनी सूंडों से चम्मच पकड़कर उसे निकालना और मिलाना भी सीख लिया था। मेरी माँ को मुझ पर बहुत गर्व होता। अगर मैं अपने जूते के फीते बाँधना सीख जाती, तो शायद वह मुझे कभी वापस इंसानी हाथ नहीं रखने देती।
जब भी पानी डालना बंद करने का समय होता, गेल भौंकती। वह मेज पर अपने पंजे गड़ाकर खोदने का इशारा करती, ताकि मुझे पता चले कि मुझे कब हिलाना चाहिए। इसी बीच, हमारे चारों ओर कमरा बिखरने लगा। फर्श पर सबसे बड़ी दरार अब एक फुट चौड़ी खाई बन गई थी जो नारंगी रंग से चमक रही थी और जहाँ तक मेरी नज़र जा सकती थी, नीचे तक जाती जा रही थी। मैं यह पता नहीं लगाना चाहता था कि क्या यह पाताल लोक की ओर जाती है। और मैं किसी भी हालत में वहाँ नहीं रहना

चाहता था जब हेड्स के महल की छत से नारंगी रंग का चिपचिपा पदार्थ टपकने लगे। मैं उसके प्लंबरों से मिल चुका था। वे उसकी सभी समस्याओं का समाधान आग के कोड़ों से करते थे।
धीरे-धीरे, हमारी सामग्री एक गाढ़े भूरे रंग के पेस्ट में बदल गई। मुझे मात्रा को लेकर चिंता हो रही थी, क्योंकि कभी-कभी मुझसे ज़्यादा पाउडर या धुआँ निकलने वाला तरल पदार्थ गिर जाता था, और गेल चिढ़कर मुझ पर चिल्लाती थी। लेकिन उसने मुझे दोबारा शुरू करने के लिए नहीं कहा। यह अच्छा था, क्योंकि छत के प्लास्टर के टुकड़े हमारे चारों ओर गिरते रहे, यहाँ तक कि मुझे अपने सिर के ठीक ऊपर सहारे के बीम दिखाई देने लगे।
मुझे मज़ा नहीं आ रहा था। मुझे खाना बनाने की कोई स्वाभाविक प्रतिभा नहीं मिली। लेकिन अगर कोई कभी 'द ग्रेट ब्रिटिश बेक ऑफ' और 'निंजा वॉरियर' का मिलाजुला रियलिटी शो बनाना चाहे, तो मुझसे संपर्क करें। मेरे पास कुछ आइडिया हैं।
अंत में, मैंने उसमें कुछ ऐसा डाला जो लोहे के बुरादे जैसा दिखता था। “चीं!” गेल ने मेज पर अपने पंजे गड़ाते हुए आदेश दिया। हिलो, ऑक्टोपस लड़के! अपनी जान बचाने के लिए हिलो!
मैंने उसे हिलाया। पेस्ट का रंग बदल गया—पहले काला, फिर फ़िरोज़ी। उसमें से दालचीनी रोल जैसी खुशबू आ रही थी, जो अजीब था, क्योंकि मैंने उसमें दालचीनी डाली ही नहीं थी।
या फिर रोल।
मेरे पीछे फर्श में एक नई दरार खुल गई। मेरे बाईं ओर, ईंटों की एक लहर के साथ दीवार ढह गई।
“भौंक!” गेल चीखी। काफी है!
वह मेरे कंधे पर कूद गई, मैंने अपने टेंटेकल्स कटोरे के चारों ओर लपेट लिए और हम वर्कशॉप से जितनी तेज़ी से भाग सकते थे, भाग निकले। हम सेंट्स फॉरएवर से होते हुए भागे और फुटपाथ पर एनाबेथ, ग्रोवर और हमारी दो बंधी हुई जलपरियों से मिल गए।
“जाओ, जाओ, जाओ!” मैंने चिल्लाया।
ग्रोवर और एनाबेथ अप्सराओं को घसीटते हुए भागे। जैसे ही हम सड़क पार कर पाए, सेंट्स फॉरएवर धराशायी हो गया और एक चमकते नारंगी गड्ढे में समा गया,

जिससे आस-पड़ोस की संपत्तियों के मूल्यों पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला था।
फेड्रा विलाप करते हुए बोली, “हमारी सारी मेहनत! हमारी पूरी जिंदगी की मेहनत!”
उसकी टिप्पणी मेरे पेट में छुरा घोंपने जैसी लगी। इसने मुझे गेल के बारे में मेरी धारणा की बहुत याद दिला दी।
“हूट!” एनाबेथ ने कहा। मेरा अनुवाद: शिकायत मत करो। हम तुम्हें जीने दे रहे हैं।
“मैं बदला जरूर लूंगी!” फेड्रा ने वादा किया। “मेरी बहनें और मैं—”
एक पुलिस कार सायरन बजाते हुए लाफायेट रोड पर मुड़ी और यह पता लगाने आई कि अचानक इमारतें क्यों ढह रही हैं। मुझे लगा कि जल्द ही और भी आपातकालीन वाहन यहाँ पहुँच जाएँगे।
“तुम्हें शुभकामनाएँ,” मैंने अप्सरा से कहा, और मेरा मतलब यही था। “चलो, दोस्तों!”
फेड्रा के चीखने-चिल्लाने के बीच, हम उन वीर अर्ध-रूपांतरित देवताओं की तरह भाग निकले जो हम वास्तव में थे।

सत्ताईस
हम टूथपेस्ट खाते हैं
मैं फिर से कहूंगा: हैलोवीन के लिए भगवान का शुक्रिया।
मुझे शक है कि धुंध की कोई भी मात्रा उल्लू-ए-बेथ और ऑक्टो-पर्सी को इंसानों की जिज्ञासु निगाहों से छिपा सकती थी, खासकर तब जब मेरी टेंटेकल्स बिना किसी खास वजह के राहगीरों को थप्पड़ मार रही थीं। लेकिन चूंकि यह हैलोवीन था, इसलिए ज्यादातर लोग सोचते, वाह, ये पोशाकें तो कमाल की हैं, और वह तीसरा आदमी तो पूरी तरह से इंसान है! अद्भुत!
कुछ ब्लॉक चलने के बाद, हम सांस लेने के लिए एक गली में घुस गए।
“कौन!” एनाबेथ ने कहा।
मैंने ग्रोवर की तरफ देखा। "क्या तुम उसे समझ सकते हो?"

ग्रोवर का चेहरा अभी भी मधुमक्खी के डंक के निशानों से भरा हुआ था। उसने अपने पैर की उंगलियों के बीच से एक कंकड़ उठाया। "क्या? नहीं। यह कोई सामान्य पशु भाषा नहीं है जो वह बोल रही है। यह—मुझे नहीं पता।"
“कौन!” एनाबेथ ने पूछा।
मैंने शांत भाव से अपनी एक सूंड ऊपर उठाई। फिर मुझे एहसास हुआ कि किसी विशालकाय पक्षी को यह कीड़े जैसी लग सकती है, इसलिए मैंने इसे वापस नीचे रख दिया। "मुझे लगता है कि आप पूछ रहे हैं कि अब क्या होगा। गेल और मैंने एक संभावित इलाज खोज निकाला है।"
मेरे कंधे पर बैठी गेल चहक उठी, "यह सिर्फ संभव ही नहीं है! यह तो प्रतिभा का चमत्कार है!"
मैंने बताया कि कैसे गेल और मैं एक ढहती हुई इमारत में औषधियाँ मिलाते हुए एक-दूसरे के करीब आ गए थे। मैंने अपने उस दृश्य का ज़िक्र नहीं किया। मुझे नहीं लगा था कि गेल को यह बात पूरे समूह के साथ साझा करना अच्छा लगेगा, लेकिन मैंने गर्व से एनाबेथ और ग्रोवर को नीले रंग के गाढ़े घोल से भरा हमारा कटोरा दिखाया।
एनाबेथ ने अपना सिर गोल घुमाया और खांसने लगी। हर कोई आलोचक होता है। ग्रोवर ने सूंघा। “मुझे लगता है इसकी खुशबू अच्छी है। दालचीनी वाले टूथपेस्ट जैसी। क्या हम इसे अपने मसूड़ों पर मलें?”
“मैं—हम्म। मुझे लगा कि यह त्वचा के लिए लोशन जैसा कुछ है…।”
“भौंक!” गेल ने गुस्से से कहा।
“क्या हमें इसे खाना पड़ेगा?” मैंने पूछा।
“भौंक!” गेल ने सहमति जताई।
अचानक मुझे इस रेसिपी पर भरोसा नहीं रहा। इसे बनाने की प्रक्रिया धुंधली सी याद है, लेकिन मुझे लोहे के बुरादे, कुछ उबलते हुए विषैले पदार्थ और कुछ ऐसी चीजें याद थीं जो कीड़ों के खोल जैसी दिख रही थीं।
“कितने?” ग्रोवर ने पूछा।
मैंने कटोरे में देखा। मेरा दिल बैठ गया। जितना मैंने सोचा था, उतना था ही नहीं। पेस्ट तीन गोल्फ बॉल के आकार के टुकड़ों में जम गया था, मानो वह खुद को परोसने के लिए सुझाए गए आकारों में बाँट लिया हो। लेकिन अगर हमारे पास सिर्फ तीन ही बचे हों तो...
मैंने कहना शुरू किया, "मुझे यकीन नहीं है—"

“मुझे दो,” ग्रोवर ने कहा।
उसने पेस्ट का एक टुकड़ा निकाला और उसे अपने मुंह में डाल लिया।
जैसे ही उसने निगला, वह दर्द से कराह उठा और उल्टी करने लगा। "आह!"
मैंने अपना हाथ उसकी पीठ पर रखा। "ग्रोवर?"
मेरा नेवला जैसा साथी मेरे कंधों पर फुदक रहा था, यह देखने के लिए उत्सुक था कि पहले मरीज़ का क्या होगा। गेल के प्रति मेरे मन में अभी-अभी पैदा हुए सम्मान के बावजूद, मेरे मन में एक भयानक ख्याल आया कि कहीं यह पेस्ट हम सबको हमेशा के लिए गैस छोड़ने पर मजबूर करने की कोई सोची-समझी चाल तो नहीं है।
ग्रोवर बुरी तरह कांप उठा। वह लड़खड़ाते हुए कूड़ेदान के पास गया और उल्टी करने लगा।
“कौन!” एनाबेथ ने अपने सिर के पंखों को सहलाया।
“हे भगवान!” मैंने कहा। “मुझे बहुत खेद है, ग्रोवर! हम तुम्हें हवेली वापस ले चलेंगे। शायद कोई एंटीडोट मिल जाए या—”
“नहीं,” ग्रोवर हांफते हुए बोला। “रुको।”
उसे थोड़ी और उल्टी हुई। उसकी टांगों पर बकरी के बालों के गुच्छे उगने लगे।
उसके घुटने पीछे की ओर मुड़ गए। उसके पैर सख्त होकर खुरों में बदल गए। गिलहरियों की जय हो! ग्रोवर फिर से एक कामुक प्राणी बन गया था।
वह मुड़ा और पैर का नाखून थूक दिया। "ब्लाह।"
मैंने पूछा, "आप कैसा महसूस कर रहे हैं?"
“यह तो बिल्कुल भी दालचीनी वाला टूथपेस्ट नहीं है।” उसने मुझे हल्की सी मुस्कान दी।
उसके चेहरे पर पड़े निशान भी मिटने लगे थे। "पर्सी, तुमने कर दिखाया! मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं पहले जैसा हो गया हूँ।"
मैंने कहा, "गेल ही असली हीरो है।"
गेल चहचहाया, जाहिर तौर पर प्रसन्न होकर।
मैंने एनाबेथ की ओर मुड़कर कहा, "ठीक है... तो अगर तुम तैयार हो..."
एनाबेथ ने अपनी नुकीली, मुड़ी हुई चोंच से पेस्ट के दूसरे गोले को फाड़ दिया।

गेल मेरे कंधे से कूदकर पास के एक फल के डिब्बे की ओर भागा... शायद इसलिए क्योंकि विशाल उल्लू ऐसी चीज हैं जिनसे नेवलों को बुरे सपने आते हैं।
एनाबेथ को उल्टी आने लगी। उसकी चोंच चौड़ी खुल गई। उसकी उल्लू जैसी आंखें और भी बड़ी हो गईं।
उसके सिर के पंख तलवार की तरह सीधे खड़े हो गए। उसने अपने हाथ अपने गले पर रखे—जो घुटन का सर्वमान्य संकेत है।
मैं घबरा गया। क्या आधे इंसान, आधे शिकारी पक्षी पर हीमलिच पैंतरा काम करेगा? मेरे पास तो सिर्फ ऑक्टोपस के टेंटेकल्स थे, लेकिन मैं उसके पीछे भागा और चौथी कक्षा में स्वास्थ्य शिक्षक द्वारा सिखाए गए तरीके से उसकी छाती की हड्डी ढूंढने की पूरी कोशिश की। मैंने उसके डायफ्राम में ऊपर की ओर धक्का दिया।
खाँसी!
उसके गले से खरबूजे के आकार की उल्लू की उल्टी निकली और सामने वाली दीवार से टकराई। वह झुक गई और ज़ोर-ज़ोर से सांस लेने लगी। जब वह फिर से सीधी हुई, तो वह सामान्य एनाबेथ थी—इंसानी चेहरा, इंसानी बाल और उसके रोज़ाना के सेब के शैम्पू की खुशबू।
मैंने पूछा, "तुम ठीक हो?"
"कृपया पांच सौ डॉलर में बेवकूफी भरे सवाल भी ले लें," उसने कर्कश आवाज में कहा।
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "हाँ।"
उसने मेरी ऑक्टोपस जैसी भुजाओं को देखा। "लेकिन तुम..."
“हाँ…” मैंने कटोरे में देखा। पेस्ट का एक छोटा सा टुकड़ा नीचे चिपका हुआ था। यह ग्रोवर और एनाबेथ द्वारा ली गई खुराक से भी छोटा था।
एनाबेथ को समस्या समझ में आ गई थी। उसके चेहरे के भावों को फिर से पढ़ पाना अच्छा लगा, भले ही वह मुझे चिंता और भय के मिले-जुले भावों से देख रही थी। “यह आपका फैसला है,” उसने कहा।
मैं गेल के फलों के डिब्बे के पास गया। मैं घुटनों के बल बैठ गया ताकि हम आमने-सामने हों।
"हममें से सिर्फ एक के लिए ही पर्याप्त बचा है, है ना?"
उसने चहकते हुए कहा—बिल्कुल हाँ।
मैंने पूछा, "मुझे नहीं लगता कि हम हेकेट के घर वापस जाकर और बना पाएंगे?"

उसने मुझे लगातार कई तरह की भोंकने और चहचहाने की आवाज़ें सुनाईं। मैंने ग्रोवर से उनका अनुवाद जानने की कोशिश की।
“उसने मना कर दिया,” उसने मुझे बताया। “उनमें से कुछ सामग्रियों को उगने में सदियाँ लग जाती हैं।”
मैंने सोचा था कि हेकेट अपने हाथ के इशारे से मुझे वापस पहले जैसा बना सकती है। लेकिन फिर, अगर उसके घर लौटने पर मैं आधा ऑक्टोपस जैसा दिखता, तो सच्चाई सामने आ जाती। वह मुझे तली हुई पर्सी कैलामारी में बदल देती। शायद मैं अपने पिताजी से मदद मांग सकता था। वो समुद्री जीवों के विशेषज्ञ थे। वैसे भी, उनका एक अमर पुत्र ट्राइटन था, जिसकी दो मछली जैसी पूंछें थीं। पोसीडॉन को शायद इसमें कोई समस्या न दिखे। फिर हम समुद्री जीवों की भूमि जीवों से श्रेष्ठता पर बहस करने लगते। वो शायद मुझसे कहते कि वो हमेशा से एक ऑक्टोपस को अपना पुत्र बनाना चाहते थे और मुझे खुद को भाग्यशाली समझना चाहिए।
मैं सिहर उठा, घृणा से मेरी तंतुमयता उमड़ पड़ी।
मैंने गेल को कटोरा देते हुए कहा, “मैंने वादा किया था कि अगर तुम मेरी मदद करोगी तो मैं भी तुम्हारी मदद करूंगी। और तुमने कर दिखाया। तुमने मेरे दोस्तों की जान बचाई। अगर तुम दोबारा इंसान बनना चाहती हो, तो तुम इसके लायक हो। तुम एक अद्भुत चुड़ैल हो, शायद अब तक की सबसे बेहतरीन।”
गेल ने अपना सिर झुकाया और मेरी तरफ देखा। मुझे लगा जैसे उसे ठीक-ठीक पता था कि प्रयोगशाला में उसे छूते समय मैंने क्या देखा था। मैंने ठान लिया था कि मैं उस पर ज़रा भी दया नहीं दिखाऊँगा। मैंने जो कहा था, वो सच था। वह अद्भुत थी। वह श्राप से कहीं ज़्यादा सज़ा की हकदार थी।
नेवला फिर से चहचहाना शुरू कर दिया।
“वह कहती है कि वह तुम्हें पसंद करती है,” ग्रोवर ने अनुवाद किया। “एक अर्धदेव होने के नाते तुम बुरे नहीं हो।”
"धन्यवाद?"
वह आपके वादे को निभाने की सराहना करती है।
मैंने सिर हिलाया। कोई बात नहीं। मेरे पास हमेशा के लिए टेंटेकल्स हो सकते हैं। शायद तब मैं आखिरकार अपने जूते बांधना सीख जाऊं।
"लेकिन वह वापस इंसान नहीं बनना चाहती," ग्रोवर ने आगे कहा।
मैंने गहरी सांस ली। "क-क्या?"

“पोलकैट्स ज़्यादा सुंदर होते हैं,” ग्रोवर ने कहा। “और उसे अपने नए रूप में ढलने के लिए सदियाँ मिल चुकी हैं। इसके अलावा, वह अमर है। अगर वह इंसान बन जाती, तो बूढ़ी होकर मर जाती। फिर उसके पास नए नुस्खे खोजने के लिए कम समय बचता। वह चाहती है कि तुम एंटीडोट लो। लेकिन वह यह भी चाहती है कि तुम हेकेट से किए गए अपने वादे को निभाओ कि वह उसे एक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला और ऐसे सहायक दे दे जिनके अंगूठे इंसानों के विपरीत दिशा में मुड़ सकें।”
“हाँ… बिल्कुल!”
गेल ने अपने छोटे-छोटे पंजों से कटोरा मेरी तरफ धकेला। "चार्क!" “धन्यवाद, गेल,” मैंने कहा, मेरी आँखों में फिर से आँसू आ गए। “तुम तो नेवलों में भी एक नेवला हो।”
मैंने अपने टेंटेकल के सिरे से पेस्ट को उठाया और उसे निगल लिया।
मैं आपको सारी बातें विस्तार से नहीं बताऊँगा। मुझे बहुत उल्टी आ रही थी। मेरे मुँह से ऐसी चीज़ें निकलीं जो किसी इंसान के मुँह से नहीं निकलनी चाहिए। लेकिन उल्टी बंद होने के बाद, मेरी बाहें फिर से पहले जैसी हो गईं।
सबसे पहले मैंने ग्रोवर और एनाबेथ को गले लगा लिया।
गेल मेरे कंधे पर कूद गया और दोस्ती जताते हुए पाद मारा। मैंने एनाबेथ को चूमा, हालाँकि मेरी साँसों से शायद दालचीनी और कीड़ों के छिलकों जैसी गंध आ रही थी।
मैंने सुझाव दिया, "क्यों न हम हेकेट के यहाँ वापस चलें? मुझे लॉबस्टर रोल खाने की अजीब सी इच्छा हो रही है।"

अट्ठाईस
मैंने एक बुरी योजना बनाई
हवेली में वापस आकर, नरक के कुत्ते अभी-अभी जाग रहे थे।
नहीं, मुझे लगा कि हमारी गंध वाकई दिलचस्प थी। मैंने अंदाज़ा लगाया कि उसे ग्रोवर के खुरों से पैरों जैसी गंध आ रही होगी, मेरी बाहों से समुद्री भोजन जैसी गंध आ रही होगी, और एनाबेथ से ऐसी गंध आ रही होगी जैसे वह पूरी दोपहर दो बेवकूफों की रखवाली करती रही हो और शायद किसी पक्षी में बदल गई हो। गेल और हेकुबा ने एक-दूसरे को नाक से छूकर अभिवादन किया। यह कोई भावुक मिलन तो नहीं था, लेकिन मुझे लगा कि वे एक-दूसरे को देखकर खुश थे। उनकी शारीरिक मुद्रा से ऐसा लग रहा था जैसे वे कह रहे हों, "हाँ, मुझे राहत मिली है कि तुम वापस आ गए हो, अब हम इस बारे में फिर कभी बात नहीं करेंगे।" नोप ने गेल के पिछले हिस्से को सूंघा और जाहिर तौर पर पुष्टि की कि वह इतनी बदबूदार थी कि वह परिवार का ही हिस्सा होनी चाहिए।

गेल बेचैनी से इधर-उधर नाचती रही जब तक ग्रोवर उसे मुर्गी का शव खिलाने के लिए चारागाह में ले जाने को तैयार नहीं हो गया। मैंने ईलों को देखा, जो इस बात से निराश थीं कि हम मरे नहीं और हमारे अवशेष उनके खाने के लिए घर नहीं लाए... जो कि समझ से परे था, लेकिन ईलों की अपनी ही तरह की सोच होती है। किसी और को लॉबस्टर रोल नहीं चाहिए थे, इसलिए हमने पिज्जा मंगवा लिया। हम जानवरों के साथ बड़े कमरे में बैठे और तीन बड़े पिज्जा चट कर गए, कुछ भी नहीं छोड़ा। ग्रोवर ने चिकने डिब्बों को देखा, लेकिन मैंने उसे उन्हें खाने से मना कर दिया। मुझे अनुभव से पता था कि उसका पाचन तंत्र गत्ते को पचा नहीं पाता।
मैं टूटी हुई बेंचों में से एक के सहारे खड़ी थी, टखने पर बर्फ की पट्टी रखी थी। मैं थकी हुई भी थी और साथ ही उत्तेजित भी। मैं इस बात का आनंद लेना चाहती थी कि हमने हेकेट के दोनों पालतू जानवरों को वापस पा लिया था। हमें एक पिल्ला भी मिल गया था।
ऐसा लग रहा था कि एक हफ्ते का काम काफी अच्छा रहा। दुर्भाग्य से, हवेली अभी भी बदहाल थी। शावर कर्टन, डस्ट पैन और डक्ट टेप से हमने चाहे जितनी भी कोशिश की हो, जगह ऐसी लग रही थी जैसे कोई मॉन्स्टर ट्रक लेकर आया हो और कुछ हथगोले फेंक दिए हों। यह मानना मुश्किल था कि सारा नुकसान एक विशालकाय सैटायर ने किया था। खैर, अब जब मैंने पोशन-आधारित लड़ाई का मजा चख लिया था, तो मुझे बेहतर समझ आ गया था कि चीजें कितनी बुरी तरह बिगड़ सकती हैं। ग्रोवर को भी मेरी बात समझ आ गई। “कल हैलोवीन है। हेकेट के वापस आने से पहले तीन लोग इस हवेली की मरम्मत नहीं कर सकते। यह...
निराशाजनक है, है ना?
मैंने कहा, "अरे, हैलोवीन निराशा का उल्टा है। हैलोवीन पर कुछ भी संभव है।" एनाबेथ ने मुझे उदास निगाहों से देखा। मुझे लगता है कि वह हैलोवीन के जादुई रहस्यों पर विश्वास करना चाहती थी, लेकिन जिस तरह से हालात चल रहे थे, उसे शक होने लगा था कि क्या उसे वह मनचाही पार्टी मिल पाएगी जिसका उसने सपना देखा था। जहाँ तक मेरी बात है, मैंने जो कहा, वह सच था। मुझे मिस्टर ब्रूनर की वो कहानियाँ याद आ गईं जो वो सुनाया करते थे, उस समय जब मैं उन्हें छठी कक्षा का एक शानदार लैटिन शिक्षक समझता था। वो बताते थे कि हैलोवीन से जुड़ी परंपराएँ कितनी प्राचीन हैं—कि लगभग हर संस्कृति का

मानना था कि एक समय ऐसा था जब जीवितों की दुनिया और मृतकों की दुनिया इतनी करीब आ गई थीं कि आप एक-दूसरे के पार जा सकते थे।
मृतकों की दुनिया…
मेरी निगाह हेकेट की उन मशालों पर पड़ी जो द्वार के ऊपर एक दूसरे को काटती हुई लगी थीं।
हेकेट ने कहा था कि इनका उपयोग केवल अत्यंत आपातकालीन स्थिति में ही किया जाना चाहिए।
चिरोन ने साफ कह दिया था कि मशालें बहुत खतरनाक थीं। अगर हमने उनका इस्तेमाल करने की कोशिश की, खासकर हैलोवीन पर, तो गुस्से में भरी भूतों की सेना हमें चीर-फाड़ सकती थी। हेकेट ने मशालें शायद एक तरह के प्रलोभन के रूप में छोड़ी होंगी, जैसे स्ट्रॉबेरी-मिल्कशेक का जादुई पेय। बेशक, चुनाव हमारा था। लेकिन अब मैंने गेल का अतीत देख लिया था। मैं जानती थी कि हेकेट चौराहे पर खड़े लोगों को किस तरह के विकल्प देती है।
और अभी तक …
मैंने पूछा, "अगर हम जादू से घर की मरम्मत कर सकें तो क्या होगा?"
ग्रोवर ने मेरी निगाहों का पीछा किया। "पर्सी, नहीं। तुमने कहा था कि मशालें—"
“मुझे पता है। आखिरी उपाय। बस यूं ही सोच रही हूं।” मैंने एनाबेथ की ओर मुड़कर पूछा, “तुम्हारा क्या विचार है?”
उसका चेहरा प्राचीन ग्रीस की तरह भावहीन था। वह इतनी देर तक हिचकिचाती रही कि मैं घबरा गया। अगर मेरे मन में कोई गलत विचार आता, तो वह मुझे तुरंत बता देती। लेकिन जब वह इस तरह हिचकिचाती रही, एकदम गंभीर होकर—खैर, मैंने यह भाव उसके चेहरे पर कई बार देखा था जब हम साथ में टारटेरस में थे। इसका आमतौर पर मतलब होता था कि वह भी वही सोच रही है जो मैं सोच रहा हूँ—लेकिन अधिक सूक्ष्मता के साथ, और उन सभी भयानक तरीकों की अधिक समझ के साथ जिनसे हमारी जान जा सकती है।
“मान लीजिए कि हमने कोशिश की,” उसने कहा (जिसका मतलब था कि हाँ, हम वाकई गंभीर मुसीबत में थे), “मान लीजिए कि हमने कोशिश की। हेकुबा, तुम जानती हो कि मृतकों को कैसे बुलाया जाता है। क्या यह संभव है कि हम मशालों का सफलतापूर्वक उपयोग कर सकें?”
हेकुबा एक बार भौंकी। मैंने समझा कि इसका मतलब है बेवकूफ!

“वह कहती है कि किसी भी इंसान ने ऐसा करने की कोशिश नहीं की है,” ग्रोवर ने अनुवाद किया। “वह हमारे लिए ऐसा नहीं कर सकती। उसके मरे हुए लोग सिर्फ लोगों को डराने के लिए ही अच्छे हैं। अगर तुमने मशालें जलाईं और एक पल के लिए भी ध्यान भटक गया, या तुम आत्माओं को अपने वश में नहीं कर पाए, तो वे अपने रास्ते में आने वाले हर किसी और हर चीज़ को नष्ट कर देंगे। फिर वे तुम्हारी आत्मा को खा जाएंगे।”
एक बार फिर, मैं इस बात से प्रभावित हुआ कि एक कुत्ता सिर्फ एक भौंक में कितना कुछ समेट सकता है। उनकी कहानियों में तो बीस भौंकने जितनी बातें होंगी।
“हमारे पास और क्या विकल्प हैं?” मैंने सीढ़ियों की ओर मुड़कर पूछा। “हे गेल! ज़रा नीचे आ जाओ ना?”
कुछ ही सेकंड बाद, नेवला सीढ़ियों से नीचे भागी। वह कच्चे चिकन के टुकड़ों से ढकी हुई थी। नोप को यह सबसे अद्भुत चीज़ लगी। उसने गेल को नहलाना शुरू कर दिया।
नेवला इसे काफी अच्छे से सहन कर रहा था। जब नोप मुर्गियों को हटाने में व्यस्त था, मैंने गेल को सारी बात बताई। "क्या तुम कुछ ऐसा बना सकते हो जिससे हमारी मदद हो सके? जैसे, हमें जादुई इमारत बनाने की शक्तियाँ दे सको? या कम से कम अगर हमें मृतकों को बुलाना पड़े तो उनसे हमारी रक्षा कर सको?"
गेल इस बारे में सोच रही थी। वह अपने पिछले पैरों पर खड़ी हो गई ताकि नोप उसका पेट साफ कर सके, जो देखने में प्यारा भी था और थोड़ा अजीब भी। वह ग्रोवर पर चहचहा रही थी और भौंक रही थी।
“उम—वह जो कुछ कह रही है, उसमें से ज़्यादातर बातें तकनीकी हैं,” उन्होंने कहा, “जड़ी-बूटियों, अभिकर्मकों और आसवन विधियों के बारे में। उनका कहना है कि पुस्तकालय में कुछ नुस्खे मिल सकते हैं। उन्हें कल पूरा दिन लग जाएगा। और उन्हें मेरी मदद की ज़रूरत होगी।”
मैंने कहा, "हम सब मदद कर सकते हैं।"
“लेकिन हम ऐसा नहीं कर सकते,” एनाबेथ ने कहा। “कल स्कूल में हम दोनों के टेस्ट हैं।”

उफ़। फिर से स्कूल वाली बात। मैं यह तर्क देना चाहती थी कि अगर हम हेकेट को निराश करने के लिए मर गए तो स्कूल का कोई मतलब नहीं रह जाएगा, लेकिन मुझे पता था कि ऐसा करने की कोशिश करना बेकार है।
एनाबेथ ने हमारी ग्रेजुएशन की योजनाओं को गंभीरता से लिया। मौत कोई बहाना नहीं थी। वह दृढ़ थी कि हम साथ में हाई स्कूल पूरा करेंगे ताकि हम कैलिफोर्निया जाकर कम से कम चार साल और भी कठिन पढ़ाई कर सकें।
आखिर इस सिस्टम को किसने डिजाइन किया था? आखिर कब आपको बीच पर आराम करने और काम से छुट्टी लेने का मौका मिलता है? और मुझे 67 मत बताना, वरना आप किसी देवता को रोते हुए देखना चाहेंगे।
मैंने खुद को सकारात्मक रहने की याद दिलाई। हैलोवीन। कुछ भी संभव है।
इत्यादि।
मैंने कहा, "यह तो बहुत बुरा हुआ," लेकिन सकारात्मक तरीके से।
ग्रोवर ने आह भरी। "मैं समझ गया। आप मुझे जानवरों के साथ फिर से अकेला नहीं छोड़ना चाहते।"
“क्या?” मैंने कहा। “नहीं यार। वो तो स्कूल न पसंद करने वाला मेरा भाव था, ग्रोवर पर भरोसा न करने वाला भाव नहीं। मेरे चेहरे पर ऐसा भाव होता ही नहीं।”
“अगर आप ऐसा करते हैं तो मैं आपको दोष नहीं दूंगा।” वह सीधा खड़ा हो गया। “लेकिन कृपया, मुझे कल घर की देखभाल करने दीजिए। मैं आपको फिर कभी निराश नहीं करूंगा।”
एनाबेथ जवाब देने लगी। फिर उसने मेरी आँखों में देखा, शायद उसे एहसास हो गया था कि ग्रोवर को यह बात मुझसे ही सुननी चाहिए।
“बिल्कुल,” मैंने उससे कहा। “हमें तुम पर भरोसा है। हमें जानवरों पर भरोसा है।” मैंने गेल की ओर उंगली हिलाते हुए कहा, “बस रसोई में जो भी बनाओ, स्ट्रॉबेरी मत देना, ठीक है?”
गेल ने अपना छोटा सा पंजा ऊपर उठाया और चहचहाने लगी। संभवतः इसका अर्थ है: मैं कसम खाती हूँ—स्ट्रॉबेरी से पहले मौत।
“तो फिर बात पक्की हो गई।” एनाबेथ मुस्कुराई, हालाँकि उसकी आँखों में अभी भी गुस्सा था। “कौन जानता है? वैसे भी हम अंधेरा होने से पहले मृतकों को नहीं बुला सकते।”
हो सकता है कि इस बीच हम कोई बेहतर योजना बना लें।"

जब मैं दांत साफ करके वापस आया (दालचीनी वाले टूथपेस्ट से नहीं)
फिर कभी नहीं! ग्रोवर और जानवर एक बड़े ढेर में सो रहे थे और खर्राटे ले रहे थे।
मैंने एनाबेथ को चारों ओर देखा। मुझे चिंता थी कि कहीं वो गले लगाने के ढेर के नीचे दब न गई हो। तभी मैंने देखा कि हमारा अस्थायी सामने का दरवाजा खुला हुआ था।
मैं दबे पांव बाहर निकला, तीनों दरवाजों की कुंडी के पास से गुजरा, जो अभी भी चुपचाप अपने गत्ते के डिब्बे में सुरक्षित रूप से लिपटी हुई थीं। एनाबेथ फुटपाथ पर खड़ी थी, बाड़ से टेक लगाकर, हवेली को ऐसे घूर रही थी जैसे कोई आर्किटेक्ट किसी प्रोजेक्ट की योजना बना रहा हो। मैं लड़खड़ाते हुए पत्थरों से बने रास्ते को पार करके गेट पर उसके पास पहुँचा। हवेली का बाहरी हिस्सा अब भी भयानक दिख रहा था। सामने के आँगन में और भी भूरे रंग की टाइलें गिरकर टूट गई थीं। कई खिड़कियाँ चकनाचूर हो गई थीं। शायद मैंने ध्यान ही नहीं दिया क्योंकि मैं मैनहट्टन में जानवरों का पीछा करने में इतना व्यस्त था।
मैंने कहा, "हालात और बिगड़ रहे हैं।"
एनाबेथ ने सिर हिलाया।
"कैसे?"
वह हिचकिचाई। “आज, परफ्यूम की दुकान पर… जब मुझे ये महसूस हुआ”—उसने अपना हाथ अपने चेहरे पर घुमाया, जो उल्लू के सिर को दिखाने का सर्वमान्य इशारा है—“मुझे चीजें बिल्कुल अलग तरीके से महसूस होने लगीं। ऐसा आपके साथ भी हुआ होगा। आपके और गेल के बीच कुछ हुआ होगा। आपने कुछ सीखा होगा?”
मुझे यकीन नहीं था कि उसने यह कैसे अनुमान लगाया, या इसका घर गिरने से क्या लेना-देना था, लेकिन मैंने उसे वह सब कुछ बताया जो उसने स्कूल में रहते हुए नहीं देखा था, जिसकी शुरुआत ग्रोवर द्वारा गिलहरियों की सेना के नीचे खुद को जमाने की कोशिश से हुई थी।
एनाबेथ ने अपना सिर हिलाया। "मैं उसे मार डालूँगी... प्यार भरे अंदाज़ में।"
मैंने कहा, "उसे पता है।"
फिर मैंने उसे नेवले के साथ अपने टेंटेकल-सकर माइंड मेल्ड के बारे में बताया।

वह अपने कैंप के हार से खेल रही थी। मैंने उसे ऐसा करते हुए बहुत समय से नहीं देखा था। वह एक-एक मनका घुमा रही थी, मानो खुद को याद दिला रही हो कि उसने कितनी गर्मियाँ बिताई हैं। शायद इससे उसे यह विश्वास करने में मदद मिल रही थी कि वह एक और दिन जी सकती है।
“पर्सी,” उसने कहा, “मैं तुम्हें उतना महत्व नहीं देती जितना तुम्हें मिलना चाहिए।”
मैंने पलकें झपकाईं। "माफ़ कीजिए—क्या मुझे यह लिखित में मिल सकता है? शायद किसी बिलबोर्ड पर?"
वह हंस पड़ी। “मैं सच कह रही हूँ। तुम लोगों को समझने और उन्हें यह महसूस कराने में माहिर हो कि उन्हें महत्व दिया जा रहा है। और लोगों से मेरा मतलब नेवले और खूंखार कुत्तों से भी है।”
"मेरे विचार से धन्यवाद।"
उसने मेरा हाथ पकड़ लिया। “एस्टोरिया में, जब मरे हुओं ने तुम्हें छुआ था…”
आपने हेकुबा को शोक में डूबे हुए देखा था, वह क्षण जब वह नरक के कुत्ते में बदल गई थी, है ना?
मैंने सिर हिलाया। मुझे अभी भी हेकुबा की दर्द भरी चीखें सुनाई दे रही थीं और मेरे टखनों में भारी यूनानी हथकड़ियां महसूस हो रही थीं।
“जानती हो मैंने क्या देखा?” एनाबेथ ने कहा। “मैंने खुद शहर देखा। ट्रॉय।” उसने मेरी उंगलियों पर अपनी पकड़ और कस ली। “तुम्हारे पिताजी ने वो दीवारें बनवाई थीं। क्या तुम्हें पता था? पूरा शहर जादू से बना था।”
हो सकता है मैंने वह कहानी पहले भी सुनी हो, लेकिन फिर भी मुझे वह अजीब लगी। मैं अपने पिता को राजमिस्त्री के रूप में कल्पना भी नहीं कर सकता था। “मैंने शहर को ढहते हुए देखा,” एनाबेथ ने आगे कहा। “हेकुबा को घसीटकर बाहर निकाला गया, उसके परिवार को मार डाला गया… और जादू बिखर गया। ऐसा लगा जैसे शहर के अस्तित्व का कारण ही खत्म हो गया हो। मैं हर खंभे को टूटते हुए, हर सहारे को गिरते हुए महसूस कर सकती थी। मैं शहर को बचाना चाहती थी। उन सभी घरों, मंदिरों, महलों को। लेकिन मैं नहीं बचा सकी।” उसने मुझे निराशा भरी नज़र से देखा। “तुमने लोगों को देखा; मैंने इमारतों को। ऐसा क्यों?”

मैंने तुरंत जवाब नहीं दिया। कहने का सबसे आसान तरीका था, "क्योंकि तुम अभी आर्किटेक्ट बनने की ट्रेनिंग ले रही हो!" लेकिन मुझे पता था कि उसे यह सुनना अच्छा नहीं लगेगा।
वह काफी समय से इस दृश्य के साथ बैठी थी और यह स्पष्ट रूप से उसे परेशान कर रहा था।
“शायद तुमने वो देख लिया जो तुम्हें देखना था,” मैंने हिम्मत करके कहा। “हेकुबा और हमारी मदद करने का एक तरीका। तुम लोगों को बहुत अच्छे से समझती हो, समझदार लड़की। मुझसे भी बेहतर। लेकिन वास्तुकला? वो तो हम दोनों में से सिर्फ एक ही कर सकता है।”
मानो किसी संकेत के अनुसार, एक और कब्र का पत्थर हवेली के किनारे से लुढ़ककर बगीचे में जा गिरा।
मैंने frowning करते हुए कहा, "क्या हम इस जगह को ठीक करने के लिए कोई बेहतर योजना बना पाएंगे?"
एनाबेथ ने सिर हिलाया। "हमें मृतकों को बुलाने के लिए मशालों का इस्तेमाल करना होगा। मुझे ही मशालों का इस्तेमाल करना होगा।"
"पकड़ना-"
उसने मेरा हाथ दबाया। “तुमने खुद ही कहा था। मैं ही वास्तुकार हूँ। लेकिन इस जगह का निर्माण भूतों ने किया है। यही हेकेट की शक्ति का आधार है। मुझे मदद की ज़रूरत पड़ेगी... किसी भूतिया व्यक्ति से, जो मैनहट्टन में निर्माण के बारे में जानता हो।”
मुझे हफ्ते की शुरुआत की बात याद आ गई, जब एनाबेथ और मैं स्कूल ऑफ डिजाइन के पास उसके पसंदीदा कब्रिस्तान में बैठे थे। "तुम मजाक कर रही हो।"
उसे जवाब देने की ज़रूरत नहीं थी। वह एकदम गंभीर थी। (ओह, शब्दों का गलत चुनाव।)
“मैं कल स्कूल में कुछ रिसर्च करूंगी,” उसने कहा। “लेकिन हां… मुझे लगता है कि यही मेरा सबसे अच्छा मौका है।”
मुझे उसका यह कहना बिल्कुल पसंद नहीं आया कि मैं अपनी पूरी कोशिश करूँ, मानो यह कोई ऐसी चीज़ हो जिसमें मैं कुछ नहीं कर सकती। मैंने ट्रॉय के बारे में उसकी सोच के बारे में सोचा— मानो शहर के अस्तित्व का कारण ही खत्म हो गया हो। मैंने हेकेट के सामने के बरामदे के चारों ओर लिपटी काली लोहे की जाली को देखा, जो एक विशाल शोक के घूंघट की तरह लग रही थी। मैंने कल्पना की

कि मैं एक डरे हुए बच्चे की चीख सुन सकती हूँ, जो ग्रामर्सी पार्क वेस्ट की ओर जितनी तेज़ी से हो सके साइकिल चलाकर भाग रहा है।
“मुझे लगता है…” मैंने गहरी सांस ली। “मुझे लगता है कि हमारे यहां आने से बहुत पहले से ही इस जगह में कुछ गड़बड़ रही है।”
मैंने एनाबेथ को उस भूत के बारे में बताया जिसे मैं देख रहा था, पुस्तकालय में हेकेट के बंद हो चुके स्कूल की प्रदर्शनी के बारे में और टूटे हुए चश्मों के संग्रह के बारे में बताया।
क्या हो सकता था।
एनाबेथ को आश्चर्यचकित करना आसान नहीं है, लेकिन मेरे शब्दों का उस पर ऐसा असर हुआ मानो किसी जादुई पानी की बौछार से उसे लकवा मार गया हो।
“आप कह रहे हैं…” वह अपनी बात पूरी नहीं कर पाई।
“एक सदी पहले कुछ गड़बड़ हुई थी,” मैंने कहा। “कुछ ऐसा जिसकी वजह से हेकेट को अपना स्कूल बंद करना पड़ा। तब से, इस जगह का अस्तित्व धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ग्रोवर के स्ट्रॉबेरी के उत्पात ने बस हालात को और बिगाड़ दिया।
हेकेट ने हेकुबा और गेल को कैदियों की तरह रखा हुआ है, उन्हें भागने से डरती है। वह लोगों को दूर धकेल रही है—शायद भावी छात्रों को, जैसे कि वे चार जलपरियां।
"जैसे एसईजे," एनाबेथ ने कहा।
मैंने सिर हिलाया। "मुझे ठीक से नहीं पता कि क्या हुआ था, लेकिन अगर हम भूतों की मदद से इस जगह का पुनर्निर्माण करने की कोशिश करने जा रहे हैं, तो हमें इसका पता लगाना होगा।"
इसका मतलब है कि मुझे एसईजे से बात करनी होगी। सैली एस्टेले जैक्सन से।

उनतीस
मुझे सारी मिठाइयाँ मिल जाती हैं
जब ग्रोवर ने मुझे जगाया, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं सिर्फ आठ सेकंड के लिए सोया था।
एनाबेथ पहले ही दरवाजे से बाहर भाग रही थी। उसने मुझे एक चुंबन दिया। "शुभकामनाएं।"
फिर उसने ग्रोवर के माथे पर चुंबन किया और उसे भी वही बात कही।
पांच मिनट बाद, मैं भी बुरी तरह बिखरे बालों और पूरी तरह से सने कपड़ों के साथ दरवाजे से बाहर निकल गया।
पहला पड़ाव: घर। अपार्टमेंट खाली था, लेकिन बिना आग उगलने वाले शॉवर का इस्तेमाल करके अच्छा लगा। मैंने कपड़े बदले और क्रैक्ड टीपॉट की तरफ चल दिया।

मेरी मां अपनी पसंदीदा मेज पर बैठी थीं, हर्बल चाय की चुस्कियां ले रही थीं और अपने लैपटॉप को घूर रही थीं।
“पर्सी!”
वह हमेशा मेरा बड़े उत्साह से स्वागत करती थी। यह अच्छा लगता था, सिवाय इसके कि मुझे याद आया कि इसका एक कारण यह भी था कि वह मुझे अभी भी जीवित देखकर आश्चर्यचकित थी।
उसने मुझे गले लगाया। "क्या आपको नाश्ते की ज़रूरत है? आज यहाँ स्कोन्स (एक प्रकार का स्नैक) मिल रहे हैं।"
यह मेरी माँ के लिए एक बड़ा आकर्षण था। हालाँकि, मुझे स्कोन्स कभी पसंद नहीं आए। उनका स्वाद हमेशा सूखे हुए मफिन के टुकड़ों जैसा लगता था। मैंने कहा, "मैं ठीक हूँ। बस आपको बताना चाहता था कि क्या हो रहा है।" “ज़रूर!” उसने कहा। “यह संशोधन करने से कहीं ज़्यादा मज़ेदार लगता है।” मैंने उसे हेकेट के यहाँ बिताए अपने एक हफ्ते के बारे में बताया। जैसे- जैसे मैं बोलती गई, माँ अपनी उंगलियों से कप को थपथपाती रहीं, मानो वह अपनी सारी चिंता उस चीनी मिट्टी के बर्तन में उतार रही हों। अगर उनके पास मेरी तरह समुद्री शक्तियाँ होतीं, तो शायद वह अपनी चायदानी में तूफान खड़ा कर देतीं।
“काफी मुश्किल भरा समय था,” उसने स्वीकार किया। “लेकिन कम से कम आपको जानवर वापस मिल गए।”
“हाँ… लेकिन सबसे मुश्किल हिस्सा तो अभी बाकी है। अगर मुर्दों को ज़िंदा करने वाली ये तरकीब कामयाब नहीं हुई तो—”
“हे।” उसने मेज के उस पार हाथ बढ़ाकर मेरा हाथ पकड़ लिया। इससे मुझे अपने बचपन की याद आ गई। कभी-कभी मुझे लगता था कि दुनिया बहुत तेज़ी से घूम रही है। मैं सारी आवाज़ों और रोशनी को समझ नहीं पा रहा था। मेरी माँ मुझसे कहती थी कि...
उसका हाथ थामे रहो। जब तक मैं संभल नहीं गया, उसने मेरा हाथ नहीं छोड़ा। अब उसने कहा, "सब ठीक हो जाएगा।"
इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि उसका हाथ कांप रहा था। मुझे पता था कि वह भी मेरी तरह ही डरी हुई थी। लेकिन जब तक हम दोनों एक साथ डरे हुए थे, तब तक यह ठीक था।
“हां,” मैंने कहा। “बिल्कुल।”

"बस एनाबेथ का साथ दो। अगर वो मशाल थामे खड़ी है, तो आज रात उसे तुम्हारी जरूरत पड़ने वाली है।"
मैंने पूछा, "क्या यह माताओं के लिए कोई गुप्त नुस्खा है? आप घबराहट से बचने के लिए क्या करती हैं?"
"आपका क्या मतलब है?"
“जैसे… अपने प्रियजनों पर ध्यान केंद्रित करें। उन्हें आपकी ज़रूरत है; आप तनावग्रस्त होने का जोखिम नहीं उठा सकते, इसलिए खुद को संभाले रखें।” वह हंस पड़ी। "शायद ऐसा ही हो। मुझे बस इतना पता है कि तुम, एनाबेथ और ग्रोवर इस मुश्किल से निकल जाओगे।"
आशावाद—मेरी माँ की एक और महाशक्ति।
मुझे कल ग्रोवर से हुई बातचीत याद आ गई। वह इतना चिंतित था कि उसने अनजाने में ही हमारे प्लान को बिगाड़ दिया था, जिसकी वजह से एनाबेथ और मैं कैलिफोर्निया नहीं जा पाए। मैंने हेकेट द्वारा हमारे रास्ते में छोड़ी गई उन सभी बाधाओं के बारे में सोचा—स्ट्रॉबेरी का पेय, पुस्तकालय, मशालें— जैसे मानो वह चाहती थी कि हम असफल हो जाएं।
चौराहे हेकेट की पसंदीदा जगह थी। चाहे मुझे पसंद हो या न हो, मैं अब एक चौराहे पर खड़ी थी। सब कुछ किसी न किसी तरह बदलने वाला था। काश सारे विकल्प इतने डरावने न होते। हेकेट चौराहे पर एक उपयोगी नक्शा और कुछ ताज़ा पेय लेकर मेरा इंतज़ार क्यों नहीं कर रही होती?
प्रधानाचार्य के दफ्तर में उनसे मेरी पहली मुलाकात, जब वे एक भयानक तीन सिरों वाली प्रचंड आकृति में तब्दील हो गई थीं, मुझे इतना डरा दिया था कि मैं एक डरे हुए बच्चे की तरह हो गया था, जिसका मूत्राशय खराब हो गया था। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था कि किसी असली बच्चे के लिए उस देवी का सामना करना कैसा होगा।
“मुझे आपसे कुछ पूछना है।” मैंने अपनी माँ को उस प्रेत के बारे में बताया जो मैं देख रही थी—साइकिल पर सवार एक बच्चा, जो टूटे हुए चश्मे का एक जोड़ा पीछे छोड़ जाता था।
“वो तो तुम ही थे, है ना?”
वह अपनी चाय के कप से निकलती भाप को घूर रही थी। "मुझे आश्चर्य हुआ... जब आपने ग्रामर्सी पार्क का जिक्र किया। तो वह हेकेट का घर था।"

मुझे पूरा यकीन था कि मैं सही थी। अब जब मुझे पता चल गया, तो मुझे हेकेट के सारे कैंडी कॉर्न छीन लेने की अचानक तीव्र इच्छा हुई। कुछ चीजें वर्जित होनी चाहिए।
यहां तक कि देवताओं के लिए भी। मेरी माँ को परेशान करना उस सूची में सबसे ऊपर था—खासकर जब वह बच्ची थी।
मेरे मन में बहुत सारे सवाल थे। हमेशा की तरह, सबसे पहले एक बेतुका विचार आया। "मुझे नहीं पता था कि आप चश्मा पहनते हैं।"
वह उदास मुस्कान के साथ मुस्कुराई, ठीक वैसे ही जैसे वह पुरानी तस्वीरों को देखते समय मुस्कुराती है। "उस दिन के बाद से मैंने उन्हें नहीं पहना है। मेरे परिवार ने मुझे उन्हें पहनने के लिए मजबूर किया क्योंकि मैं चीजों को... अलग तरह से देखने लगी थी।"
"धुंध के बीच से।"
वह हमेशा से ऐसा कर सकती थी। कुछ दुर्लभ इंसान ऐसा कर सकते हैं, लेकिन मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक बच्चे के रूप में उसके लिए यह कितना मुश्किल रहा होगा।
“वे बस मदद करने की कोशिश कर रहे थे,” उसने कहा। “वे चिंतित थे। जब दूसरे बच्चों ने एक घुड़सवार पुलिस अधिकारी को सड़क पर जाते देखा, तो मुझे एक पेगासस (घोड़ा जैसा जानवर) दिखाई दिया। कुछ ऐसा ही। हम ग्रामर्सी पार्क वेस्ट के पास रहते थे। एक दिन, जब मैं साइकिल से सड़क पर जा रही थी, तो मैंने उस हवेली को देखा, जो आसपास की इमारतों में घुलमिल रही थी। उसकी कब्र जैसी दीवारें।”
“हाँ,” मैंने कहा। “हेकेट में वाकई एक कलात्मक आकर्षण है।”
मेरी माँ ने भौंहें चढ़ा लीं। “एक बूढ़ी औरत बरामदे में खड़ी थी। उसका सिर्फ़ एक सिर था, और उसके चेहरे पर कोई अग्नि-आभा नहीं थी। फिर भी वह किसी चुड़ैल जैसी लग रही थी—काले वस्त्र, सफ़ेद बाल। उसने मुझे साइकिल पर उसके घर को घूरते हुए देखा। मुझे लगा कि वह मुझे घूरने के लिए डांटेगी, लेकिन इसके बजाय उसने कुछ चौंकाने वाली बात कह दी।”
मुझे सपने में आई वो आवाज़ याद आ गई। "मुझे अंदाज़ा लगाने दो। 'तुम्हारी दृष्टि में कोई खराबी नहीं है।'"
मेरी माँ ने सिर हिलाया। “उसने मेरी तरफ हाथ झटका और गिलास टूट गए—”

मेरे चेहरे से एकदम से गिर पड़ी। फिर उसने कहा, 'तुम बहुत देर से आए हो। चलो आगे बढ़ो।'
'कोई और ज़िंदगी ढूंढो।' मैं बहुत डरी हुई थी... जैसा कि मैंने आपको बताया, तब से मैं ग्रामर्सी पार्क वापस नहीं गई हूँ। लेकिन बाद में, जब मैंने धुंध के बीच से देखा, तो मुझे कुछ-कुछ समझ में आया कि क्या हो रहा था। मैंने अपने परिवार को बताया कि मेरी आँखें बेहतर महसूस कर रही हैं। मैंने सीख लिया कि जो अजीब चीजें मैंने देखीं, उनका ज़िक्र नहीं करना है। एक तरह से, हेकेट ने मेरी मदद की।
मैंने कल्पना करने की कोशिश की कि अगर हेकेट का स्कूल उस समय खुला होता तो क्या होता। क्या वह मेरी माँ को नरक के कुत्ते और नेवले से मिलवाने के लिए अंदर बुलाती? क्या सैली जैक्सन चुड़ैल बन जाती? मुझे पता था कि मेरी माँ जो चाहे कर सकती थी। लेकिन वो रास्ता कितना अलग होता... क्या मेरा जन्म भी होता?
मुझे माफ़ी माँगने की ज़रूरत महसूस हुई, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि किस बात के लिए। हेकेट ने उसे डरा दिया था और उसे जादू सीखने का मौका भी नहीं दिया था। दूसरी तरफ, मेरी माँ बहुत अच्छी निकली थीं। क्या मैं सच में चाहती थी कि उनका जीवन भी मेरी माँ जैसा हो?
गेल का? और हाँ, मेरा जन्म भी हो चुका था। इसे तो मुझे एक सकारात्मक बात ही मानना चाहिए। तो फिर मुझे अपराधबोध क्यों हो रहा था?
“चिरोन ने मुझे बताया था कि हेकेट के सभी भूत मृत आत्माएं नहीं हैं,” मुझे याद आया। “उन्होंने कहा कि सबसे बुरे भूत यादें और पछतावे हैं... जैसे कि वे विकल्प जो हमने कभी नहीं चुने।”
उसने मेरे चेहरे को गौर से देखा। उसने अपनी कुर्सी पीछे खींची और खड़ी हो गई, जो बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ उसके लिए और भी मुश्किल होती जा रही थी। "इधर आओ, तुम।"
मैं उठा और उसने मुझे गले लगा लिया।
“वह भूत जिसे तुम देख रही हो?” उसने कहा। “वह शायद एक स्मृति हो, लेकिन मुझे कोई पछतावा नहीं है।”
उसने मेरे कंधों को पकड़ा और मेरी आँखों में देखा। "मेरा जीवन बहुत अच्छा है।"

मैंने सिकी फ्रॉग को नमस्ते कहा, जो दीवार पर अपनी हमेशा वाली जगह से उदास होकर मुझे घूर रहा था। कम से कम मैं तो जब चाहूँ जा सकती थी—वह तो वहीं फंसा हुआ था। मैं एएचएस के प्राथमिक विद्यालय होने के समय की एक छोटी सी प्लास्टिक की कुर्सी पर बैठ गई। मैंने यूडोरा की डेस्क के पीछे की खाली जगह को देखा।
मैंने कहा, "मुझे पता है कि तुम मुझे सुन सकते हो। हमें बात करनी है।" मैंने इंतजार किया।
“आओ, यूडोरा,” मैंने फुसलाते हुए कहा। “मैं अभी अपने पिताजी को यह बताने ही वाली थी कि तुम मेरी काउंसलर के रूप में कितनी शानदार रही हो—हमेशा मेरे लिए मौजूद रही हो, हमेशा मददगार रही हो—”
“पर्सी!” यूडोरा झाड़ू रखने वाले उस छोटे से कमरे से बाहर निकली जिसमें वह छिपी हुई थी। “कितना सुखद आश्चर्य!”
मैंने कहा, "तुम मुझसे बच रहे हो।"
“क्या?” मोटे चश्मे के पीछे उसकी एक आँख फड़क उठी। “बिल्कुल नहीं!”
मैंने उसे घूर कर देखा।
उसके बालों में लगे सीपियों के डिज़ाइन से समुद्र के पानी की एक पतली धारा उसके चेहरे के किनारे से रिस रही थी।
“यह असल में तुम नहीं हो,” उसने कहा। “यह तो बस…”
मैंने अनुमान लगाया, "हेकेट बहुत डरावनी है।"
“हेकेट तो बहुत डरावनी है!” उसने गहरी सांस ली और कुर्सी पर बैठ गई। “अरे बाप रे! जब उसने प्रधानाचार्य का कार्यालय संभाला, तो मुझे लगा मैं मर जाऊंगी, और मैं तो अमर हूं! क्या तुमने देखा है कि आजकल वो क्या कर रही है?” “मैं… क्या?”
उसने अपने बालों से एक शंख निकाला और उसे मेज पर रख दिया। पानी की एक छोटी सी धार ऊपर की ओर उठी, जिससे एक छोटा सा फव्वारा बन गया। फव्वारे के शीर्ष पर, जहाँ पानी मशरूम के बादल की तरह वापस मुड़ रहा था, एक छवि स्पष्ट रूप से उभर आई।
हेकेट रात के समय एक बजरी वाली पगडंडी पर नाच रही थी, और वेशभूषा पहने उत्सव मनाने वालों की भीड़ के पीछे-पीछे कब्रिस्तान से गुज़र रही थी। उत्सव मनाने वालों ने लाल धब्बों वाले काले वस्त्र पहने हुए थे। उनके चेहरे सफ़ेद रंग से रंगे हुए थे। कुछ लोगों के हाथों में मोमबत्तियाँ थीं।

कुछ अन्य लोगों के हाथों में गोल पेस्ट्री की थालियाँ थीं। हेकेट ने अपनी मशालें दोनों ओर लहराईं और धरती से चमकती हुई आत्माएँ उठकर जुलूस में शामिल हो गईं।
आत्माएँ उसकी ओर उमड़ पड़ीं, उसके चारों ओर जमा हो गईं और अपने प्रेतवाधित हाथों से उसके वस्त्रों को नोचने लगीं। जब वे बहुत करीब आ गईं, तो हेकेट ने अपने ऊपर से रास्ता बना लिया।
मशालें जलाकर, उसकी छाती पर एक X का निशान बनाते हुए, वे आत्माएं फिर से धूल की तरह गायब हो गईं जो हवा में उड़ जाती है।
हां दिलचस्प …
भीड़ ने अपना उत्साह जारी रखा। हेकेट हँसी और उत्सव में शामिल हो गई। मैंने पूछा, "वह कहाँ है?"
“मुझे लगता है, फिलीपींस,” यूडोरा ने कहा। “वहाँ एक परंपरा है जिसे पंगंगलुलुवा कहते हैं—भोजन और उत्सव के द्वारा आत्माओं को प्रसन्न करना।” उसने अपना सिर हिलाया। “मुझे पता है कि मुझे इस तरह की भविष्यवाणी नहीं करनी चाहिए, लेकिन मैं उसकी प्रगति पर नज़र रखने से खुद को रोक नहीं पा रही हूँ! अगर वह वापस यहाँ आती है, तो मैं संकाय लाउंज में उससे नहीं मिलना चाहती। खासकर…”
वह रुक गई और अपराधबोध भरी नजरों से मेरी तरफ देखने लगी।
“खासकर अगर मैं असफल हो जाऊं?” मैंने पूछा।
“नहीं! मुझे पूरा यकीन है कि तुम असफल नहीं होगे।” वह हिचकिचाई। “क्या तुम असफल होगे?”
“तुम्हारा आत्मविश्वास सराहनीय है।” मैंने उसे बताया कि हम पूरे सप्ताह क्या कर रहे थे और हमें हेकेट के सुबह लौटने से पहले हवेली को व्यवस्थित करना होगा। “कोई सलाह? समुद्र से कोई उपहार जो मदद कर सके?”
यूडोरा का डूमस्क्विर्ट फव्वारा बुझ गया।
“शायद आपको भागकर छिप जाना चाहिए,” उन्होंने कहा, जिससे वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक परामर्शदाता के पुरस्कार के लिए उनकी प्रबल दावेदारी और भी मजबूत हो गई। “मुझे शायद शेष सत्र के लिए मारियाना ट्रेंच जाने की व्यवस्था करनी चाहिए।”
"रुको... हेकेट तुम्हारे पीछे क्यों आएगी?"

नेरीड सिहर उठी। वह इतनी तनावग्रस्त लग रही थी कि मुझे डर था कि हममें से कोई पानी में घुल जाएगा और फर्श में बह जाएगा। यूडोरा के दफ्तर में अक्सर ऐसा ही होता था। लेकिन इसके बजाय, उसने अपना खोल उठाया और उसे वापस अपने बालों में रख लिया।
“शायद मैंने ही आपको… हेकेट के कार्य के लिए सुझाव दिया था।” यूडोरा ने कहा। “
"आप क्या?!"
उसने घबराकर कहा, “हेकेट ने मुझ पर घात लगाकर हमला किया! वह ओलंपस पर प्रकट हुई और
… खैर, उसने मुझसे पूछा कि मैं तुम्हारे बारे में क्या सोचता हूँ। मैं चौंक गया! उसने 1914 के बाद से मुझसे बात नहीं की थी! मैं—मैं उसे प्रभावित करने के लिए बेताब था। और मूर्खतापूर्ण तरीके से।
मैंने कहा था कि आप काफी सक्षम हैं।
"धन्यवाद?"
“मैं घबरा गया था! और अब, अगर तुम असफल होते हो, तो इसका मतलब है कि मैं असफल हो गया। ओह, वह मुझे दोबारा कभी माफ नहीं करेगी।”
मुझे अब भी नहीं पता— रुको।
मुझे चीज़ें समझने में थोड़ी देर लगती है। लेकिन जब कोई पहेली सुलझने लगती है, तो मैं आमतौर पर उसे बिना ज़्यादा मेहनत किए हल कर लेता हूँ।
टुकड़ों को उनकी जगह पर रखना।
“दूसरी बार,” मैंने कहा। “उन्नीस सौ चौदह। वह आखिरी साल था जब हेकेट ने अपना जादू का स्कूल चलाया था। क्या आप उसमें शामिल थीं?”
यूडोरा ने बीमार मेंढक को घूरकर देखा। दोनों ही एक जैसे दुखी लग रहे थे। “स्कूल खोलने का विचार मेरा ही था,” उसने स्वीकार किया। “हेकेट अकेले रहने पर बहुत उदास हो जाती है। यह उसके और उसके जानवरों के लिए अच्छा नहीं है। मुझे लगा कि उसे युवा चुड़ैलों को पढ़ाना अच्छा लगेगा। और कुछ समय तक ऐसा हुआ भी। मैं काउंसलर और प्रवेश निदेशक थी। मैं उसके पास होनहार छात्रों को लाती थी: देवता, मनुष्य, अप्सराएँ, सेंटॉर... हर तरह के। लेकिन जब सब कुछ बिगड़ गया...”
"क्या हुआ?"

उसने बेपरवाही से कंधे उचकाए। “युद्ध। यह हमेशा एक युद्ध ही होता है। हमारे छात्र गुट बनाने लगे, आपस में बहस करने लगे। बात गाली-गलौज से बढ़कर हिंसा और फिर एक-दूसरे पर ज़हर फेंकने तक पहुंच गई।”
"जादुई दवा फेंकना बुरा है।"
यूडोरा ने सिर हिलाया। "छात्रों को हमारी क्षमता से कहीं अधिक की आवश्यकता थी।"
सहानुभूति। स्वस्थ संवाद के अवसर। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इस दरार को कैसे भरूँ। और हेकेट, खैर, वह चौराहे पर खड़े होने में, लोगों को अपने फैसले खुद लेने में विश्वास करती है, भले ही सारे विकल्प बुरे ही क्यों न हों। उसने दखल देने से इनकार कर दिया। अंत में हालात बिगड़ गए। फिर उसने सबको निकाल दिया, कसम खाई कि वह फिर कभी नहीं पढ़ाएगी। उसने मुझे इस स्थिति के लिए दोषी ठहराया।
"ओह।"
मुझे यूडोरा के लिए बुरा लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह वही कर रही थी जो मेरी माँ ने सलाह दी थी—दुखी देवी की मदद करने की कोशिश। और इसका उल्टा असर हुआ। मैंने देखा था कि जब देवताओं के बीच आपसी लड़ाई शुरू होती है तो क्या होता है—पक्ष चुनना, एक-दूसरे को बुरा-भला कहना, दोषारोपण करना और कभी-कभी हथियार उठाना। पिछली गर्मियों में ही मैंने दो प्रतिद्वंद्वी गुटों को एक-दूसरे को और पूरी दुनिया को लगभग नष्ट करते देखा था। हेकेट ने खुद को ही नुकसान पहुँचाया था, ठीक वैसे ही जैसे वह अब हमें नुकसान पहुँचा रही थी। मुझे उससे उसकी मिठाई और उसके कुर्टोस्कालाक्स छीनने ही पड़ेंगे।
मैंने कहा, "मुझे खेद है कि आपके साथ ऐसा हुआ।"
यूडोरा ने आह भरी। “मैं क्या सोच रही थी? एक जादू का स्कूल! क्या आप ऐसी किसी चीज़ की कल्पना कर सकते हैं?”
“हाँ। कमाल है।”
और अब, अगर आप उसके महल को जीर्ण-शीर्ण अवस्था में छोड़ देते हैं…”
"समझ गया।"
“और मैंने ही तो तुम्हारी सिफारिश की थी! मैं कितना मूर्ख हूँ!”
“खुद को दोष मत दो। बहुत से लोग मेरी सिफारिश करके गलती करते हैं।”
उसने अपना सिर हाथों में थाम लिया। “मैं तो बस मदद करना चाहती थी। दुनिया में इतने सारे प्रतिभाशाली युवा हैं और वे सभी देवताओं के समूह में फिट

नहीं होते! उदाहरण के लिए, अगर हेकेट का स्कूल अभी भी होता, तो शायद मैं उन प्यारी अप्सरा बहनों को, जब वे सिरसे के द्वीप से भाग निकली थीं, वहाँ दाखिला दिला सकती थी!”
“अरे हाँ। वे लोग।”
“इसके बजाय, वे खुदरा व्यापार में चले गए!” उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। “पता नहीं वे कैसा कर रहे होंगे…।”
मैंने अपना गला साफ किया। मुझे लगा कि अब जाने का यही सही समय है।
मैं वहीं खड़ा रहा, लेकिन जब यूडोरा इतनी परेशान दिख रही थी तो मैं खुद को वहां से जाने के लिए तैयार नहीं कर पाया।
लोगों को दिलासा देने की कला मुझमें मेरी माँ जैसी नहीं थी; फिर भी, मुझे लगा कि मुझे कोशिश करनी ही चाहिए।
मैंने यूडोरा से कहा, "मैं असफल नहीं होऊंगी। इसका बुरा असर तुम पर नहीं पड़ेगा।"
उसने मेरी तरफ देखा। "क्या—क्या आप निश्चित हैं?"
“बिल्कुल,” मैंने कहा। यह सरासर झूठ था। मुझे हमारी समस्याओं का हल निकालने का कोई तरीका नहीं पता था। मैं बस इतना जानती थी कि इन्हें हल करना ही होगा—हमारे भले के लिए, यूडोरा के भले के लिए, और यहाँ तक कि हेकेट के भले के लिए भी। शायद यह मानना कि मैं इसका हल निकाल सकती हूँ, हल निकालने की दिशा में पहला कदम था।
मैंने उससे कहा, "यह बहुत ही प्रेरणादायक भाषण रहा। तुमने मुझे प्रेरित किया है।"
"मेरे पास है?"
“बिल्कुल। बस एक आखिरी चीज़, किस्मत के लिए। ट्रिक ऑर ट्रीट?”
उसने मेरी तरफ घूरकर देखा। मैंने जॉली रैंचर्स की तरफ इशारा किया। “ओह,” उसने कहा।
मैं शायद ऐसे दिख रही थी जैसे मुझे हर तरह की मदद की ज़रूरत हो। उसने मुझे पूरा जार थमा दिया।

तीस
हम युद्ध के लिए तैयार हैं
उस दोपहर मेरी तैराकी की प्रैक्टिस थी। लगता है कोच हैलोवीन के लिए छुट्टी देने में विश्वास नहीं रखते। बड़े कंजूस हैं ये! प्रैक्टिस के बीच में एक पल मुझे याद आया, अरे हाँ, हमने आज रात अपने दोस्तों को हवेली में बुलाया था। मैं ग्रोवर से पार्टी रद्द करने के लिए कहना भूल गई थी। शायद ग्रोवर और एनाबेथ ने पहले ही यह काम कर दिया हो। या शायद मैं इस सरासर बेतुकी उम्मीद पर टिकी थी कि पार्टी के दिन तक हम सब कुछ ठीक कर लेंगे।
जब तक मैं ग्रामर्सी पार्क वेस्ट वापस पहुँचा, रात होने लगी थी। छोटे बच्चों और उनके माता-पिता के समूह गलियों में घूम रहे थे, दुकानों और टाउनहाउसों में ट्रिक-ऑर-ट्रीट मांग रहे थे। मुझे लगा कि बड़े कैंडी लुटेरे और पार्टी करने वाले लोग पूरी तरह अंधेरा होने तक इंतज़ार करेंगे।

असली भूत, प्रेत और जो कुछ भी हम कब्र के पार से बुला सकते थे, वे भी इंतज़ार करेंगे।
मुझे हेकेट के रसोईघर में एनाबेथ, ग्रोवर और पालतू जानवर मिले। एनाबेथ ने किताबों और नक्शों को एक स्टील की मेज पर इस तरह फैला रखा था जैसे वह किसी जमीनी हमले की योजना बना रही हो।
"अच्छा हुआ, तुम पहुँच गए," उसने मुझसे कहा।
मुझे जिस गर्मजोशी भरे स्वागत की उम्मीद थी, वैसा तो नहीं हुआ, लेकिन एनाबेथ का यही हाल हो जाता था जब वो किसी योजना में पूरी तरह डूबी होती थी। वो अपने दिमाग में हज़ारों बातों को एक साथ संभालने लगती थी, हर मुमकिन स्थिति के लिए तैयारी करती थी। कभी-कभी इस वजह से वो मुझे अपने प्रेमी के बजाय योजना में एक और मोहरे के रूप में देखने लगती थी।
कभी-कभार, मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं थी। बशर्ते मैं कंपनी के लिए एक संपत्ति बनूं, बोझ न बनूं।
“ये रहा हमारे पास।” उसने लोअर मैनहट्टन के एक शहर इंजीनियर द्वारा बनाए गए नक्शे की ओर इशारा करते हुए कहा। “सेंट मार्क चर्च इन-द-बोवेरी। जैसा मैंने सोचा था, यहाँ सबसे नज़दीकी कब्रिस्तान है। यह पीटर स्टुवेसेंट का भी दफ़न स्थल है—पता है ना, वो डच औपनिवेशिक अधिकारी? हम वापसी के लिए सबसे कम भीड़ वाला रास्ता ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं।”
हैलोवीन के दिन किसी चर्च के कब्रिस्तान पर छापा मारने का ख्याल ही मुझे बेचैन कर रहा था। यूनानी देवताओं का मुझसे नाराज़ होना ही काफी बुरा था। मुझे यीशु की शरारती सूची में भी शामिल होने की ज़रूरत नहीं थी।
मैंने पूछा, "अगर पीट हमारी मदद नहीं करना चाहता तो क्या होगा?"
एनाबेथ ने माथे पर शिकन डाली। "मैं झूठ नहीं बोलूंगी—सभी के अनुसार, स्टुवेसेंट एक अच्छा आदमी नहीं था। वह गुस्सैल, पक्षपाती, असभ्य और एक तरह का तानाशाह था।"
वाह! मैं तो इसे खरीदने के लिए पूरी तरह से तैयार हूँ।
“लेकिन वो वही व्यक्ति हैं जिन्होंने 1600 के दशक में न्यू एम्स्टर्डम के इस हिस्से का निर्माण किया था, इससे पहले कि यह अंग्रेजों के अधीन न्यूयॉर्क बन गया। उनकी आत्मा शहर की जड़ों में समाई हुई है। साथ ही, वो बहुत कुशल थे। वो काम को पूरा करते थे। अगर कोई एक ही रात में किसी चमत्कारिक घर की मरम्मत करवा सकता है, तो वो वही हैं।”

ग्रोवर ने आगे कहा, "और यह हवेली से केवल पंद्रह मिनट की पैदल दूरी पर है।" हम अंदर जाते हैं, अपना मनोबल बढ़ाते हैं और बाहर आ जाते हैं।
मैंने कहा, "तुम इसे बैंक लूट की तरह बता रहे हो।"
हेकुबा भौंकी, जिससे मैं लगभग चौंककर अपनी जगह से हिल गया।
“शुक्रिया, हेकुबा।” ग्रोवर ने उसके कान के पीछे खुजली की। “उसने कहा है कि वह पूरे रास्ते हमारे साथ रहेगी। वह और नोप भूतों को इकट्ठा करने की पूरी कोशिश करेंगे। उसकी सलाह है कि आत्माओं से आप जो चाहते हैं, उस पर ध्यान केंद्रित रखें।”
अपने लक्ष्य को हमेशा स्पष्ट रूप से याद रखें। अन्यथा, मृत आत्माएं लुप्त हो जाएंगी, या इससे भी बुरा, वे बेकाबू हो जाएंगी…।"
“हमारी आत्माओं को खा जाओगे, इत्यादि,” मैंने अनुमान लगाया। “जानकर अच्छा लगा।”
नोप ने मेरी तरफ बड़ी सी मुस्कान के साथ देखा, मानो आत्माओं को खाना उसे मजेदार लगता हो।
“और ये गेल ने हमारे लिए बनाया है।” एनाबेथ ने एक कटोरा मेरी तरफ बढ़ा दिया।
अंदर पीले रंग के तीन चिपचिपे गोले थे। रंग को छोड़कर, वे मुझे कल के हमारे दुर्गंध-रोधी मिश्रण की याद दिला रहे थे।
मैंने कहा, "कृपया मुझे यह मत कहो कि हमें इसे खाना होगा। मुझे किसी और को पैर के नाखून उल्टी करते हुए देखने की ज़रूरत नहीं है।"
“इसे त्वचा पर लगाना है,” एनाबेथ ने कहा। “कम से कम कुछ समय के लिए तो यह मृतकों को दूर रखेगा।”
लेकिन यह हम तीनों के लिए पर्याप्त नहीं है।
गेल ने कुछ सेकंड तक चहचहाते हुए हमें अपनी पेशेवर राय दी।
ग्रोवर ने अनुवाद किया। “वह कहती है कि आपको खुद को ढकने की ज़रूरत नहीं है। मैजिक लोशन मच्छर भगाने वाले लोशन की तरह है। बस अपनी कलाई और गर्दन के दोनों किनारों पर लगा लें, काम हो जाएगा।”
मैंने अगली बार कैंप में जाकर मच्छर भगाने वाले स्प्रे के साथ इसे आजमाने का मन बना लिया। जंगल में हमें कुछ बहुत बड़े-बड़े मच्छर मिले।
“बहुत बढ़िया काम किया, गेल,” मैंने कहा। “तुमने वाकई कमाल कर दिया।”
वह खुद पर काफी गर्व महसूस करते हुए इतरा रही थी।

इससे मुझे लगभग आत्मविश्वास महसूस हुआ। कुछ दिन पहले तक, मैं पालतू जानवरों के साथ दिन में दो बार सैर करने की कल्पना भी नहीं कर सकती थी। अब हेकुबा और गेल हमारे दोस्त बन गए थे—हमारी टीम का हिस्सा।
मैंने जानवरों से कहा, "धन्यवाद। आपके साथ मिलकर न्यूयॉर्क के मृत लोगों को बुलाना मेरे लिए सम्मान की बात है।"
“नहीं!” नोप ने कहा।
“और तुम भी, दोस्त,” मैंने सहमति जताते हुए कहा। “तुम अपनी मासूमियत से उन्हें डरा दोगे।”
“नहीं!” हेलपप्पी ने सहमति जताई।
मैंने एनाबेथ का नक्शा देखा। मैंने सकारात्मक रहने की कोशिश की और सोचा कि हम आगे क्या करने वाले हैं।
मैंने कहा, "मुझे स्कूल में कुछ जानकारी मिली। मैंने देखा कि हेकेट अपनी मशालों का इस्तेमाल कैसे करती है।"
मैंने उन्हें बताया कि मैंने परामर्शदाता के कार्यालय में क्या देखा था - कैसे देवी ने मृतकों को बुलाने के लिए अपनी मशालें फैलाईं, फिर आत्माओं को धूल में बदलने के लिए अपनी बाहों को अपनी छाती पर बांध लिया।
जब मैंने उन्हें अपनी माँ के बारे में जो कुछ पता चला था, वह बताया, तो एनाबेथ ने अपना हाथ अपने मुँह पर रख लिया। "हे भगवान! सैली एक चुड़ैल है?" ग्रोवर ने सिर हिलाया। "वह उसे कुचल देती।" फिर उसने मेरी तरफ देखा और जल्दी से कहा, "लेकिन मुझे खुशी है कि तुम्हारा जन्म हुआ।"
जब मैंने उन्हें यूडोरा के पिछले करियर के बारे में बताया, तो हेकुबा के कान पीछे की ओर चले गए।
वह दर्द भरी आवाज़ में रोने लगी। गेल झट से उसके पास गई और अपने पंजे उस शैतानी कुत्ते की गर्दन पर रख दिए। यह दृश्य दिल दहला देने वाला था। मैंने अनुमान लगाया, "तुम्हें यूडोरा पसंद थी।"
हेकुबा सिसक उठी।
“हाँ,” मैंने कहा। “मुझे लगता है कि यूडोरा भी तुम दोनों को पसंद करती थी। वह तुम्हें और स्कूल को याद करती है।”
गेल ने मुझे गुस्से भरी नजरों से देखा, मानो कह रहा हो, यार, मेरे दोस्त को रुलाना बंद करो।
“ठीक है,” मैंने कहा। “माफ़ कीजिए।”

एनाबेथ ने रसोई में टूटी-फूटी अलमारियों और क्षतिग्रस्त उपकरणों का जायजा लिया। “यह इतिहास एक समस्या हो सकता है। अगर हेकेट अतीत को भुला नहीं पा रही है और इसी वजह से यह जगह एक सदी से भी अधिक समय से जर्जर हो रही है, तो भूतों की सेना भी इसे ठीक नहीं कर पाएगी। हम मरम्मत की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन यह दीवारों में दरारों को भरने जैसा होगा जबकि सहारा देने वाले बीम ही कमजोर हों।”
मुझे लगा कि यह वास्तुकला से संबंधित कोई बात है। मैंने सिर हिलाकर सहमति जताई जैसे मुझे यह बात समझ में आ गई हो।
मैंने सुझाव दिया, "एक बार में एक ही समस्या। पहले मृतकों से दरारों पर रंग भरवा लेते हैं। फिर हम सहारे के बीमों के बारे में सोचेंगे।"
एनाबेथ ने अपने होंठ चबाए। "निर्माण कार्य ऐसे नहीं होता, लेकिन मुझे लगता है कि आप सही कह रही हैं।" उसने एक पुलिसवाले की तरह अपने हाथ फैलाए। "इसलिए, मैं मृतकों को बुलाने और उनके काम का निर्देश देने के लिए अपने हाथ फैलाए रखती हूँ।"
जब काम पूरा हो जाता है, तो मैं अपने सामने मशालों को एक दूसरे के ऊपर रख देता हूँ। सुनने में तो यह आसान लगता है।
ग्रोवर ने टेबल पर रखे नक्शे पर झुकते हुए कहा, "मुझे लगता है कि इस रास्ते से लौटने वाले लोगों की संख्या सबसे कम होगी। बीच से होकर गुजरो, फिर एक गली से दूसरी गली में जाओ। उसके बाद इरविंग प्लेस पार करो और सीधे उत्तर की ओर बढ़ो।"
अंधेरी गलियों से मुर्दों को ले जाना भी कोई अच्छा तरीका नहीं लग रहा था। दूसरी ओर, जंगल में रास्ते खोजने के मामले में मैं ग्रोवर से बहस नहीं करने वाला था। वैसे भी, अगर मैंने शिकायत की तो गली के लड़के के नाम पर धब्बा लग जाएगा।
“ठीक है,” मैंने कहा। “चलो ऊपर चलते हैं।”
ग्रोवर ने हमें गेल के पीले पेस्ट से हमारी कलाई और गर्दन पर लेप लगाकर यह रस्म अदा की, जिससे हमारे शरीर से जलते हुए पॉलिएस्टर जैसी गंध आने लगी। शायद भूतों को सिंथेटिक कपड़ों से एलर्जी होती है।
हेकुबा और गेल से माफी मांगते हुए, हमने जानवरों को लगाम और पट्टा पहना दिया। ऐसा नहीं था कि हमें हेकुबा और गेल पर भरोसा नहीं था, लेकिन नोप अभी भी यह तय करने की कोशिश कर रहा था कि उसका पट्टा खिलौना है, खाना है या

पेशाब करने की कोई चीज। हमने सोचा कि बड़े पालतू जानवर शायद एक अच्छा उदाहरण पेश करेंगे।
मैंने एनाबेथ से कहा, "मैं तुम्हारे लिए टॉर्च ले आता हूँ।" फिर मैं दौड़कर सीढ़ियों से ऊपर चला गया।
एनाबेथ खुद मशालें लाने में पूरी तरह सक्षम थी। लेकिन मैं उन्हें पहले पकड़ना चाहता था, कहीं ऐसा न हो कि उनसे मुझे बिजली का झटका लगे, मुझ पर किसी आत्मा का कब्ज़ा हो जाए, या मेरे दो अतिरिक्त चेहरे उग आएं। अगर ऐसा हममें से किसी के साथ होना ही था, तो वो मैं ही होना चाहिए था, वो आदमी जिसे सपोर्ट बीम और लेज़र बीम में फर्क भी नहीं पता।
इसके विपरीत, रेलिंग पर लगी पट्टिका से मशालें बिना किसी समस्या के आसानी से निकल गईं।
वे कोई खास चीज नहीं थीं, बस लकड़ी के दो डंडे थे जिनके नुकीले सिरे पर तारकोल में भीगे हुए कपड़े के टुकड़े लिपटे हुए थे।
मैंने एनाबेथ की ओर देखा, जो मेरी ओर देखकर भौंहें चढ़ा रही थी।
मैंने मुस्कुराते हुए ब्रूस ली की तरह ननचाकू से मशालों को धीमी गति से घुमाया।
“हम्म,” उसने कहा। “उन्हें मेरे पास लाओ, सीवीड ब्रेन। मुझे यकीन नहीं है कि ज्वलनशील वस्तुओं के साथ मैं तुम पर भरोसा कर सकती हूँ।”
अंततः, हम शाम को बाहर निकलने के लिए तैयार थे।
“याद रखना,” ग्रोवर ने कहा, “यह सिर्फ दस ब्लॉक की दूरी है, लेकिन आत्माएं हर कदम पर हमारा विरोध करेंगी। एक बार जब हम उन्हें पकड़ लें, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखें। सिर्फ एनाबेथ ही नहीं, हम सभी को ध्यान देना होगा।”
एडीएचडी होने की वजह से 'फोकस' शब्द मुझे बिल्कुल पसंद नहीं था। हां, आपात स्थिति में, जैसे कि मेरे सिर पर कुल्हाड़ी आ रही हो, तो मैं किसी ज़रूरी चीज़ पर ध्यान केंद्रित कर सकता था। लेकिन तनाव में, चलते-फिरते, और बार-बार 'फोकस' करने के लिए कहे जाने के बाद भी, पंद्रह मिनट तक किसी विचार पर ध्यान केंद्रित करना? मेरे दिमाग की स्वाभाविक प्रवृत्ति इधर-उधर भटकने और किसी भी चीज़ के बारे में सोचने की होती थी: पिज़्ज़ा, स्ट्रीटलाइट, परीक्षा के नंबर, या दस से ज़्यादा ब्लॉक पैदल चलने के दौरान मेरी जान जाने के कई तरीके।

मैंने उस क्षत-विक्षत बड़े कमरे में एक बार फिर नज़र डाली। मुझे लगा जैसे मैं कुछ ज़रूरी बात भूल रहा हूँ। ईल मछली? नहीं। कैंडी कॉर्न? नहीं।
ग्लेडिएटर की लंगोटी? नहीं, धन्यवाद।
“ठीक है,” मैंने कहा। “मुझे लगता है कि सब ठीक है।”
उस बयान को उन दस मौकों की सूची में शामिल कर लीजिए जब पर्सी गलत साबित हुआ।

इकतीस
हमें कुछ अलग तरह के मृत लोग मिले। सेंट मार्क चर्च रात में अलग ही दिखता था। यह सेकंड एवेन्यू के पास 10 वीं स्ट्रीट पर, एक सुविधा स्टोर और अर्बन आउटफिटर्स के सामने स्थित था, लेकिन चर्च मानो कहीं सुनसान जगह पर हो— अपनी लोहे की बाड़ और पेड़ों से घिरे प्रांगण के पीछे अंधेरे का एक द्वीप।

हम उस बेंच के पास से गुज़रे जहाँ मैंने और एनाबेथ ने सोमवार को बातें की थीं। उस समय तो वह जगह घूमने-फिरने के लिए अच्छी लग रही थी। अब वह जगह लूटपाट का शिकार होने या गुस्सैल आत्माओं के हमले का अड्डा लग रही थी। द्वार काले रंग के थे और एईए परफ्यूमरी की तरह उन पर ग्रीक कुंजी के डिज़ाइन बने हुए थे। (चेतावनी! अंदर पौराणिक कथाओं का अराजक माहौल है!) हम चुपके से अंदर घुस गए और कब्रिस्तान में पहुँच गए।
और भी पेड़, घास, बेंचें। मुझे कोई समाधि-पत्थर तो नहीं दिखाई दिए, लेकिन एनाबेथ ने मुझे यकीन दिलाया कि ईंटों के रास्तों, टेढ़ी-मेढ़ी पेड़ों की जड़ों और घनी लताओं के नीचे प्राचीन कब्रें मौजूद हैं। मैंने उसकी बात मान ली। हवा दस डिग्री ठंडी महसूस हो रही थी।
ज़मीन पर जमी धुंध मेरे टखनों से चिपकी हुई थी। हेकेट के यहाँ से निकलने के पंद्रह मिनट बाद से मैं इतनी डरावनी जगह पर नहीं आया था।
हेकुबा और नोप मेरे चारों ओर सूंघते हुए मेरी बाहों को अलग-अलग दिशाओं में खींच रहे थे।
उस इलाके की खुशबू शायद उन्हें किसी महंगे बुफे जैसी लग रही थी।
वह जगह हमारे लिए बिल्कुल खाली थी। सड़क पर यातायात सुचारू रूप से चल रहा था।
राहगीर अपने-अपने काम में लगे हुए थे। लेकिन चहल-पहल भरी दुनिया मंद और दूर-दूर सी लग रही थी, मानो हम किसी पर्दे को पार करके मृत्युलोक में प्रवेश कर चुके हों। मुझे यह विचार अच्छा नहीं लगा।
“पीट?” मैंने अँधेरे में पुकारा। “तुम कहाँ हो?”
एनाबेथ ने मुझे कोहनी मारी। "शायद जब तक हम उसे जान न लें, तब तक उसे पीट न कहें। उसकी कब्र उधर है।"
वह हमें चर्च के एक तरफ ले गई। रंगीन कांच की खिड़की के नीचे, ज़मीन के स्तर पर, दीवार पर एक गहरे रंग का पत्थर का चिन्ह लगा हुआ था: इस तहखाने में दफन है।
पीटर स्टुवेसेंट।
उसके बाद और भी शब्द थे, लेकिन मैं इतना घबराया हुआ था कि उन्हें पढ़ नहीं पाया।
शायद वे छोटे अक्षरों में लिखी चेतावनी थी, जिसमें पीट की आत्मा को परेशान करने पर होने वाले परिणामों के बारे में बताया गया था। परिणाम भिन्न हो

सकते हैं। भूतों को भारी मशीनरी चलाने न दें। यदि आपका मृत शरीर बारह घंटे से अधिक समय तक जीवित रहता है, तो ईश्वर से सहायता मांगें।
गेल भौंका और ग्रोवर के कंधे से कूदकर मेरे कंधे पर आ गया।
“वह कहती है कि हमें जल्दी शुरू कर देना चाहिए,” ग्रोवर ने अनुवाद किया। “यह चिपचिपा पदार्थ ज़्यादा से ज़्यादा कुछ घंटों के लिए ही असरदार होता है।”
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या नेवला मेरे कंधों के कांपने को महसूस कर सकता था। "ठीक है।"
एनाबेथ, तुम ठीक हो?
उसने बुझी हुई मशालें उठाईं। मुझे अचानक याद आया कि मुझे माचिस की डिब्बी लानी चाहिए थी।
“तैयार,” उसने कहा। “बस जो हमें चाहिए उस पर ध्यान केंद्रित करके मेरी मदद करो।”
ठीक है, मैंने सोचा। मैं चाहता हूँ कि आत्माएँ एक भूतिया घर का पुनर्निर्माण करें। अगर यह ठीक रहा, तो हम होम DIY चैनल पर अपना खुद का शो शुरू कर सकते हैं: रेनोवेटेड टू डेथ।
पहले से ही, मेरा ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत आ रही थी। मैं सुझाव देने ही वाला था कि हम एक मिनट का ब्रेक लें, शायद कुछ ध्यानपूर्ण श्वास अभ्यास करें, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।
एनाबेथ ने अपनी बाहें फैलाईं और मशालें अपने आप जल उठीं।
नीली और सफेद लपटें पुरानी पत्थर की दीवार पर एक धुंधली सी चमक बिखेर रही थीं, जो रंगीन कांच पर झिलमिला रही थीं। संतों के चित्र ऐसे उछल-कूद और नृत्य कर रहे थे जो बिल्कुल भी डरावने नहीं थे।
मैंने खुद से कहा, एकाग्रचित्त रहो।
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं। इससे कोई फायदा नहीं हुआ। मेरा दिमाग और भी अजीबोगरीब विचारों से भर गया। मैंने पत्थर के उस चिन्ह पर ध्यान केंद्रित किया। मैंने कल्पना की कि हेकेट का महल फिर से बनाया जा रहा है। पिज्जा टॉपिंग के साथ। बस करो, दिमाग! मुझे उम्मीद थी कि बाकी लोगों की किस्मत बेहतर होगी।
ज़मीन कांप उठी। एनाबेथ का संतुलन लगभग बिगड़ गया, लेकिन उसने जल्दी ही खुद को संभाल लिया। गेल मेरे कंधे से कूदकर मेरे पीछे छिप गया। वह नेवला

बेवकूफ नहीं था। अगर भूत क्रोधित हो गए, तो बेहतर यही होगा कि उन्हें उन बड़े, रसीले अर्धदेवों को खा जाने दिया जाए।
आग की गर्मी से हवा गर्म हो गई। नीली रोशनी मेरी बाहों पर नाच रही थी, जिससे मैं एक लाश की तरह दिख रही थी—और मुझे इस उपमा की बिल्कुल भी ज़रूरत नहीं थी।
जैसे ही वह प्रेत प्रकट हुआ, हेकुबा गुर्रा उठी। वह दीवार के सहारे एक परछाई की तरह उभरा— एनाबेथ की परछाई। फिर वह काली आकृति और गहरी होती गई, ईंटों से अलग होकर कोयले की धूल के बादल की तरह धुएँदार रूप धारण कर लिया। मैंने उसकी झुंझलाहट, उलझन और क्रोध को महसूस किया। वह एक सवाल पूछ रहा था। क्यों?
मेरे बगल में, नोप ने पेशाब की बौछार कर दी। सच कहूँ तो, मुझे भी ठीक वैसा ही महसूस हुआ। किसी तरह मैंने खुद को संभाला।
मुझे नहीं पता था कि यह भूत खुद पीटर स्टुवेसेंट था या कोई और बेचारा आदमी, लेकिन मैंने ग्रामर्सी पार्क में स्थित हवेली की एक छवि संप्रेषित करने की कोशिश की। मैंने कल्पना की कि वहां हुए नुकसान की मरम्मत की जा रही है। एनाबेथ के चेहरे पर पसीने की बूंदें दिखाई दे रही थीं।
मैंने धीरे से कहा, "तुम बहुत अच्छा कर रहे हो।"
मुझे नहीं पता था कि उसने मेरी बात सुनी या नहीं। उसके चेहरे पर ऐसा भाव था मानो वह किसी हाइपरबोरियन दैत्य से कुश्ती लड़ रही हो। (और हाँ, मैंने ऐसा देखा है।) धुआँ घना हो गया। भूत का आकार और स्पष्ट हो गया। उसने चौड़ी किनारी वाली टोपी पहनी थी; लंबे, पतले बाल थे; एक लबादा था; एक डबलट था; और फूली हुई पैंट थी।
— ये सब घूमते हुए धूल के कणों से बने थे। उसकी कमर पर एक तलवार लटकी हुई थी।
मुझे लगा कि शायद हमने थ्री मस्क eteers में से किसी एक को जगा दिया है। मैं बाकी दो के बारे में चिंता करने लगा था। तभी मैंने देखा कि भूत एक छड़ी के सहारे खड़ा था। उसका दाहिना पैर एक लकड़ी के खूंटे पर टिका हुआ था।
“ये वही है,” ग्रोवर ने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा। “लोग उसे लंगड़ा पीट कहते थे।”
मैंने फुसफुसाते हुए पूछा, "क्या यह कोई कार्टून कैरेक्टर नहीं है?" “अलग तरह का लंगड़ा पीट।”

"आप यह कैसे जानते हैं?"
मैंने निर्धारित पठन सामग्री पढ़ ली है।
मैंने उसकी तरफ देखा। वो मज़ाक नहीं कर रहा था। ज़ाहिर है, एनाबेथ ने उसे पीट के बारे में होमवर्क दिया था। या तो मैं भूल गई थी, या एनाबेथ ने मुझे होमवर्क देना ही नहीं चाहा क्योंकि उसे पता था कि यह बेकार है। “लड़कों।” एनाबेथ ने दांत पीसते हुए कहा। “मदद करो।”
ठीक है। ध्यान केंद्रित करो।
मैं फिर से हेकेट के घर की कल्पना करने लगी। मैंने मन ही मन हथौड़ों, कीलों, पेंट और डक्ट टेप की तस्वीरें बनाईं। क्या सत्रहवीं शताब्दी में डक्ट टेप हुआ करता था? मैंने कल्पना की कि हम सब ग्रामर्सी पार्क में टहलने जा रहे हैं और वहाँ हम सब मिलकर अपने घर की मरम्मत का काम करते हुए एक मज़ेदार शाम बिताएंगे।
हेकुबा ने हमें एक और धीमी सी गुर्राहट सुनाई—एक तरह की चेतावनी।
जमीन से और भी धुंधली आकृतियाँ उठने लगीं। जल्द ही भूतों की भीड़ ने हमें घेर लिया—कम से कम दर्जनों भूत थे।
ग्रोवर ने नोप को काबू में किया, जो सचमुच धुएँ वाले लोगों से मिलना चाहता था। लगता है उसका शुरुआती डर खत्म हो गया था। उसकी भौंकने की आवाज़ खुशी से भरी थी, मानो कह रही हो, 'तुम!'
गंध! दिलचस्प! शोर की वजह से मेरा ध्यान भटक रहा था।
गेल चहचहाया, शायद हमें याद दिला रहा था कि हमारा समय बीत रहा है। हम यहाँ कब से थे? मिनट? दशक? भूत हमारे करीब आते गए, हमारी निजी जगह पर ऐसे कब्ज़ा कर लिया जैसे हम इस इलाके के सबसे नए मृत व्यक्ति हों और वे
उन्हें हमारा जायज़ा लेना था। हालांकि, उन्होंने हमें छुआ नहीं। अब तक, गेल का चिपचिपा पदार्थ अपना काम करता हुआ प्रतीत हो रहा था।
क्यों? भूतों ने पूछा।
वे हमें पसंद नहीं करते थे। उनकी शत्रुता हवा में सल्फर की तरह फैली हुई थी। वे जानते थे कि एनाबेथ हेकेट नहीं थी—डरने लायक कोई देवी नहीं, बल्कि उधार की मशालें लिए एक किशोरी।
वे चारों ओर जमा हो गए, चक्कर लगाने लगे, हमें सूंघने लगे, केवल गेल के भूत-रोधी मरहम और एनाबेथ की दृढ़ इच्छाशक्ति ने ही उन्हें रोके रखा था। उनकी

उपस्थिति ने मेरे अंगों की सारी शक्ति छीन ली थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि एनाबेथ इसे कैसे सहन कर पा रही थी।
उनके विचार और यादें मुझ पर छा गईं। मैंने न्यू एम्स्टर्डम को एक युवा बस्ती के रूप में देखा—द्वीप के दक्षिणी छोर पर बसे कुछ ही भवन। चारों ओर खेत फैले हुए थे, साथ ही जंगल और नदियाँ भी। मुझे कड़वाहट महसूस हुई। मैंने नाराज़ चेहरे देखे, डच भाषा में गालियाँ सुनीं।
ऐसा लगता है कि पीटर और उसके दोस्त ज्यादा लोकप्रिय नहीं थे। उन्हें यहीं दफनाया गया था, जो उस समय बस्ती का सुदूर उत्तरी छोर था।
सदियों से वे अपनी कब्रों में सो रहे थे, जबकि न्यूयॉर्क शहर उनके चारों ओर बनता चला गया, उनके जीवन के लगभग हर निशान को दफन कर दिया, उनकी कब्रों पर लिखे नाम मिटा दिए, और यातायात और निर्माण के शोर के कारण उनके लिए सोना असंभव हो गया। अब वे दिशाहीन और क्रोधित थे।
मैं उन्हें दोष नहीं दे सकता था। मैनहट्टन में शांति से विश्राम करना कोई आम बात नहीं थी।
मुझे समझ आ गया, मैंने सोचा। लेकिन हमें आपकी मदद चाहिए। एनाबेथ का अनुसरण करो। उसके लिए काम करो।
मुझे यकीन नहीं था कि मैं कितनी मददगार साबित हो रही थी। मैं एनाबेथ की चिंता में इतनी मशगूल थी कि भूतों के गुस्से का सबसे ज्यादा शिकार वही हो रही होगी।
मशालें और भी तेज जलने लगीं, उनका रंग गहरा नीला, लगभग बैंगनी हो गया।
एनाबेथ की बाहें कांप रही थीं।
मैंने पूछा, "तुम ठीक हो?"
“मैं—मैं ठीक हूँ,” उसने किसी तरह कहा।
मैं उसकी बात पर यकीन करना चाहता था, लेकिन धुंधली आकृतियाँ बढ़ती ही जा रही थीं। पूरा कब्रिस्तान मानो जाग उठा था—सैकड़ों आत्माएँ अज्ञात कब्रों से निकली थीं, जिनके नाम भुला दिए गए थे, सदियों से उनकी पहचान मिट गई थी। वे डच, अंग्रेज़ी, फ़्रेंच और एल्गोनक्विन में सोच रही थीं—एक अराजक स्वर जिसे मैं समझ नहीं पा रहा था, लेकिन भावनाएँ स्पष्ट थीं। वे हमें टुकड़े-टुकड़े कर देना चाहती थीं। वे बस पेग-लेग पीट के इशारे का इंतज़ार कर रही थीं।

एनाबेथ सीधी खड़ी हो गई। उसने पीटर स्टुवेसेंट की धुंधली आँखों में सीधे देखा। "तुम हमारी मदद करोगे," उसने आदेश दिया। "मेरे पीछे आओ।" स्टुवेसेंट की धूल के कण आक्रोश से उबल रहे थे। लेकिन अब मुझे कुछ और भी महसूस हो रहा था: जिज्ञासा, ठंडी सी हंसी, और यह देखने की एक क्रूर इच्छा कि एनाबेथ टूटने से पहले कब तक खुद को संभाल पाएगी। उसका जवाब मेरे दिमाग में गूंज रहा था। चलो, फिर, लड़की।
एनाबेथ मुड़ी और हमें कब्रिस्तान से बाहर ले गई।

बत्तीस
एक ब्लॉक आगे बढ़ाना बहुत अच्छा साबित हुआ।
हम यहीं तक पहुँच पाए।
एनाबेथ हमें 11 वीं स्ट्रीट पार कराकर ग्रोवर के सुझाए गए शॉर्टकट से ले गई—जो दो अपार्टमेंट इमारतों के बीच का पैदल रास्ता था। रास्ते में

मिलने वाले लोग हमसे दूरी बनाए हुए थे। धुंध में, मुझे लगा जैसे हम हैलोवीन टूर ग्रुप हों। कृपया भूत-प्रेतों की सैर के लिए मशालों का अनुसरण करें! हेकुबा और नोप एकदम बॉर्डर-कॉली की तरह हरकतें करने लगे। अपनी पट्टियों को पीछे घसीटते हुए, वे आत्माओं के चारों ओर दौड़ने लगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे सभी एक साथ झुंड में रहें। मुझे लगता है कि पाताल लोक में नरक के कुत्ते ऐसा ही करते होंगे, क्योंकि नोप ने तो यह सहज रूप से करना सीख लिया। “नहीं!” वह हर बार भूत के भटकने पर चिल्लाता। “नहीं! नहीं!”
इस पैदल यात्रा में आइसक्रीम के लिए कोई साइड ट्रिप नहीं होगी।
हम अभी 12 वीं स्ट्रीट पर ही निकले थे कि एनाबेथ लड़खड़ा गई।
मैंने किसी तरह उसका बायां हाथ पकड़ लिया और मशाल को गिरने से बचा लिया।
ग्रोवर ने भी उसके दाहिने हाथ को पकड़कर ऐसा ही किया। भूत हमारी ओर तेजी से बढ़े, फिर एनाबेथ के संतुलन बनते ही पीछे हट गए। मुझे ऐसा लगा जैसे वे हमारी अमर आत्माओं को खाने से बस आधा सेकंड ही दूर थे।
“मुझसे गलती हो गई,” एनाबेथ ने कहा।
उसकी सांसें तेज चल रही थीं। उसके पैर ऐसे लड़खड़ा रहे थे जैसे वह अभी-अभी ओलंपस की चढ़ाई करके आई हो।
मैंने पूछा, “हम क्या कर सकते हैं?”
उसने अपना सिर हिलाया। "मुझमें... वहां तक पहुंचने की... उतनी ताकत नहीं होगी।"
गेल ग्रोवर के कंधे पर चढ़ गई। वह घबराकर चहचहा रही थी और अपनी छोटी सी कलाई पर थपथपा रही थी, जहाँ उसकी छोटी सी घड़ी होती अगर उसके पास होती। हम बहुत धीरे चल रहे थे। चिपचिपा पदार्थ बर्बाद हो रहा था।
हमारे चारों ओर प्रेत मंडरा रहे थे, कड़वाहट से भरे हुए। पीट द मस्कटियर एक भेड़िये की तरह देख रहा था, जो कमजोर शिकार पर हमला करने के सही मौके का इंतजार कर रहा हो। उसका हाथ उसकी काली तलवार की मूठ पर टिका हुआ था। ग्रोवर और मैंने घबराहट भरी नज़रें एक-दूसरे पर डालीं। अगर एनाबेथ अपनी गलती मान रही थी, तो हम गंभीर मुसीबत में थे। हर हीरो में कोई न कोई घातक कमी होती है। एनाबेथ की कमी थी अहंकार। वह हमेशा ऊँचा लक्ष्य रखती थी, उसे पूरा भरोसा था कि वह और भी ऊँचा जा सकती है। ज़्यादातर समय वह सही होती थी। लेकिन एक ब्लॉक पार करने के बाद मदद के लिए पुकारना? स्थिति इतनी गंभीर होनी चाहिए थी कि उसने इस तरह अपना अहंकार त्याग दिया।

तब मुझे याद आया कि घातक खामियों को घातक क्यों कहा जाता है।
हम उसे इतनी जल्दी थकने नहीं दे सकते थे। वही एकमात्र ऐसी थी जो भूतों को घर का सही ढंग से पुनर्निर्माण करने का निर्देश दे सकती थी।
मैंने कहा, "मुझे मशालें लेने दीजिए।"
हेकुबा गुर्राई।
“यह अच्छा विचार नहीं है,” ग्रोवर ने अनुवाद किया। “अगर आप आह्वान को तोड़ते हैं

— ”

मैंने ज़ोर देकर कहा, "मैं कर सकता हूँ। इन लोगों को हवेली तक वापस ले जाना — ये तो मैं संभाल सकता हूँ। हमें वहाँ पहुँचते ही एनाबेथ को तरोताज़ा चाहिए ताकि वो ज़िम्मेदारी संभाल सके।"
हेकुबा ने घुरघुराहट और सिसकने के बीच की एक आवाज़ निकाली।
ग्रोवर ने कहा, "उसे नहीं पता कि मशालें एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को सौंपी जा सकती हैं या नहीं। इससे पहले किसी ने भी ऐसा करने की कोशिश नहीं की है।"
मैंने एनाबेथ की आंखों में देखा। "हम कर सकते हैं।"
मैंने सोचा कि आकाश का भार उठाने और टार्टारस से एक साथ गुजरने के बाद, हम दोनों एक जोड़े के रूप में जितना एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठा सकते थे, उतना ही तालमेल बिठा चुके थे।
टीम में भले ही 'मैं' न हो, लेकिन एनाबेथ के लिए 'ए' ज़रूर था और... तीन और अक्षर थे जिनका कोई खास मतलब नहीं था, तो चलिए इसे भूल जाते हैं। असल बात यह थी कि हम बेहतरीन सहयोगी थे। मुझे बाकी चीज़ों के बारे में ज़्यादा कुछ पता नहीं था, लेकिन इस बात का मुझे पूरा यकीन था।
मैंने उसका सामना किया, नाक से नाक मिलाकर, और उसकी बाहों की तरह अपनी बाहें फैला दीं।
“कोई बात नहीं।” मैंने मशाल के हैंडल पर उसके हाथों को थाम लिया। “मुझे मदद करने दो।”
उसने अपनी पकड़ ढीली कर दी और ग्रोवर की बाहों में वापस गिर पड़ी।
भूत धूल और धुएं के भयंकर तूफान में बदल गए, लेकिन मैंने मशालें ऊपर उठाए रखीं और मन ही मन अपनी सबसे शक्तिशाली प्रार्थना की आवाज निकाली। नहीं!

आत्माएं शांत हो गईं। या कम से कम, वे अपने हिंसक क्रोध के सामान्य स्तर पर लौट आईं।
मैंने आदेश दिया, “तुम्हें मेरे साथ ग्रामर्सी पार्क चलना होगा। और तुम्हें यह जगह बहुत पसंद आएगी।”
पहले 0.00035 वें सेकंड के लिए, मुझे काफी आत्मविश्वास महसूस हुआ। मशालें उतनी भारी नहीं थीं। मृतकों की फुफकारती आवाजें और भावनात्मक आघात उतने बुरे नहीं थे।
लेकिन जब हम थर्ड एवेन्यू पहुंचे, तो मुझे लगने लगा कि ग्रोवर सही कह रहा था। मुझे और ज़्यादा कसरत करने की ज़रूरत थी। टॉर्चें भारी लग रही थीं। मेरे शरीर में मांसपेशियों की काफ़ी कमी थी। पसीना मेरी पीठ से बह रहा था। मुझे एहसास हुआ कि मैं सिर्फ मशालें ही नहीं ढो रहा था—मैं अपने पीछे अनिच्छुक मृत लोगों की पूरी सेना को घसीट रहा था। वे अपनी पूरी ताकत से काम बिगाड़ रहे थे, अपनी भूतिया एड़ियों को जमाए बैठे थे। स्टुवेसेंट पास ही मंडरा रहा था, मुझे मजे से देख रहा था। और अब यह लड़का सोचता है कि वह हम पर नियंत्रण कर सकता है।
मैंने गुर्राते हुए जवाब दिया, "देखते रहो, पीट।"
मैं चलता रहा, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए। हवेली। बस हवेली वापस जाना है।
एनाबेथ की हालत थोड़ी बेहतर लग रही थी, कम से कम। वह मेरे बगल में लंगड़ाते हुए चल रही थी, उसका चेहरा एकाग्रता से भरा हुआ था, मानो वह मानसिक रूप से मृतकों को संभालने में मेरी मदद करने की कोशिश कर रही हो।
नरक के शिकारी कुत्ते भौंकते और किनारों पर दौड़ते हुए भूतिया एड़ियों को नोचते रहे। ग्रोवर गेल को अपने कंधे पर बिठाकर हमसे आगे-आगे चल रहा था, पूर्वी गाँव के बीहड़ों में रास्ता बनाते हुए।
“इधर आओ!” उसने आग्रह किया। “एक खुर दूसरे के आगे रखो!”
हमारा अजीबोगरीब जुलूस लड़खड़ाते हुए उत्तर की ओर बढ़ा। मशालें भारी होती गईं। लपटों से मेरी बांहें झुलसने लगीं। थोड़ी-थोड़ी देर में, मेरी नज़र के कोने से, मुझे कोई नया भूत फुटपाथ से रेंगता हुआ या दीवार से निकलता हुआ हमारे जुलूस में शामिल होता हुआ दिखाई देता। वाह... पहली बार तो मैं लोकप्रिय हो गया था।

मुझे समय का पता ही नहीं चला। मेरी दृष्टि धुंधली हो गई। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं धुएं में बदल रहा हूँ, आत्माओं के समूह में घुलमिल रहा हूँ, जब तक कि मैं केवल उलझी हुई भावनाओं और धुंधली यादों का ढेर न बन जाऊँ।
मुझे हल्का-फुल्का एहसास था कि एनाबेथ ग्रोवर से सलाह लेने के लिए आगे दौड़ गई थी।
“…सामान नहीं है,” ग्रोवर कह रहा था। “क्या हमें कहीं रुकना चाहिए?” “चिंता मत करो,” एनाबेथ ने कहा। “हम इसका हल निकाल लेंगे।”
मुझे खुशी थी कि हमें वह चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। मैंने सोचा था कि मैं अपने भूतों की फौज को होम डिपो में घसीट कर ले जाऊंगी और पूछूंगी कि हमें ड्राईवॉल और प्लास्टर कहां मिल सकते हैं।
उस विचार ने मेरा ध्यान भटका दिया। मैं एक दरार पर ठोकर खाकर गिर पड़ा।
मशालें बुझ गईं। भूतों ने मुझे घेर लिया।
“पर्सी!” एनाबेथ की आवाज ने मुझे चौंकाते हुए वापस होश में ला दिया।
मैंने मशालें और ऊँची कर दीं। भूत गालियाँ फुसफुसाते हुए पीछे हट गए।
स्टुवेसेंट का चेहरा केवल कालिख से ढका हुआ था, लेकिन मुझे पूरा यकीन था कि वह मुझे घूर रहा था।
“बाल-बाल बच गए,” एनाबेथ ने कहा। “बस आगे बढ़ते रहो। तुम बहुत अच्छा कर रही हो।”
जैसे-जैसे और अधिक आत्माएँ हमारे जुलूस में शामिल होती गईं, मैं लड़खड़ाता हुआ आगे बढ़ता गया। यातायात की आवाज़ें धीमी और नम होती गईं, मानो पानी के नीचे सुनाई देने वाली आवाज़ें हों। राहगीर मशालों और क्रोधित मृत लोगों को अनदेखा करते हुए, धीमी गति से हमारे चारों ओर से रास्ता बनाते गए।
गेल भौंका, मानो मुझे गति बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा हो। जलते हुए पॉलिएस्टर की गंध धीरे-धीरे कम हो रही थी क्योंकि मेरी त्वचा पर लगा जादुई मरहम सूखकर मेरी गर्दन और कलाई से झड़ रहा था।
“सब ठीक है,” एनाबेथ ने मुझसे कहा। “सब कुछ ठीक है।”
यह इस बात का पुख्ता सबूत था कि हालात ठीक नहीं थे।
मैंने खुद से कहा, बस हवेली तक पहुंच जाओ।
मैंने उन शब्दों को इतनी बार दोहराया कि उनका अर्थ ही खो गया। मुझे भ्रम होने लगा कि हेकेट मेरे सामने नाच रही है, मुझे अपने पीछे आने के लिए फुसला रही है। उसका चेहरा तीन उग्र रूपों में बँट गया—घोड़ा, शेर और कुत्ता।

लाख कोशिश करने पर भी मुझे याद नहीं आ रहा था कि वे किसका प्रतीक थे। मुझे बस इतना पता था कि मैं उनकी आँखों में आँखें नहीं मिला सकता।
मैं अपने जीवन के अंतिम मोड़ पर पहुँच रहा था, ठीक वैसे ही जैसे 1914 में हेकेट का स्कूल पहुँचा था।
मुझे याद आया कि हेकेट ने हमारी पहली मुलाकात में क्या कहा था: मैं उन लोगों को खा जाती हूँ जो मेरे सामने डगमगाते हैं। वह मुझे रास्ता चुनने में मदद नहीं करेगी। वह बस यह देखेगी कि मैं असफलता का कौन सा रूप चुनती हूँ।
मेरे बगल में, पीटर स्टुवेसेंट का भूत धीरे से हँस रहा था। उसका लकड़ी का पैर ठोस नहीं था, लेकिन जब भी वह फुटपाथ पर पड़ता था, उससे एक अलौकिक सी आवाज़ आती थी।
“पर्सी, बस पहुंचने ही वाले हो,” एनाबेथ ने कहा। “देखो।”
हम इरविंग प्लेस के उत्तरी छोर तक पहुँच चुके थे। हमारे सामने ग्रामर्सी पार्क वेस्ट फैला हुआ था। हमारे बाईं ओर, मात्र आधा ब्लॉक दूर, हवेली का धूसर मुखौटा दिखाई दे रहा था।
मैं यह कर सकता हूँ।
मेरे पैर लोहे की तरह भारी हो गए थे, लेकिन गुस्से की लहर ने मुझे ताकत दी।
हेकेट संकोच को पुरस्कृत नहीं करती? ठीक है।
मैंने गुर्राया—शायद हेलहाउंड भाषा में कुछ बहुत ही अनुचित कह दिया।
और वे हेकेट के मतिभ्रमपूर्ण दर्शन के बीच से सीधे आगे बढ़ गए।
हम हवेली के द्वार तक पहुँच गए।
एनाबेथ और ग्रोवर जल्दी से मेरे दोनों ओर आ गए। उन्होंने मेरी बाहों को सहारा दिया और हम दोनों मिलकर खोपड़ीनुमा पत्थरों से बने रास्ते पर लड़खड़ाते हुए आगे बढ़े। मशाल की लौ फिर से धीमी पड़ गई और गहरे लाल रंग में बदल गई। किसी तरह हम सामने के बरामदे तक पहुँच गए।
भूत आंगन में इधर-उधर मंडरा रहे थे, आदेशों की प्रतीक्षा कर रहे थे या हमें मारने के अवसर की तलाश में थे। वे मुझे बड़े, गुस्सैल, प्रेतवाधित बगीचे के बौनों की याद दिला रहे थे, जो हवेली के माहौल में बिल्कुल फिट बैठते थे। “अब मेरी बारी,” एनाबेथ ने कहा।
हिम्मत भरे शब्द थे, लेकिन वो फिर भी थकी हुई लग रही थी। मेरी हालत भी कुछ कम नहीं थी। हमने बड़ी मुश्किल से मशालें एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाई

थीं। अगर अब कोशिश की तो मुझे डर था कि हम खुद को आग लगा लेंगे, हवेली को जला देंगे और फिर बगीचे के भूतों द्वारा खा लिए जाएँगे।
मैंने सूखे गले से कुछ शब्द जबरदस्ती निकाले। "साथ में कैसा रहेगा...?" ग्रोवर ने आपत्ति जताना शुरू किया, लेकिन हेकुबा के भौंकने से उसकी आवाज़ रुक गई। गेल ने भी कुछ ज़ोरदार चहचहाहट की आवाज़ें निकालीं।
मुझे बिना अनुवाद के ही संदेश मिल गया। आपको जो भी करना है, अभी कर दीजिए! भूत बेचैन हो रहे थे। वे मेरे चुने हुए गंतव्य तक पहुँच चुके थे। अब क्या? क्या वे हमें टुकड़ों-टुकड़ों में फाड़ देंगे?
इसी बीच, नोप, हमारे खतरे से बेखबर, स्टुवेसेंट की छाया तलवार के सिरे को चबाने की कोशिश कर रहा था।
“ठीक है,” एनाबेथ ने कहा। “साथ में।”
उसने मेरी कमर में हाथ डाला। उसने मेरे दाहिने हाथ में पकड़ी टॉर्च को पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया।
“मुझे सोचने दो,” उसने चेतावनी दी।
“खुशी से,” मैंने धीमी आवाज में कहा।
उसने मशाल ले ली।
वाह, कितनी राहत मिली! अचानक मेरे शरीर का बायां हिस्सा ऐसा लग रहा था जैसे तेजाब में घुल रहा हो। मेरे दाहिने हाथ में एनाबेथ थी, जो काफी बेहतर था।
मैंने अपना खाली हाथ उसकी कमर में डाल दिया। हम दोनों ने एक-दूसरे को कसकर पकड़ लिया।
मशालें फिर से धधकने लगीं और तेज नीली लौ में तब्दील हो गईं।
एनाबेथ ने हमारे उग्र अनुयायियों की भीड़ का सामना किया। उसने कहा, "घर की मरम्मत करो।"
“तब तुम मुक्त हो जाओगे।”
हमारे पीछे, अस्थायी मुख्य द्वार ज़ोर से खुल गया। आत्माओं की सेना बरामदे की ओर दौड़ी, हमारे चारों ओर ऐसे रास्ता बनाया जैसे हम तेज़ धारा में एक चट्टान हों, और हवेली में घुस गई।
“ओह,” ग्रोवर ने धीमी आवाज़ में कहा। “मुझे यकीन है कि यह ठीक है।”
एनाबेथ और मैं किसी तरह मुड़ने में कामयाब रहे ताकि हम आत्माओं की प्रगति देख सकें।
सौभाग्य से, हमने शिविर में तीन टांगों वाली दौड़ का कुछ अभ्यास किया था।

विशाल कमरे में छोटे-छोटे बवंडर घूम रहे थे। मृतकों ने टूटे हुए कांच को साफ किया, फर्नीचर की मरम्मत की और दीवारों को भूतिया बर्फ की चादरों से रंग दिया। हमारे ऊपर, और भी भूत इमारत के अग्रभाग पर मंडरा रहे थे, टूटी हुई कब्रों की मरम्मत कर रहे थे और गिरी हुई कब्रों को बदल रहे थे। “पर्सी,” एनाबेथ ने कमजोर आवाज में कहा, “यह काम करेगा!”
मैंने मुस्कुराने की कोशिश की, लेकिन होंठों के कोनों को उठाना भी बहुत मुश्किल लग रहा था। मेरा ध्यान काम पर ही केंद्रित रहा: घर की मरम्मत करना। बाकी सब कुछ मैंने एनाबेथ पर छोड़ दिया।
भूतों ने सारा भारी काम किया, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे वे मेरी सारी ऊर्जा निचोड़ रहे हों। जितना ज़्यादा वे काम करते, मेरे पैर उतने ही ज़्यादा कांपते। केवल स्टुवेसेंट ही इस शोर-शराबे से दूर रहे। शायद वे खुद को मामूली काम से ऊपर समझते थे। वे इधर-उधर घूमते रहे, मरम्मत की निगरानी करते रहे, डच भाषा में आदेश देते रहे और अपने घर के नौकरों को सारा काम करने देते रहे।
ग्रोवर, हेकुबा और गेल घर के सामने वाले आंगन में सन्नाटे में खड़े थे। नहीं, जिसने शायद भांप लिया कि हमें सहारे की ज़रूरत है, वह हमारे पीछे आया, अपना सिर एनाबेथ और मेरे पैरों के बीच फंसाया और अपनी थूथन मेरे जूते पर टिका दी। सच कहूँ तो, मुझे इससे बेहतर मदद किसी प्यारे पिल्ले से नहीं मिल सकती थी।
मुझे नहीं पता इस प्रक्रिया में कितना समय लगा। घंटे? सदियाँ? मेरी दृष्टि धुंधली हो गई। मेरा दिमाग खोपड़ी में एक जाइरोस्कोप की तरह डगमगाने लगा।
अंत में, एनाबेथ ने कहा, "यह हो गया।"
भूत भूरे रंग के परावैद्युत द्रव की बाढ़ के साथ घर से बाहर निकले और आंगन में फिर से एकत्रित हो गए।
मैंने उनके नतीजे देखे। हवेली ठीक वैसी ही थी जैसी सोमवार को हमारे आने पर थी। सारी खिड़कियाँ ठीक कर दी गई थीं। तीन पैनल वाला दरवाज़ा नए रंग से चमक रहा था। भूतों ने दरवाज़े की कुंडी भी पॉलिश करके बदल दी थी, जो धातु के टुकड़ों की तरह ही हैरान दिख रही थी।
“यह तो अविश्वसनीय था!” शेर ने कहा।
“यह तो बहुत भयानक था!” घोड़े ने कहा।

“स्ट्रूपवाफेल्स!” कुत्ते ने कहा।
तो दरवाजे की कुंडी फिर से काम करने लगी। वाह!
एनाबेथ और मैंने सैनिकों का जायजा लेने के लिए मुड़कर देखा।
लॉन के ऊपर सैकड़ों भूत ऐसे लटके हुए थे जैसे अलाव के धुएं के स्तंभ हों।
स्टुवेसेंट उनके सामने लंगड़ाते हुए आगे-पीछे चल रहा था, उसका लकड़ी का पैर खोपड़ी के रास्ते से टकरा रहा था। मरे हुए लोग इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन मुझे पता था।
उनका सब्र टूट चुका था। उन्हें ज़रा भी संतुष्टि नहीं मिल रही थी। वे बस एक ही चीज़ चाहते थे: मुक्ति। और साथ ही, बदला। ठीक है, वे दो चीज़ें चाहते थे। हमें उन्हें जल्दी से वहाँ से हटाकर उनकी कब्रों में वापस भेजना था। “तैयार हो?” एनाबेथ ने मुझसे पूछा। “एक, दो, तीन।”
उसने अपनी मशाल समेटनी शुरू कर दी। मैंने भी वैसा ही किया। विचार सीधा-सा था: वही करो जो हेकेट ने किया था। मशालों को हमारे सामने रखकर आशा करो कि आत्माएं धूल में मिल जाएं और हमेशा के लिए विदा हो जाएं।
समस्या यह थी कि मेरी बाईं भुजा ने साथ छोड़ दिया। मेरे पास कुछ भी नहीं बचा था। कोई मांसपेशी नहीं।
हिम्मत नहीं थी। टॉर्च को अपनी छाती तक लाना ही ऐसा लग रहा था जैसे एक हाथ से जंग लगे हवाई जहाज के हैंगर का दरवाजा बंद करने की कोशिश कर रहा हो।
मैंने गहरी सांस ली, अपनी बची-खुची ताकत को इकट्ठा किया और आखिरी कोशिश की।
“पर्सी?” ग्रोवर ने घबराकर पूछा।
“पर्सी!” एनाबेथ ने कहा।
“माफ़ कीजिए…” मैंने धीरे से कहा।
मेरा आखिरी निशाना चूक गया। मेरी आँखों के सामने काले धब्बे मंडराने लगे।
मैं घुटनों के बल गिर पड़ा और टॉर्च मेरे हाथ से गिर गई।

तैंतीस
हम पुराने जमाने की तरह चुड़ैलों को जला रहे हैं। (ये हम ही हैं। हम ही चुड़ैलें हैं।)
देवताओं से संबंधित इस क्षेत्र में, हमारे पास ऐसी स्थितियों के लिए एक तकनीकी शब्द है।
हम उन्हें बुरा कहते हैं।
मैं बरामदे में गिर पड़ा। भूत अंदर घुस आए, मानो दावत के लिए तैयार हों। सौभाग्य से, वहाँ एनाबेथ थी। (दरअसल, यह वाक्य मेरे जीवन के बहुत से पहलुओं को बयां करता है।) उसने झपट्टा मारा, आग पूरी तरह बुझने से पहले ही गिरी हुई मशाल को छीन लिया और मेरे और मृतकों के बीच खड़ी हो गई।
“पीछे हटो!” वह चिल्लाई। “चले जाओ!”
उसने अपने सामने मशालें इस प्रकार पार कीं, जैसे हेकेट ने यूडोरा के जलप्रपात में किया था। आत्माएँ मशाल की रोशनी के किनारे से टकराईं और

फुफकारते और चिल्लाते हुए पीछे हट गईं, लेकिन वे गायब नहीं हुईं। वे सामने के आँगन में उग्र रूप से दौड़ीं, बाड़ को हिला दिया, फिर इतनी ताकत से ग्रामर्सी पार्क वेस्ट में ऊपर-नीचे दौड़ीं कि स्ट्रीट लैंप हिल गए और फुटपाथ से पत्थर उखड़ गए।
एनाबेथ ने बुदबुदाते हुए कहा, "वे जा क्यों नहीं रहे हैं?"
(यह वाक्य मेरे जीवन के बहुत से पहलुओं को भी दर्शाता है।) मैं इतना थका हुआ था कि जवाब नहीं दे सका। शायद हमने मशालें एक-दूसरे को सौंपकर सब कुछ गड़बड़ कर दिया था। मैंने उठने की कोशिश की, लेकिन मेरे सीने में दर्द हो रहा था। मेरी बाहें बेजान सी थीं। नोप ने बहादुरी से मेरी जींस का किनारा खींचकर मेरी मदद करने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।
ग्रोवर, हेकुबा और गेल दौड़कर हमारे साथ बरामदे में आ गए, क्योंकि वहीं पर वे सभी कूल बच्चे थे जो भूतों द्वारा खाए जाना नहीं चाहते थे।
“अच्छा नहीं, अच्छा नहीं, अच्छा नहीं,” ग्रोवर घबराकर बोला। “अब हम क्या करें?”
गेल भौंका और हवेली के अंदर भाग गया, हालाँकि मुर्गे के शव को खाने के लिए यह सही समय नहीं लग रहा था। हेकुबा वहीं डटी रही और भूतों के तूफान पर गुर्राती रही।
“हम मरने वाले हैं!” शेर के आकार के दरवाजे पर दस्तक देने वाले ने कहा।
“हम ठीक रहेंगे!” घोड़े ने कहा।
“मैं तो स्ट्रूपवाफेल्स ही खाऊंगा!” कुत्ते ने कहा।
फिलहाल, ऐसा लग रहा था कि मशाल की रोशनी मृतकों को दूर रख रही है।
उन्होंने सड़क को तहस-नहस कर दिया और पार्क में लगे पेड़ों की डालियाँ तोड़ दीं।
निराशा तो हुई, लेकिन ऐसा प्रतीत हुआ कि हवेली खुद नीली आग के सुरक्षात्मक दायरे के भीतर थी।
हमें इसे ऐसे ही रखना था। चाहे कुछ भी हो जाए, हम भूतों को हवेली को बर्बाद करने और हमारी सारी मेहनत को व्यर्थ करने नहीं दे सकते थे। ठीक है, उनकी सारी मेहनत, लेकिन फिर भी...
“ये तो बहुत भारी हो रहे हैं।” मशालों के भार से एनाबेथ की बाहें कांप रही थीं। “मुझे नहीं पता कि मैं कब तक भूतों को दूर रख पाऊंगी।”

गेल हवेली से बाहर निकली, अपने पीछे कांच की छोटी-छोटी शीशियों से भरी एक बेल्ट घसीटती हुई। उसने उन्हें ग्रोवर के पैरों के पास गिरा दिया और बेचैनी से चहचहाने लगी।
“वह कहती है कि तुम दोनों को इनकी ज़रूरत है!” ग्रोवर ने शीशियों को टटोला, एक का ढक्कन खोला और उसमें से तरल पदार्थ मेरे मुँह में डाल दिया। मुझे डर था कि कहीं मैं फिर से ऑक्टोपस बॉय न बन जाऊँ, मेरे मुँह से बदबू न आने लगे या मैं पूरी तरह से बैंगनी रंग के आर्मडिलो जैसा न दिखने लगूँ, लेकिन मैं विरोध करने की हालत में नहीं था। मैंने उसे गटक लिया। मेरे पूरे शरीर में गर्माहट की लहर दौड़ गई।
मुझे वो एहसास जाना-पहचाना लगा। वो अमृत था—देवताओं का पेय। हर बार जब मैंने उसे चखा, उसका स्वाद अलग-अलग था। आमतौर पर, उसका स्वाद मुझे किसी पसंदीदा आरामदायक व्यंजन की याद दिलाता था। इस बार... वो कैंडी कॉर्न जैसा था।
इसका स्वाद मुझे बचपन की याद दिला गया। मैं अपनी माँ के साथ अपने अपार्टमेंट में हैलोवीन मना रहा था। हर कोई कैंडी कॉर्न के छोटे-छोटे पैकेट बाँट रहा था... शायद इसलिए क्योंकि डुआन रीड में सेल लगी थी। मुझे इतना पेट दर्द हुआ कि मैंने कसम खाई कि मैं इसे फिर कभी नहीं खाऊँगा।
यह एक साधारण सी याद थी, लेकिन मेरे दिमाग को साफ़ करने के लिए काफ़ी थी। मेरी बाहों में झुनझुनी होने लगी। मैं किसी तरह उठ खड़ा हुआ। ग्रोवर एनाबेथ के मुँह में अमृत डाल रहा था, तभी मैंने रिपटाइड तलवार निकाली और बिना खुद को काटे उसकी म्यान खोल दी।
मुझे अब भी बहुत बुरा लग रहा था। पूरी तरह ठीक होने के लिए बीस-तीस शीशियाँ और लग जातीं, लेकिन मुझे पता था कि यह संभव नहीं है। थोड़ी मात्रा में अमृत और रस देवताओं के लिए चमत्कार करते थे। ज़्यादा मात्रा में लेने पर वे आपको अचानक जला सकते थे, जो मेरी स्वस्थ जीवनशैली के अनुकूल नहीं था। “धन्यवाद, ग्रोवर, गेल।” मैंने पास के एक भूत पर अपनी तलवार से वार किया, जो मशाल की रोशनी के किनारे के बहुत करीब आ रहा था। “सब लोग कैसे हैं?”
“ठीक है,” ग्रोवर ने कहा। “बस एक सामान्य रात थी, आप जानते हैं।”
“चीं!” गेल ने कहा।
दोनों कुत्ते अपने-अपने आकार के अनुसार गुर्रा रहे थे: एक बहुत बड़ा और दूसरा बच्चों के आकार का मध्यम।

“मैं ठीक हूँ।” एनाबेथ ने आत्माओं के समूह की ओर मशालें लहराईं। “पूरी तरह ठीक तो नहीं, लेकिन काम चल जाएगा।”
कई साल पहले, जब वह एटलस की कैदी थी, तब उसने मुझसे कहीं ज़्यादा समय तक आकाश को थामे रखा था। मुझे पता था कि उसमें असाधारण सहनशक्ति है। फिर भी, मैं नहीं चाहता था कि वह उन मशालों को ज़रूरत से ज़्यादा देर तक थामे रखे। अरे, रुकिए...
किसी के लिए दिल में प्यार रखना। क्या ये किसी से प्यार जताने का पुराना तरीका नहीं था? ये तो काफी प्यारा था।
बस करो! मैंने खुद से कहा। ध्यान केंद्रित करो!
मैंने सुझाव दिया, "शायद अगर हम उन्हें टालते रहें, तो वे अंततः ऊब जाएंगे और चले जाएंगे?"
एनाबेथ ने frowning करते हुए कहा, "कब तक, सुबह तक? अभी तो अंधेरा हुआ है।" मैं यहां आशावादी रहने की कोशिश कर रहा हूं।
भूतों ने हमला कर दिया। लहर दर लहर, वे नीली रोशनी के घेरे पर टूट पड़े। हर बार जब कोई आत्मा लपटों के करीब पहुँचती, तो वह बिखर जाती, और फिर आँगन के दूसरे छोर पर दोबारा प्रकट हो जाती। वाह, उनके पास तो कई जिंदगियाँ थीं। मेरे पास कई जिंदगियाँ क्यों नहीं हैं?
अब तक तो मशालें उन्हें दूर रखने में कामयाब थीं, लेकिन भूत लगातार कोशिश करते रहे।
हर हमले के साथ, एनाबेथ सिहर उठती और लड़खड़ाती थी मानो वह मुक्कों की बौछार का सामना कर रही हो।
हेकुबा भौंकी।
ग्रोवर ने हमें बताया, "वह कहती है कि मुख्य भूत ही उन्हें एक साथ बांधे हुए है। जब तक वे उस बाधा को पार नहीं कर लेते, तब तक वे वहां से नहीं जाएंगे।"
मैंने कहा, "तो हम गतिरोध की स्थिति में हैं।"
“समय मेरे पक्ष में नहीं है,” एनाबेथ ने चेतावनी दी। मशाल की रोशनी पहले ही मंद और ठंडी होने लगी थी। रोशनी से उसके बालों में सफ़ेद बाल दिखने लगे, मानो वह मेरी आँखों के सामने बूढ़ी हो रही हो।
“हमने उनका क्या बिगाड़ा है?” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “हैलोवीन की रात उनसे काम करवाने के अलावा? उन्हें क्या चाहिए?”

मुझे तुरंत ही यह सोचकर पछतावा हुआ कि मैंने यह सवाल क्यों पूछा।
भीड़ से एक चीख उठी। हेकेट के बगीचे में पाला कड़कने लगा। भूतों की कतारें अलग हो गईं, और स्टुवेसेंट लंगड़ाते हुए आगे बढ़ा, अब वह इतना गहरा और ठोस लग रहा था मानो उसे किसी धुंधली कागज से बनाया गया हो।
हे विधर्मी आत्माओं! उसकी आवाज़ मेरे मन में फुसफुसाई। तुम्हें जलना होगा। डायन का घर जलना ही चाहिए।
“ओह, सच में?” ग्रोवर ने पलटकर पूछा। “खैर, मज़ाक तो तुम पर है, पीट। हममें से कुछ लोगों के पास आत्मा नहीं होती! मैं तो पुनर्जन्म ले लूंगा... शायद हैलोवीन पर मरने पर कद्दू के खेत के रूप में, लेकिन ये भी बुरा नहीं है!” किसी कारणवश, इससे स्टुवेसेंट का हौसला नहीं टूटा। उसने अपनी कोयले की धूल से बनी तलवार निकाल ली। चुड़ैलों को जलना ही चाहिए।
वह सचमुच उसी बात पर अड़ा हुआ लग रहा था। मुझे लगने लगा था कि सोलहवीं सदी के किसी व्यक्ति को बुलाकर हवेली का पुनर्निर्माण करवाना शायद सबसे अच्छा विचार नहीं था।
मैंने कहा, “यह किसी आम चुड़ैल का घर नहीं है। यह जगह जादू की देवी हेकेट की है। तुम गलत जगह से पंगा ले रहे हो!”
भूत गुस्से से चीख उठे, मानो मेरे कान के पर्दे फाड़ दिए हों। आत्माएं बर्फ और धूल के एक विशाल बादल में सिमट गईं और फिर हर दिशा में बिखर गईं—भूतिया धूसर रंग के धुंधले टुकड़े रात के अंधेरे में दौड़ पड़े। यहां तक कि लंगड़ा पीट भी गायब हो गया।
मशालों की चटकने की आवाज के अलावा पूरा आंगन सन्नाटे में डूब गया।
“तुम्हें लगता है कि उन्होंने हार मान ली?” मैंने पूछा।
गली के कुछ हिस्से में कहीं, एक चीख ने रात के सन्नाटे को चीर दिया। एक कार ने हॉर्न बजाया। धातु के धातु से टकराने की आवाज आई।
“नहीं,” एनाबेथ ने अनुमान लगाया।
“नहीं!” नोप ने गुर्राते हुए कहा।
जब भूत वापस आए, तो वे उन्नत उपकरणों से लैस थे।
कुछ लोग कचरे के ढेर में लड़खड़ाते हुए चल रहे थे, जो प्लास्टिक की थैलियों, एल्युमिनियम के डिब्बों, फटे हुए कंबलों और फास्ट-फूड के डिब्बों से बने इंसानी ढाँचे जैसे लग रहे थे। उन्हें SODNYC के "रीसाइक्ल्ड कपड़ों" प्रोजेक्ट में अच्छे नंबर मिल जाते। कुछ अन्य बच्चों ने शायद

भोले-भाले बच्चों के कपड़े छीन लिए थे। मैंने स्टार वार्स के किरदार, कुछ सुपरहीरो, सुंदर राजकुमारियाँ और ढेर सारे मिकी और मिनी माउस देखे, जैसे वे टाइम्स स्क्वायर में भीड़ को लुभाने जा रहे हों। यह बहुत ही भयानक था। इससे भी बदतर, कचरे और वेशभूषा वाले भूतों के पीछे-पीछे असल में जीवित लोग चल रहे थे। वे ऐसे चल रहे थे मानो वे अपने शरीर को चलाना भूल गए हों। माता- पिता और बच्चे लड़खड़ाते हुए डच भाषा में फुसफुसा रहे थे। उनके साथ टैक्सी ड्राइवर और बाइक डिलीवरी वाले भी शामिल हो गए... और भीड़ के सबसे पीछे, एक पुलिस अधिकारी काले घोड़े पर सवार था। पुलिसवाले ने एक मसखरे का चेहरा बना रखा था।
लालटेन—ऐसा लग रहा था जैसे उसने उसे किसी कद्दू से निकालकर अपने चेहरे पर चिपका लिया हो, जिससे उसका खौफनाक चेहरा बीस गुना बढ़ गया था। उसकी आँखें चाँदी की तरह चमक रही थीं। उसके हाथ में एक काली लाठी थी जो लगातार झिलमिला रही थी और अपना रूप बदल रही थी, कभी-कभी तलवार जैसी लंबी हो जाती थी। स्टुवेसेंट खुद... अब एक बैज के साथ।
उन्होंने कहा, "हम जानते हैं कि यह किसका घर है। मेरी माँ को अपने मूर्तिपूजा संबंधी अपराधों की सज़ा भुगतनी होगी।"
मैंने एनाबेथ की ओर देखा। "पीटर स्टुवेसेंट... हेकेट का पुत्र?"
“यह निर्धारित पठन सामग्री में नहीं था,” ग्रोवर ने शिकायत की।
एनाबेथ ने बड़बड़ाते हुए गाली दी। "मुझे नहीं पता था। क्या आपको लगता है कि मशाल की रोशनी से शारीरिक खतरे से बचा जा सकेगा?"
"ग्र्र्र्र्र," हेकुबा ने कहा, जिसका मतलब मैंने यह समझा कि मैं इस पर तुम्हारे कैंडी कॉर्न का दांव नहीं लगाऊंगी।
मैंने एनाबेथ से कहा, "दरवाजों की रखवाली करो। हम बाकी लोग जितने हो सकेंगे उतने को मार गिराएंगे।"
मैं ग्रोवर, दो खूंखार कुत्तों और एक गुस्सैल नेवले के साथ युद्ध में उतरा।

चौंतीस
हम हेकेट और मरी हुई मछलियों के लिए लड़ते हैं। आम तौर पर, बच्चों पर तलवार से हमला करना मना माना जाता है। भले ही वे क्रोधित भूतों से ग्रसित हों, आपको वीरता के लीडरबोर्ड पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
इससे मुझे मृतकों की सेना में उतरने को लेकर चिंता होने लगी। कचरे से बने ज़ॉम्बी? कोई दिक्कत नहीं। मैंने उन्हें काटते-काटते हुए अपना रास्ता बनाया और उन्हें प्लास्टिक की थैलियों, फलों के छिलकों और चिकने गत्ते के ढेर में बदल दिया। खाली पोशाकों में लिपटी आत्माएँ? ये भी कोई दिक्कत नहीं। मर जाओ, डिज्नी राजकुमारियाँ! मर जाओ, स्टार वार्स के आम किरदार! दुर्भाग्य से, इससे आत्माओं की गति केवल धीमी हुई।
जैसे ही मैं दुश्मनों के अगले लड़खड़ाते समूह की ओर बढ़ा, वे अपने टूटे- फूटे खोलों से ऊपर उठकर फिर से संगठित होने लगे।

प्रेतबाधित मनुष्यों से निपटना ज़्यादा मुश्किल था। आम तौर पर, मेरी दिव्य कांस्य तलवार मनुष्यों के आर-पार हो जाती थी। यह राक्षसों को मारने के लिए बनी थी। लेकिन मैं आत्माओं के शरीर को चोट पहुँचाने का जोखिम नहीं लेना चाहता था। मैंने उनसे बचकर निकलने की कोशिश की और उन्हें हेकुबा और नोप के भरोसे छोड़ दिया, जिन्होंने डिलीवरी बाइकर्स और टैक्सी ड्राइवरों पर झपट्टा मारा, उन्हें गिरा दिया और चुंबनों से उन्हें वश में कर लिया। भूतों को यही सबक सिखाएगा!
ग्रोवर ने छँटाई में मदद की। वह भीड़ के किनारे-किनारे नाचता हुआ अपनी बांसुरी बजा रहा था। जैसे ही वह गेट पर पहुँचा, वह पार्क की ओर पीछे की ओर उछलता हुआ घोस्टबस्टर्स का थीम सॉन्ग ज़ोर से बजाने लगा, जिसे सुनकर किसी भी इंसान को गुस्सा आ जाना तय था। प्रेतग्रस्त इंसान दूसरे भूतों से अलग होकर हमारे बांसुरी वादक के पीछे लड़खड़ाते हुए चलने लगे।
गेल आंगन में इधर-उधर दौड़ रही थी, टखनों को काट रही थी और गालियां बक रही थी, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं दिख रहा था। एनाबेथ दरवाजों को थामे खड़ी थी और मशालों से पास आने वाले किसी भी भूत को भगा रही थी। मुझे लगा कि वह एक ही बात पर ध्यान केंद्रित कर रही थी: नहीं! क्योंकि ऐसा लग रहा था कि यही इस हफ्ते का सबसे चर्चित शब्द था।
कुछ दुष्ट आत्माएं घर की दीवार पर चढ़ने में कामयाब हो गईं। उन्होंने खिड़कियों को हिला दिया और लोहे की जाली को भी खड़खड़ा दिया, लेकिन हेकेट की मशालों की शक्ति और एनाबेथ के दृढ़ निश्चय के आगे बिखरने से पहले वे कोई वास्तविक नुकसान नहीं पहुंचा सके।
अब तक तो एनाबेथ खुद को संभाले हुए लग रही थी। हालांकि, मुझे पता था कि उन मशालों की रोशनी से उसकी कितनी ऊर्जा खर्च हो रही थी। हमारे पास ज्यादा समय नहीं था।
दुर्भाग्यवश, जैसे ही हम भूतों को मार गिराते थे, वे उतनी ही तेजी से फिर से बन जाते थे।
वे शायद पूरी रात ऐसा कर सकते थे। हम नहीं कर सकते थे। इन मृतकों में हेकुबा के ट्रोजन जैसी शक्ति नहीं थी। जब उन्होंने मुझे छुआ, तो मैं किसी स्वप्नलोक में नहीं खो गया। मुझे कुछ धुंधली चीज़ें दिखाई दीं, लेकिन ज़्यादातर बस दर्द होता रहा—जैसे किसी रबर बैंड से बार-बार त्वचा पर झटका दिया जा रहा हो। पहले तो मुझे ज़्यादा तकलीफ़ नहीं हुई, लेकिन थोड़ी देर

बाद दर्द बढ़ने लगा। गेल की भूत-प्रेत रोधी मरहम का असर साफ़ तौर पर खत्म हो गया था। काश मैं और अमृत पी पाता, भले ही वह कैंडी कॉर्न के स्वाद वाला ही क्यों न होता, लेकिन मैंने अपनी बेल्ट एनाबेथ के पास बरामदे में ही छोड़ दी थी।
इस बीच, ग्रोवर के संगीत से अप्रभावित एकमात्र प्रेतग्रस्त व्यक्ति पुलिसकर्मी पीट था। उसने शायद घोस्टबस्टर की अगली कड़ियाँ कभी नहीं देखी थीं, इसलिए उसे उन फिल्मों से उपजे आक्रोश का कोई सांस्कृतिक संदर्भ नहीं था। वह अपने काले घोड़े पर सवार होकर इधर-उधर घूम रहा था और मंडलोरियन, सिंड्रेला और कचरे के ढेरों से बनी अपनी टुकड़ियों को निर्देश दे रहा था। उसकी तलवार/लाठी उसकी कमर पर झिलमिला रही थी। उसके उधार लिए गए जैक-ओ'- लैंटर्न जैसे चेहरे में उसकी आँखें चमक रही थीं।
उसके भद्दे और वेशभूषाधारी चेले-चपाटियों ने मुझे घेर लिया। उनकी धुएँदार धूसर उंगलियाँ मेरे चेहरे और बाहों पर फिसलने लगीं। हर बार जब वे छूतीं, मुझे तेज़ दर्द का झटका लगता। मेरा पूरा शरीर एक खुले छाले की तरह छिल गया था। मेरी गति धीमी होती जा रही थी। उनकी आवाज़ें मेरे दिमाग में गूँज रही थीं। नफ़रत। ठंड। जीने के लायक नहीं।
ये मरे हुए लोग बहुत मजेदार थे।
मेरे घुटने जवाब देने को तैयार थे। अगर मैं क्रोधित भूतों के झुंड के नीचे दब गया, तो मुझे पता था कि मैं फिर कभी उठ नहीं पाऊंगा।
फिर एक अलग सी आवाज़ मेरे दिमाग में आई। अरे, बच्चे, हमें भी टैग कर दो।
मुझे पता नहीं कैसे, लेकिन वह जेनेट नाम की ईल मछली थी।
मैंने चारों ओर देखा। ज़ाहिर है, सामने के आंगन में कोई मोरे नहीं थे। यह तो हास्यास्पद था।
जेनेट ने कहा, "हम अभी भी अपने टैंक में हैं, सीवीड ब्रेन।"
मैंने मन ही मन सोचा, तुम मुझे उस नाम से नहीं बुला सकते।
ठीक है, तो फिर, एली बॉय। हमें टैग कर दो!
आपका क्या मतलब है?
आप बात करना चाहते हैं या आपको मदद चाहिए?
फिलहाल, मदद लेना बेहतर लग रहा था। ठीक है, मैंने सोचा। लेकिन कैसे? ईल मछलियों का सारा ध्यान दिखावे पर था, वे कुछ कहती नहीं थीं।

हवेली के प्रवेश द्वार से, एनाबेथ के चारों ओर पीले रंग की चार लकीरें ऐसे निकलीं जैसे किसी तोप से कॉन्फेटी की बौछारें निकल रही हों।
हमला करो! जेनेट ने सोचा।
हेकेट के लिए! फोर्टुनाटो ने उत्तर दिया।
मरी हुई मछलियों के लिए! लैरी ने कहा।
और भी मरी हुई मछलियाँ! बिगविग ने कहा।
सबसे परेशान करने वाली बात यह थी कि मैं प्रत्येक ईल की आवाज को अलग-अलग पहचान सकता था।
दरवाजे पर दस्तक देने वालों ने उनका उत्साह बढ़ाया। “जाओ, मेरी विनाशकारी ईलें!” “जाओ, मेरे सत्रह प्रलयकारी सांप!” “की लाइम पाई!”
हर ईल पानी की एक परत में लिपटी हुई थी। वे हवा में इतनी आसानी से तैर रही थीं मानो खुले समुद्र में हों। क्या यह पोसीडॉन का कमाल था? हेकेट का जादू? या दोनों का कोई अपवित्र मिलन? मुझे कुछ पता नहीं था। मेरा अनुमान था कि हेकेट के महल में रहने और उनके शरीर से बलगम निकालकर औषधि बनाने से मोरे ईलें तरह-तरह के हुनर सीख सकती हैं।
वे भूतिया भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए, स्टार वार्स के किरदारों और डिज्नी राजकुमारियों, दोनों की छाती में छेद करते चले गए। ऐसा लगता था कि वे इंसानों को मारना नहीं चाहते थे, लेकिन साठ पाउंड की ईल मछली का ज़ोरदार वार किसी भी न्यूयॉर्क के सबसे बहादुर टैक्सी ड्राइवर को भी गिरा सकता था। मुझे आशा की एक किरण दिखाई दी। शायद हम हालात बदल सकते हैं!
मेरी आशावादिता ज्यादा देर तक नहीं टिकी।
ईलों को भी आत्माओं को भगाने में हमसे बेहतर सफलता नहीं मिली: वे अराजकता फैला सकती थीं। वे डिलीवरी ड्राइवरों को बेहोश कर सकती थीं। फिर भी, मृत आत्माएँ भूरे रंग की धूल के स्तंभों में फिर से उठ खड़ी हुईं और नए मेजबानों की तलाश करने लगीं।
एनाबेथ एक घुटने पर बैठ गई। उसने मशालें ऊपर उठाईं और चिल्लाई।
"पीछे हटो!" उसने अपनी पूरी ताकत से चिल्लाया, लेकिन उसकी ताकत कम होती जा रही थी।
ग्रोवर ने हैलोवीन पर कैंडी मांगने आए भूतिया परिवारों को अपनी ओर आकर्षित करने में कुछ ज़्यादा ही अच्छा काम कर दिया था। वे अब सड़क के उस पार फुटपाथ पर उसका पीछा कर रहे थे, उसे घेरने की कोशिश कर रहे थे। उसने

घोस्टबस्टर्स थीम सॉन्ग की कुछ और धुनें बजाईं, "मदद!" चिल्लाया और फिर बजाना जारी रखा। भूतिया इंसानों की धीमी गति को देखते हुए, मुझे शक था कि मेरा दोस्त ज़्यादा देर तक उनसे बच पाएगा। हेकुबा और नोप हांफते हुए एक भूत से दूसरे भूत पर कूद रहे थे। इतनी ज़ोर से एक-दूसरे को पटकने और चूमने में बहुत ऊर्जा खर्च हो रही थी। गेल कचरे में पड़े भूतों के बीच से गुज़र रही थी, उसे जो भी सड़ा हुआ फल मिलता, वह खा रही थी, लेकिन उन्हें शायद ही इसका एहसास हुआ।
मुझे अपनी रणनीति बदलनी पड़ी। शायद अगर मैं इस प्रेत सेना के मुखिया को ही मार गिराऊं...
“पीट!” मैंने चिल्लाकर कहा। “अपने भूतों को मेरे लॉन से हटाओ!”
मुझे लगा कि मेरे मित्र गेरस, वृद्धावस्था के देवता, मेरी चिड़चिड़ी चीख-पुकार को पसंद करेंगे। मुझे यह भी संदेह था कि शायद मैं गेरस को दोबारा न देख पाऊं, क्योंकि संभवतः मैं अभी अपनी जवानी में ही मर जाऊंगा। (और अगर यही मेरी जवानी थी, तो यह दुख की एक अलग ही श्रेणी थी।)
अधिकारी स्टुवेसेंट ने अपना घोड़ा मेरी ओर मोड़ा। उसके कुल्हाड़ी से हत्या करने वाले जैक-ओ'-लैंटर्न मुखौटे पर एक मुस्कान थी... क्योंकि वह बस इतना ही कर सकता था। उसने अपनी तलवार/लाठी उठाई और आराम से मेरी ओर बढ़ा। उसे कोई जल्दी नहीं थी। हम जीवित प्राणी जितना अधिक लड़ते, उतने ही कमजोर होते जाते।
मैंने तलवारें चलाईं, लात मारी और घूंसे मारे, घुड़सवार की ओर बढ़ते हुए। हर बार जब कोई भूत मुझे छूता, मेरी ताकत कम होती जाती। उनकी भावनाएं और यादें मुझ पर हावी हो गईं। मैंने खुद को अपनी मृत्युशय्या पर दर्द से तड़पते हुए देखा। मैंने महसूस किया कि भीड़ के बीच मेरे गले में एक मोटा फंदा डाला जा रहा है। एक बंदूक की गोली मेरे गद्देदार ऊनी जैकेट को चीरती हुई मेरी छाती में जा लगी और खून मेरे कपड़ों में फैल गया। पुराने न्यू एम्स्टर्डम के वो अच्छे दिन!
मैंने इतने सारे वेशभूषाधारी भूतों को काट डाला होगा कि एक डिस्काउंट हैलोवीन गोदाम भर जाए। वे बस आते ही जा रहे थे। मेरी दिव्य कांस्य तलवार से उन पर कोई असर नहीं हो रहा था, बल्कि वे और भी गुस्से में आ रहे थे।
मैंने पानी के किसी स्रोत की तलाश की जिसका मैं उपयोग कर सकूँ... क्या स्प्रिंकलर काम कर रहे थे?

सीवर लाइनें? लेकिन मैं तो पहले से ही बहुत कमजोर था। एक तलवार, हठ और चिड़चिड़ेपन भरे ताने ही काफी होंगे।
मेरे पीछे से एनाबेथ भूतों को पीछे हटने के लिए चिल्ला रही थी। कम से कम इसका मतलब यह था कि वह अभी भी होश में थी। मोरे ईल एरियल स्क्वाड्रन आँगन में चक्कर लगा रहा था, जिससे भूतों में अफरा-तफरी और दहशत फैल रही थी।
ग्रोवर लगातार अपना थीम सॉन्ग बजाता रहा।
मैं यह कर सकता था। मैं मृतकों के बीच से होकर गुजरा। मेरे दांत बज रहे थे। मेरे पैर बर्फ के टुकड़ों जैसे लग रहे थे।
स्टुवेसेंट की आवाज़ मेरे मन में गूंजी, "मुझे बुलाना एक गलती थी। आज रात, खासकर इस रात। जादू-टोना और शैतानी। यह सोचना कि तुम मेरी माँ की मशालों से हमें वश में कर सकते हो। वह घृणाओं की रानी है। उसके सभी सेवकों को जलकर राख हो जाना चाहिए।"
मैंने ईयरवर्म्स के बारे में सुना था, लेकिन उसकी आवाज़ तो दिमाग में रेंगने वाली ईल मछली जैसी थी।
(मेरे मोरे दोस्तों से माफी चाहता हूँ।) इसने मेरे मस्तिष्क को जकड़ लिया और छोड़ने से इनकार कर दिया। मुझे पीट की सारी बातें समझ नहीं आईं। उसका लहजा पुराना था, उसकी अंग्रेज़ी बहुत अटपटी थी, लेकिन उसमें कुछ बहुत ही खास था।
न्यूयॉर्क में उसके लहजे के बारे में: कठोर, तिरस्कारपूर्ण, उदासीन। मैं आसानी से कल्पना कर सकता था कि वह किसी कार के बोनट पर हाथ पटकते हुए चिल्ला रहा हो, "देखकर चलो! मैं यहाँ भूत बनकर घूम रहा हूँ!"
मैं तलवार उठाए उसकी ओर बढ़ता रहा। जैसे-जैसे मैं करीब पहुंचा, मुझे पुलिस अधिकारी की आंखें दिखाई देने लगीं, जो जैक-ओ'-लैंटर्न मास्क के पीछे बेजान और भावहीन थीं। मैंने घोड़े के मन तक पहुंचने की कोशिश की, उसे अपने सवार को गिराने के लिए उकसाया।
आम तौर पर घोड़े मुझे पसंद करते हैं—ये तो पोसीडॉन की देन है। लेकिन ये वाला घोड़ा दिलचस्पी नहीं दिखा रहा था, शायद इसलिए क्योंकि उस पर किसी बुरी आत्मा का कब्ज़ा था।
स्टुवेसेंट ने कहा, मैनहट्टन एक विकराल जगह बन गया है। यह मेरी माँ की विरासत है। चौराहे हमेशा से उनका क्षेत्र रहे हैं, और उनके सभी रास्ते बुराई की ओर ले जाते हैं!

जाहिर है उस आदमी को कुछ समस्याओं से जूझना पड़ रहा था, लेकिन मुझे लगा कि वह थेरेपी को जादू-टोने का एक और रूप मानेगा।
स्टुवेसेंट ने अपनी तलवार मेरे सिर पर चलाई। मैंने रिपटाइड से तलवार का सामना किया, लेकिन मैं जितना सोच रहा था उससे कहीं ज़्यादा थका हुआ था, या शायद स्टुवेसेंट मुझसे कहीं ज़्यादा ताकतवर था। मेरी तलवार मेरे हाथ से छूटकर दूर जा गिरी।
मैं लड़खड़ा गया, बाल-बाल एक और तलवार के वार से बचा।
“पर्सी!” एनाबेथ चिल्लाई। उसकी आवाज़ मीलों दूर तक सुनाई दी।
भूत मुझ पर टूट पड़े, अपनी भारी संख्या के कारण मुझे नीचे खींचते चले गए।
मैं खोपड़ीनुमा पत्थरों से बने रास्ते पर पीछे की ओर गिर पड़ा, और ऊपर की ओर देखता हुआ काला घोड़ा मेरे ऊपर विशालकाय रूप में खड़ा था।
मर जाओ, स्टुवेसेंट की आवाज मेरे दिमाग में गूंजी। कब्र में हमारे साथ शामिल हो जाओ।
उसका घोड़ा उछला और फिर अपने दोनों अगले खुरों से मेरा चेहरा कुचलने की कोशिश की।

पैंतीस
मैं अपनी ही मूर्खता से बच गया। पता चला कि मरने का भी एक थीम सॉन्ग है। इसका नाम है "स्ट्रॉबेरी फील्ड्स फॉरएवर।"
जब पास ही खड़ी एक कार के हॉर्न से वो गाना ज़ोर से बजा, तब घोड़े के खुर मेरे चेहरे से बस एक इंच दूर थे। उस शोर से कुछ भूत चौंककर गायब हो गए। घोड़ा अपने पिछले पैरों पर घूमा, जिससे मुझे बगल में लुढ़कने का समय मिल गया। ठीक उसी समय, जेनेट नाम की मछली ने पीटर स्टुवेसेंट के चेहरे पर ज़ोरदार टक्कर मारी, जिससे वो लगभग अपनी काठी से गिर ही गया।
मैं हांफते हुए, निहत्था, लेकिन बिना कुचले हुए खड़ा हुआ। सड़क के किनारे एक सफेद डिलीवरी वैन आकर रुकी, जो मुझे जानी-पहचानी लग रही थी। मेरी नज़र धुंधली हो रही थी, लेकिन मुझे वैन के किनारे लिखे शब्द याद थे: डेल्फी स्ट्रॉबेरी सर्विस।

मुझे पता था कि मैं फिर से कुछ ज़रूरी बात भूल गया हूँ। हमने आज रात अपने दोस्तों को हैलोवीन पार्टी में बुलाया था और उसे रद्द ही नहीं किया था।
देखा बच्चों?
अन्यमनस्कता आपकी जान बचा सकती है।
बगल का दरवाजा खुल गया और वेशभूषा पहने हुए अर्धदेवता बाहर निकल आए। कॉनर स्टॉल सबसे आगे-आगे चल रहा था, उसने कैदी का नारंगी रंग का जंपसूट पहना हुआ था और उसके टखनों और कलाई पर नकली हथकड़ियां थीं। "यार, तुम्हारे आंगन की सजावट तो कमाल की है!"
“ये सचमुच के भूत हैं!” मैंने चिल्लाकर कहा। “असली भूत!”
वैन से और भी कई अर्धदेव निकले—मॉर्फियस के केबिन से क्लोविस, जो नाइटगाउन, नाइटकैप और चप्पल पहने हुए था, जो शिविर में उसके सामान्य आराम करने के तरीके से बहुत अलग नहीं था; हेफेस्टस से हार्ले, जो हमारे शिविरार्थियों में सबसे छोटा था, एक दिव्य कांस्य आयरन मैन सूट में लिपटा हुआ था जिसे उसने शायद खुद बनाया था; एफ़्रोडाइट से वैलेंटिना डियाज़, जो 1940 के दशक के काले रंग के शाम के गाउन में सफेद दस्ताने, चौड़ी किनारी वाली टोपी और गले में मोतियों की बीस अलग-अलग मालाएँ पहने हुए थी। वेलेंटीना ने भूतों के उस झुंड का जायजा लिया। "घिनौना। क्या हम इनसे लड़ सकते हैं?"
“जी हाँ, कृपया!” एनाबेथ ने बरामदे से चिल्लाकर कहा।
हमारे मित्र युद्ध में उतर पड़े। क्लोविस जम्हाई लेते हुए प्रेतग्रस्त लोगों के बीच लड़खड़ाते हुए चल रहा था। मॉर्फियस के पुत्र से निकली वह जम्हाई प्लेग से भी अधिक संक्रामक थी। प्रेतग्रस्त लोग वहीं ढेर हो गए और खर्राटे लेने लगे।
इसी बीच, कॉनर और वैलेंटिना और लगभग आधा दर्जन अन्य अर्धदेव युद्ध में उतर आए। कॉनर अपने वेशभूषा वाले हथकड़ियों के साथ काफी प्रभावी साबित हुआ। हार्ले अपने कांस्य पुरुष के सूट में एक चलता-फिरता प्रहारक था। वैलेंटिना के मोती फंदे का काम कर रहे थे—कचरे की आत्माओं का गला घोंट रहे थे, पोशाकों को चीर-फाड़ रहे थे। गेल, हेकुबा और नोप आँगन में उछल-कूद कर रहे थे, बारी-बारी से मृतकों को काट रहे थे और नए आए अर्धदेवताओं को सूंघ रहे थे जैसे, "ओह, हाय, क्या तुम मेरे दोस्त हो?"

वैन से और भी यात्री निकले। मैंने जुनिपर को कुछ अन्य अप्सराओं और सैटिरों के साथ देखा। उसने सड़क के उस पार ग्रोवर को मदद के लिए चिल्लाते हुए सुना, उसकी आँखों में एक भयंकर चमक आ गई और उसने अपने हाथ में पकड़े हुए एक बड़े मिट्टी के फूलदान को दूसरी अप्सराओं में से एक को थमा दिया। मैंने अनुमान लगाया कि उसमें उसके जीवन के स्रोत जुनिपर झाड़ी की एक शाखा थी।
“मेरा बर्तन पकड़ो,” उसने आदेश दिया। फिर वह अपने प्रेमी की मदद करने के लिए चली गई।
मुझे राहत महसूस हो रही थी तभी एक तेज धार वाली तलवार मेरी नाक के ठीक बगल से गुजरी।
अधिकारी पीट ने अपने घोड़े पर पुनः नियंत्रण पा लिया था।
स्टुवेसेंट ने कहा, "तुम्हें मरना होगा। चुड़ैलें। विधर्मी। मेरी माँ के चेले।"
“यार, बस करो,” मैंने बड़बड़ाते हुए एक और वार से खुद को बचाया।
मेरी तलवार कहीं नज़र नहीं आ रही थी। मैंने अपनी जेबें टटोलीं। कलम आखिरकार मुझे मिल ही जाएगी, लेकिन अभी तक नहीं मिली थी, और मेरे पास इंतज़ार करने का समय नहीं था।
मेरी नजर के कोने से मैंने देखा कि एनाबेथ बरामदे में खड़ी होकर आत्माओं की सेना को रोके हुए थी। वह एक घुटने पर बैठी रही, मशालों को थामे रखने की कोशिश में उसकी बाहें धीरे-धीरे नीचे झुकती जा रही थीं। मुझे उसकी मदद करनी थी, लेकिन ऑफिसर पीट अभी भी मेरे सामने खड़ा था।
“क्या यहाँ थोड़ी मदद कर सकते हैं?” मैंने पुकारा।
मछलियाँ अंदर आईं और पीट की बाहों और गर्दन के चारों ओर लिपट गईं, उनकी नीली वर्दी पर पीले रंग के सुंदर कुंडल बन गए। स्टुवेसेंट ने गरगराहट की और छटपटाने लगा, उन्हें हटाने की कोशिश कर रहा था।
तभी वैन के सामने से एक लंबा-चौड़ा आदमी निकला। मुझे लगता है कि मैंने उसे अभी तक नहीं देखा था क्योंकि वह सड़क के उस पार लड़ रहा था। वह हमारा पुराना दोस्त आर्गस था—शिविर का सुरक्षा अधिकारी, वैन का ड्राइवर, और एक ऐसा मददगार उबर ड्राइवर जिसकी आपको कभी ज़रूरत पड़ सकती है।
उसके विशाल शरीर पर चमकीली नीली आँखें थीं। हैलोवीन के लिए उसने अमेलिया ईयरहार्ट का रूप धारण किया था। उसने पुराने ज़माने के पायलटों के जॉधपुर्स, चमड़े के जूते और एक लंबा सफेद स्कार्फ पहना था। अपनी नंगी छाती

और बाहों पर उसने हर आँख को एविएटर के गॉगल से ढक रखा था, जिससे वह किसी बिगड़े हुए सक्शन-कप प्रयोग जैसा दिख रहा था। वह ऑफिसर की ओर बढ़ा।
पीट ने घोड़े के पेट के नीचे हाथ डाले और उसे अपने सिर के ऊपर उठा लिया। पीट, ईल और सब कुछ। (वैसे, आर्गस काफी ताकतवर है।) मुझे घोड़े को उठाने की सही तकनीक का ज्ञान नहीं था, लेकिन आर्गस को शिविर में मौजूद पेगासी बहुत पसंद थे, इसलिए मैंने सोचा कि वह जानवर को नुकसान न पहुँचाने का ध्यान रखेगा। घोड़ा, हैरान और उत्तेजित होकर, बस अपने पैर हवा में हिलाता रहा, कहीं नहीं पहुँच पा रहा था, जबकि स्टुवेसेंट डच भाषा में गालियाँ बक रहा था और कह रहा था कि हम सब उन जगहों की अनंत आग में जलें जहाँ बुरे डच लोग जाते हैं।
आर्गस ने मेरी तरफ देखा और अपनी ठुड्डी एनाबेथ की ओर इशारा करते हुए कहा, जाओ।
मैं दौड़कर बरामदे में पहुंचा। हमारे दोस्तों ने लड़ाई को बराबरी पर ला दिया था, लेकिन बुरी आत्माएं अब भी नहीं जा रही थीं। हम बस उन्हें बहला- फुसला सकते थे, उनके खिलौने (लोग, पोशाकें, कचरा) छीन सकते थे और अपनी आत्मा को पूरी तरह से नष्ट होने से बचाने की कोशिश कर सकते थे। हमें इसे खत्म करना ही था।
मैं एनाबेथ के पास पहुँच गया। वह इतनी अचंभित थी कि उसने मुझे टॉर्च से मारने ही वाली थी, इससे पहले कि उसे एहसास हुआ कि मैं भूत नहीं हूँ।
“हाय,” उसने हांफते हुए कहा।
मैंने कहा, "हमें मशालें एक-दूसरे को सौंपनी होंगी। हम दोनों को मिलकर।" हमने वह कोशिश की थी।
मैंने कहा, "फिर से। जब स्टुवेसेंट का ध्यान कहीं और लगा हुआ है।"
पीट ने बिगविग नामक ईल को अपने जैक-ओ'-लैंटर्न जैसे चेहरे से अलग किया और उसे एक तरफ फेंक दिया। घोड़े और सवार के भार से आर्गस की बाहें कांपने लगी थीं।
“हम जोखिम नहीं उठा सकते,” एनाबेथ ने कहा। “आत्माएं घुसपैठ कर लेंगी!” भूतों ने सामने के दरवाजे पर धावा बोलकर अपनी बात साबित कर दी। आग ने उन्हें रोके रखा, लेकिन हमले से पूरा घर हिल गया। एनाबेथ लड़खड़ा गई, उसकी पीठ अब दरवाजे से लगी हुई थी। दरवाजे पर दस्तक देने वाले चीख रहे थे और अपनी जान की भीख मांग रहे थे।

एनाबेथ ने अकेले ही मशालों के ऊपर से पार जाने की कोशिश की, लेकिन उसमें इतनी ताकत नहीं थी। "बहुत... बहुत भारी।"
“हे समझदार लड़की,” मैंने अपनी आवाज़ में घबराहट छिपाने की कोशिश करते हुए कहा, “समझदारी से काम लो। मुझे ज़्यादा कुछ नहीं पता, लेकिन इतना ज़रूर पता है कि हम साथ मिलकर ज़्यादा मज़बूत हैं। हमेशा।”
आखिरकार मुझे एक ऐसा तर्क मिल गया जिसका एनाबेथ खंडन नहीं कर सकती थी। उसने सहमति में हल्की सी आवाज़ निकाली और मुझे उसके बाएं हाथ से मशाल लेने दी।
मशाल की रोशनी के साथ-साथ दुनिया धुंधली और अंधेरी होती चली गई। हेकेट की शक्ति डगमगाने लगी और आत्माएं हमारे चारों ओर मंडराने लगीं, विजय की गर्जना करने लगीं।
“जल्दी करो!” एनाबेथ चिल्लाई।
एक-दूसरे के बगल में खड़े होकर, हमने अपनी मशालें अंदर खींच लीं। यह बवंडर से कुश्ती लड़ने जैसा था। मुझे आभास हुआ कि आग बुझने से पहले हमारे पास बस कुछ ही सेकंड बचे हैं।
अच्छा। ये मशालें दो लोगों द्वारा साझा करने के लिए नहीं बनी थीं।
फिर भी... एनाबेथ और मैं सिर्फ दो लोग नहीं थे। हम एक जोड़ी थे, और जब हम चौराहे पर खड़े थे, तो हमने साथ मिलकर यह कदम उठाया। मैं चीखी और अपनी टॉर्च को अंदर की ओर दबा लिया। एनाबेथ ने भी ऐसा ही किया।
हमारे दोस्त लड़ते रहे। ग्रोवर की बांसुरी बजना बंद हो गई थी। मुझे नहीं पता था कि यह अच्छा संकेत था या बुरा।
हमारी मशालों की लपटें अब एक साथ जल रही थीं। बस थोड़ी सी और लौ बाकी थी, फिर हम हैंडल को पार कर सकते थे... लेकिन मशालें हमसे लड़ रही थीं, एक दूसरे को ऐसे धकेल रही थीं जैसे समान ध्रुवता वाले चुंबक।
तुम ऐसा नहीं कर सकते! स्टुवेसेंट के भूत ने चिल्लाकर कहा। हेकेट को ऐसा कभी नहीं करना चाहिए—
अपनी आखिरी ताकत के साथ, हमने मशालें एक-दूसरे के ऊपर से पार कीं।
बरामदे से तीव्र गर्म ऊर्जा की एक लहर बाहर की ओर फैल गई। भूत हवा में विलीन हो गए। पुलिस अधिकारी अपनी काठी पर धराशायी हो गया। घोड़ा घबरा गया और हिनहिनाया, "मैं क्यों उड़ रहा हूँ?" इससे पहले कि आर्गस ने उसे धीरे से नीचे उतारा और उसे अपने बेहोश सवार के साथ सरपट दौड़ने दिया। कूड़ा और

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

तीस-छह
मैं उत्सव में शामिल नहीं होता
मैं यह नहीं कहूंगा कि यह एक बेकाबू पार्टी थी—कम से कम मृतकों से लड़ने जितनी बेकाबू तो बिल्कुल नहीं।
लेकिन यह एक अच्छी पार्टी थी, क्योंकि हम अभी भी जीवित थे और अपने दोस्तों के साथ थे।
अपोलो केबिन में ऑस्टिन लेक और उनके अत्याधुनिक पोर्टेबल साउंड सिस्टम की बदौलत संगीत का इंतजाम था। हमने उन्हें फ्रीस्टाइल जैज़ फ्यूजन की जगह कुछ पॉप संगीत बजाने के लिए भी मना लिया, जो वे आमतौर पर बजाते थे। कॉनर ने नाश्ता और पेय पदार्थ उपलब्ध कराए। मुझे पूरा यकीन था कि ये शिविर की कैंटीन से चुराए गए थे, लेकिन मैंने शिकायत नहीं की क्योंकि इससे हेकेट की रसोई पर ज्यादा बोझ नहीं पड़ा।

अप्सराओं और सैटायरों ने मिलकर डांस का माहौल बना दिया। अप्सराएँ दिनों तक नाच सकती हैं, जो सदाबहार पेड़ों और झाड़ियों से उम्मीद करना असंभव है।
सैटायरों ने ऐसे डांस मूव्स दिखाए जो किसी भी जर्मन डिस्को में देखने लायक होते।
ग्रोवर ने कुछ गानों के साथ अपनी बांसुरी बजाई - यह वीकेंड के गानों के लिए एक तरह की नई ध्वनि थी, लेकिन उन्होंने इसे बखूबी निभाया।
इस बीच, आर्गस प्रवेश द्वार पर खड़ा रहा, घूरता रहा और यह सुनिश्चित करता रहा कि कहीं कोई गड़बड़ न हो जाए। हमें उसकी इस तरह की निगरानी की आदत थी, इसलिए यह अच्छा लगा। कई बार तो बच्चे हैलोवीन के दौरान घर के दरवाजे पर दस्तक भी देने लगे।
मुझे नहीं पता कि वे कोहरे में घर तक कैसे पहुँचे, लेकिन उन सभी ने हमारे अजीबोगरीब बोलने वाले दरवाज़े के हैंडल की तारीफ़ की। आर्गस ने बच्चों को हमारे पास रखे सामान में से मिठाई दी और उन्हें जाने दिया, इससे पहले कि वे उसके नंगे बदन वाले, सौ आँखों वाले एविएटर पोशाक के बारे में ज़्यादा सवाल पूछ पाते।
जानवरों को खूब मज़ा आ रहा था। मोरे ईल मछलियाँ अपने पसंदीदा लाइन डांस दिखाने और जमी हुई मछलियों के अतिरिक्त टुकड़े खाने के बाद ही अपने टैंक में लौटीं। हेकुबा बियॉन्से की फैन निकली, "टेक्सास होल्ड 'एम" गाने के दौरान उसकी चीख-पुकार से तो यही लग रहा था। गेल ने जुनिपर से जुनिपर तेल से बनने वाले अद्भुत औषधियों के बारे में लंबी बातचीत की। नोप ने दर्जनों नए दोस्त बनाए और उनमें से किसी पर भी पेशाब नहीं किया। शायद वह ऐसा सिर्फ अपने पसंदीदा तीनों दोस्तों के साथ ही करता था।
मुझे दुख हुआ कि श्रीमती ओ'लेरी यहाँ नहीं थीं। मंगलवार को उनसे थोड़ी देर के लिए मिलने से मुझे उनकी और भी याद आ गई, लेकिन शायद यही अच्छा हुआ। मैं नहीं था
मुझे पूरा यकीन था कि हेकुबा और मिसेज़ ओ'लेरी की आपस में अच्छी बनती। एक ही घर में दो कुत्तियों का होना शायद समस्या खड़ी कर देता। मैंने खुद से कहा कि मैं जल्द ही कैलिफ़ोर्निया में अपने उस शैतानी दोस्त से मिलूंगी। मुझे आशावादी रहना था।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने हवेली को दोबारा नुकसान पहुंचाए बिना अच्छा समय बिताया। एकमात्र नुकसान तब हुआ जब वैलेंटिना डियाज़ ने अपने मोतियों के हारों का प्रदर्शन किया और एक लाइट तोड़ दी।
सौभाग्य से, हार्ले इसे ठीक करने में सक्षम था - हेफेस्टस केबिन का आसपास होना हमेशा अच्छा होता है।
मैंने वैलेंटिना से पूछा, "आखिर तुम हो कौन?"
उसने मुझे ऐसे देखा जैसे मैं मंगल ग्रह से आई हूँ। "ज़ाहिर है, कोको शनेल!" अब तक की सबसे डरावनी और विवादित फैशन आइकन। धिक्कार है!
मैंने इस तरह सिर हिलाया जैसे मुझे पता हो कि वह क्या कह रही है। मैंने देखा था कि वह अपने गहनों से कितनी आसानी से पिशाचों का सिर काट सकती थी, और मैं उसे गुस्सा नहीं दिलाना चाहती थी।
बाद में, मैं ऊपर की मंजिल पर गया और एनाबेथ को तीसरी मंजिल की छत पर पाया, जहाँ से ग्रामर्सी पार्क का नज़ारा दिखता था। मुझे पता भी नहीं था कि घर में एक छत भी है, लेकिन चूंकि वह जगह जादुई थी, इसलिए मैंने इस बारे में कोई सवाल नहीं किया।
मैंने पूछा, "क्या आपको किसी की संगति चाहिए?"
उसने अपने बगल की खाली जगह पर थपथपाया।
हम चुपचाप बैठे रहे। एनाबेथ के साथ ऐसा कर पाना अच्छा लगा। हमें कभी एक-दूसरे के साथ चतुराई या दिखावा करने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई। हम बस जैसे थे वैसे ही रह सकते थे। इतना ही काफी था।
"आज रात मैं लगभग हम सबको मरवा ही देती," उसने कहा।
वह न तो मजाकिया था और न ही शानदार, और मैं समझ गया था कि यह बात उसे परेशान कर रही थी।
मैंने कहा, "तुम खुद पर बहुत ज्यादा सख्ती बरत रहे हो।"
उसने सिर हिलाया। “मैंने स्टुवेसेंट की आवाज़ सुनी। सोच रही थी कि मैं हैलोवीन पर उसके जैसी किसी आत्मा को बुला सकती हूँ। सोच रही थी कि मैं उन मशालों को खुद संभाल सकती हूँ… यह एक गलती थी, जैसा कि उसने कहा था।” मुझे पहले से ही लग रहा था कि अब वो पीटर स्टुवेसेंट की उतनी बड़ी प्रशंसक नहीं रही। और सच कहूँ तो... मुझे भी ऐसा ही लग रहा था।
मैंने कहा, "सब ठीक हो गया। घर की मरम्मत हो गई।"

“हाँ, लेकिन…” वह सिहर उठी। “मेरी सबसे बड़ी कमजोरी फिर से आड़े आ गई। अगर मैंने तुम्हें अपने अहंकार की वजह से खो दिया होता…”
मैंने उसका हाथ पकड़ा। उसकी उंगलियां ठंडी थीं। “तुम इतनी आसानी से मुझसे पीछा नहीं छुड़ा पाओगे। हम सब में कुछ न कुछ कमियां होती हैं, है ना? अगर तुम्हारी कमी हम्मस है तो…”
वह फीकी हंसी हंसी। "अहंकार।"
“मैंने यही कहा था। मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। यह मेरे उस दोष को संतुलित करता है जिसमें मैं अपने शानदार डांस मूव्स के बारे में बहुत ज्यादा विनम्र रहता हूँ।”
"उम, अच्छी कोशिश थी।"
"इसके अलावा, मुझे यकीन है कि हम एक अच्छी टीम हैं क्योंकि हम एक-दूसरे की घातक खामियों को थोड़ा कम घातक खामियों में बदल देते हैं। जैसे, शायद घातक ताकत में भी।"
उसने मेरा हाथ दबाया। "इसका तो कोई मतलब ही नहीं बनता, सीवीड ब्रेन।" लेकिन आपकी सोच की सराहना करता हूँ। तो आप कह रहे हैं कि मुझे दोषी महसूस नहीं करना चाहिए?
"हममें से किसी को भी ऐसा नहीं करना चाहिए। ग्रोवर की सबसे बड़ी कमजोरी जाहिरा तौर पर स्ट्रॉबेरी मिल्कशेक है, है ना? लेकिन कभी-कभी ज़िंदगी आपको स्ट्रॉबेरी मिल्कशेक दे देती है।"
फिर आपको अपने दोस्तों पर भरोसा करना होगा कि वे आपका ख्याल रखेंगे। हम एक टीम हैं।
आपने मुझे कितनी बार सहारा दिया है?
मैंने गिनती करना छोड़ दिया है।
"बिल्कुल।"
उसने मेरे चेहरे को गौर से देखा। आपको लगेगा कि अब तक तो वह इसे अच्छी तरह से जान चुकी होगी, लेकिन वह हैरान लग रही थी, मानो उसने मेरे चेहरे पर कुछ ऐसा देख लिया हो जो उसने पहले कभी नहीं देखा था।
“क्या?” मैंने पूछा। “मेरी ठुड्डी पर चीज़ सॉस?”
“नहीं,” उसने कहा। “वैसे, असल में हाँ। लेकिन मैं सोच रही थी कि आप काफी समझदार आदमी हैं।”
“क्या आप इसे दोबारा कह सकते हैं? मैंने शायद गलत सुना होगा।”

उसने मुझे शरारती अंदाज़ में धक्का दिया। “मेरा मतलब यही है। और मैं समझ सकती हूँ कि तुम कुछ योजना बना रहे हो। हेकेट और उसके स्कूल का वो सारा इतिहास, इस जगह से जुड़े सारे भूत और पछतावे। हमने घर की मरम्मत तो कर ली, लेकिन अभी काम पूरा नहीं हुआ है, है ना?”
“नहीं,” मैंने सहमति जताई।
मैंने उसे बताया कि मैं हेकेट से सुबह घर आने पर क्या कहने की योजना बना रही हूँ।
एनाबेथ ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "जोखिम भरा।"
“हाँ। मुझे लगता है कि आपको और ग्रोवर को पहले यहाँ से निकल जाना चाहिए। मैं नहीं चाहता कि अगर वह इसे अच्छी तरह से न ले तो यह बात आप दोनों के लिए मुसीबत बन जाए।”
“अरे, तुमने अभी एक-दूसरे का सहारा बनने के बारे में क्या कहा? हम कहीं नहीं जा रहे हैं।”
मैंने बहुत देर से रोकी हुई सांस छोड़ी। "ठीक है। अगर आपको यकीन है तो।" वह मेरे कंधे से टिक गई। “अब मुझे वाकई बेहतर लग रहा है। खुलकर बात करने के लिए धन्यवाद। और सही काम करने के लिए भी धन्यवाद, भले ही वह जोखिम भरा हो।” "क्या आप पार्टी में वापस जाना चाहते हैं?"
“नहीं।” उसने मुझे चूमा। “मैं ठीक हूँ।”
हम थोड़ी देर साथ बैठे रहे, और मुझे यह बात माननी पड़ी। हम काफी अच्छे थे।

सैंतीस
मैं बैंगनी आग से खेलता हूँ
एक नियम होना चाहिए कि देवियाँ कभी भी रात 8:00 बजे से पहले घर न लौटें। पूर्वाह्न।
हेकेट ठीक 5:32 बजे महल में प्रवेश कर गई।
मुझे यह इसलिए पता था क्योंकि जब मैं तुरही की आवाज़ और दहाड़ती लपटों से जाग उठा, तो मैंने देवी को एक अग्नि-द्वार से विशाल कक्ष में प्रवेश करते हुए देखा। उनके पीछे, बस एक पल के लिए, मैंने एक चमकती हुई सुनहरी घड़ी देखी—
ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन वाला। उस घड़ी की सुइयों का इतना आपत्तिजनक समय देखकर मेरी आंखें चौंधिया गईं।

मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आया कि हेकेट ने पास ही स्थित एक रेलवे स्टेशन से पोर्टल के जरिए आने का फैसला क्यों किया। शायद उसे कैफे ग्रम्पी की कॉफी पसंद आई हो।
“मैं लौट आई हूँ!” हेकेट ने घोषणा की, मानो हम इस तथ्य से अनभिज्ञ ही रहे हों। उसकी आवाज़ से बैठक कक्ष कांप उठा।
हम सभी ने अपने-अपने तरीके से प्रतिक्रिया दी। एनाबेथ उठी, अपनी आँखें मलीं और देवी को ऐसे प्रणाम किया जैसे वह हर सुबह ऐसा करती हो। मैंने उठने की कोशिश की, लेकिन स्लीपिंग बैग में उलझ गया और एक कॉफी टेबल पर एक तरफ गिर पड़ा। ग्रोवर एक डरी हुई बिल्ली की तरह हवा में उछल पड़ा।
जानवरों की बात करें तो, हेकुबा और गेल ने स्थिति को सहजता से लिया। हेलहाउंड ने अंगड़ाई ली, खुद को झटका दिया और फिर हेकेट को सूंघने के लिए उसके पास गई ताकि पता चल सके कि वह कहां थी। पोलकैट देवी के वस्त्र पर चढ़ गई, उसके कंधों पर बैठ गई और घर वापसी पर एक सुखद पाद छोड़ दिया। नोप, जो देवी से कभी नहीं मिला था, ने कुछ नहीं किया। वह एनाबेथ के पैरों के पीछे छिप गया।
हेकेट को देखकर लग रहा था कि उसने हैलोवीन खूब मस्ती की है। उसके नारंगी गाउन पर कुछ लाल रंग के छींटे पड़े थे—शायद शराब, शायद खून, या शायद मैं जानना भी नहीं चाहती थी। उसके कंधों पर इंद्रधनुषी बर्फ की तरह रंगीन कागज बिखरे हुए थे। उसकी कलाई से एक भरा हुआ प्लास्टिक का जैक-ओ'-लैंटर्न बाल्टी लटक रही थी। जब वह हेकुबा को सहलाने के लिए झुकी, तो स्मार्टीज़ और रीज़ पीसेज़ बाहर गिर गए।
वह अपने तीन सिर वाले राक्षस रूप में भी धूम मचा रही थी, जिसमें कुछ भयानक बदलाव किए गए थे। किसी ने घोड़े के चेहरे पर इंद्रधनुषी टट्टू जैसा रंग कर दिया था। शेर के सिर पर किसी पुराने राजनेता का सस्ता सा मुखौटा लगा था... एक मिनट रुकिए। रिचर्ड निक्सन। वही आदमी। कुत्ते का सिर
उसने कोई वेशभूषा नहीं पहनी थी, लेकिन वह ऐसे मुस्कुरा रहा था, हांफ रहा था और लार टपका रहा था जैसे उसने अभी-अभी दस मील की दौड़ लगाई हो और उसे पानी के कटोरे की जरूरत हो।
गेल देवी की बांह से नीचे सरक कर कैंडी की बाल्टी में घुस गया, शायद मुर्गे के अवशेषों की तलाश में।

हेकेट सीधी खड़ी हो गई। उसने विशाल कमरे का चारों ओर से जायज़ा लिया, यह देखने के लिए कि कहीं कुछ असामान्य तो नहीं है। उसकी नज़र एनाबेथ के पीछे दुबके हुए नर्क के कुत्ते के बच्चे पर टिक गई। देवी की पैनी नज़र से कुछ भी नहीं बच सकता था।
“वह कौन है?” उसने पूछा।
“नहीं,” एनाबेथ ने कहा। “हमने उसे एक गली में लावारिस हालत में पाया था।” हेकुबा ने दयालुता दिखाते हुए उसे गोद ले लिया।
हेकेट के तीनों सिर एक साथ झुक गए। "हेकुबा... अच्छी थी?"
हेकुबा ने चुनौती भरे लहजे में भौंका।
“नहीं, बिलकुल नहीं,” हेकेट ने कहा। “मैं बस… हैरान हूँ। इधर आओ, नन्ही बच्ची।”
नोप ने सावधानी से अपने सुरक्षित स्थान से बाहर निकलकर देवी के पास धीरे- धीरे कदम बढ़ाया। हेकेट ने उसके कान के पीछे खुजली की, जिससे उसका डर मानो पिघल गया।
उसने अपना पैर पटका और खुशी-खुशी कालीन पर पेशाब कर दिया।
“नहीं!” वह चिल्लाया।
“कितना अच्छा लड़का है,” हेकेट ने कहा।
ग्रोवर ने गला साफ किया। "वो, उम, कहता है कि वो तुम्हें तीसरी माँ कहकर बुलाएगा।"
“आह!” हेकेट ने कहा। “वह ट्रिपल मॉम कहना चाह रहा है। कितना प्यारा है!” खैर, अगर हेकुबा ने तुम्हें गोद ले लिया है, तो मुझे तुम्हें परिवार में पाकर खुशी है।"
उसका रूप चमक उठा और वह अपने घर वाले रूप में आ गई: योग पैंट और टी-शर्ट पहने एक गंभीर चेहरे वाली, अधेड़ उम्र की महिला। वह कमरे में इधर-उधर घूमती रही, फर्नीचर पर अपनी उंगलियां फेरती रही। "तो, पर्सी जैक्सन, क्या तुम्हें कोई कठिनाई हुई?"
मैं इस बातचीत की तैयारी कर रहा था। लेकिन मैंने इसे तब करने की योजना बनाई थी जब मैं जागा हुआ था।
“ऐसा कुछ नहीं था जिसे हम संभाल न सकें,” मैंने कहना शुरू किया। “मैं बस पूछना चाहता था—”

“आहा!” हेकेट चिल्लाई, जिससे गेल जैक-ओ’-लैंटर्न से चौंककर बाहर आ गया। देवी ने सोफे के पीछे से एक प्लास्टिक का डिब्बा उठाया—
पार्टी में किसी की खाली सोडा की बोतल। नीचे बचे नारंगी रंग के अवशेष को देखकर मुझे लगा कि यह कॉनर स्टॉल की थी। उसे सनकिस्ट ज़ीरो शुगर सोडा बहुत पसंद था।
“यह क्या है?” हेकेट ने पूछा। “कचरा?”
उसकी आकृति बैंगनी आग की लपटों से चमक उठी। नोप सिसकते हुए हेकुबा के पीछे छिप गई। ग्रोवर चिल्लाया, "हम समझा सकते हैं!"
देवी हंस पड़ीं। आग बुझ गई। "मैं मजाक कर रही थी।"
वह शरारती मुस्कान के साथ बोली, “तुम्हारे कुछ दोस्त आए थे? मेरी इस सबसे पवित्र रात को मनाने के लिए इससे कम की उम्मीद तो मैं ही करती। चिंता मत करो।” बोतल उसकी उंगलियों में राख बन गई। “लेकिन सच में, प्लास्टिक के बर्तन धरती के लिए अच्छे नहीं होते। तुम्हें कांस्य या सिरेमिक के बर्तन इस्तेमाल करने चाहिए।”
“समझ गया।” मैंने कॉनर को उसकी पैंट पर लात मारने की कल्पना करके अपनी घबराहट को शांत किया।
"क्या मैं कर सकता था-?"
“मेरे पालतू जानवर खुश दिख रहे हैं,” हेकेट ने आगे कहा। “मकान अच्छी हालत में है। क्या आपको ईलों को खाना खिलाना याद था?”
मुझे पिछली रात जेनेट और लड़कों के मैकारेना नृत्य की याद आ गई। "बेशक," मैंने कहा। "ईल मछली स्वादिष्ट होती है। मैं—"
“तो मैं प्रसन्न हूँ!” हेकेट ने घोषणा की। “तुमने मेरी अनुशंसा पत्र प्राप्त कर ली है।”
वह मुझे बोलने का मौका नहीं दे रही थी। कलाई घुमाते ही उसके हाथ में एक कागज़ आ गया। “इसे लिखने में मुझे बहुत समय लगा। मुझे लगता है आपको यह बहुत पसंद आएगा।” उसने वह कागज़ मुझे थमा दिया।
इसे खोलने से पहले ही मुझे राहत मिली। अगर हेकेट ने कुछ लिखने का समय निकाला था, तो वह गैनीमेड से मिले पत्र से कहीं बेहतर था। उसने तो मुझे एक खाली कागज का टुकड़ा दिया था जिसे मुझे खुद भरना था।

मैंने वह पत्र खोला। वह लाल स्याही से, घुमावदार अक्षरों में लिखा था, जिससे मेरी डिस्लेक्सिया से पीड़ित आँखों के लिए उसे समझना लगभग असंभव था। लेकिन अंततः मैंने उसे समझ लिया:
उनके लिए जो इससे संबद्ध हो सकते हैं:
मैं कुछ चीजों के लिए पर्सी जैक्सन की सिफारिश करता हूं।
ईमानदारी से,
हेकेट, तीन रूपों की देवी, जादू-टोने की स्वामिनी, अंधकार की रानी, रहस्यों की रक्षक, भूतों और आत्माओं पर परम शक्ति, छायाओं की सर्वशक्तिमान संप्रभु। मैं यह तर्क दे सकता था कि हस्ताक्षर असल पत्र से भी लंबा था। या फिर इसका मतलब मृत्युदंड, यातना, या अतिरिक्त गृहकार्य हो सकता था।
इसके बजाय, मैंने कहा, "धन्यवाद, देवी हेकेट। लेकिन जाने से पहले—"
“ओह, हाँ, मुझे पता है,” उसने मुझे आश्वस्त किया। “चिंता मत करो! मैं भविष्य में पालतू जानवरों की देखभाल के लिए आपको ज़रूर बुलाऊँगी। अब, अगर और कुछ नहीं तो कम से कम इतना तो कर ही लो।”
… ”
मैंने हेकुबा और गेल की तरफ देखा, जो मुझे ऐसे घूर रहे थे मानो कह रहे हों, अरे यार, तुमने वादा तो किया था। ग्रोवर और एनाबेथ भी मेरे इशारे का इंतज़ार कर रहे थे। मुझे लगा कि अगर मैं शालीनता से पीछे हट जाऊं तो वे मुझे दोष नहीं देंगे।
फिर मुझे यह ख्याल आया कि हेकेट को पता हो या न हो, वह मुझे एक और चौराहे पर खड़ा कर रही थी—एक ऐसा प्रलोभन जो स्ट्रॉबेरी मिल्कशेक जितना ही खतरनाक था। सिफारिशी पत्र लेकर अभी चले जाना बहुत आसान होगा। यह सौ प्रतिशत सुरक्षित होगा। लेकिन यह गलत भी होगा।
मैंने कहा, "कुछ और भी है।"
हेकेट ने भौंहें चढ़ाईं। "ओह?"
मैंने कहा, "अब सब ठीक है, लेकिन यह सप्ताह ठीक नहीं था। हमें आपको सच बताना चाहिए।"
मैंने उसे पूरी कहानी सुनाई—स्ट्रॉबेरी के प्रलय से लेकर, नोप को ढूंढने तक, हेकुबा के छाया-जगत के भ्रमण तक, गेल की इत्र की दुकानों पर बंधुआ मजदूरी तक, और पीटर "विधर्मियों को जलाओ" स्टुवेसेंट के साथ हमारी हैलोवीन की शरारतों तक।

जब मैं बोल रहा था, हेकेट बिल्कुल स्थिर बैठी रही। जब मैंने बोलना समाप्त किया, तो उसने दोनों ओर ऐसे देखा मानो वह अपने जीवन के चौराहे पर खड़ी हो और पहली बार उसे यह पता न हो कि वह कहाँ है।
“यह तो”—उसने अपने शब्दों पर विचार करते हुए कहा—“एक अजीब कहानी है। मैंने तुम्हें मूर्ख नहीं समझा था, पर्सी जैक्सन। तुम यह बात क्यों कबूल कर रहे हो? मैं तुम्हें जलाकर राख क्यों न कर दूं?”
“आप कर सकते हैं,” मैंने सहमति जताई। “लेकिन सच्चाई यह है कि हमने हेकुबा और गेल की देखभाल नहीं की। उन्होंने हमारी देखभाल की। हेकुबा को और अधिक स्वतंत्रता चाहिए। उसे आपके भरोसे की ज़रूरत है। गेल को भी। उसे अपनी प्रयोगशाला में रसायन विद्या का अभ्यास करने की अनुमति मिलनी चाहिए।” गेल ने चीख मारी।
“ठीक है,” मैंने कहा। “सहायकों के साथ। विपरीत अंगूठे वाले।”
हेकेट के शरीर के चारों ओर बैंगनी लपटें फिर से झिलमिला उठीं। "तुम मुझसे कुछ माँगने की हिम्मत कैसे करते हो?"
एनाबेथ और ग्रोवर तनाव में आ गए। मुझे ऐसा लगा जैसे वे हेकेट के प्रकोप से मुझे बचाने के लिए मेरे सामने कूदने को तैयार थे। मैं ऐसा होने नहीं दे सकता था।
किसी तरह, मैंने देवी की निगाहें थाम लीं। मैंने अपने होश भी नहीं खोए। क्योंकि यही तो बहादुरी है।
मैंने कहा, “मैं आपको सबसे अच्छा रास्ता दिखाने की कोशिश कर रहा हूँ। चाहे आप इसे चुनें या नहीं…”
यह आप पर निर्भर करता है। लेकिन ग्रोवर का स्ट्रॉबेरी का पेय पीना और रोना...
हवेली—एक तरह से, यह सबसे अच्छी बात हुई है। मुझे लगता है, किसी न किसी स्तर पर, आप यही चाहते थे। हमें पालतू जानवर वापस मिल गए, लेकिन अब हम समझते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। हमने हवेली की मरम्मत करवाई, लेकिन इसकी नींव एक सदी से भी अधिक समय से दरारों से जूझ रही थी। हमारी वास्तुकार, एनाबेथ ने इसका पता लगा लिया।
आपको भूतों की समस्या है। पुराने पछतावे। पुरानी दुश्मनी। हमने यह कल रात देखा जब हम आपके बेटे पीट से मिले।

हेकेट ने अपनी आँखें बंद कर लीं। क्या उसकी नाक के किनारे से एक आंसू बह रहा था?
“पीटर… मेरी परवरिश का सबसे अच्छा प्रयास नहीं था।” उसका चेहरा फिर से सख्त हो गया। “लेकिन तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई यह अनुमान लगाने की—” “बस मेरी बात सुन लो,” मैंने विनती की। “हमने जो नुकसान किया है, उसे ठीक करना हमारा फर्ज था।”
लेकिन हवेली अभी भी जर्जर हालत में है। मुझे पता है कि आप इसे कैसे ठीक कर सकते हैं। इसे अपने और अपने परिवार के लायक बनाने के लिए... (पालतू जानवरों की ओर इशारा करते हुए) - "इसे एक अनुरोध समझें, मांग नहीं।"
हेकेट की ज्वलंत आभा मंद पड़ गई थी। उनकी आँखें मानो मेरी आत्मा में भेद रही थीं, यह जानने की कोशिश कर रही थीं कि मैं एक देवी से इस तरह बात करने की इतनी धृष्टता कैसे कर सकता हूँ। यह पहली बार नहीं था जब किसी देवता ने मुझे इस तरह देखा था।
अंत में, उसने एक कर्कश हंसी हंसी।
“तुमने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया, पर्सी जैक्सन,” उसने कहा। “ऐसा अक्सर नहीं होता।”
उसने नोप की ओर देखा, जो अभी भी अपनी कुतिया मां, हेकुबा के पीछे छिपा हुआ था।
“मुझे लगता है कि तुम मेरे परिवार में एक नया सदस्य लेकर आए हो,” देवी ने स्वीकार किया, “जिसका अर्थ है कि मुझे बदले में तुम्हें एक वरदान देना है। बोलो, और मैं तय करूँगी कि क्या मैं वह वरदान दे सकती हूँ, या फिर मुझे तुम सबको अपनी मछलियों को खिलाना पड़ेगा।”
मैंने हेकेट को अपना विचार बताया।

तीस-आठ
मैंने गलती से अपने मार्गदर्शक सलाहकार को द्रवीकृत कर दिया।
सोमवार की सुबह जब मैं यूडोरा के कार्यालय में दाखिल हुआ तो उसने कहा, "तुम जिंदा हो!"
आपको इतना आश्चर्यचकित होने की जरूरत नहीं है।
“नहीं, मैं नहीं—ठीक है, हाँ, मुझे आश्चर्य हुआ। आपने यह कैसे किया?”
मैं सिकी फ्रॉग के बगल में बैठ गया और यूडोरा को मृतकों के साथ हमारे हैलोवीन वॉकिंग टूर के बारे में बताया। उसके बालों से टपकते नमकीन पानी को देखकर लग रहा था कि इसके बारे में सुनकर ही यूडोरा घबरा गई थी।
“ये तो… डरावना है।” उसने सिर हिलाया। “और सिफारिश पत्र?”
मैंने उसे वह चर्मपत्र दिखाया। उसने उसे पढ़ने में काफी समय बिताया, शब्दों को बड़े प्यार से सहलाती रही, यहाँ तक कि मुझे यह संदेह होने लगा कि कहीं वह हेकेट द्वारा उसके उल्लेख का कोई संकेत तो नहीं खोज रही थी।

एनाबेथ, ग्रोवर और मैंने सप्ताहांत का बाकी समय हवेली में ही बिताया। एक तो इसलिए कि हेकेट चाहती थी कि हम वहीं रुकें ताकि वह हमारी योजना के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सके। और दूसरा, मुझे लगता है, इसलिए कि वह हमें बंधक बनाकर रखना चाहती थी, कहीं ऐसा न हो कि वह हमें ईलों को खिलाने का अपना इरादा बदल दे। साथ ही, इससे उसे कुछ अतिरिक्त दिनों के लिए मुफ्त में पालतू जानवरों की देखभाल करने का मौका भी मिल गया। लेकिन हमें इससे कोई आपत्ति नहीं थी। हेकुबा, गेल और नोप को घुमाना अब मेरे लिए एक सुखद अनुभव बन गया था, बशर्ते हेकुबा मुझे परछाईं की दुनिया में घसीटकर किसी भी डिपार्टमेंट स्टोर में न ले जाए।
हेकेट ने हमारे साथ बिताए समय के दौरान कई बार यूडोरा का ज़िक्र किया था। मैं अपने परामर्शदाता को यह नहीं बताना चाहता था कि उन बातचीत में कितने अपशब्दों का प्रयोग हुआ था, जब तक कि देवी आखिरकार शांत नहीं हो गईं। यूडोरा ने ऊपर देखा और संतुष्टि से आह भरी। "यह उसकी ही लिखावट है, बिल्कुल।"
ओह, पर्सी, क्या शानदार उपलब्धि है! यह तुम्हारे कॉलेज आवेदन के साथ बहुत अच्छा लगेगा। और अगर न्यू रोम में बात नहीं बनी, तो यह तुम्हें कई बेहतरीन तकनीकी स्कूलों में दाखिला दिला सकता है!
“उम… न्यू रोम ठीक रहेगा। मुझे बस एक और अक्षर चाहिए, है ना?”
“ज़रूर।” उसने लाल रंग की घुमावदार लिखावट पर अपनी उंगलियाँ फिराईं। मुझे चिंता होने लगी कि कहीं वह इस दस्तावेज़ को यादगार के तौर पर न रख ले, इसलिए मैंने सोचा कि मुझे भी इसे दे देना चाहिए।
मेरी दूसरी खबर भी ब्रेक करो।
मैंने कहा, “हेकेट ने मुझसे एक वरदान मांगा था। और मैंने उसे वसूल लिया।” यूडोरा की मोटी आंखों वाले चश्मे के पीछे उसकी आंखें चौड़ी हो गईं। "एक वरदान? अरे बाप रे! आपने क्या मांगा? क्या मैं उसे देख सकती हूँ? क्या यह उसके बालों की एक लट है? एक ऑटोग्राफ वाली तस्वीर?"
मैंने कहा, "और भी बेहतर! मैंने उसे अपना जादू का स्कूल फिर से खोलने के लिए मना लिया।"
यूडोरा पानी में विलीन हो गई।
यह कोई उपमा नहीं है। वह सचमुच अपने ऑफिस की कुर्सी के चारों ओर एक बड़े पोखर में घुल गई। मैं खड़ा रहा, इस चिंता में कि कहीं मैंने उसे मार तो

नहीं दिया। क्या मुझे पानी में कूदकर उसे बचाना चाहिए था? मैं कोई पंजीकृत लाइफगार्ड नहीं था। मेरा काम समुद्र था, न कि नीरीड्स को उनके ही पोखरों से बचाना।
“हेलो?” मैंने पुकारा। “क्या तुम नीचे ठीक हो?”
पानी में लहरें उठीं। उसमें बुलबुले उठे, फिर वह रिसकर एक बवंडर में बदल गया जो धीरे-धीरे ऊंचा होता गया, जब तक कि यूडोरा मेरे सामने खड़ी नहीं हो गई, पूरी तरह से पहले जैसी। मुझे आश्चर्य हुआ कि उसका शंख कैसे पिघल गया, और उसके चश्मे का क्या हुआ।
“मुझे विश्वास नहीं हो रहा,” वह सिसकते हुए बोली। “क्या आपने सचमुच—क्या मैंने आपको सही सुना?”
“हाँ। मैंने उसे एक और मौका देने के लिए मना लिया। जैसा कि आपने कहा, दुनिया में बहुत सारे प्रतिभाशाली छात्र हैं, और वे सभी कैंप में जाने के लायक नहीं हैं।”
एईयन जलपरियों के बारे में सोचकर मुझे सिहरन महसूस हुई, मैं निश्चित रूप से नहीं चाहूंगी कि वे फैंसी वॉटर की अपनी स्प्रे बोतलों के साथ हमारे अलाव के साथ गाने के कार्यक्रम में दिखाई दें।
मैंने कहा, “उन्हें स्कूल की ज़रूरत है। और हेकेट को भी स्कूल की ज़रूरत है। जब से उसने स्कूल बंद किया है, तब से पादरी का घर ठीक नहीं चल रहा है। इतना ही नहीं, हेकेट को भी मदद की ज़रूरत है। वह लोगों को सही राह दिखाने में माहिर है, लेकिन उन्हें सही रास्ते पर ले जाने में उतनी अच्छी नहीं है। उसे ऐसे किसी व्यक्ति की ज़रूरत है जो उसके छात्रों को सलाह दे सके, उनके फैसलों में मार्गदर्शन कर सके और पढ़ाई पूरी होने पर उन्हें आगे बढ़ने में मदद कर सके।”
“क्या इसका मतलब यह है कि…?” यूडोरा की आवाज एक सिसकी से ज्यादा कुछ नहीं थी।
“वह आपको फिर से प्रवेश निदेशक के रूप में नियुक्त कर रही हैं। पूर्णकालिक।” फिर मैंने झट से कहा, “लेकिन यह नियुक्ति तभी होगी जब आप इस सेमेस्टर में मेरी मदद करना समाप्त कर लेंगी।”
“ईप!” यूडोरा शिष्टाचार और व्यक्तिगत सीमाओं को भूल गई। वह डेस्क के चारों ओर घूमकर मुझे गले लगाने आई। उसने मुझे उठाया, घुमाया, फिर नीचे उतारा और खुशी से नाचने लगी। “धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद!”

आप!"
“कोई बात नहीं।” मैंने मुस्कुराते हुए कहा। “बिल्कुल ठीक है। बस, मुझे कॉलेज में दाखिला दिलाने में मेरी मदद करते रहिए, ठीक है?”
“ओह, मैं ज़रूर करूँगा! मैं तुम्हें सभी कॉलेजों में दाखिला दिला दूँगा!” "सिर्फ नया रोम ही बहुत अच्छा होगा।"
“यही तो नया रोम है! ओह! ओह!”
वह कमरे में इधर-उधर नाचने लगी, अपनी ऑफिस की कुर्सी को गले लगाया, और फिर सिकी फ्रॉग को गले लगाने की कोशिश की। ऐसा लग रहा था मानो वह मुझे पूरी तरह से भूल गई हो। कोई बात नहीं।
मुझे लगा कि मेरा काम वहां पूरा हो गया है, इसलिए मैं पहले पीरियड की ओर चल पड़ा, जहां मुझे संदेह था कि शिक्षक मुझे देखकर इतने खुश होंगे।
मैंने किसी तरह अपना दिन निकाल लिया, हालांकि मैं क्लास में एक बार सो गया था। ठीक है, तीन बार।
छुट्टी के बाद, मैं ग्रामर्सी पार्क की ओर वापस जाने लगा, यह सोचकर कि मुझे एक बदबूदार नेवले और दो शैतानी कुत्तों को टहलाना चाहिए जिन्हें सच में पेशाब करने की ज़रूरत होगी। मुझे थोड़ा दुख हुआ जब मुझे एहसास हुआ कि अब मुझे ऐसा नहीं करना पड़ेगा। अच्छी बात यह थी कि मैं घर जा सकता था... लेकिन पहले, मैं क्रैक्ड टीपॉट पर रुका।
मेरी माँ अपनी रोज़ वाली मेज के पास खड़ी अपनी पीठ सहला रही थी। वह अपने कंप्यूटर की स्क्रीन को ऐसे घूर रही थी मानो उससे उसे ठेस पहुंची हो। “क्या आपको लिखने में दिक्कत हो रही है?” मैंने पूछा।
“पर्सी!”
उसने मुझे कसकर गले लगाया, हालांकि उसने मुझे गोद में उठाकर घुमाया नहीं, क्योंकि यह उसके लिए, मेरे लिए और बच्चे के लिए अच्छा नहीं होता। ग्रोवर की मदद से, मैंने शनिवार सुबह हवा के ज़रिए उसे एक संदेश भेजा था, ताकि उसे पता चल जाए कि मैं ज़िंदा हूँ, लेकिन फिर भी, उससे आमने-सामने मिलना बहुत अच्छा लगा।
“राइटर ब्लॉक नहीं,” उसने कहा। “राइटर बैक की समस्या है।” उसने अपनी कमर के निचले हिस्से को रगड़ा। “हेकेट के साथ कैसा रहा? मुझे सब कुछ बताओ!” मैंने उसे सारी बात बताई और साथ ही एक और चाय का बर्तन मंगवाया और मैंने एक कुकी खाई। फिर से, मुझे लगा कि मैं भाग्यशाली हूँ कि मैं यहाँ हर दिन नहीं

लिखती, वरना मैं बहुत ज़्यादा चीनी खा लेती, जो सच कहूँ तो मैं फिर भी खा ही लेती थी।
जब मैंने अपनी कहानी खत्म की, तो मेरी माँ के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। "पर्सी, तुमने बहुत अच्छा काम किया है।"
"हाँ, ठीक है... अगर कभी जादू-टोना सीखने का तुम्हारा इरादा बदल जाए, तो मैं एक देवी को जानती हूँ।"
वह हंस पड़ी। “ऐसा होने की संभावना नहीं है। मैं अपने फैसलों से खुश हूं। लेकिन तुमने यूडोरा, हेकेट और जानवरों के लिए जो किया... तुमने उन्हें उस स्थिति से बेहतर स्थिति में छोड़ा है, जिस स्थिति में तुमने उन्हें पाया था। और वे ज़्यादा खुश हैं। यह बिल्कुल पर्सी जैसा काम है, और मुझे तुम पर गर्व है।”
मैं अपनी माँ की तारीफ से प्रभावित होने के लिए बहुत बड़ा और कूल था। मैं न तो शरमाया, न ही बेचैन हुआ, न ही कुछ और। मैंने कुछ कहने की कोशिश की, लेकिन मेरे पास कुछ था ही नहीं।
गले में एक गांठ सी आ गई। शायद बस एक कुकी का टुकड़ा ही होगा।
“तो क्या तुम आज रात घर आ रहे हो?” मेरी माँ ने पूछा।
“हाँ,” मैंने कहा। “क्या ग्रोवर और एनाबेथ को यहाँ बुलाना ठीक रहेगा? और शायद जुनिपर को भी? उसने पता लगाया है कि लॉन्ग आइलैंड रेल रोड पर पौधे मुफ्त में यात्रा करते हैं क्योंकि कोई उन पर ध्यान नहीं देता।” “बिल्कुल!” मेरी माँ ने कहा। “जूनिपर को देखे हुए बहुत समय हो गया है। लेकिन उनके आने से पहले तुम अपने कपड़े धो लेना।”
"अरे हां।"
इस साल मेरी माँ ने मेरे कपड़े धोना बंद कर दिया था। उन्होंने कहा कि मुझे खुद कपड़े धोने का अभ्यास करने की ज़रूरत है। अब तक तो मुझे कपड़ों का ढेर लगने देने का ही अभ्यास हो रहा था। शायद साथ ही साथ मुझे कपड़े धोने की टोकरी में नए जीव पनपने देने का भी अभ्यास हो रहा था।
“ज़रूर,” मैंने कहा।
“और मुझे लिविंग रूम को साफ-सुथरा करने में मदद चाहिए,” उसने आगे कहा। “और

— ”

“समझ गया,” मैंने कहा। “रोज़मर्रा के काम। मुझे नहीं लगता कि आप इन्हें करने के बदले मुझे कॉलेज के लिए सिफारिश पत्र लिखेंगे?”

“वे मेरी बात पर विश्वास नहीं करेंगे। मैं आपके बारे में बहुत पक्षपाती हूं कि आप कितने अद्भुत हैं।”
और जब तुम ये सारे काम कर लोगी तो और भी कमाल की लगोगी! अब मुझे ये अध्याय खत्म करना ही होगा, वरना मैं आज का वर्ड काउंट पूरा नहीं कर पाऊंगी। घर पर मिलते हैं?
मैं अपार्टमेंट की ओर वापस चल पड़ा, और कपड़े धोने और सफाई करने के बावजूद, मेरे चेहरे पर मुस्कान आ गई। कभी-कभी घर के काम इतने बुरे नहीं होते, खासकर जब इसका मतलब परिवार के साथ रात के खाने की तैयारी करना हो।

उनतीस
मुझे मेरी पसंदीदा मिठाई मिल जाती है
एनाबेथ मेरी मां, मेरे सौतेले पिता और मेरे साथ रात का खाना बनाने में मदद करने के लिए सुबह जल्दी आ गई।

ग्रोवर और जुनिपर लगभग एक घंटे बाद आए। ग्रोवर ने मेरी माँ के लिए गमले में लगा एक ऑर्किड लाया। जुनिपर एक अप्सरा होने के नाते जुनिपर का पौधा लाई— यानी उसके जीवन का एक हिस्सा। मुझे उम्मीद थी कि हम कहीं भ्रमित न हो जाएँ और गलती से जुनिपर को गमले में न लगा दें। नहीं तो उसे जैक्सन-ब्लोफिस अपार्टमेंट में रहना पड़ सकता था। अगर ऑर्किड का कोई नाम था, तो ग्रोवर ने उनका परिचय नहीं कराया।
मैंने पूरे हफ्ते अपने सौतेले पिता पॉल को नहीं देखा था, इसलिए उन्होंने मुझे अपने हाई स्कूल में चल रही सारी बातें बताईं—अपने सहकर्मियों और छात्रों के बारे में सारी मज़ेदार कहानियाँ सुनाईं। पॉल के परिवार में होने का मुझे बस एक ही अफ़सोस था कि मुझे कभी उनसे पढ़ने का मौका नहीं मिला। मुझे लगता है कि मुझे उनकी क्लास में मज़ा आता। उन्होंने अपने दोस्त मिस्टर बिगली (हाँ, असली नाम) के बारे में बताकर हम सबको खूब हंसाया, जो आवर्त सारणी पर अपनी पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन आधी ही कर पाए थे कि उन्हें एहसास हुआ कि वे बच्चों को ग्रैंड कैन्यन की अपनी पारिवारिक यात्रा की स्लाइडशो दिखा रहे थे।
“और मैंने सुना है कि आपने श्री ब्रूनर को देखा था,” पॉल ने आगे कहा। मैंने कहा, "आप उसे चिरोन कह सकते हैं। यहां सब लोग उसे ही जानते हैं।" “ओह, ठीक है।” पॉल ने शरमाते हुए मुस्कुराया। ग्रीक पौराणिक कथाओं की दुनिया में यह पता लगाना कभी-कभी मुश्किल होता था कि कौन किसके बारे में जानता है। “अच्छा हुआ कि उसने अल्टरनेटिव हाई स्कूल से पढ़ाई पूरी कर ली। अगले गुरुवार को जब मेरी जूरी ड्यूटी होगी, तो वह मेरी जगह क्लास लेगा।” मैंने कल्पना करने की कोशिश की कि चिरोन पॉल की कक्षा को पढ़ा रहा है। यह लगभग उतना ही अजीब था जितना पॉल को जूरी में देखना। अगर उसे जूरी में शामिल कर लिया जाता, तो पॉल शायद कुछ ही दिनों में पूरी जूरी से शेक्सपियर के नाटकों के दृश्य मंचित करवा देता।
चिरोन पॉल के छात्रों को तलवारबाजी का अभ्यास करवाता, जिससे पॉल को शायद कोई आपत्ति नहीं होती।
“जूनिपर, प्यारी,” मेरी माँ ने कहा, “क्या सलाद तुम्हारे लिए ठीक है? मैंने तो यह पूछना भी नहीं सोचा था कि अप्सराओं को क्या उचित लगता है।”

जुनिपर मुस्कुराई। “यह तो बहुत अच्छी बात है। मुझे सलाद से कोई दिक्कत नहीं है, सैली, लेकिन पूछने के लिए धन्यवाद। ड्रायड्स लगभग हर वो पोषक तत्व खा लेती हैं जो हम पचा सकते हैं।”
ये सवाल तो मेरी माँ ही पूछती थीं। मैंने तो कभी सोचा भी नहीं था कि अप्सराएँ भी खाती हैं। शायद मुझे थोड़ा और संवेदनशील होना चाहिए था। कैंप में लोग मुझसे पूछते थे कि क्या मैं समुद्री भोजन इसलिए नहीं खाता क्योंकि मैं पोसीडॉन का पुत्र हूँ और मछलियों से बात कर सकता हूँ। मैं हमेशा यही जवाब देता था कि नहीं, मैं मछली खाता हूँ। क्या तुमने कभी किसी अप्सरा से बात की है? वे ज़्यादा कुछ नहीं बोलतीं। बस यही पूछती हैं, क्या तुम भोजन हो? क्या मैं भोजन हूँ? इस सवाल का जवाब उन्हें खाकर ही मिल सकता है। ज़ाहिर है, मैं ऑक्टोपस, डॉल्फ़िन, शार्क और मंटा रे जैसी बुद्धिमान प्रजातियों का सेवन नहीं करता। यार, अगर तुम्हें कभी अपने फ़िज़िक्स के होमवर्क में मदद के लिए किसी जानवर की ज़रूरत पड़े, तो मंटा रे सच में जीनियस होती हैं।
ग्रोवर और जुनिपर ने मेज़ लगाई। आमतौर पर यह मेरा काम होता था, लेकिन उन्हें साथ में घरेलू काम करते देखना मज़ेदार था। क्या प्रकृति की आत्माओं को घरेलू कहा जा सकता है? खैर छोड़ो। वे प्यारे लग रहे थे, एक-दूसरे को कोहनी मार रहे थे, खिलखिला रहे थे और प्यार भरी निगाहों से एक-दूसरे को देख रहे थे।
एनाबेथ ने ओवन से कैसरोल निकाला और साथ ही पॉल से अपने नवीनतम आर्किटेक्चर असाइनमेंट के बारे में बातें कर रही थी। पॉल को उसका काम काफी दिलचस्प लग रहा था, हालांकि उसे डिज़ाइन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। मेरी माँ बस गुनगुनाती रहीं और मुस्कुराती रहीं, सकारात्मक ऊर्जा से घिरी होने से उन्हें खुशी मिल रही थी।
खाने की मेज पर पहुँचते ही हम सब खाने में जुट गए। ग्रोवर, एनाबेथ और मैंने हफ्ते भर की घटनाओं को एक-दूसरे को सुनाया, कोशिश कर रहे थे कि जो बातें बाद में मज़ेदार लगें, उन पर ध्यान दें, न कि उन बातों पर जिनसे हम बाल-बाल बचे थे। कभी-कभी इन दोनों को अलग करना मुश्किल हो जाता था, लेकिन जब मैंने हेकुबा के साथ लॉन्जरी डिपार्टमेंट में हुई अपनी उस अजीबोगरीब घटना के बारे में बताया, जिसे मैंने पहले नहीं बताया था, तो मेरी माँ हँसते-हँसते लोटपोट हो गईं।

"मुझे तुमसे कुछ सामान मंगवा लेना चाहिए था," उसने कहा।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "इसे और अजीब मत बनाओ।"
“और यह सिफारिश पत्र,” पॉल ने कहा। “क्या इसमें सचमुच यही लिखा है कि हेकेट ने आपको इन चीजों के लिए सिफारिश की है?”
"अच्छी तरह से हाँ।"
“तो इस बार हम तुम्हें अपना पत्र लिखने में मदद नहीं कर पाएंगे,” मेरी माँ ने कहा। “यह तो बहुत दुख की बात है।”
मैं सिहर उठा। मैं नहीं चाहता था कि मेरी सिफारिश के पत्र टीम द्वारा लिखे जाने की परंपरा बन जाए।
“जानवरों के साथ उसका व्यवहार अच्छा है,” ग्रोवर ने स्वेच्छा से बताया। “उसने काफी यात्रा की है,” एनाबेथ ने आगे कहा।
“टखने पर ब्रा पहनता है,” जुनिपर ने कहा, फिर भौंहें चढ़ाते हुए बोली, “माफ़ कीजिए। मुझे इंसानी चुटकुलों से परेशानी होती है। क्या यह कुछ ज़्यादा ही था?”
सब लोग हंस पड़े। मैं भी मुस्कुराया।
“ठीक है, हा हा,” मैंने कहा। “अगर मुझे कभी मेरा तीसरा पत्र मिलता है, तो हम उन्हें उसमें जोड़ सकते हैं।”
“ओह, तुम जरूर करोगी,” एनाबेथ ने कहा।
“हम आपकी मदद के लिए हमेशा मौजूद रहेंगे!” ग्रोवर ने वादा किया। “भले ही इसके लिए आप दोनों को बाद में कैलिफोर्निया जाना पड़े।”
“अरे, सुनो,” जुनिपर ने ग्रोवर की कलाई दबाते हुए कहा। “मैंने तुमसे कहा था, उस बारे में चिंता मत करो। क्योंकि तुम कहीं भी जाओ, तुम्हारी जड़ें वहीं होती हैं जहाँ तुम जमे हो। और ये रही वो जगह”—उसने मेज के चारों ओर इशारा करते हुए कहा—“ये पर्सी और एनाबेथ की जड़ें हैं।”
इससे हम रुक गए। कभी-कभी सबसे बड़ी सीख जुनिपर की झाड़ी से ही मिलती है। “बिल्कुल,” ग्रोवर ने कहा। “और मेरी प्रेमिका की जड़ें सचमुच यहीं हैं।” उसने उसके द्वारा लाई गई जुनिपर की टहनी को हल्का सा धक्का दिया।
हम सब हँसे, लेकिन जुनिपर सही थी। मेज के चारों ओर देखते हुए, मुझे एहसास हुआ कि मैं यहीं हूँ जहाँ मुझे होना चाहिए, और भले ही हम देश के दूसरे कोने में चले जाएँ, एनाबेथ और मेरा घर हमेशा यहीं रहेगा। हम कुछ भी पीछे नहीं छोड़ेंगे। हम बस अपनी शाखाएँ फैलाएँगे।

□□□□□ □□□, "□□□□□, □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□?"
“□□ □□□□ □□□□□?” □□□□□□ □□ □□□□ □□□□, □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□—□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□

*****□□□□□□ *****

sjeet

HALF BOY

HALF GOD

ALL HERO

HALF BOY ⚡ HALF GOD ⚡ ALL HERO
PERCY JACKSON
AND THE OLYMPIANS
THE LIGHTNING THIEF
THE EPIC ADVENTURE FROM GLOBAL BESTSELLER
RICK RIORDAN

HALF BOY ⚡ HALF GOD ⚡ ALL HERO
PERCY JACKSON
AND THE OLYMPIANS
THE SEA OF MONSTERS
THE EPIC ADVENTURE FROM GLOBAL BESTSELLER
RICK RIORDAN

HALF BOY ⚡ HALF GOD ⚡ ALL HERO
PERCY JACKSON
AND THE OLYMPIANS
THE TITAN'S CURSE
THE EPIC ADVENTURE FROM GLOBAL BESTSELLER
RICK RIORDAN

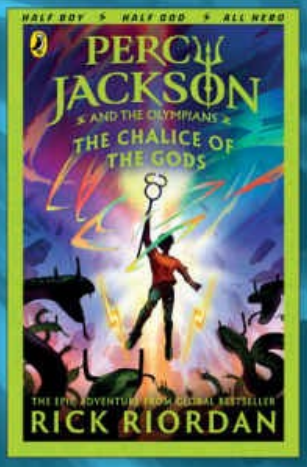

HAVE YOU READ THEM ALL?

ALSO AVAILABLE AS GRAPHIC NOVELS!

FROM THE WORLD OF PERCY JACKSON
THE
SUN
AND THE
STAR
A NICO DI ANGELO ADVENTURE
RICK
RIORDAN
MARK
OSHIRO
THE INTERNATIONAL BESTSELLER

□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□□!

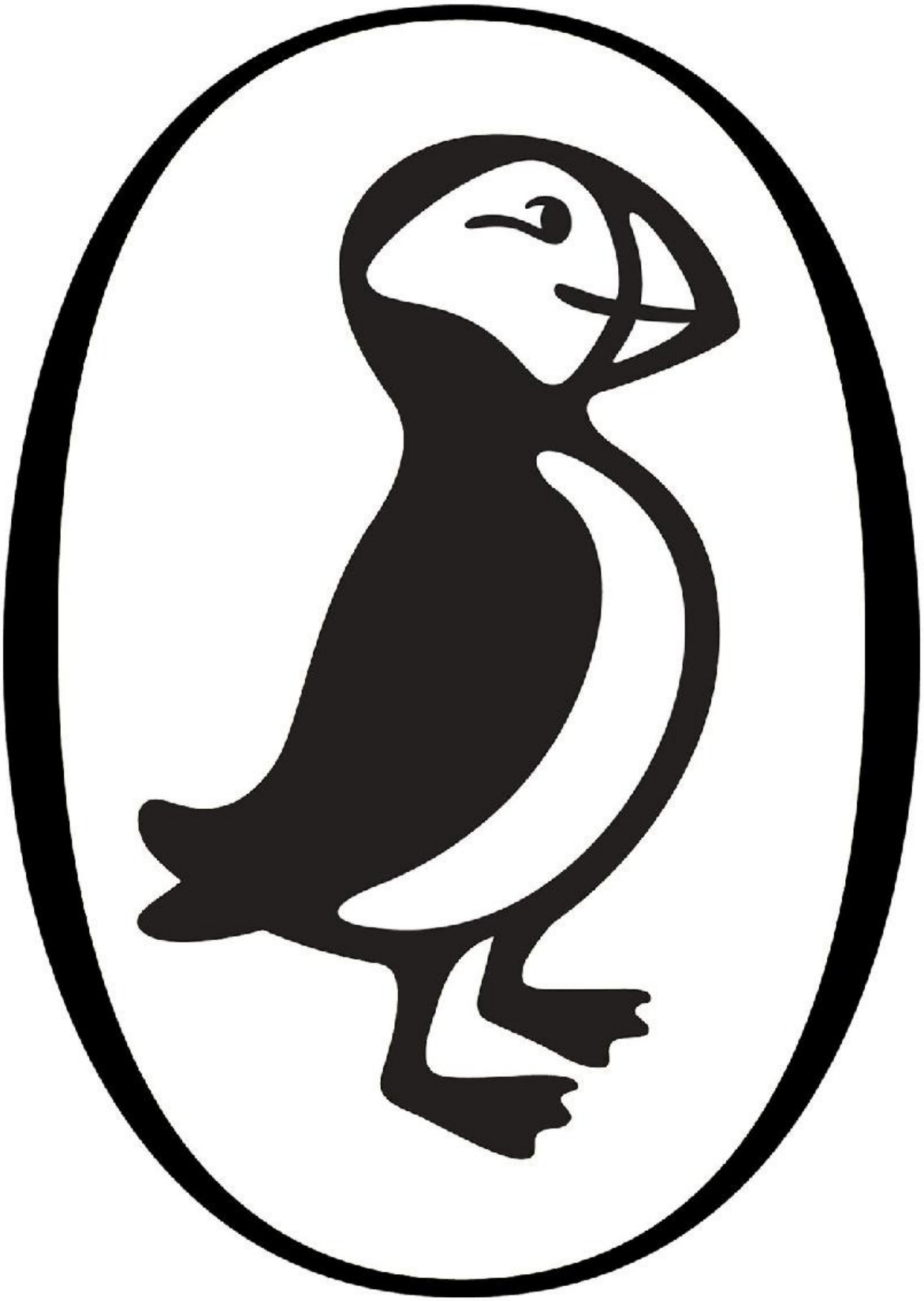

शुरुआत
रुको – तुम्हें नहीं लगा था कि बस इतना ही था, है ना?
पफिन के पास आपके लिए और भी बहुत सी कहानियां हैं जिन्हें आप खोज सकते हैं। puffin.co.uk पर अपने अगले रोमांच की खोज करें, साथ ही:
• आपके पसंदीदा किरदारों वाले क्विज़, गेम और ऐप्स
• वीडियो, पॉडकास्ट और ऑडियोबुक के अंश
• किसी और से पहले बिल्कुल नई किताबें देखने का मौका!
puffin.co.uk
सुनो! आप पफिन को PopJam पर भी पा सकते हैं।

पेंगुइन रैंडम हाउस चिल्ड्रन्स
यूके | यूएसए | कनाडा | आयरलैंड | ऑस्ट्रेलिया
भारत | न्यूजीलैंड | दक्षिण अफ्रीका
पफिन बुक्स, पेंगुइन रैंडम हाउस समूह की कंपनियों का हिस्सा है, जिनके पते global.penguinrandomhouse.com पर देखे जा सकते हैं। www.penguin.co.uk
www.puffin.co.uk
www.ladybird.co.uk
यह पुस्तक सर्वप्रथम अमेरिका में डिज्नी • हाइपेरियन (बुएना विस्टा बुक्स, इंक. का एक प्रकाशन) द्वारा और ग्रेट ब्रिटेन में पफिन बुक्स द्वारा 2024 में प्रकाशित हुई थी।
पाठ का कॉपीराइट © रिक रिओर्डन, 2024
लेखक के नैतिक अधिकार का दावा किया गया है। कवर चित्र खदीजा खातिब द्वारा बनाया गया है।
जोआन हिल द्वारा डिजाइन किया गया

ISBN: 978-0-241-69172-4
यह ईबुक कॉपीराइट सामग्री है और प्रकाशकों द्वारा लिखित रूप में विशेष अनुमति के अलावा, इसे खरीदने की शर्तों और नियमों के तहत अनुमति के अलावा, या लागू कॉपीराइट कानून द्वारा सख्ती से अनुमत होने के अलावा, इसकी प्रतिलिपि बनाना, पुनरुत्पादन करना, स्थानांतरण करना, वितरण करना, पट्टे पर देना, लाइसेंस देना, सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना या किसी भी तरह से इसका उपयोग करना प्रतिबंधित है। इस पाठ का कोई भी अनधिकृत वितरण या उपयोग लेखक और प्रकाशक के अधिकारों का प्रत्यक्ष उल्लंघन हो सकता है और इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति कानून के अनुसार उत्तरदायी हो सकते हैं।

दस्तावेज़ की रूपरेखा लेखक के बारे में उसी लेखक द्वारा शीर्षक पृष्ठ समर्पण 1 • प्रधानाचार्य के कार्यालय में मेरा एक हादसा हो गया 2 • ग्रोवर ने बहुत ज़्यादा कैफीन पी ली 3 • मेरी प्रेमिका मुझे कब्रिस्तान ले गई 4 • पता चला कि मेरा स्वाद सैल्मन जैसा है 5 • हम वर्जित आइसक्रीम की प्रयोगशाला में प्रवेश करते हैं 6 • कच्चे चिकन के शव और उन्हें कहाँ ढूँढना है 7 • मैं डॉग-स्कीइंग करने जाता हूँ 8 • अंदाज़ा लगाओ क्या हुआ? वीज़ल बट 9 • सर्वनाश की गंध स्ट्रॉबेरी जैसी है 10 • मुझे ना मिली 11 • हमारे पास अतिरिक्त आँसुओं वाला पिज़्ज़ा है 12 • मुझे एक पुराने दोस्त ने सबक सिखाया 13 • मुझे अतिरिक्त समय और कैंडी कॉर्न मिला 14 • हमें कुछ मरे हुए लोग मिले 15 • मैं कुत्ते की कूटनीति में असफल रहा 16 • हेलहाउंड्स! डिस्को में 17 • ग्रोवर को सज़ा मिली 18 • मुझे परेशानी की गंध आ रही है™, पुरुषों के लिए एक नई खुशबू 19 • उफ़! … मैंने तुम्हें फिर से मार डाला 20
• हम खतरनाक रूप से दिखावटी हो जाते हैं 21 • ग्रोवर पाँच खुरों वाली समीक्षा छोड़ता है 22 • एनाबेथ प्रबंधक से मिलने के लिए कहती है 23 • हमें दुष्ट इत्र का अड्डा मिल जाता है 24 • हमारा एक अच्छा, व्यवस्थित मुक्त-युद्ध होता है 25 • जानवर की सांस के उदासी का कोई इलाज नहीं है 26 • ठीक है, शायद कोई इलाज हो, लेकिन तुम्हें यह पसंद नहीं आएगा 27 • हम टूथपेस्ट खाते हैं 28 • मैं एक बुरी योजना बनाता हूँ 29 • मुझे सारी कैंडी मिल जाती है 30 • हम लड़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं 31 • हमें कुछ अलग मरे हुए लोग मिलते हैं 32 • मशाल सौंपना बहुत अच्छा काम करता है 33 • हम एक पुराने जमाने की चुड़ैल को जलाते हैं। (ये हम हैं। हम चुड़ैलें हैं।) 34 • हम हेकेट और मरी हुई मछलियों के लिए लड़ते हैं 35 • मैं अपनी ही मूर्खता से बच जाती हूँ 36 • मैं उत्सव में नहीं जाती 37 • मैं बैंगनी आग से खेलती हूँ 38
• मैं गलती से अपने मार्गदर्शक काउंसलर को पिघला देती हूँ 39 • मुझे मेरी पसंदीदा मिठाई मिल जाती है कॉपीराइट